राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 292

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, रविवार, 31 मार्च, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

भाजपा घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष बनाए गए राजनाथ सिंह

>> 4

रविवार विशेष

लोकतंत्र के महापर्व में सहभागिता का उल्लास

● पेज-7

संपादकीय

लाइलाज होता राजनीतिक भ्रष्टाचार: अपने देश में राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ जैसी चेतना विकसित होनी चाहिए, वैसी औसत भारतीयों में कम ही दिखती है। **संजय गुप्त** का आलेख।

वोट दो और आकर्षक वादा लो: हमारी पार्टी का नारा होगा, हम उचित दाम पर बिकने को तैयार हैं और खरीदने को भी। **सूर्यकुमार पांडेय** का व्यंग्य। ● पेज-8

विमर्श

अकादमिक बौद्धिक वर्ग पर उठते प्रश्न: राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के अपने आरंभिक चरण में है। ऐसे में संबंधित संस्थानों को हिंदी में विभिन्न विषयों पर लिखी गई मौलिक पुस्तकों की तलाश करने एवं उन्हें अद्यतन करवाकर फिर से प्रकाशित करने का सुझाव दे रहे हैं, **अनंत विजय**। ● पेज-9

आइपीएल

आज का मैच

गुजरात टाइटंस vs सनराइजर्स हैदराबाद

दोपहर 3:30 बजे | स्थान: अहमदाबाद

दिल्ली कैपिटल्स vs चेन्नई सुपरकिंग्स

शाम 7:30 बजे | विशाखापत्तनम

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स/जियो सिनेमा

सप्ताह का साक्षात्कार

ईवीएम में गड़बड़ी की गुंजाइश होती तो कांग्रेस कभी सत्ता से बाहर नहीं होती : कुरैशी

गुरुग्राम: चुनावों में इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उठ रहे सवालों पर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डा. एसवाई कुरैशी का कहना है कि कांग्रेस के शासन में ईवीएम का इस्तेमाल शुरू हुआ। यदि गड़बड़ी की गुंजाइश होती तो फिर कांग्रेस सत्ता से बाहर कैसे हो गई? वहीं, अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डीप फेक के रूप में नई चुनौतियां भी सामने हैं। इनका भी समाधान ढूंढना होगा। इन्हीं सब मुद्दों पर दैनिक जागरण, गुरुग्राम के मुख्य संवाददाता आदित्य राज ने डा. कुरैशी से विस्तार से बातचीत की है। ● पेज-13

महासमर 2024

राजा-रानियों की कर्मभूमि में कंगना की परीक्षा पेज>>3

दक्षिण में कांग्रेस की उम्मीदों को मिला नया आधार पेज>>3

महागठबंधन में हुआ समझौता तो दिखी बिहार के रण की झलक पेज>>3

पंजाबी गायक हंसराज हंस को फरीदकोट से टिकट पेज>>4

बसपा प्रत्याशी ने कांग्रेस विधायक पत्नी को कहा, चुनाव तक मेरे घर में मत रहो पेज>>4

12 दिन बाद राजग में लौट आए पारस, सभी 40 सीटों पर जीत के लिए वोट मांगेंगे पेज>>5

नरसिंह राव, चौधरी चरण सिंह, कर्पूरी ठाकुर, स्वामीनाथन भारत रत्न से सम्मानित

● राष्ट्रपति मुर्मु ने इन विभूतियों को मरणोपरांत प्रदान किया सर्वोच्च नागरिक सम्मान

● आडवाणी को भारत रत्न सम्मान देने आज उनके घर जा सकती हैं राष्ट्रपति

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में दो पूर्व प्रधानमंत्रियों नरसिंह राव और चौधरी चरण सिंह, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और प्रख्यात कृषि विज्ञानी एमएस स्वामीनाथन को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया। इन विभूतियों की तरफ से उनके स्वजन ने राष्ट्रपति से यह सम्मान प्राप्त किया।

सरकार ने पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भी भारत रत्न देने की घोषणा की है। सूत्रों के अनुसार आडवाणी को भारत रत्न सम्मान देने के लिए राष्ट्रपति रविवार को उनके घर जा सकती हैं। आडवाणी के खराब स्वास्थ्य को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। सरकार ने इस साल पांच हस्तियों को भारत रत्न से सम्मानित करने का फैसला किया है।

नरसिंह राव ने किया आर्थिक सुधारों का नेतृत्व : राष्ट्रपति भवन की ओर से एक्स पर पोस्ट किया गया, भारत के नौवें प्रधानमंत्री के रूप में पीवी नरसिंह राव ने दूरगामी आर्थिक सुधारों का नेतृत्व किया। उन्होंने युवा अवस्था में देश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था। निजाम शासित हैदराबाद में कुशासन और उत्पीड़न के खिलाफ भी आवाज उठाई थी। राव की ओर से उनके बेटे पीवी प्रभाकर राव ने राष्ट्रपति से भारत रत्न ग्रहण किया।

नरसिंह राव 1991 से 1996 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने उस समय देश का नेतृत्व किया जब देश आर्थिक झंझावातों से जूझ रहा था। 28 जून, 1921 को करीमनगर में जन्मे राव कई अहम विभागों के भी मंत्री रहे थे। 23 दिसंबर 2004 को उनका निधन हो गया।

नई दिल्ली में शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव को (मरणोपरांत) भारत रत्न उनके पुत्र पीवी प्रभाकर राव, हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन को (मरणोपरांत) भारत रत्न उनकी पुत्री नित्या राव, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को (मरणोपरांत) भारत रत्न उनके पुत्र रामनाथ ठाकुर तथा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को (मरणोपरांत) भारत रत्न उनके पौत्र जयन्त चौधरी को प्रदान किया। प्रेट्र/एएनआइ

चौधरी चरण सिंह ने आजीवन किसानों के हित में उठाई आवाज

राष्ट्रपति भवन ने एक अन्य पोस्ट में कहा, चौधरी चरण सिंह देशभक्त थे। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वह कई बार जेल गए। जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार में उनके योगदान और ग्रामीण और कृषि अर्थव्यवस्था की उनकी गहरी समझ को याद किया जाता है। आजीवन किसानों के हितों की आवाज उठाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की ओर से उनके पौत्र जयन्त चौधरी ने भारत रत्न प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में 23 दिसंबर, 1902 को मध्यवर्गीय जाट परिवार में जन्मे चरण सिंह 28 जुलाई, 1979 से 14 जनवरी, 1980 के बीच देश के प्रधानमंत्री रहे। उनकी मृत्यु 1987 में हुई।

वंचितों के मसीहा थे 'जननायक' कर्पूरी ठाकुर

राष्ट्रपति भवन ने कहा, कर्पूरी ठाकुर स्वतंत्रता सेनानी और समावेशी विकास के समर्थक थे। उन्हें उनकी सादगी के लिए याद किया जाता है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की ओर से उनके पुत्र रामनाथ ठाकुर ने राष्ट्रपति से भारत रत्न प्राप्त किया। कर्पूरी ठाकुर ने आजीवन वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया। 1970-79 के बीच बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके कर्पूरी ठाकुर का जन्म समस्तीपुर जिले के पितौंझिया गांव में नाई समाज में 24 जनवरी 1924 को हुआ था। 1952 में पहली बार विधायक चुने जाने के बाद आजीवन वह किसी न किसी सदन के सदस्य रहे। राजनीति में ईमानदारी, सज्जनता एवं लोकप्रियता ने कर्पूरी को जननायक बना दिया। मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल को मुंगेरी लाल आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन के लिए याद किया जाता है, जिसके तहत राज्य में पिछड़े वर्गों के लिए कोटा लागू किया गया था। कर्पूरी का निधन 17 फरवरी 1988 को हुआ था।

भारत की हरित क्रांति के जनक के रूप में जाने जाते हैं स्वामीनाथन पेज>>6

दिल्ली की आप सरकार को दोहरा झटका

आबकारी घोटाले में परिवहन मंत्री गहलोत से ईडी ने की पांच घंटे पूछताछ

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- गहलोत पर आबकारी नीति का ड्राफ्ट तैयार करने का आरोप
- इसी मामले में केजरीवाल समेत कई अन्य भी हैं गिरफ्तार

आबकारी नीति घोटाले मामले में ईडी ने अपने मुख्यालय में शनिवार को दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत से पांच घंटे तक पूछताछ की। ईडी ने कुछ दिन पहले गहलोत को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा था। नजफगढ़ से आम आदमी पार्टी के विधायक गहलोत दिल्ली सरकार में परिवहन, गृह और कानून मंत्री हैं। आबकारी नीति घोटाले मामले में ईडी ने हाल ही में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया है। गहलोत तय समय पर सुबह 11.30 बजे ईडी मुख्यालय पहुंच गए थे। सूत्रों के मुताबिक उनसे 50 से अधिक सवाल पूछे गए। उन्हें कुछ दस्तावेज मुहैया कराने को कहा गया है। गहलोत पांच घंटे पूछताछ के बाद ईडी मुख्यालय से बाहर निकले। मीडिया से कहा, मुझसे जो भी सवाल पूछे गए, मैंने उन सभी के जवाब दिए। आबकारी घोटाले पर कहा कि कोई 'घोटाला' नहीं हुआ है और यह समय के साथ स्पष्ट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि गोवा में पार्टी की गतिविधियों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। न ही यह पता है कि वहां कौन प्रभारी था। मैं कभी भी गोवा चुनाव अभियान का हिस्सा नहीं रहा और जो कुछ हुआ उससे मैं अनजान हूं।

आबकारी नीति घोटाले से संबंधित मनी लांड्रिंग प्रकरण में शनिवार को नई दिल्ली में ईडी के समक्ष पेश होने पहुंचे दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत। वीडियोग्रैब/प्रेट्र >>

गहलोत की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

आबकारी नीति घोटाले में नाम आने से अब गहलोत की भी मुश्किलें बढ़ सकती है। 2021-2022 में जब नई आबकारी नीति बनी थी तब गहलोत, तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और तत्कालीन शहरी विकास मंत्री सत्येंद्र जैन के साथ मंत्रियों के समूह (जीओएम) का हिस्सा थे। ईडी ने आरोप लगाया है कि आबकारी नीति 'साउथ ग्रुप' शराब लाबी को लीक की गई थी जिसमें भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी की नेता के. कविता भी शामिल थीं। एजेंसी के मुताबिक, इस समूह पर आप और उसके नेताओं को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत देने का आरोप है।

मोबाइल सेट का आइएमईआइ नंबर तीन बार बदला

ईडी ने आरोपपत्र में कहा है कि कैलाश गहलोत ने सिम नंबर तो एक ही रखा, लेकिन उनके मोबाइल सेट का आइएमईआइ (अंतरराष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान) नंबर तीन बार बदला गया। आइएमईआइ नंबर का उपयोग नेटवर्क कंपनियां फोन के चोरी या खोने की स्थिति में ट्रैक करने के लिए करती हैं।

2021-22 का है मामला

यह मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति को तैयार करने और क्रियान्वित करने में कथित भ्रष्टाचार और मनी लांड्रिंग से संबंधित है, जिसे बाद में रद कर दिया गया। एलजी वीके सक्सेना ने मामले में सीबीआइ जांच की सिफारिश की थी। उसके बाद ईडी ने भी पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया।

खुद नहीं रहते सरकारी आवास में पेज>>2

दिल्ली जल बोर्ड घोटाले का पैसा आप के चुनावी फंड में दिया गया : ईडी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- एजेंसी ने पीएमएलए की विशेष अदालत में दायर किया आरोपपत्र

ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में अनियमितताओं से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में शनिवार को अदालत में आरोपपत्र दायर कर दिया। करीब आठ हजार पेज का यह आरोपपत्र मनी लांड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में दायर किया गया। ईडी ने आरोपितों पर पीएमएलए के तहत मुकदमा चलाने की इजाजत मांगी है। अदालत ने आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के लिए एक अप्रैल की तारीख तय की है। ईडी ने आरोप लगाया है कि जल बोर्ड द्वारा जारी एक अनुबंध में भ्रष्टाचार से मिला पैसा आम आदमी पार्टी को चुनावी फंड के रूप में दिया गया था।

आरोपपत्र में चार व्यक्तियों और एक कंपनी को आरोपित बनाया गया है। इनमें डीजेबी के पूर्व मुख्य अभियंता जगदीश कुमार अरोड़ा, ठेकेदार अनिल कुमार अग्रवाल, एनबीसीसी के पूर्व महाप्रबंधक डीके मित्तल, तेजिंदर सिंह और एनकेजी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड शामिल हैं। ईडी ने मामले में पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी बुलाया था, लेकिन वह पेश नहीं हुए। इससे पहले ईडी ने फरवरी में जांच के तहत केजरीवाल के निजी सहायक विभव कुमार, आप के राज्यसभा सदस्य और कोषाध्यक्ष एनडी गुप्ता, पूर्व डीजेबी सदस्य शलभ कुमार, चार्टर्ड अकाउंटेंट पंकज मंगल और कुछ अन्य के परिसरों पर छापेमारी की थी।

मामले में चार व्यक्तियों और एक कंपनी को बनाया गया है आरोपित

ईडी के मामले का आधार सीबीआइ द्वारा दर्ज एफआइआर है। इसमें अरोड़ा पर एनकेजी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को 38 करोड़ रुपये का अनुबंध देने का आरोप लगाया गया है। कंपनी तकनीकी पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती थी। इसके बावजूद उसे अनुबंध दिया गया। ईडी ने मामले में अरोड़ा और अग्रवाल को 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था।

एनकेजी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जाली दस्तावेज से अनुबंध हासिल करने का आरोप पेज>>2

विपक्षी आइएनडीआइए की दिल्ली में मेगा रैली आज

नई दिल्ली: विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए की अगुआई कर रही कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को हो रही विपक्ष की संयुक्त मेगा रैली देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है न कि किसी व्यक्ति विशेष को बचाने की। रोजगार और महंगाई पर भी विपक्ष भाजपा सरकार को घेरेगा। (पेज-2)

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पांच के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल

रांची: ईडी ने शनिवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पांच के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल कर दी। चार्जशीट में ईडी ने बताया है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत ने अपने पावर का गलत इस्तेमाल किया और साक्ष्य को नष्ट करने का प्रयास भी किया। 8.5 एकड़ जमीन की अवैध खरीद-बिक्री मामले में 31 जनवरी को सोरेन को गिरफ्तार किया था। (पेज-6)

मुख्तार का शव गाजीपुर में सिपुर्द-ए-खाक

गाजीपुर (उप्र): माफिया मुख्तार अंसारी शनिवार सुबह गाजीपुर स्थित अंसारी परिवार के पुश्तैनी कब्रिस्तान कालीबाग में सिपुर्द-ए-खाक किया गया। सीमित लोगों को ही कब्रिस्तान में जाने देने की बात पर सांसद अफजाल अंसारी गाजीपुर की डीएम आर्यका अखौरी से उलझे तो वह भी कानून-व्यवस्था व आदर्श आचार संहिता का हवाला देकर सख्त हो गईं। (पेज-7)

626 करोड़ नकद लेने से खत्म हुई कांग्रेस की कर छूट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- मेघा इंजीनियरिंग और कमल नाथ से कांग्रेस ने नकद में लिया था पैसा
- 2019 में मारे गए छापे में मिली थी नकद भुगतान किए जाने की रसीद

मेघा इंजीनियरिंग और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ से 626 करोड़ रुपये नकद लेने के कारण राजनीतिक दलों को आयकर से मिलने वाली छूट कांग्रेस को नहीं मिली। आयकर विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों ने दावा किया कि मेघा इंजीनियरिंग और कमल नाथ के ठिकानों पर मारे गए छापे में कांग्रेस को 2013-14 से अप्रैल 2019 तक कुल 626 करोड़ रुपये नकद दिए जाने की रसीद मिली। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, अप्रैल 2019 में दोनों जगहों पर छापेमारी की गई थी। दस्तावेज की जांच, वाट्सएप मैसेज और संबंधित लोगों के बयानों के बाद ही आयकर विभाग ने आयकर की धारा 13ए के तहत मिलने वाली छूट निरस्त कर कांग्रेस की पूरी आय पर कर लगाने का फैसला किया। चुनाव के ठीक पहले कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 31 मार्च के पहले ऐसा करना कानूनन जरूरी है।

अधिकारियों के अनुसार 2013-14 से लेकर 2020-21 के बीच सात वर्षों के कांग्रेस के आयकर की फिर से विवेचना की गई और सारे दस्तावेज पार्टी को उपलब्ध भी करा दिए गए। इस मामले में आयकर विभाग ने 33 महीने पहले ही कांग्रेस को आयकर की छूट समाप्त कर दिए जाने और उसके अनुरूप बनने वाला टैक्स जमा करने का निर्देश दिया था।

'आयकर विभाग की कार्रवाई पूरी तरह से कानून सम्मत' पेज>>5

आयकर कानून की धारा 13ए में क्या है प्रविधान

आयकर कानून की धारा 13ए में राजनीतिक दलों को मिले चंदे को आयकर से छूट देने का प्रविधान है। लेकिन इसकी कई शर्तें हैं। किसी भी शर्त का उल्लंघन करने पर यह छूट नहीं मिलती है और आय पर कर अदा करना होता है। इन्हीं शर्तों में एक शर्त है कि दल 2000 रुपये से अधिक रकम वाले सभी चंदों का विवरण देंगे। कांग्रेस ने मेघा इंजीनियरिंग और कमल नाथ से मिले 626 करोड़ रुपये की जानकारी आयकर विभाग और चुनाव आयोग को नहीं दी। इसी कारण विभाग ने 13ए की छूट निरस्त करने का फैसला किया।

दिल्ली में सोना हुआ 70 हजार रुपये के पार

नई दिल्ली: शनिवार को दिल्ली के बाजार में 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 70,285 रुपये (जीएसटी के साथ) के नए उच्चतम स्तर पर बिका। बाजार के जानकार, आने वाले कुछ दिनों में इसमें और तेजी तथा इसके 75 हजार रुपये तक का आंकड़ा छूने की आशंका जता रहे हैं, जिसके बाद इसमें गिरावट आने की उम्मीद है। (पेज-2)

न्यूजक्लिक के प्रधान संपादक पर यूएपीए के तहत आरोपपत्र दायर

नई दिल्ली: समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के संस्थापक व प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शनिवार को यूएपीए के तहत आरोपपत्र दायर कर दिया है। प्रबीर पर चीनी कंपनियों से रुपये लेकर भारत सरकार के विरुद्ध खबरें चलाने के आरोप हैं। करीब 8000 पेज के दस्तावेज में एक हजार पेज का आरोपपत्र है। (पेज-6)

ईरानी जहाज के नौ अपहर्ताओं को दंडित करेगा भारत

समुद्री लुटेरों के चंगुल से छूटने के बाद पाकिस्तानी नागरिकों ने भारत एवं भारतीय नौसेना का जयघोष किया। वीडियोग्रैब/एएनआइ

- समुद्री लुटेरों से मुक्त पाकिस्तानियों ने की भारत की जय-जयकार

12 घंटों की कार्रवाई में नौसेना ने जहाज कराया था मुक्त

नई दिल्ली, प्रेट्र : अरब सागर में ईरानी जहाज अल-कंबर का अपहरण करने वाले नौ समुद्री लुटेरों को भारत लाकर उन पर मुकदमा चलाकर दंडित किया जाएगा। इससे पहले जहाज से मुक्त कराए गए 23 पाकिस्तानी कर्मियों और नौ समुद्री लुटेरों का मेडिकल परीक्षण कराया गया। इस परीक्षण के बाद ईरानी जहाज गंतव्य के लिए रवाना हो गया है।

अरब सागर में यमन के सोकोत्रा द्वीप के नजदीक समुद्री लुटेरों ने गुरुवार को ईरान के मछली पकड़ने वाले जहाज पर कब्जा कर लिया था और वे उसे अज्ञात स्थान पर ले जा रहे थे। अपहृत जहाज द्वारा भेजा गया आपात संदेश प्राप्त होने पर शुक्रवार को भारतीय नौसेना ने क्षेत्र में मौजूद दो युद्धपोतों-आइएनएस सुमेधा और आइएनएस त्रिशूल को कार्रवाई के लिए रवाना किया। दोनों युद्धपोतों ने कुछ ही घंटों में अपहृत जहाज का रास्ता रोक लिया और देर रात कमांडो कार्रवाई में अपहर्ता दस्युओं को आत्मसमर्पण के लिए विवश कर दिया। 24 घंटे से ज्यादा समय बाद समुद्री लुटेरों के आतंक से मुक्त हुए पाकिस्तानी नागरिकों ने राहत की सांस ली और उन्होंने भारत और भारतीय नौसेना की जय-जयकार की। जहाज और उसमें कार्यरत 23 पाकिस्तानी नागरिक कई घंटे तक भारतीय नौसेना की सुरक्षा में रहे। अब ईरानी जहाज को निर्धारित समुद्री मार्ग पर रवाना कर दिया गया है।

नौ अपहर्ताओं को भारत लाकर उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इन लुटेरों पर भारतीय कानून के तहत कार्रवाई होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पकड़े गए लुटेरे सोमालियाई मूल के हैं। लाल सागर में यमन के हाउती विद्रोहियों के मालवाहक जहाजों पर हमलों के मद्देनजर भारतीय नौसेना ने उसके आसपास के समुद्री क्षेत्र में युद्धपोतों की तैनाती कर रखी है। पिछले हफ्तों में नौसेना ने कई विदेशी जहाजों को हमलों से बचाया है। बीते कुछ हफ्तों में पाकिस्तानी नागरिकों को दूसरी बार सुरक्षित बचाया गया है। भारतीय नौसेना ने कहा है कि समुद्री आवागमन को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाए रखने के लिए वह दृढ़ संकल्पित है।

कूटनीति

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत विरोधी सवाल पूछने वाले बांग्लादेशी पत्रकार की भूमिका संदेहास्पद, केजरीवाल और कांग्रेस से जुड़े आयकर मामलों में पूछे गए थे प्रश्न

भारत के अंदरूनी मामलों पर विदेशी बयान के पीछे साजिश की बू

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

हाल ही में भारतीय संस्थाओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर एक के बाद एक जर्मनी, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र द्वारा की गई टिप्पणियों को भारत एक सामान्य प्रक्रिया के तौर-तरीके पर नहीं ले रहा है। यूं तो इन देशों में पहले ही कुछ धड़ा भारत विरोधी रहा है। नया पहलू यह है कि कुछ लोग जानबूझकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऐसे सवाल करते हैं, जिससे भारत की व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा किया जा सके। प्रकरण पर विदेश मंत्रालय का मानना है कि समय-समय पर भारत को कभी मानवाधिकार, कभी लोकतांत्रिक व्यवस्था तो कभी आर्थिक सुधार के मुद्दे पर घेरने वाली शक्तियां ही इसका भी हिस्सा हैं। रोचक यह है कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी या मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के बैंक खातों को आयकर विभाग द्वारा जब्त करने के सवाल वाशिंगटन में रहने वाले बांग्लादेशी पत्रकार मुश्फिकुल फजल ने पूछे थे।

खास बात यह है कि सवाल के जवाब में ही सही लेकिन भारत के अंदरूनी मामलों पर टिप्पणी के लिए भारत ने अमेरिका और जर्मनी दोनों को अपनी नाराजगी जताई थी। दोनों भारत के करीबी रणनीतिक साझेदार हैं, जिनसे द्विपक्षीय रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। फिर भी भारत ने इन्हें सख्त संदेश देने में कोई कोताही नहीं की है।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि जर्मनी और अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ताओं ने जो प्रतिक्रिया दी थी, वह एक प्रश्न के उत्तर में थी। इसके बावजूद जिस तरह से भारत की न्यायिक प्रणाली पर संदेह जताया गया, उसको काफी गंभीरता से लिया गया है। उसमें भारत को बदनाम करने की साजिश देखी जा रही है। अगर भारत की कूटनीति के संदर्भ में यह बात कही गई होती तो विदेश मंत्रालय भी एक प्रतिक्रिया जता कर मामले को रफा-दफा कर देता। लेकिन न्यायिक प्रणाली पर सवाल उठाने या लोकतांत्रिक प्रक्रिया को निशाना बनाने पर मामला गंभीर हो जाता है।

कई देशों की तरफ से एक ही सवाल उठाने के पीछे कोई साजिश तो नहीं इसके जवाब में विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि कुछ शक्तियां भारत को किसी न किसी मामले में घेरने की कोशिश करती हैं। कभी मीडिया में आलेख के जरिये तो कभी सरकारी या गैर-सरकारी एजेंसियों की रिपोर्ट के जरिये ऐसा किया जाता रहा है। यह पुरानी परंपरा है। भारत का कड़ा जवाब इन्हें नागवार गुजरता है।

विदेश मंत्रालय द्वारा तलब किए जाने के बाद अमेरिका के कार्यवाहक मिशन उपप्रमुख ग्लोरिया बर्बेना बुधवार को साउथ ब्लाक से निकलतीं हुईं। एएनआइ (फाइल)

फिर भी रिश्तों पर नहीं पड़ेगा असर

विदेश मंत्रालय के अधिकारी यह मानते हैं कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर सवाल उठाने को लेकर हुई तीखी प्रतिक्रियाओं के बावजूद इन देशों के साथ भारत के रिश्तों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। यह पहला मौका है जब भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र की तरफ से टिप्पणी की गई। अमेरिका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के कई समाचार पत्रों में भी हाल के दिनों में भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते हुए आलेख प्रकाशित किए गए हैं।

****

154 टोल नाकों पर दिल्ली नगर निगम के टोल वसूली के लिए कंपनी चयन के लिए निकाली गई निविदा प्रक्रिया की तकनीकी प्रक्रिया पूरी हो गई है। निगम ने इसके लिए 847 करोड़ रुपये का आरक्षित मूल्य रखा था।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 31 मार्च, 2024

आज का मौसम

रविवार को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
31 मार्च	35.0	20.0
1 अप्रैल	34.0	20.0
नोएडा		
31 मार्च	34.0	21.0
1 अप्रैल	35.0	20.0
गुरुग्राम		
31 मार्च	33.3	19.4
1 अप्रैल	30.2	18.3

डिग्री सेल्सियस में

विपक्षी आइएनडीआइए की महारैली में होगा शक्ति प्रदर्शन

खरगे, राहुल, पवार, उद्धव, स्टालिन, अखिलेश व तेजस्वी समेत विपक्ष के दिग्गज लेंगे भाग

महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दे उठाते हुए मोदी सरकार से छुटकारा पाने का फूंकेंगे बिगुल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए की अगुवाई कर रही कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को हो रही विपक्ष की संयुक्त मेगा रैली देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है न कि किसी व्यक्ति विशेष को बचाने की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, शरद पवार, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे से लेकर तेजस्वी यादव जैसे शीर्ष विपक्षी नेताओं के साथ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और झारखंड के सीएम चंपई सोरेन इस रैली में मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करने का बिगुल फूंकेंगे।

कांग्रेस के अनुसार आइएनडीआइए में शामिल तमाम दल एक मजबूत संदेश देंगे कि रोजगार, अर्थव्यवस्था और महंगाई के मोर्चे पर नाकाम रही भाजपा सरकार का समय समाप्त हो गया है। देश के लोग उनसे छुटकारा पाना चाहते हैं। मुंबई के शिवाजी पार्क में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के मौके पर 17 मार्च को हुई रैली के बाद आइएनडीआइए गठबंधन की यह दूसरी संयुक्त रैली है।

कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने दिल्ली के प्रभारी महासचिव दीपक बाबरिया और दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली के साथ शनिवार को संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कहा कि रैली में विपक्षी गठबंधन के सभी 28 घटक दल भाग लेंगे। विपक्ष के सभी प्रमुख नेता रामलीला मैदान में जुटने वाले भारी जनसमूह को संबोधित करेंगे। जयराम ने कहा कि यह लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई है। इसलिए इसे 'लोकतंत्र बचाओ रैली' नाम दिया गया है। यह किसी एक पार्टी की रैली नहीं है। आप इस रैली को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईडी द्वारा की गई गिरफ्तारी के खिलाफ विपक्ष का जमावड़ा बता रही है। ऐसे में कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि रैली केवल एक मुद्दे पर नहीं, बल्कि तमाम ज्वलंत सवालों को उठाने के लिए बुलाई गई है।

लोक कल्याण मार्ग को दिया जाएगा एक शक्तिशाली संदेश : संविधान बदलने के भाजपा-आरएसएस नेताओं के बयान का हवाला देते हुए जयराम ने कहा कि यदि संविधान बदला गया तो इसके साथ ही धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और सामाजिक न्याय भी चला जाएगा। इसलिए, रैली देश के लोगों की ओर से लोक कल्याण मार्ग को एक शक्तिशाली संदेश देगी कि वे भाजपा से छुटकारा पाना चाहते हैं।

नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आईएनडी आइए की महारैली की तैयारी का जायजा लेते दिल्ली के आम आदमी पार्टी संयोजक और मंत्री गोपाल राय। चंद्र प्रकाश मिश्र

किसानों पर अत्याचारों व ध्रुवीकरण से जुड़े मुद्दे उठाएंगे

जयराम रमेश ने कहा भी कि बढ़ती महंगाई, पिछले 45 वर्षों में सबसे अधिक बेरोजगारी दर के साथ आर्थिक असमानताओं का मुद्दा उठाया जाएगा। जैसे अमीर और अमीर तो गरीब और गरीब होते जा रहे हैं, जबकि प्रगति का लाभ केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक ध्रुवीकरण और किसानों पर अत्याचारों से जुड़े मुद्दे भी उठाए जाएंगे। रैली में केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्षी दलों को निशाना बनाना भी एक महत्वपूर्ण एजेंडा होगा।

सबसे बड़े घोटाले चुनावी बांड को भी उजागर किया जाएगा

जयराम रमेश ने कहा कि रैली पिछले 75 वर्षों के सबसे बड़े घोटाले चुनावी बांड को भी उजागर करेगी। इसके माध्यम से भाजपा ने 8200 करोड़ रुपये एकत्र किए। चुनावी बांडों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवैध और असंवैधानिक ठहराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को विशेष निशाना बनाते हुए रोजाना नए-नए नोटिस दिए जा रहे हैं। रैली में फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, सीताराम येचुरी, डी. राजा समेत कई अन्य वरिष्ठ विपक्षी नेता भी भाग लेंगे।

रामलीला मैदान में रैली के चलते प्रभावित रहेगा यातायात

जासं, नई दिल्ली : आइएनडीआइ गठबंधन की रविवार को रामलीला मैदान में होने वाली लोकतंत्र बचाओ रैली के चलते यातायात प्रभावित रहेगा। दिल्ली यातायात पुलिस ने इस संबंध में ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। इसके अनुसार, सुबह नौ बजे से दोपहर तीन तक कई इलाकों में यातायात नियंत्रित व प्रतिबंधित रहेगा। कई मार्गों पर रूट डायवर्जन भी किया गया है। रविवार सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक बाराखंभा रोड से गुरु नानक चौक तक रणजीत सिंह फ्लाईओवर, मिंटो रोड से गोल चक्कर कमला मार्केट तक विवेकानंद मार्ग, हमदर्द चौक, दिल्ली गेट से गुरु नानक चौक तक जेएलएन मार्ग पर अजमेरी गेट, कमला मार्केट के चारों ओर से गुरु नानक चौक और चमन लाल मार्ग, गुरु नानक चौक से तुर्कमान गेट तक।

यहां रहेगा रूट डायवर्जन : राजघाट चौक, मिंटो रोड, डीडीयू मार्ग, मिराडर्ड चौक, पहाड़गंज चौक, ए-प्वाइंट और दिल्ली गेट पर सुबह नौ बजे से ट्रैफिक डायवर्जन किया जाएगा। दिल्ली यातायात पुलिस ने यात्रियों से इन मार्गों से बचने और मेट्रो का उपयोग करने की अपील की है। आइएसबीटी, रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट जाने वालों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए पर्याप्त समय से निकलने की योजना बनाने की सलाह दी है।

सीएम आवास पर सुनीता केजरीवाल से मिलीं हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना

केजरीवाल हैं ईडी की हिरासत में और झारखंड के पूर्व सीएम हैं जेल में

नई दिल्ली में शनिवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से भेंट की। सौ. दिल्ली सरकार >>

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। कल्पना सोरेन मुख्यमंत्री आवास पर सुनीता केजरीवाल से मिलीं। दोनों के बीच मुलाकात 15-20 मिनट तक चली।

आप सूत्रों ने कहा कि दोनों ने देश के वर्तमान हालात पर चर्चा की और एक दूसरे को ढांढस बंधाते हुए कहा धैर्य रखें, परेशानी के बादल छटेंगे और हालात बदलेंगे। कल्पना सोरेन के पति हेमंत सोरेन ने ईडी की गिरफ्तारी से पहले झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और सुनीता केजरीवाल के पति अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। झारखंड में कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी द्वारा जनवरी में गिरफ्तारी के बाद से हेमंत सोरेन सलाखों के पीछे हैं। कल्पना सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के साथ रविवार को आइएनडीआइ नेताओं की रैली में भाग लेने आई हैं।

न्यूज गैलरी

दिल का दौरा पड़ने से दिल्ली के टेनिस कोच की मौत

रायपुर : रायपुर के जोरा स्थित अंतरराष्ट्रीय टेनिस अकादमी में दिल्ली के टेनिस प्रशिक्षक शरद कुमार राजपूत (54) की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वह एशियन टेनिस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए रायपुर पहुंचे थे। शुक्रवार को वह दिल्ली से आए खिलाड़ियों को अभ्यास करा रहे थे, इस दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा। शरद छतरपुर दक्षिणी दिल्ली के रहने वाले थे। टेनिस संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा ने बताया कि शुक्रवार को शरद को दिल का दौरा पड़ने के बाद तत्काल सीपीआर देने की कोशिश की गई। इसके बाद अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। नईदुनिया)

बढ़ जाएगी जीओ टैगिंग की समय-सीमा

नई दिल्ली: संपत्तिकर में अग्रिम संपत्तिकर जमा करने के लिए जीओ टैगिंग की अनिवार्य शर्त की समय-सीमा बढ़ सकती है। संभवतः रविवार और सोमवार को इस संबंध में एमसीडी आदेश जारी कर सकती है। निगम के अनुसार अब तक 3.10 लाख संपत्तियों की जीओ टैगिंग हो गई है। चूंकि अभी जीओ टैगिंग कराने में लोगों को समय की जरुरत हैं इसलिए इसे अगले वित्त वर्ष में भी बढ़ाया जाएगा। (जासं)

जामिया स्कूलों में प्रवेश के लिए परीक्षा शुरू

नई दिल्ली : जामिया मिलिया इस्लामिया (जेएमआइ) के स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश परीक्षा शनिवार से शुरू हो गई। छठवीं कक्षा में प्रवेश के लिए 16 परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। 15 परीक्षा केंद्र परिसर में और एक परिसर के बाहर स्थापित किया गया था। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के प्रभारी प्रो. सईद उद्दीन ने कहा कि इन 16 परीक्षा केंद्रों पर 8200 उम्मीदवारों ने प्रवेश परीक्षा में भाग लिया। (जासं)

खुद नहीं रहते सरकारी आवास में

प्रथम पृष्ठ से आगे

एजेंसी ने आरोप पत्र में गहलोत के नाम का उल्लेख किया है और मामले में पहले गिरफ्तार किए गए आप संचार प्रभारी विजय नायर के संदर्भ में कहा कि नायर गहलोत को आवंटित सरकारी बंगले में रहते थे और गहलोत खुद नजफगढ़ में रहते हैं। किसी लोक सेवक द्वारा किसी अन्य को सरकारी आवास का उपयोग करने की अनुमति देने की प्रथा को 'आपराधिक विश्वासघात' बताते हुए ईडी ने कहा है कि उसने सीबीआइ से कार्रवाई करने को कहा है। वहीं पूछताछ के बाद मीडिया को गहलोत ने बताया कि मुझे सिविल लाइन्स में सरकारी बंगला आवंटित किया गया था, लेकिन मैं हमेशा वसंत कुंज में निजी आवास में रहा। इसकी वजह उन्होंने पत्नी और बच्चों का वहां न जाना बताया।

आइएमईआइ नंबर बदलने से जांच एजेंसियों को कोई परेशानी तो नहीं होगी, लेकिन इस तरह के कार्य भविष्य में होने वाली जांचों को भटकाने के लिए किए जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार मोबाइल का आइएमईआइ नंबर बदल जाने से एजेंसियों को यह भी शक होता है कि कहीं फोन तो नहीं बदल दिया गया।

आप ने लगाया घोटाले के गवाह और भाजपा के बीच संबंध का आरोप

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को कथित आबकारी घोटाले के गवाह और भाजपा के बीच संबंध का आरोप लगाया और ईडी को इसकी जांच करने की चुनौती दी। इस मुद्दे पर आप के चार नेताओं ने प्रेसवार्ता कर भाजपा पर हमला बोला। आप की वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज, आप नेता जस्मिन शाह और प्रियंका कक्कड़ ने प्रेसवार्ता में आरोप लगाया कि जिस राघव मगुंटा रेड्डी को आबकारी नीति मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था, उनके पिता मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी को भाजपा की सहयोगी टीडीपी ने लोस चुनाव में मैदान में उतारा है। अब भाजपा उनके लिए वोट भी मांगेगी। इन दोनों से ईडी ने केजरीवाल के खिलाफ बयान दिलवाया है।

आप नेताओं ने ईडी को चुनौती दी कि अगर एजेंसी स्वतंत्र रूप से काम कर रही है तो वह इस संबंध को रिकार्ड में लाए और इसकी जांच करे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का शराब व्यापारियों की तथाकथित 'साउथ लाबी' से संबंध है। उन्होंने कहा कि तीन हजार पेज की ईडी की चार्जशीट में केवल चार बयानों में केजरीवाल का जिक्र है, इन्हीं चार बयानों पर सीएम को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि इनमें दूसरा बयान शरतचंद्र रेड्डी का है, जिसने पहले कहा कि वह केजरीवाल को नहीं जानते व बाद में ईडी के दबाव में बयान दिया। यह वही व्यक्ति है जो 55 करोड़ रुपये भाजपा को इलेक्टोरल बांड के माध्यम से दे चुका है।

दिल्ली के मंत्री और आप नेता आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए। प्रेट्र

रैली सफल रही तो प्रत्याशियों को मिलेगी ताकत

वी के शुक्ला, नई दिल्ली

खासकर दिल्ली पर पड़ेगा महारैली की सफलता का असर

आयोजन स्थल के दोनों ओर लगाए गए हैं केजरीवाल के होर्डिंग

आम आदमी पार्टी के आह्वान पर रविवार को आइएनडीआइ गठबंधन की हो रही महारैली के लिए रामलीला मैदान तैयार हो गया है। महारैली सफल रही तो गठबंधन के प्रत्याशियों को इससे ताकत मिलेगी। खासकर दिल्ली पर महारैली की सफलता का असर ज्यादा पड़ेगा।

महारैली का आयोजन भले ही आइएनडीआइए के बैनर तले केंद्र से संबंधित देश भर के मुद्दों पर हो रहा है, मगर आयोजन स्थल पर केवल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ही नजर आएंगे। आयोजन स्थल के दोनों ओर सलाखों के पीछे वाले केजरीवाल के होर्डिंग लगाए गए हैं। इसी महारैली से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल राजनीतिक पारी शुरू करेंगी। पति के ईडी की गिरफ्त में जाने के बाद पहली बार जनता को संबोधित करेंगी। वह केजरीवाल का जनता के नाम कोई संदेश भी इस मंच से पढ़ सकती हैं। सूत्रों की माने तो वह मंच से भाषण देने के लिए रिहर्सल करने के बाद तैयार हो चुकी हैं और एक गंभीर नेता के रूप में मंच पर नजर आएंगी। रामलीला मैदान में जनता के लिए 20 हजार से अधिक कुर्सियां लगाई गई हैं। पीने के पानी के साथ साथ पंखे और कूलर लगाए गए हैं। धूप को देखते हुए टेंट लगा दिया गया है। महारैली के लिए 500 कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई गई है। मंच पर बैठने के 100 से अधिक नेताओं की व्यवस्था की गई है। पार्टी के सांसद, दूसरे दलों के वरिष्ठ नेता, दिल्ली व पंजाब मंत्रिमंडल तथा पार्टी के विधायक मंच के सामने पहली तीन लाइनों में कुर्सियों पर बैठेंगे।

रामलीला मैदान के चयन को पुरी ने बताया दिलचस्प

नई दिल्ली, एएनआइ: रामलीला मैदान में रविवार को होने वाली आइएनडीआइए की महारैली पर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस और आप पर तंज कसते हुए कहा कि लगभग 12-13 साल पहले इसी जगह पर अरविंद केजरीवाल ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली 'भ्रष्ट' कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध किया था। लेकिन आज दोनों (आप और कांग्रेस) एक साथ एक गठबंधन में हैं और इसी मैदान में रैली करने जा रहे हैं। हरदीप पुरी ने कहा कि तब केजरीवाल भ्रष्टाचार और शराब के खिलाफ थे और आज वे शराब घोटाले में शामिल हैं। रामलीला मैदान का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह जगह बहुत दिलचस्प है जहां रैली होगी। इसी जगह पर 12-13 साल पहले अन्ना हजारे की रैली हो रही थी। आपको 2जी, सीडब्ल्यूजी और कोयला घोटाला याद होगा। अब उन्होंने उसी पार्टी से सिर्फ हाथ नहीं मिलाया बल्कि उन्हें गले लगाया है।

गुरुद्वारे के पास शराब की दुकान खोलने पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

विधायक जरनैल सिंह ने खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री से शराब की दुकान का उद्घाटन रोकने का अनुरोध किया है

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक गुरुद्वारे की याचिका पर उसकी गली में शराब की दुकान खोलने पर रोक लगा दी है और दिल्ली सरकार, दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने सभी उत्तरदाताओं को नोटिस जारी किया है। अगली सुनवाई नौ मई को होगी। अदालत ने सभी उत्तरदाताओं को तीन सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा।

याचिकाकर्ता गुरुद्वारा श्री गुरु अर्जनदेव जी, महावीर नगर ने हाई कोर्ट के समक्ष दायर याचिका में कहा कि एल-6 शराब लाइसेंस खुदरा दुकान गुरुद्वारे की ओर आने वाली एकमात्र लेन के प्रवेश द्वार पर स्थित है, जिसका उपयोग श्रद्धालुओं और निवासियों द्वारा रोज आने-जाने के लिए किया जा रहा है। पास में ही सर्वोदय कन्या विद्यालय भी है। याचिकाकर्ता गुरुद्वारा ने दावा किया कि प्रस्तावित दुकान खोलने की मंजूरी दिल्ली उत्पाद शुल्क अधिनियम, 2009, दिल्ली उत्पाद शुल्क नियम, 2010 के नियम 51 और दिल्ली के मास्टर प्लान (एमपीडी), 2021 का घोर उल्लंघन करके प्राप्त की गई है। वहीं दिल्ली सरकार के अधिवक्ता ने तथ्यों को सत्यापित करने और परिसर का फिर से निरीक्षण करने के लिए कुछ समय देने का अनुरोध किया। याचिकाकर्ता गुरुद्वारा ने कहा कि विभिन्न शिकायतों पर तिलक नगर के विधायक जरनैल सिंह ने 16 मार्च, 2024 को पत्र के माध्यम से दिल्ली के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री से प्रस्तावित शराब की दुकान के उद्घाटन को रोकने का अनुरोध किया है।

70 हजारी हुआ सोना, 75 हजार तक पहुंचने की आशंका

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली

सोने के चमकने से फीकी हुई सराफा बाजारों की चमक

एक वर्ष में ही नौ हजार रुपये तक महंगा हुआ है सोना

करोलबाग के एक ज्वैलरी शो रूम से ज्वैलरी खरीदते लोग। जागरण आर्काइव >>

सोना रोज कुलाचे मार रहा है। शुक्रवार से यह रिकार्ड 70 हजार के ऊपर पहुंच गया है। शनिवार को दिल्ली के बाजार में 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 70,285 रुपये (जीएसटी के साथ) के नए उच्चतम स्तर पर बिका। बाजार के जानकार, आने वाले कुछ दिनों में इसमें और तेजी तथा इसके 75 हजार रुपये तक का आंकड़ा छूने की आशंका जता रहे हैं, जिसके बाद इसमें गिरावट आने की उम्मीद है। लेकिन, इस रिकार्ड उछाल के चलते सराफा बाजार में मायूसी का माहौल है।

उत्तर भारत के प्रमुख सराफा बाजार कूचा महाजनी के ज्वैलर्स मायूस होकर कहते हैं कि उनका कारोबार आम दिनों के मुकाबले आधा रह गया है। क्योंकि स्थानीय खरीदार महंगे होते जा रहे सोने में निवेश से हिचक रहे हैं। बहुत जरूरी होने पर ही गहने की खरीदारी कर रहे हैं। वैसे, इस बढ़ोत्तरी ने शादी वाले घरों में चिंता बढ़ा दी है।

हर घर में प्रिय सोने की इस चमक के पीछे काफी हद तक अंतरराष्ट्रीय कारक जिम्मेदार हैं। जिसमें अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व बैंक द्वारा आगामी जून तिमाही में ब्याज दरों में चौथाई (0.25) प्रतिशत घटाने के संकेत के साथ ही यूक्रेन-रूस तथा इजरायल-हमास युद्ध से उपजे तनाव के चलते निवेशकों को सोने में निवेश मुफीद का सौदा लग रहा है। शनिवार को एक डालर का मूल्य 83.38 रुपये था। इन कारणों के चलते एक वर्ष में ही सोने के दाम में नौ हजार रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोत्तरी हुई है। पिछले वर्ष 31 मार्च को दिल्ली में 24 कैरेट सोने का दाम प्रति 10 ग्राम 61,500 रुपये था। जबकि पिछले वर्ष पांच अक्टूबर को यह 58 हजार 230 के न्यूनतम स्तर तक भी पहुंचा था। इस वर्ष 15 फरवरी को 63,395 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव के बाद से यह दिन प्रतिदिन ऊपर ही जा रहा है। आल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोरा के अनुसार फेडरल बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती के संकेत से निवेशक सोने में निवेश को उत्साहित हुए हैं।

आरटीई अनिवार्य शिक्षा तय करता है, किसी स्कूल में प्रवेश नहीं : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने महाराजा अग्रसेन माडल स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए दूसरी कक्षा में प्रवेश की मांग करने वाली आर्थिक रूप से कमजोर श्रेणी (ईडब्ल्यूएस) की छात्रा की ओर से दायर रिट याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि कानून द्वारा बच्चों को शिक्षा का अधिकार (आरटीई) निश्शुल्क और अनिवार्य शिक्षा के लिए दिया गया है, न कि किसी विशिष्ट स्कूल में प्रवेश के लिए। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि अगर किसी छात्र को ईडब्ल्यूएस श्रेणी में किसी कक्षा में दाखिला लेना है तो उसे शिक्षा विभाग में आवेदन करना होगा। इसके बाद कंप्यूटराइज्ड ड्रा से विद्यार्थी का चयन होगा।

कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21ए या आरटीई अधिनियम की धारा 12 के तहत उपलब्ध अधिकार केवल 14 वर्ष आयु तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का है, किसी विशेष स्कूल में ऐसी शिक्षा प्रदान करने का नहीं है। याचिकाकर्ता छात्रा जिया ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 में दूसरी कक्षा में दाखिले के लिए आवेदन नहीं किया था। ऐसे में वह इस सत्र में स्कूल में दाखिले के लिए दावा नहीं कर सकती है।

याचिकाकर्ता की मां ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए उन्होंने अपनी बेटी का ईडब्ल्यूएस श्रेणी में पहली कक्षा में दाखिला कराने के लिए शिक्षा निदेशालय में आवेदन किया था। निदेशालय ने उनकी बेटी को महाराजा अग्रसेन माडल स्कूल आवंटित किया, लेकिन बार-बार प्रयासों के बावजूद उसे स्कूल ने दाखिला देने से मना कर दिया।

सहपाठियों के साहस से रुका 13 वर्षीय किशोरी का विवाह

पहल

पहले बड़ी बहन से तय थी शादी, बारात लेकर आया था बुआ का लड़का, एक दिन पहले बहन के गायब होने पर छोटी को निकाह के लिए किया था तैयार

जागरण संवाददाता, नोएडा

कोतवाली सेक्टर-126 क्षेत्र के गांव रायपुर स्थित कंपोजिट स्कूल की आठवीं की छात्राओं के साहस व सूझबूझ से नाबालिग छात्रा का जीवन बर्बाद होने से बचा गया। स्वजन 13 वर्षीय बच्ची की इच्छा के विरुद्ध उसकी शादी करा रहे थे। जब उसकी सहपाठियों को इसकी जानकारी मिली, तो उन्होंने शिक्षिकाओं के सहयोग से शादी रुकवा दी। छात्रा अब पूर्व की भांति स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रही है।

क्षेत्र के गांव बख्तावरपुर में जिला बहराइच का एक परिवार रहता है। परिवार के मुखिया गांव में ही जूस की दुकान करते हैं। उनकी छह पुत्रियां और दो पुत्र हैं। तीन पुत्रियों की शादी हो चुकी है। दोनों पुत्र जूस की दुकान पर उनकी मदद करते हैं। चौथी पुत्री की शादी उसके बुआ के लड़के के साथ तय हुई थी। शादी की तिथि 5 मार्च निर्धारित हुई। जिला बहराइच से बारात आने के लिए तैयार थी। इसी बीच 4 मार्च को युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। युवती के माता-पिता और परिवार के लोग खोजबीन करने में डूब गए। यह बात दूल्हा पक्ष को भी पता चली। दूल्हा पक्ष की ओर से उनकी छोटी 13 वर्षीय पुत्री से शादी करने का दबाव बनाया जाने लगा। मजबूरीवश युवती का पिता नाबालिग बेटी की शादी करने को तैयार हो गया। 13 वर्षीय किशोरी कंपोजिट विद्यालय में कक्षा आठ में पढ़ती है। पांच मार्च को जब उसकी सहपाठी उसे लेने उसके घर पहुंचीं तो पता चला कि उसके हाथों पर मेहंदी लगी थी। पूछने पर पता चला कि जिस युवक से उसकी बहन की शादी होने वाली थी, उसी युवक से उसकी शादी की जा रही है। यह बात सहपाठियों ने स्कूल में शिक्षिका मीनाक्षी को बताई। चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर काल की। चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने पुलिस की मदद से पहुंचकर शादी को रुकवाया। साथ ही दोनों पक्षों से लिखित में लिया कि यदि उन्होंने नाबालिक लड़का या लड़की की शादी की तो कार्रवाई की जाएगी। कुछ दिन बाद बड़ी बहन लौट आई और उसी लड़के के साथ उसकी शादी करा दी गई।

13 वर्षीय किशोरी विद्यालय में कक्षा आठ में पढ़ती है

प्रतीकात्मक फोटो

बाल विवाह कराना कानून अपराध है। 5 मार्च को किशोरी का विवाह होने से रुकवाया गया था। दोनों परिवारों को चेतावनी दी गई थी कि वह नाबालिगों की शादी न कराएं। यदि वह शादी कराते हैं तो कार्रवाई की जाएगी।
– अतुल सोनी, जिला प्रोबेशन अधिकारी

मामला संज्ञान में आने के बाद खंड शिक्षा अधिकारी बिसरख से मामले की रिपोर्ट मांगी है। उसके आधार पर जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।
– राहुल पंवार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

एनकेजी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जाली दस्तावेज से अनुबंध हासिल करने का आरोप

प्रथम पृष्ठ से आगे

एजेंसी ने दावा किया है कि एनकेजी इन्फ्रास्ट्रक्चर ने जाली दस्तावेज जमा करके अनुबंध हासिल किया और अरोड़ा को इस तथ्य की जानकारी थी कि कंपनी तकनीकी पात्रता को पूरा नहीं करती है। ईडी ने आरोप लगाया है कि एनकेजी इन्फ्रास्ट्रक्चर को ठेका देने के बाद अरोड़ा ने नकद और बैंक खातों में रिश्वत ली और डीजेबी मामलों का प्रबंधन करने वाले विभिन्न लोगों को पैसा दिया। ईडी ने यह भी आरोप लगाया है कि रिश्वत की रकम चुनावी फंड के तौर पर आप को भी दी गई। एजेंसी ने कहा है कि डीजेबी का ठेका अत्यधिक ऊंची दरों पर दिया गया, ताकि ठेकेदारों से रिश्वत वसूली जा सके। 38 करोड़ रुपये के अनुबंध मूल्य के मुकाबले, अनुबंध पर केवल 17 करोड़ रुपये खर्च किए गए और शेष राशि को विभिन्न फर्जी खर्चों की आड़ में निकाल लिया गया। ईडी ने आरोप लगाया है, इस तरह के फर्जी खर्च रिश्वत और चुनावी फंड के लिए दर्ज किए गए थे।

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

****

1984 में हुआ था बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का गठन। बसपा और अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी दोनों में एक समानता है। दोनों का चुनाव चिह्न हाथी है। बसपा इस बार लोकसभा चुनाव अकेले लड़ रही है।

राजा-रानियों की कर्मभूमि में कंगना की परीक्षा

वीआइपी सीट मंडी

हंसराज सैनी • मंडी

राजा-रानियों की कर्मभूमि रहे मंडी संसदीय क्षेत्र को अभिनेत्री कंगना रनौत ने हाट सीट बना दिया है। वैसे तो राजा-रानियों की वजह से हिमाचल प्रदेश की यह सीट हर चुनाव में चर्चा का विषय रही है, मगर अब अभिनेत्री कंगना रनौत के भाजपा प्रत्याशी बनने से यह और चर्चा में आ गई है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के हालिया बिगड़े बोलों से भी मंडी देशभर में चर्चित हो गई है। मंडी, सुकेत, कुल्लू, कपूरथला और रामपुर बुशहर जैसे पांच राजघरानों के सदस्य इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अब भी पुरानी रामपुर बुशहर रियासत की राजमाता प्रतिभा सिंह यहां की सांसद हैं, जो पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की पत्नी हैं।

भाजपा ने पहली बार मंडी से किसी महिला एवं सेलिब्रिटी को चुनाव मैदान में उतारा है। कंगना का मुकाबला वर्तमान कांग्रेस सांसद प्रतिभा सिंह से होना लगभग तय है। इस सीट पर ठाकुरों के अलावा ब्राह्मणों का दबदबा रहा है। अनुसूचित जाति को एक बार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। उस समय यहां से दो सदस्य चुने जाते थे। 1957 के बाद अनुसूचित जाति के किसी नेता को यहां से टिकट नहीं मिला है। 1951 का पहला चुनाव कपूरथला की राजकुमारी अमृतकौर ने जीता था। वह केंद्र में राज्यमंत्री बनी थीं। 1957 के चुनाव में तत्कालीन मंडी रियासत के राजा जोगेंद्र सेन सांसद चुने गए थे। 1962 व 1967 के चुनाव में सुकेत रियासत के राजा ललित सेन यहां से निर्वाचित हुए थे। 1971 में यहां रामपुर बुशहर के राजपरिवार की एंट्री हुई थी। वीरभद्र सिंह ने इस क्षेत्र को अपनी कर्मभूमि के रूप में चुना था। 1971 में वह यहां से निर्वाचित हुए थे। 1977 में जनता पार्टी के गंगा सिंह ठाकुर सदस्य बने थे। 1980 में वीरभद्र सिंह ने पिछली हार का बदला ले चुनाव जीता था। 1984 के चुनाव में कांग्रेस ने यहां से ब्राह्मण को पहली बार मैदान में उतारा था। पंडित सुखराम पहली बार चुनाव जीत संसद में पहुंचे थे। वह राजीव मंत्रिमंडल में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भी बने थे। 1989 में भाजपा ने यहां कुल्लू के राजा महेश्वर सिंह को टिकट दिया था। उन्होंने पंडित सुखराम को पराजित किया था। 1991 में मध्यावधि चुनाव हुए। सुखराम फिर जीते। वह नरसिंह राव सरकार में राज्यमंत्री बने थे। 1998 और 1999 के चुनाव में भाजपा के महेश्वर सिंह विजयी रहे। 2004 के चुनाव में कांग्रेस ने यहां वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह को मैदान में उतारा था। 2009 में वीरभद्र सिंह, 2013 के उपचुनाव और 2014 के आम चुनाव में प्रतिभा सिंह प्रत्याशी रहीं। 2014 में भाजपा ने यहां रामस्वरूप शर्मा के रूप में ब्राह्मण चेहरा उतारा। वह प्रतिभा सिंह को हरा विजयी हुए थे। 2019 में दो ब्राह्मणों के बीच हुए मुकाबले में बाजी रामस्वरूप शर्मा के हाथ लगी। 2021 का उपचुनाव प्रतिभा सिंह ने जीता।

5 राजघरानों के सदस्य कर चुके हैं मंडी का प्रतिनिधित्व

1951 का पहला चुनाव कपूरथला की राजकुमारी अमृतकौर ने जीता था यहां से

1957 के बाद अनुसूचित जाति के किसी नेता को यहां से टिकट नहीं मिला

राजघराने और सेलिब्रिटी के बीच मुकाबला

राजघरानों के सदस्य यहां 15 चुनाव लड़ चुके हैं। कंगना रनौत के परदादा सरजू राम भी विधायक रह चुके हैं। कांग्रेस इस मुकाबले को आम आदमी बनाम सेलिब्रिटी बनाने का प्रयास कर रही है। कंगना रनौत खुद को यहां की बेटी बता मैदान में उतर गई हैं। राजघराने और सेलिब्रिटी के बीच किसकी जीत होगी, चुनाव परिणाम आने पर इसका पता चल जाएगा।

दक्षिण में कांग्रेस की उम्मीदों को मिला नया आधार

राष्ट्रीय राजनीति के कैनवास पर तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी नई लकीर खींचने को बेताब

दमदार चेहरा

- साधारण किसान परिवार की पृष्ठभूमि में पले-बढ़े और छात्र राजनीति से शुरुआत कर छू लिया सूबे की सत्ता का शिखर
- तेलंगाना के विस चुनाव में जीत दिलाने वाले रेड्डी अब गवर्नेंस की शैली को बना रहे मजबूत अस्त्र

56 वर्षीय रेवंत लोकसभा चुनाव में अपने राज्य की 17 लोकसभा सीटों पर भी करिश्मा करने की उम्मीदों से हैं लबरेज

संजय मिश्र • नई दिल्ली

ऐसे दौर में जब राजनीति की धारा का एक खास दिशा में तेज प्रवाह बड़े-बड़े सियासी धुरंधरों को जमींदोज कर रहा हो, तब इसका मुकाबला करते हुए धारा पलटने वाली चुनावी जीत हासिल करना किसी करिश्मे से कम नहीं। राजनीति में उभरते इस नए करिश्मे का नाम है अनुमुला रेवंत रेड्डी, जो देश के सबसे नवोदित राज्य तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री हैं।

रेवंत रेड्डी की अगुआई में कांग्रेस ने बीते नवंबर-दिसंबर माह में हुए विधानसभा चुनाव में एक चमत्कारिक जीत हासिल की। मुश्किल दौर में भी उत्साह और महत्वाकांक्षाओं के रथ पर सवार फायरब्रांड रेवंत रेड्डी की बड़े लक्ष्य हासिल करने की यह दृढ़ इच्छाशक्ति ही है कि साधारण किसान परिवार की पृष्ठभूमि में पले-बढ़े और छात्र राजनीति से शुरुआत कर आज सूबे की सत्ता का शिखर छू लिया है। इस शिखर को पड़ाव मानते हुए रेवंत अगली कड़ी में अपनी शख्सियत की एक लकीर राष्ट्रीय राजनीति के कैनवास पर उकेरने को तत्पर नजर आ रहे हैं और 2024 उनके लिए एक बड़ा मौका है।

तेलंगाना की राजनीति के नए शिल्पकार के रूप में उभरे 56 वर्षीय रेवंत लोस चुनाव में सूबे की 17 सीटों पर भी कुछ ऐसा ही करिश्मा करने की उम्मीदों से लबरेज हैं। दक्षिणी राज्यों के वर्तमान में सबसे युवा सीएम के तौर पर 100 दिनों के अपने शुरुआती फैसलों की सकारात्मक गूंज को इसका वाहक बनाने में जुटे हैं। दिलचस्प यह है कि सूबे में कांग्रेस को 12 से 14 लोस सीटें जिताने के उनके दावे का विरोधी कुछ वैसा ही उपहास कर रहे हैं, जैसा विस चुनाव में कांग्रेस को तेलंगाना की सत्ता के शिखर तक ले जाने की उनकी बातों का किया गया था। विस चुनाव से चार महीने पहले तक किसी को विश्वास नहीं था कि अजेय दिख रहे ताकतवर चंद्रशेखर राव को हराया जा सकता है, पर युवाओं में बेहद लोकप्रिय रेवंत की दमदार क्षमता का ही नतीजा रहा कि पिछले हैदराबाद नगर निगम चुनाव में भाजपा के दूसरे नंबर पर आने के बाद तीसरे नंबर की पार्टी के रूप में देखी जा रही कांग्रेस को शिखर पर पहुंचा दिया। अब चार महीने के उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में ही केसीआर की पार्टी भारत राष्ट्र समिति बुरी तरह बिखरती दिख रही है और उसके नेता-कार्यकर्ताओं के कांग्रेस में शामिल होने की लाइन लगी है। तेलंगाना में कांग्रेस की जीत अभूतपूर्व है, क्योंकि कुछ दशकों में पहला मौका है, जब किसी सूबे में लगभग तीसरे स्थान से पार्टी ने सत्ता के मुकाम की छलांग लगाई हो। कांग्रेस के कुछ प्रमुख चुनावी वादों की गारंटी को लागू करने से लेकर सीएम की शपथ लेते ही मुख्यमंत्री कार्यालय और निवास के बंद दरवाजे जनता के लिए खोलने के फैसलों ने रेवंत की छवि को और मजबूती दी है।

एबीवीपी से छात्र राजनीति का आगाज: लोस चुनाव में कांग्रेस के मिशन दक्षिण के लक्ष्य में केरल के बाद सबसे बड़ी उम्मीद तेलंगाना ही है। सूबे में सियासी चमत्कार के नए प्रतीक बने रेवंत चुनाव से पहले की केसीआर की पार्टी को लगभग किनारे लगा चुके हैं। अब मैदान में अधिकांश जगहों पर मुकाबला भाजपा से है, जिसकी राजनीति को वह अपने छात्र जीवन से ही समझते हैं। रेवंत कभी भाजपा में नहीं रहे, मगर उनकी सियासत का आगाज छात्र राजनीति में एबीवीपी से हुई।

इस तरह सामने आई फायर ब्रांड छवि: मुख्यधारा की राजनीति में रेवंत की फायर ब्रांड छवि 2006 में महबूबनगर के जिला परिषद टेरिटोरियल काउंसिल और विधान परिषद चुनाव में निर्दलीय ही कांग्रेस उम्मीदवार को हराने के बाद सामने आई। कांग्रेस के तत्कालीन सीएम वाइएसआर राजशेखर रेड्डी को चौकाया तो उन्हें कांग्रेस में आने का न्योता दिया, पर रेवंत ने चंद्रबाबू नायडु का दामन थामा। तेलंगाना गठन के बाद 2014 में वह तेलुगू देशम पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष बने, मगर सूबे में उसका कोई भविष्य नहीं देखते हुए 2017 में कांग्रेस में शामिल हो गए।

केसीआर की लहर में भी करिश्माई जीत के बाद बढ़ा भरोसा

2018 के विधानसभा चुनाव में केसीआर की लहर में हार गए, मगर चार महीने बाद 2019 में मल्कागिरी से जीत रेवंत लोकसभा में पहुंच गए, जहां कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से सीधे रूबरू होने का मौका मिला। राहुल ने उनकी क्षमताओं का आकलन कर तमाम दिग्गजों के विरोध को दरकिनार करते हुए 2021 की शुरुआत में रेवंत को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कमान सौंपते हुए चुनावी चेहरा बना दिया। 2023 के आखिर में तेलंगाना में करिश्माई जीत का तोहफा देकर उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व के भरोसे को और मजबूत किया और इसीलिए 2024 में रेवंत कांग्रेस के लिए उम्मीदों का एक चेहरा हैं।

कल के अंक में पढ़ें

लोकसभा चुनाव में कुछ क्षेत्रीय चेहरे राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान और प्रभाव बना रहे हैं। ऐसे ही चेहरों से आपको परिचित करती सीरीज 'दमदार चेहरा' में सोमवार को पढ़िए तेजतर्रार नेता, संगठनात्मक कौशल के धनी और कर्नाटक के भाजपा अध्यक्ष **वीवाई विजयेंद्र** के बारे में।

महागठबंधन में हुआ समझौता तो दिखी बिहार के रण की झलक

अरुण अशेष • पटना

टिकट की टिकटिक

महागठबंधन में सीट बंटवारे के साथ ही बिहार में लोकसभा चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। 2019 और 2024 के बीच पांच साल का समय भले ही गुजर गया, पर चुनावी कोण यथावत है। मतलब इस बार भी राजग और महागठबंधन में सीधे मुकाबले की संभावना है। राजग के सामने पुराने परिणाम को बचाते हुए सभी 40 सीटों पर जीत की चुनौती है। महागठबंधन को साबित करना है कि सीट बंटवारे में राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद का निर्णय सही था, क्योंकि लालू पर मनलायक सीटें न देने का आरोप कांग्रेस का है तो राजद के कई बड़े नेताओं का कहना है कि उन्होंने टिकट बंटवारे में दमदार उम्मीदवारों को निराश किया। हां, तीनों वाम दल प्रसन्न हैं, क्योंकि उन्हें पांच सीटें दी गई हैं। इनमें ज्यादा ऐसी सीटें हैं, जिनपर कभी राजद की जीत हुई थी या उसका उम्मीदवार दूसरे नंबर पर रहा था।

फिलहाल महागठबंधन के विभिन्न दलों के बीच एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया गया है। दो लोस चुनावों के बीच कुछ बदलाव भी हुए हैं। 2019 की तुलना में बदलाव यह है कि तीसरा कोण बनाने का प्रयास इस बार अधिक गंभीर है। सीमांचल के मुस्लिम बहुल इलाके में सक्रिय असदुद्दीन ओवैसी की एआइएमआइएम इस बार 15 प्रत्याशी उतारेगी। बसपा ने भी सभी 40 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर दी है। शाहाबाद के बक्सर और सासाराम में बसपा का थोड़ा प्रभाव है, पर अब तक उसे किसी सीट पर सफलता नहीं मिल पाई है। बसपा को कुछ ऐसे पूर्व सांसद उम्मीदवार के रूप में उपलब्ध हो सकते हैं, जिन्हें बेटिकट कर दिया गया है।

पिछली बार एआइएमआइएम सिर्फ किशनगंज में तीसरा कोण बना पाई थी। इस बार उसने क्षेत्र का विस्तार किया है। ऐसे में एक से अधिक क्षेत्रों में वह तीसरा कोण बना सकती है। इस पार्टी ने सीमांचल की चार लोस सीटों- किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार व अररिया के अलावा दरभंगा, भागलपुर, काराकाट, बक्सर, गया, मुजफ्फरपुर, उजियारपुर, पाटलिपुत्र, समस्तीपुर, सीतमाढ़ी और वाल्मीकिनगर से भी चुनाव लड़ने की घोषणा की है। इनमें से किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सीतमढ़ी और वाल्मीकिनगर से राजग की तरफ से जदयू के उम्मीदवार हैं। काराकाट से रालोमो के उपेंद्र कुशवाहा व गया से हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी मैदान में हैं। बाकी सीटें भाजपा के पास हैं। तीसरा कोण बनाने में एआइएमआइएम को तभी सफलता मिल सकती है, जब राजद के मुस्लिम-यादव (माय) समीकरण में तकरार हो। ऐसा नहीं होने पर सभी क्षेत्रों में सीधा मुकाबला होगा। जाति आधारित गणना के बाद से माय समीकरण के मुस्लिम वाले हिस्से में यह मांग जोर पकड़ने लगी है कि उन्हें भी जनसंख्या के अनुपात में भागीदारी मिले। उनकी जनसंख्या 17 प्रतिशत से अधिक है। एआइएमआइएम भी मांग पर जोर दे रहा है। महागठबंधन कह रहा कि धर्मनिरपेक्ष वोटों का बिखराव हुआ तो राजग को लाभ होगा। तीसरा कोण इसी पर निर्भर करता है कि अल्पसंख्यक मतदाता महागठबंधन और एमआइएम में किसकी व्याख्या पर भरोसा करता है। क्योंकि महागठबंधन लगातार एमआइएम को भाजपा की बी टीम बता रहा है।

किसके हिस्से आई कितनी सीटें

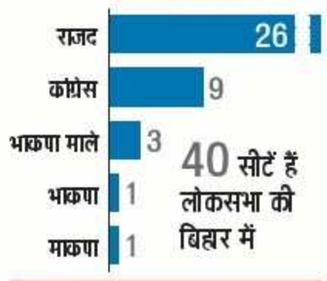

- महागठबंधन के लिए सीट बंटवारे में लालू प्रसाद के निर्णय को सही ठहराने की चुनौती
- इस बार एक से अधिक क्षेत्रों में तीसरा कोण बना सकती है एआइएमआइएम

2019 में किस-किस लोकसभा क्षेत्र में बना था तीसरा कोण

2019 के चुनाव में किशनगंज और बेगूसराय को छोड़कर कहीं प्रभावकारी तीसरा कोण नहीं बन पाया था। किशनगंज में कांग्रेस, जदयू और एआइएमआइएम के बीच तथा बेगूसराय में भाजपा, भाकपा और राजद के बीच वोटों का विभाजन हुआ था। अन्य सभी क्षेत्रों में तीसरा कोण बनाने का प्रयास 50 हजार से एक लाख वोटों के बीच सिमट गया। वाल्मीकिनगर में जदयू की जीत हुई। कांग्रेस को दूसरा और बसपा को तीसरा स्थान मिला था। मधेपुरा में जन अधिकार पार्टी के संस्थापक राजेश रंजन ऊर्फ पप्पू यादव को 97 हजार से कुछ अधिक वोट मिले, लेकिन जीतने वाले उम्मीदवार को छह लाख 24 हजार वोट मिले थे। सिवान में जदयू, राजद और भाकपा माले के बीच त्रिकोणीय संघर्ष जरूर हुआ, लेकिन माले को एक लाख से भी कम वोट मिले थे।

असदुद्दीन ओवैसी

अतीत के आईने से

कई घटनाओं की गवाह रही है पुरानी संसद

अपने 96 वर्ष के लंबे इतिहास में पुराना संसद भवन संविधान के निर्माण के साथ ही महत्वपूर्ण कानून बनाने से लेकर आपातकाल जैसी अहम घटनाओं का गवाह रहा है। आइये जानते हैं कुछ प्रमुख घटनाक्रम के बारे में।

इरविन ने किया था पुराने संसद भवन का उद्घाटन

पुराने संसद भवन का उद्घाटन ब्रिटिश शासन के दौरान 18 जनवरी 1927 को हुआ था। उस समय देश में वायसराय को सर्वोच्च माना जाता था। वर्ष 1926 से 1931 तक लार्ड इरविन भारत के वायसराय थे। उन्होंने ही संसद भवन का उद्घाटन किया था। भारत के संविधान का निर्माण भी इसी संसद भवन में हुआ था। 26 जनवरी, 1950 को जब देश का संविधान लागू हुआ और डा. राजेंद्र प्रसाद ने भारत के पहले राष्ट्रपति का पद संभाला तो उसी समय देश में गवर्नर जनरल का पद समाप्त हो गया।

आपातकाल की घोषणा

देश के राजनीतिक इतिहास की जब भी बात होती है तो आपातकाल का जिक्र जरूर आता है। 25 जून, 1975 को तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर संविधान के अनुच्छेद 352 के अधीन आपातकाल की घोषणा की थी। 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक देश में आपातकाल रहा। पुराना संसद भवन इस बड़ी घटना का भी गवाह रहा है।

महासमर से जुड़ी खबरों और सामग्री को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

उप्र में चार सीटों पर कांग्रेस असमंजस में

आलोक मिश्र • लखनऊ

- सपा से हाथ मिलाकर अपने हिस्से आई 17 में से 13 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी पार्टी
- परंपरागत सीट अमेठी व रायबरेली के अलावा मथुरा व प्रयागराज को लेकर नहीं ले सकी निर्णय

उत्तर प्रदेश में भले ही सपा से हाथ मिलाकर कांग्रेस अपने हिस्से आईं 17 में से 13 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी हो, पर अमेठी-रायबरेली समेत शेष बचीं चार सीटों को लेकर वह असमंजस में है। इससे पार्टी में बेचैनी है। 80 लोकसभा सीटों वाले प्रदेश में कांग्रेस के पास मात्र रायबरेली की एक ही सीट बची थी, लेकिन यहां से सांसद रहीं कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के राज्यसभा सदस्य चुने जाने से इस पर भी आशंका के बादल मंडराने लगे हैं।

गठबंधन के एक माह बाद भी कांग्रेस अमेठी, रायबरेली, मथुरा और प्रयागराग सीट से खड़े होने वाले उम्मीदवार तय नहीं कर पाई है। कांग्रेस नेता स्वीकारते हैं कि इस अनिर्णय का सीधा असर उसके कार्यकर्ताओं के मनोबल पर पड़ रहा है। संगठन व पदाधिकारी अमेठी से राहुल गांधी व रायबरेली से प्रियंका गांधी वाड्रा को मैदान में उतारने की मांग केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचा चुके हैं।

रायबरेली से प्रियंका को सबसे मुफीद उम्मीदवार माना जा रहा है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि प्रियंका इस सीट से अपनी दादी इंदिरा गांधी और मां सोनिया गांधी की विरासत संभालेंगी तो कार्यकर्ताओं को संजीवनी जरूर मिलेगी। इसकी मांग लखनऊ में बीते दिनों हुए प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में भी उठी थी। यहां प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय व प्रदेशाध्यक्ष अजय राय से मिलने वाले हर पदाधिकारी ने अपने जिले के कार्यकर्ता की जो 'चिट्ठी' बांची, उसका मजमून एक ही था कि .... 'अमेठी से राहुल भैया और रायबरेली से प्रियंका दीदी को ही चुनाव लड़ने के लिए किसी भी तरह मनाइए'। एक नेता बेबाकी से कहते हैं कि इसमें संदेह नहीं कि कांग्रेस के पास अपने चेहरों का टोटा है, तभी तो ज्यादातर सीटों पर दूसरे दलों से आए नेताओं को मौका देना पड़ रहा है।

अन्य उम्मीदवार को लेकर चल रहा मंथन: पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में यह चर्चा भी जोरशोर से सुनाई पड़ती है कि कार्यकर्ताओं की भावना का आदर न हुआ तो राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान जागा जोश लोकसभा चुनाव से पहले ही ठंडा भी पड़ जाएगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी के केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद अमेठी की सीट पर किसी अन्य उम्मीदवार को लेकर भी भीतरखाने मंथन चल रहा है। नेहरू-गांधी परिवार के कई चेहरों के लिए लोस पहुंचने की पहली सीढ़ी रही अमेठी की सीट पर किसी नए प्रयोग की संभावना को भी नकारा नहीं जा सकता।

प्रयागराज व मथुरा के लिए ये है तैयारी: प्रयागराज सीट से सपा के पूर्व राज्यसभा सदस्य रेवती रमण सिंह के पुत्र उज्जवल रमण सिंह को मैदान में उतारने की चर्चा है। उज्जवल जल्द कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, मथुरा लोकसभा क्षेत्र से अभिनेत्री व भाजपा सांसद हेमा मालिनी के सामने बाक्सर विजेंद्र सिंह को उतारने की चर्चा है।

चुनावी रंग और किस्मत का साथ

चुनावी रंग कई बार जीत-हार से आगे जीवन को भी खुशियों से भर सकते हैं। ऐसा ही रंग चढ़ा है पंजाब के सीएम भगवंत मान के जीवन में। वर्ष 2020 में दिल्ली विस चुनाव में प्रचार के दौरान जब मान ने सेल्फी ली तो फ्रेम में एक और चेहरा था डा. गुरप्रीत कौर का। तब दोनों एक दूसरे से परिचित नहीं थे। बाद में वर्ष 2022 में मान और गुरप्रीत जीवनसाथी बने। 28 मार्च को गुरप्रीत ने बच्ची को जन्म दिया है, जिसका नाम नियामत है। यह तस्वीर मान ने एक्स पर साझा कर लिखा है कि 'क्या पता कब किस्मत आपको कहां ले जाए' • सौ. भगवंत मान के एक्स अकाउंट से

चुनावी कानाफूसी

सहनीजी, डिप्टी सीएम बनिए न

सात-आठ वर्ष की अवधि में बिहार के सभी गठबंधनों से बंध चुके सहनीजी लोस चुनाव में पूरी तरह बंधन मुक्त हैं। राजग ने उन्हें लंबे समय तक लटकाए रखा। अधिक सीटों की मांग की तो राजग के बड़े नेता चुप रहे। सीटों के बंटवारे की बारी आई तो सहनीजी को कह दिया गया-नो रूम। सुरक्षित ठिकाने की तलाश में महागठबंधन की शरण में गए। कहा कि 2019 की तरह तीन सीट दे दीजिए। राजनीति के चतुर खिलाड़ी लालू प्रसाद ने एकबारगी उन्हें ना नहीं कहा। महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों का बंटवारा हुआ तो सहनीजी की पसंद की सीटें खगड़िया, दरभंगा और मुजफ्फरपुर क्रमशः माकपा, राजद और कांग्रेस को दे दी गईं। अब उन्हें आश्वासन दिया जा रहा है कि लोस चुनाव में साथ दीजिए। राज्य की अगली सरकार में आप डिप्टी सीएम रहेंगे।

प्रतिद्वंद्वी से ज्यादा अपनों से खतरा

लोस चुनाव सिर पर हैं, पर हरियाणा के कांग्रेसी हैं कि गुटबाजी से बाहर नहीं निकल पा रहे। खेमेबंदी इस कदर हावी है कि पार्टी के दिग्गज नेता भी लोस चुनाव में उतरने की हिम्मत नहीं जुटा रहे। इनका पूरा जोर खुद टिकट लेने के बजाय विरोधी खेमे को चुनावी रण में उतारने पर है, ताकि अपना कांटा निकाला जा सकें। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेशाध्यक्ष चौधरी उदयभान का खेमा हो या फिर कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला तथा पूर्व सीएम स्वर्गीय बंसीलाल की पुत्रवधू किरण चौधरी की तिकड़ी, चुनावी बिसात पर सधी चाल चल रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में कानाफूसी शुरू हो गई है कि लोस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों को प्रतिद्वंद्वी से ज्यादा अपने ही 'विभीषणों' से खतरा है। कांग्रेसी भितरघात करते हुए अपनी ही पार्टी के प्रत्याशी को अड़ंगी मारते नजर आएं तो बड़ी बात नहीं होगी।

भटकता नहीं, परखता है उत्तराखंड का मतदाता

केदार दत्त • देहरादून

मध्य हिमालयी राज्य उत्तराखंड भौगोलिक दृष्टि से भले ही छोटा हो और लोकसभा की कुल जमा पांच सीटें हों, लेकिन यहां के मतदाता का सोच राष्ट्रीय और परिपक्व है। चुनावों में यह परिलक्षित भी होता आया है। यहां बुनियादी मुद्दे बहुत असरकारी नहीं हैं। राज्य का मतदाता राष्ट्रीय मुद्दों पर पार्टी और प्रत्याशियों को परखता आया है।

विषय चाहे आंतरिक सुरक्षा का हो या सीमाओं की सुरक्षा अथवा घुसपैठ का, उत्तराखंड के नागरिक सजग प्रहरी की भूमिका निभाते हैं। वे सभी को तौलते हैं। इसी परंपरा को यहां का मतदाता लोकतंत्र के इस महोत्सव में भी आगे बढ़ाता दिख रहा है। यद्यपि, राजनीतिक दल और प्रत्याशी स्थानीय व क्षेत्रीय मुद्दों को भी आगे बढ़ाते हैं, लेकिन कम ही लोग इससे प्रभावित होते हैं। देश-प्रदेश में राजनीतिक अस्थिरता न हो, इस दृष्टिकोण से भी यहां के निवासी अपनी परिपक्वता का परिचय देते आए हैं। कुछ इसी तरह के मुद्दे इन दिनों यहां चर्चा में हैं। सीमा से लेकर शहर तक इनकी गूंज सुनाई पड़ रही है।

इसलिए देते हैं राष्ट्रीय मुद्दों को महत्व: राष्ट्रीय मुद्दों को महत्व देने के पीछे कई कारण हैं। विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाला यह राज्य चीन और नेपाल की सीमाओं से सटा है। उत्तराखंड की 658 किमी सीमा इन देशों से लगी है। सीमावर्ती प्रथम गांवों के लोग एक प्रकार से देश के प्रहरी की भूमिका भी निभाते आ रहे हैं। ऐसे में वे स्वयं को राष्ट्र की चिंता से जोड़ते ही नहीं, बल्कि अपना योगदान भी देते हैं।

इसलिए सिर चढ़कर बोलता है देशभक्ति और राष्ट्रवाद का ज्वार: उत्तराखंड सैनिक बहुल प्रदेश भी है। प्रत्येक तीसरे परिवार का कोई न कोई सदस्य सेना अथवा अर्धसैनिक बलों का हिस्सा है। ऐसे में देशभक्ति और राष्ट्रवाद का ज्वार सिर चढ़कर बोलता है। साक्षरता के मामले में भी उत्तराखंड देश के औसत से आगे है। 2011 की जनगणना के अनुसार साक्षरता 78.8 प्रतिशत है, जबकि देश में 74.04 प्रतिशत। राज्य में 87.4 प्रतिशत पुरुष और 70.0 प्रतिशत महिलाएं साक्षर हैं। परिणामस्वरूप राष्ट्रीय विषयों की मतदाता गहराई से पड़ताल करते हैं और उसी के बाद तय करते हैं कि चुनावों में उन्हें अपने मत का उपयोग किन मुद्दों को ध्यान में रखकर करना है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी राज्यवासी इस परंपरा को आगे बढ़ाते दिख रहे हैं। यही कारण है कि राजनीतिक दलों ने अपने चुनाव प्रचार के केंद्र में राष्ट्रीय मुद्दों को प्रमुखता दी है।

भाजपा-कांग्रेस के ये हैं प्रमुख मुद्दे

जागो वोटर

भाजपा के नजरिये से देखें तो उसने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, नागरिकता संशोधन अधिनियम, सैनिकों के लिए वन रैंक-वन पेंशन, तमाम केंद्रीय योजनाएं, समान नागरिक संहिता की उत्तराखंड की पहल जैसे राष्ट्रीय विषयों को केंद्र में रखा है। दूसरी तरफ, कांग्रेस अग्निपथ योजना में खामियां जैसे विषयों को जनता के बीच रख रही है। इनकी राष्ट्रीय स्तर पर भी खूब चर्चा हो रही है।

- चुनाव चाहे लोकसभा के हों या विधानसभा, सभी में हावी रहते हैं राष्ट्रीय मुद्दे
- 2024 के चुनाव में भी सीमा से लेकर शहर तक राष्ट्रीय मुद्दों की हो रही है चर्चा

महिलाएं और पुरुष कितने साक्षर

नोट: आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार

****

80 हजार नेता और कार्यकर्ता भाजपा में हुए शामिल हुए हैं चुनाव से पहले। भाजपा में शामिल होने वालों में न केवल राष्ट्रीय स्तर के बल्कि जिला स्तर के नेता भी शामिल हैं। भाजपा का लक्ष्य दूसरे दलों के लगभग एक लाख नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी में शामिल करना है।

पंजाबी गायक हंसराज हंस को फरीदकोट से टिकट

भाजपा की आठवीं सूची जारी ▶ पंजाब के पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर पटियाला से लड़ेंगी चुनाव

पूर्व भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू अमृतसर से उतरेंगे चुनावी मैदान में

हंसराज हंस। फाइल

परनीत कौर। फाइल

रवनीत सिंह बिट्टू।

सुशील कुमार रिंकू।

नई दिल्ली, प्रेट्र: भाजपा ने शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए अपनी आठवीं सूची जारी कर दी है। इसमें 11 और लोकसभा क्षेत्रों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। जिसमें भर्तृहरि महताब, रवनीत सिंह बिट्टू, सुशील कुमार रिंकू और परनीत कौर जैसे कई नेता शामिल हैं जो हाल ही में विभिन्न दलों से भाजपा में शामिल हुए थे। इन सभी नेताओं को उन सीटों से मैदान में उतारा गया है, जिनका वे निवर्तमान लोकसभा में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जबकि अमेरिका में पूर्व भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू अमृतसर से चुनावी मैदान में उतरेंगे।

2019 में भाजपा के टिकट पर उत्तर पश्चिम दिल्ली से चुनाव जीतने वाले हंसराज हंस फरीदकोट (सुरक्षित) सीट से चुनाव लड़ेंगे। हाल ही में भाजपा में शामिल रवनीत सिंह बिट्टू लुधियाना से, परनीत कौर पटियाला से और सुशील कुमार रिंकू जालंधर (सुरक्षित) से चुनाव लड़ेंगे। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते बिट्टू और पंजाब के पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर दोनों भाजपा में शामिल होने से पहले कांग्रेस में थे, जबकि रिंकू आम आदमी पार्टी में थे। भाजपा ने शनिवार को बंगाल के झारग्राम (सुरक्षित) से डा प्रणत टुडू और वीरभूम से देबाशीष धर आइपीएस, ओडिशा के जाजपुर (सुरक्षित) से डा. रबिंद्र नारायण बेहरा, कंधमाल से सुकांत कुमार पाणिग्रही और कटक से भर्तृहरि महताब के नाम घोषित किये। भाजपा अब तक 411 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। भाजपा ने इस बार लोकसभा चुनाव में 400 से ज्यादा सीटें लाने का लक्ष्य रखा है। खास तौर पर पंजाब और दक्षिण पर फोकस है।

मोदी की रैली में दिखेगा 'सबका साथ'

जागरण संवाददाता, मेरठ

- मेरठ में रैली आज, चुनावी अभियान का प्रधानमंत्री करेंगे शुरुआत
- 2014 और 2019 के चुनावी अभियानों की शुरुआत भी मेरठ से की थी

आम चुनाव की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेरठ से चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे। मंच पर हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ-साथ रालोद प्रमुख जयन्त चौधरी भी मौजूद रहेंगे। गठबंधन के बाद पीएम मोदी और जयन्त संयुक्त रूप से पहली बार साथ दिखेंगे। पीएम मोदी पश्चिम उत्तर प्रदेश से चुनावी अभियान शुरू करना लकी मानते हैं। इससे पहले मोदी ने 2014 और 2019 के चुनावी अभियानों की शुरुआत भी मेरठ से की थी। प्रधानमंत्री रविवार दोपहर 3.15 बजे रैली स्थल केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान पहुंचेंगे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने शनिवार को रैली स्थल का निरीक्षण कर बताया कि रैली स्थल के पास दो हेलीपैड बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री की रैली में अनुसूचित, अति पिछड़े, पिछड़े व सवर्ण समेत सभी जातियों का समन्वय दिखेगा। प्रधानमंत्री की रैली मेरठ-हापुड़ समेत पांच लोकसभा

नरेन्द्र मोदी। फाइल

क्षेत्रों मुजफ्फरनगर, कैराना, बिजनौर, बागपत की संयुक्त रैली है, इसलिए सभी क्षेत्रों की हिस्सेदारी होगी। रालोद के सभी विधायक पहुंचेंगे। रालोद ने संबंधित जिलों में अपने पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को रैली के लिए निर्देशित किया है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बासित अली ने बताया केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है। मुस्लिम समाज भी भाजपा से जुड़ रहा है।

लोस चुनाव प्रचार के लिए अगले माह बंगाल दौरे पर आएंगे पीएम मोदी

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी अगले महीने बंगाल का दौरा करेंगे। भाजपा सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी उत्तर बंगाल में पार्टी के सभी उम्मीदवारों के साथ मेगा रैली कर सकते हैं, हालांकि उनकी बंगाल यात्रा की तारीख अभी तय नहीं हुई है। प्रदेश भाजपा नेताओं के साथ केंद्रीय नेतृत्व की पीएम मोदी के दौरे के संबंध में पहले ही बैठक हो चुकी है। जल्द ही तारीख पर फैसला हो सकता है। उत्तर बंगाल की सीटों पर शुरुआती चरण में ही मतदान है। इनमें कूचबिहार, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी सीटों के लिए पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान है।

संदेशखाली कांड की पीड़िता रेखा ने पीएम मोदी की भगवान राम से की तुलना

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

बंगाल की बशीरहाट लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रेखा पात्र ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना भगवान राम से की है। उन्होंने एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा-'पीएम मोदी के साथ 26 मार्च को टेलीफोन पर हुई बातचीत मेरे जीवन का सर्वोत्तम पल है। उनसे बातचीत के समय ऐसा महसूस हो रहा था, जैसे भगवान राम से बात कर रही हूं।' मालूम हो कि बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने रेखा को 'शक्ति स्वरूपा' कहा था। संदेशखाली में तृणमूल नेताओं की हिंसा की शिकार रेखा ने भाजपा में शामिल होने का कारण बताते हुए कहा-'एकमात्र भाजपा ही संदेशखाली कांड के खिलाफ लड़ रही है।

रेखा पात्र।

भाजपा के केंद्रीय व राज्य स्तर के नेताओं ने हमारा मनोबल बढ़ाया इसलिए मैं इस पार्टी में शामिल हुई हूं। भाजपा विधायक व बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुझे पार्टी में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। मैं दरअसल राजनीति करने नहीं, बल्कि अत्याचार के शिकार लोगों के लिए लड़ने को भाजपा में शामिल हुई हूं। मैं गांव की एक साधारण बहू हूं, जिसे भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टी ने अपना प्रत्याशी बनाया है लेकिन मैं खुद को प्रत्याशी नहीं मानती। प्रत्याशी तो संदेशखाली के सताए हुए लोग हैं। मैं तो बस उनका चेहरा हूं।' साक्षात्कार के दौरान अपने परिवार के बारे में रेखा ने बताया-'मेरे पति संदीप दूसरे राज्य में काम करते हैं। घर में सास व तीन बेटियां हैं।

एक्स पर अब कंगना का प्रोफाइल, जिसमें नाम के आगे मोदी का परिवार लिखा है।

कंगना भी मोदी परिवार में शामिल

जागरण संवाददाता, मंडी : चुनाव प्रचार का शुरू करने के बाद कंगना रनौत भाजपा के रंग में रंगने लगी हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना ने एक्स और इंटरनेट मीडिया के अन्य प्लेटफार्म पर अपना प्रोफाइल अपडेट किया है। वह भी मोदी परिवार में शामिल हो गई हैं। एक्स पर अपने नाम के आगे मोदी का परिवार लिखा है। अन्य प्लेटफार्म पर अभिनेत्री के साथ अब मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी लिख लिया है।

राजनाथ के नेतृत्व में घोषणापत्र समिति गठित, नहीं होगा राम मंदिर और 370 का जिक्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- मंदिर निर्माण और अनुच्छेद 370 हटाने का वायदा पूरा, भाजपा के घोषणापत्र से होंगे बाहर
- यूसीसी का मुद्दा रहेगा शामिल, विकसित भारत और नारी सशक्तीकरण होगा जोर

राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में भाजपा की घोषणापत्र समिति गठित कर दिया है। घोषणापत्र समिति में भाजपा ने देश के विभिन्न राज्यों के नेताओं को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की है, ताकि लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्र व्यापी मुद्दों की पहचान कर उनके अनुसार घोषणापत्र को तैयार कर सके। माना जा रहा है कि राम मंदिर और अनुच्छेद 370 के निरस्त करने का वायदा पूरा होने जाने का कारण इस बार घोषणापत्र में ये शामिल नहीं होंगे। अनुच्छेद 370 जनसंघ के जमाने से और राम मंदिर निर्माण का मामला 1989 से भाजपा की घोषणापत्र में शामिल रहे हैं।

अनुच्छेद 370 और राम मंदिर की जगह 2047 तक विकसित भारत का निर्माण और नारी सशक्तीकरण इस बार के घोषणापत्र में अहम मुद्दे हो सकते हैं। साथ ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) भी घोषणापत्र का हिस्सा होंगे। यूसीसी भी जनसंघ के जमाने से भाजपा के घोषणापत्र का अहम हिस्सा रहा है।

राजनाथ सिंह। फाइल

वैसे उत्तराखंड ने राज्य स्तर पर यूसीसी का लागू कर दिया और गुजरात ने इसके लिए समिति का गठन कर दिया है लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर इसे लागू करना भाजपा के लिए चुनावी मुद्दा बना रहेगा। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और नक्सली हिंसा को मिली सफलता को दर्शाते हुए भाजपा अगले पांच सालों में इन्हें पूरी तरह खत्म करने का वायदा कर सकती है। चुनाव घोषणापत्र समिति में निर्मला सीतारमण को संयोजक और पीयूष गोयल को सह संयोजक बनाया गया है। इसके साथ ही भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, धर्मेंद्र प्रधान और रविशंकर प्रसाद समेत पार्टी के 24 वरिष्ठ नेताओं को इसका सदस्य बनाया गया है।

भाजपा की घोषणापत्र समिति में उप्र को सर्वाधिक प्रतिनिधित्व: घोषणापत्र समिति में उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक प्रतिनिधित्व मिला है। 27 सदस्यीय समिति में उत्तर प्रदेश के कुल पांच नाम हैं। इसमें केंद्रीय मंत्री और अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व राज्यसभा सदस्य डा.राधा मोहन दास अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व एमएलसी तारिक मंसूर को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

राकांपा (शरद गुट) की पहली सूची जारी, सुप्रिया सुले बारामती से लड़ेंगी चुनाव

मुंबई, प्रेट्र: राकांपा (शरद गुट) ने शनिवार को महाराष्ट्र से लोकसभा चुनाव के लिए अपने पांच उम्मीदवारों की पहली सूची घोषित की, जिसमें बारामती से सुप्रिया सुले को बरकरार रखा गया है। अहमदनगर से अजीत पवार खेमे से पाला बदलने वाले नीलेश लंके को मैदान में उतारा गया है। राकांपा (शरद गुट) के प्रमुख जयंत पाटिल ने सूची की घोषणा करते हुए कहा कि सुप्रिया सुले और अमोल कोल्हे को क्रमश बारामती और शिरूर निर्वाचन क्षेत्रों से बरकरार रखा गया है। भास्कर भागरे को नासिक की डिंडोरी सीट से और पूर्व कांग्रेस विधायक अमर काले को वर्धा से उम्मीदवार बनाया गया है। भगरे डिंडोरी (सुरक्षित) सीट पर केंद्रीय मंत्री और मौजूदा भाजपा सांसद भारती पवार के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। पारनेर से मौजूदा विधायक लंके का मुकाबला अहमदनगर से भाजपा सांसद सुजय विखे पाटिल से होगा।

सुप्रिया सुले। फाइल

पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और कांग्रेसी दिग्गज शिवराज पाटिल की बहू भाजपा में शामिल

राज्य ब्यूरो, मुंबई

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल की बहू अर्चना पाटिल चाकुरकर शनिवार को भाजपा में शामिल हो गईं। उन्हें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा की सदस्यता दिलाई। एक दिन पहले ही उन्होंने फडणवीस से मुलाकात कर भाजपा में शामिल होने की इच्छा जताई थी। शिवराज पाटिल सात बार लातूर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह लोकसभा अध्यक्ष रहने के अलावा केंद्र सरकार में रक्षा राज्यमंत्री और गृह मंत्री की जिम्मेदारियां भी निभा चुके हैं। मुंबई में हुए 26 नवंबर, 2008 के आतंकी हमले के बाद उन्हें गृह मंत्री पद से त्यागपत्र देना पड़ा था। बाद में वह पंजाब के राज्यपाल भी रहे। वह महाराष्ट्र के बड़े लिंगायत नेता के रूप में भी जाने जाते हैं। बता दें कि इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण एवं दक्षिण मुंबई के पूर्व सांसद मिलिंद देवड़ा भी कांग्रेस छोड़ चुके हैं। अशोक चव्हाण भाजपा में शामिल हुए हैं, जबकि मिलिंद देवड़ा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना में शामिल हुए हैं।

महाराष्ट्र

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल की बहू अर्चना पाटिल चाकुरकर शनिवार को मुंबई में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले की उपस्थिति में भाजपा में सम्मिलित हो गईं। प्रेट्र

द्रमुक 'वायरस' को हराने को तमिलिसाई को 'वैक्सीन' के रूप में भेजा : भाजपा

चेन्नई, एएनआइ : आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत पर विश्वास जताते हुए पार्टी प्रवक्ता सीआर केशवन ने कहा कि तेलंगाना के पूर्व राज्यपाल और दक्षिण चेन्नई से भाजपा उम्मीदवार तमिलिसाई सौंदरराजन दक्षिण चेन्नई के लिए 'मोदी की गारंटी' हैं। केशवन ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलिसाई को द्रमुक ''वायरस'' को हराने के लिए 'वैक्सीन' के रूप में भेजा है। केशवन ने कहा, सौंदरराजन लोगों की समस्याओं को समझती हैं। वह यह भी समझती हैं कि उन समस्याओं को कैसे हल किया जा सकता है। महामारी के दौरान पीएम मोदी ने हमें वायरस के लिए वैक्सीन दी थी। तमिलनाडु में आपको द्रमुक के लिए वैक्सीन की जरूरत है। यही कारण है कि पीएम मोदी ने इस द्रमुक वायरस को हराने के लिए 'तमिलिसाई वैक्सीन' भेजी है। तमिलनाडु की सभी 39 सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा।

तमिलनाडु

लोकसभा चुनाव के बाद तीन महीने में विभाजित हो जाएगी कांग्रेस : बोम्मई

बेंगलुरु, आइएएनएस: कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने शनिवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद कर्नाटक में कांग्रेस विभाजित हो जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में पार्टी को उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं और उसने मंत्रियों के परिवार को टिकट दिया जा रहा है। उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कर्नाटक में तीन महीने के भीतर कांग्रेस विभाजित हो जाएगी। बोम्मई ने कहा कि वंशवाद की राजनीति कांग्रेस की पहचान रही है लेकिन इस बार मंत्रियों के रिश्तेदारों को अधिक टिकट देना एक अलग कारण है। बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने दस मंत्रियों को संसदीय चुनाव लड़ने के लिए कहा था लेकिन उन्हें भरोसा नहीं था कि वे जीतेंगे। जब केंद्रीय नेताओं ने उनसे उपयुक्त उम्मीदवार सुझाने को कहा तो उन्होंने अपने बेटे, बेटियों, दामाद, बहू और भाई को टिकट दिला दिया। बोम्मई ने कहा कि वह 31 मार्च को तय करेंगे कि लोकसभा उम्मीदवार के तौर पर नामांकन कब दाखिल करना है। कांग्रेस विधायक रमेश बांदीसिद्देगौड़ा द्वारा पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी के स्वास्थ्य को लेकर उठाए गए सवाल पर बोम्मई ने कहा रमेश बांदीसिद्देगौड़ा डाक्टर नहीं हैं और स्वास्थ्य के मुद्दे को राजनीति में घसीटना सही नहीं है।

कर्नाटक

- पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने साधा निशाना, कहा राज्य के मंत्रियों ने अपने बेटे, बेटियों, दामाद, बहू और भाई को टिकट दिलाया

बासवराज बोम्मई।

कांग्रेस ने कोलार क्षेत्र से केवी गौतम को बनाया उम्मीदवार

बेंगलुरु, प्रेट्र : कांग्रेस ने शनिवार को कोलार लोकसभा क्षेत्र से केवी गौतम को अपना उम्मीदवार घोषित किया। गौतम बेंगलुरु मध्य जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और बेंगलुरु के पूर्व मेयर केवी विजय कुमार के बेटे हैं। कांग्रेस द्वारा इस सीट से उम्मीदवार की घोषणा में देरी हुई है, क्योंकि कर्नाटक के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री केएच मुनियप्पा चाहते थे कि उनके दामाद चिक्का पेद्दन्ना को कोलार से मैदान में उतारा जाए। वहीं मंत्री एमसी सुधाकर सहित पांच विधायकों ने धमकी दी थी कि अगर पेद्दन्ना को टिकट दिया गया तो वे सामूहिक इस्तीफा दे देंगे। आखिरकार पार्टी ने गौतम को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने यह सीट गठबंधन सहयोगी जदएस के लिए छोड़ी है। जदएस से एम. मल्लेश बाबू उम्मीदवार हैं।

केवी गौतम। फाइल

शिवसेना नेता शिवतारे नहीं लड़ेंगे बारामती से चुनाव

राज्य ब्यूरो, मुंबई : शिवसेना नेता विजय शिवतारे अब महाराष्ट्र के बारामती निर्वाचन क्षेत्र से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने की अपनी घोषणा से पीछे हट गए हैं। इस सीट से महायुति के उम्मीदवार के रूप में उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी के नेता शिवतारे ने पहले बारामती से चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। लेकिन, दो दिन पहले मुंबई में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, दोनों उप मुख्यमंत्रियों देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार से एक साथ मुलाकात होने के बाद उन्होंने कहा है कि वह पुणे जिले के बारामती से चुनाव नहीं लड़ेंगे। बारामती राकांपा संस्थापक शरद पवार के परिवार का राजनीतिक गढ़ माना जाता है।

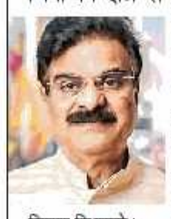
विजय शिवतारे।

कांग्रेस को शिवसेना उद्धव गुट के दबाव में नहीं आना चाहिए : निरूपम

राज्य ब्यूरो, मुंबई

शिवसेना उद्धव गुट द्वारा लोकसभा चुनाव के लिए 17 उम्मीदवारों की घोषणा के बाद नाराज चल रहे कांग्रेस नेता संजय निरूपम ने कहा है कि उनकी पार्टी को मुंबई की सीटों के लिए शिवसेना उद्धव गुट के दबाव में नहीं आना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि शिवसेना (उद्धव गुट) कांग्रेस के समर्थन के बिना कोई भी सीट जीतने की स्थिति में नहीं है। इससे पहले शिवसेना (उद्धव गुट) ने 17 उम्मीदवारों की सूची जारी करते हुए कहा था कि वह महाराष्ट्र में कुल 22 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इन सीटों में मुंबई की चार सीटें भी शामिल हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के नेतृत्व को एक सप्ताह का समय देने के अपने रुख को दोहराया। इसके बाद वह मुंबई उत्तर-पश्चिम सीट से चुनाव लड़ने पर निर्णय लेंगे। निरूपम स्वयं मुंबई उत्तर-पश्चिम सीट से चुनाव लड़ने का विचार कर रहे हैं। वहां से वह 2019 में हार गए थे। उद्धव ठाकरे द्वारा अपने उम्मीदवारों की एकतरफा घोषणा के बाद से महाविकास आघाड़ी (मविआ) के दो अन्य सहयोगियों कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के बीच बेचैनी पैदा हो गई है, क्योंकि तीनों दलों ने लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे को अभी अंतिम रूप नहीं दिया है। अब निरूपम का कहना है कि कांग्रेस को शिवसेना के डर में नहीं आना चाहिए, क्योंकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी कांग्रेस के समर्थन के बिना कोई भी सीट जीतने में सक्षम नहीं है। मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि शिवसेना उद्धव गुट ने मुंबई की छह में से पांच सीटें लेने के लिए कांग्रेस को मजबूर किया है। लेकिन कांग्रेस को स्वयं को इस तरह मजबूर नहीं होने देना चाहिए। उद्धव गुट का यह कदम शहर में कांग्रेस को खत्म करने की एक चाल है। कांग्रेस को सांगली, मुंबई उत्तर-पश्चिम, मुंबई दक्षिण-मध्य और भिवंडी में दोस्ताना मुकाबला करना चाहिए।

संजय निरुपम। फाइल

बसपा प्रत्याशी ने कांग्रेस विधायक पत्नी को कहा, चुनाव तक मेरे घर में मत रहो

नईदुनिया, बालाघाट : लोकसभा चुनाव की सियासी लड़ाई अब मुंजारे दंपती के घर तक पहुंच गई है। मप्र के बालाघाट लोकसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी व पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने कांग्रेस से विधायक पत्नी अनुभा मुंजारे को दो टूक 19 अप्रैल तक घर छोड़कर कहीं और रहने की नसीहत दी है। शनिवार को पत्रकार वार्ता में उन्होंने परिवार के अंदर की सियासी लड़ाई को मीडिया के सामने रखते हुए कहा कि मैंने अपनी पत्नी अनुभा मुंजारे से कहा है कि उन्हें कांग्रेस का प्रचार करना है तो खुलकर करें, लेकिन मेरे घर में रहते हुए नहीं। अगर वह मेरे घर में रहेंगी तो मेरे विरुद्ध प्रचार करेंगी। 19 अप्रैल तक वह चाहें तो अपनी बहन के घर रह सकती हैं। अगर वह घर नहीं छोड़ती हैं तो मैं छोड़ दूंगा। एक घर में रहकर वह अपनी पार्टी का प्रचार करें, मैं अपना, यह संभव नहीं है।

मध्य प्रदेश

- पति कंकर ने कहा-एक घर में रहकर वह अपनी पार्टी का प्रचार करें, मैं अपना, संभव नहीं

कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे। नईदुनिया आर्काइव

बालाघाट लोस क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी कंकर मुंजारे। नईदुनिया

पत्नी को घेरने से भी नहीं चूके : कंकर मुंजारे विधायक पत्नी को घेरने से नहीं चूके। उन्होंने पूछा कि जब से वह विधायक बनी हैं, तब से जिले में रेत का मुद्दा क्यों नहीं उठाया? वह भाजपा के किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान, 2700 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं खरीदने और 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने के अधूरे वादे पर आवाज क्यों नहीं उठा रही हैं। इसका मतलब है कि उनकी कोई सेटिंग हो गई है।

पत्नी ने कहा, घर छोड़ने का सवाल ही नहीं

अनुभा मुंजारे ने नईदुनिया से चर्चा में कहा कि 10 महीने पहले मैंने बेटे शांतनु के साथ कांग्रेस ज्वाइन की थी। पार्टी ने मुझे प्रत्याशी बनाया और मेरे क्षेत्र की जनता ने मुझे विधायक चुना। ऐसे में मेरी निष्ठा अपनी पार्टी के प्रति होनी चाहिए या नहीं? घर छोड़ने का सवाल ही नहीं है। मैं एक जनप्रतिनिधि के साथ कंकर मुंजारे की पत्नी भी हूं। चुनाव तक छोड़िए, मैं एक दिन के लिए भी अपना घर नहीं छोड़ सकती। विधानसभा चुनाव के वक्त भी हम दोनों ने अलग-अलग पार्टी से लड़ा था, तब ऐसी बात नहीं हुई। कंकर ने लोकसभा में कांग्रेस में शामिल होने और टिकट की इच्छा जाहिर की थी। बात नहीं बन पाई तो हो सकता कि इसी नाराजगी के कारण उन्होंने ये बयान दिया होगा। क्या इसके पहले किसी परिवार में दो लोगों ने अलग-अलग पार्टी से चुनाव नहीं लड़ा है? इसका उदाहरण ग्वालियर में सिंधिया परिवार है।

भाजपा आलाकमान की गुजरात के नेताओं को बयानबाजी न करने की नसीहत

शत्रुघ्न शर्मा, अहमदाबाद

- सरकार के कार्यों का प्रचार करने का निर्देश

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रूपाला के विवादित बयान के बाद भाजपा आलाकमान ने नेताओं व कार्यकर्ताओं को इंटरनेट मीडिया पर केंद्र व राज्य सरकार के कार्यों का प्रचार करने को कहा है। इसके साथ ही मीडिया में व्यर्थ की बयानबाजी न करने का निर्देश भी दिया गया है। उधर, क्षत्रिय समाज की बैठक में रूपाला ने अपनी भूल स्वीकारते हुए माफी मांगी, लेकिन करणी सेना ने इससे किनारा कर लिया।

भाजपा के केंद्रीय आलाकमान ने गुजरात के नेताओं से कहा है कि वे अनावश्यक बयानबाजी में न पड़ें। केंद्र और राज्य सरकार ने जनहित के जो काम किए हैं, उसका प्रचार- प्रसार करें। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल ने भी नेताओं व कार्यकर्ताओं से कहा है कि इंटरनेट मीडिया का उपयोग संभल कर करें। व्यर्थ की पोस्ट को इधर- उधर आगे नहीं बढ़ाएं। गौरतलब है कि गत 22 मार्च को एक अनुसूचित जाति के सम्मेलन में रूपाला ने कहा था कि क्षत्रिय समाज ने मुगलों से मैत्री कर ली और उनके साथ रोटी-बेटी का रिश्ता जोड़ लिया, लेकिन अनुसूचित जाति समाज कभी नहीं झुका। उनके इस बयान का क्षत्रिय समाज विरोध कर रहा है। हालांकि रूपाला ने माफी मांगी लेकिन मामला शांत नहीं हुआ।

करणी सेना ने कहा, करते रहेंगे विरोध: करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने रूपाला के बयान के विरोध में भाजपा की प्राथमिक सदस्यता छोड़ दी। वहीं करणी सेना के गुजरात अध्यक्ष वीरभद्र सिंह जाडेजा ने कहा कि जयराज सिंह की ओर से बुलाई गई बैठक समग्र समाज की घोषणा नहीं मानी जा सकती।

गुजरात

परशोत्तम रूपाला। फाइल

****

2 अप्रैल को कर्नाटक का दौरा करेंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। भाजपा के प्रदेश महासचिव वी सुनील कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि अमित शाह दो अप्रैल को पूरे दिन प्रचार में शामिल रहेंगे। बेंगलुरु में एक सम्मेलन से वह लोकसभा चुनाव के प्रचार का शुभारंभ करेंगे।

महिला क्रिकेटर ने पीएम सहित भाजपा नेताओं का उड़ाया मजाक, पोस्ट हटाया

नईदुनिया, शहडोल

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकार के इंस्टाग्राम अकाउंट से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित भाजपा के प्रमुख नेताओं का मजाक उड़ाने वाली एक पोस्ट साझा हुई। विवाद बढ़ता देखकर पूजा ने विवादास्पद पोस्ट हटा दिया और माफी भी मांग ली है। पूजा वस्त्रकार की साझा की गई पोस्ट सत्तारूढ़ पार्टी में 11 भाजपा नेता एक क्रिकेट टीम के रूप में दिख रहे हैं जिसका शीर्षक है 'वसूली टाइटन्स'। तस्वीर के साथ एक विवादास्पद कैप्शन है। यह तस्वीर कांग्रेस ने अपने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट की थी।

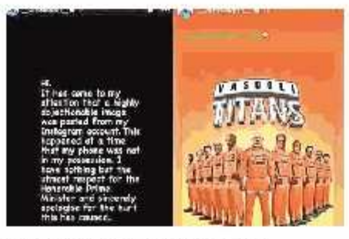

पूजा वस्त्रकार की साझा की गई पोस्ट। सौजन्य : इंस्टाग्राम

मेरे संज्ञान में आया है कि मेरे इंस्टाग्राम अकाउंट से एक बेहद आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट की गई है। यह उस वक्त हुआ, जब मेरा फोन मेरे पास नहीं था। मेरे मन में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अत्यधिक सम्मान है। इस पोस्ट से किसी को ठेस पहुंची हो तो उसके लिए मैं ईमानदारी से माफी मांगती हूं। - पूजा वस्त्रकार, भारतीय महिला क्रिकेटर

भाजपा प्रत्याशी पर अभद्र टिप्पणी के लिए कांग्रेस विधायक को साइना ने फटकारा

- शिवशंकरप्पा ने कहा था भाजापा प्रत्याशी केवल खाना बनाना जानती हैं
- वैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने कांग्रेस पार्टी को भी लिया आड़े हाथों
- नेहवाल ने कहा कि देश में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ने की ख्वाहिश रखती हैं

वैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा। फाइल

बेंगलुरु, एएनआइ: स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने शनिवार को दावणगेरे सीट से भाजपा उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वर पर की गयी महिला विरोधी टिप्पणी करने के लिए राज्य के वरिष्ठ कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा की आलोचना की। दावणगेरे दक्षिण से 92 वर्षीय मौजूदा विधायक शिवशंकरप्पा ने कहा था कि गायत्री सिद्धेश्वर केवल रसोई में खाना बनाना जानती हैं। शिवशंकरप्पा के इस बयान पर राज्य में भाजपा पहले से ही आक्रामक है। भाजपा ने उनसे महिलाओं का अपमान करने पर माफी मांगने को कहा है।

बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि कर्नाटक के एक वरिष्ठ नेता शमनूर शिवशंकरप्पा ने कहा है कि महिलाओं को रसोई तक ही सीमित रहना चाहिए। दावणगेरे से उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरा पर की गई इस टिप्पणी की कम से कम ऐसी पार्टी से उम्मीद नहीं की जा सकती जो कहते हैं कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं। नेहवाल ने कहा कि जब देश में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ने की ख्वाहिश रखती हैं तो महिलाओं के खिलाफ इस तरह की द्वेषपूर्ण टिप्पणी परेशान करने वाली हैं। साइना नेहवाल ने लिखा है कि जब मैंने खेल के मैदान पर भारत के लिए पदक जीते तो कांग्रेस पार्टी मुझसे क्या चाहती थी, मुझे क्या करना चाहिए था? इस तरह क्यों कहा जा रहा है, जब सभी लड़कियां और महिलायें किसी भी क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करने का सपना देखती हैं। नेहवाल ने लिखा कि एक तरफ हम नारी शक्ति का वंदन कर रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला आरक्षण विधेयक पारित किया गया है और दूसरी तरफ नारी शक्ति का अपमान और नारी का विरोध करने वाले लोग हैं। यह बहुत ही परेशान करने वाला है।

कांग्रेस नेता ने भाजपा प्रत्याशी पर की थी टिप्पणी

गौरतलब है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के दौरान कांग्रेस विधायक शिवशंकरप्पा ने भाजपा प्रत्याशी सिद्धेश्वरा की योग्यताओं पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि उनमें सार्वजनिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने की क्षमता नहीं है। वह सिर्फ रसोई में खाना ही बना सकती हैं। शिवशंकरप्पा ने आगे कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि वह चुनाव जीत कर मोदी का कमल का फूल खिलाना चाहती हैं। उन्हें दावणगेरे की समस्याओं की समझ नहीं है। कांग्रेस विधायक ने आगे कहा कि यह जानना एक बात है कि कैसे बात करनी है, लेकिन वे केवल खाना बनाना जानती हैं, भाजपा के पास जनता के सामने बात करने की ताकत नहीं है।

न्यूज गैलरी

ए.राजा की कार की जांच नहीं करने पर अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली: नीलगिरि से द्रमुक प्रत्याशी ए. राजा के वाहन की जांच के दौरान ढिलाई बरतने पर उड़नदस्ते के एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। कुन्नूर के समीप एक अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पर राजा के काफिले की जांच में ढिलाई के संबंध में मीडिया में आए समाचारों के बाद रिटर्निंग अधिकारी एवं व्यय पर्यवेक्षक ने जांच की। चुनाव कर्तव्यों के पालन में खामियां पाए जाने पर उड़नदस्ता टीम के प्रमुख को निलंबित कर दिया गया और पूरी टीम बदल दी गई। (प्रेट्र)

कर्नाटक में भाजपा की नेता तेजस्विनी कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली: कर्नाटक में विधान परिषद सदस्यता से त्यागपत्र दे चुकी भाजपा नेता तेजस्विनी गौड़ा शनिवार को कांग्रेस में शामिल हो गईं। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा का संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास नहीं है। 2004 और 2009 में कांग्रेस सांसद रहीं तेजस्विनी 2014 में भाजपा में शामिल हो गईं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की उपस्थिति में पार्टी में शामिल होने को तेजस्विनी ने घर वापसी कहा है। (प्रेट्र)

विरोध कर रहे महंत का लेंगे आशीर्वाद : प्रल्हाद जोशी

हुबली: लोकसभा चुनाव में कर्नाटक की धारवाड़ सीट से प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शनिवार को कहा कि वह लिंगायत महंत का आशीर्वाद जीतने का प्रयास करेंगे। लिंगायत महंत दिंगालेश्वर स्वामी ने एक संवाददाता सम्मेलन में क्षेत्र से उनकी जगह किसी दूसरे को प्रत्याशी बनाने की मांग की थी। प्रल्हाद ने इस बात से अनभिज्ञता प्रकट की। (एएनआइ)

हैदराबाद की मेयर विजयलक्ष्मी कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद: हैदराबाद की मेयर जी. विजयलक्ष्मी शनिवार को राज्य में सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस में शामिल हो गईं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और तेलंगाना की प्रभारी दीपा देशमुंशी ने पार्टी में उनका स्वागत किया। विजयलक्ष्मी बीआरएस महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य के. केशव राव की बेटी हैं। केशव राव ने भी कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लिया है। (आइएएनएस)

तमिलनाडु की 39 सीटों के लिए 950 प्रत्याशी मैदान में

चेन्नई: तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटों के लिए 950 प्रत्याशी मैदान में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सत्यव्रत साहू ने शनिवार को कहा कि 19 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा। शनिवार को नाम वापस लेने की समयसीमा बीतने के बाद मैदान में बचे 874 पुरुष और 76 महिला प्रत्याशी बचे हैं। अंतिम दिन 135 प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस ले लिए। उधर पुडुचेरी की एकमात्र सीट के लिए एक प्रत्याशी का नामांकन वापस होने के बाद में 26 प्रत्याशी मैदान में हैं। (प्रेट्र)

12 दिन बाद राजग में लौट आए पारस, सभी 40 सीटों पर जीत के लिए वोट मांगेंगे

चुनाव लड़ने के बारे में कुछ नहीं कहा, एक्स हैंडल पर फिर लिखा -मोदी का परिवार

पारस ने संकेत दिया है कि वह इस बार लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ने जा रहे

राज्य ब्यूरो, पटना

12 दिन पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल से त्याग पत्र देकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़ चुके राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस अब सभी 40 सीटों पर गठबंधन की जीत के लिए प्रचार करेंगे। शनिवार को उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर इसकी घोषणा की। माना जा रहा है कि भाजपा नेतृत्व ने भविष्य में सम्मानजनक समायोजन का आश्वासन देकर उन्हें राजग में बने रहने के लिए राजी कर लिया। पारस ने संकेत दिया है कि वह इस बार लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ने जा रहे। संभव है कि वे हाजीपुर में अपने भतीजा और लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान के लिए भी वोट मांगें। विदित हो कि बीते 19 मार्च को राजग और केंद्र सरकार से नाता तोड़ने के साथ ही उन्होंने अपने एक्स हैंडल से मोदी का परिवार वाला टैग हटा दिया था। अब वह फिर से जुड़ गया है।

बिहार

पारस ने शनिवार को अपने एक्स हैंडल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वाला फोटो साझा करते हुए लिखा-हमारी पार्टी रालोजपा, राजग का अभिन्न अंग है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे भी नेता हैं और उनका निर्णय हमारे लिए सर्वोपरि हैं। उनके नेतृत्व में पूरे देश में 400 से अधिक सीट जीतकर तीसरी बार रिकार्ड बहुमत से राजग की सरकार बनेगी। बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त करने में हमारी पार्टी का पूर्ण समर्थन है और रहेगा।

यह महज संयोग है कि शनिवार को ही लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपने पांच उम्मीदवारों के नामों की आधिकारिक घोषणा की। उसके तत्काल बाद पारस का वक्तव्य आया। राज्य में राजग के घटक दलों के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है। सभी सीटों के लिए उम्मीदवारों की भी घोषणा हो चुकी है। सूत्रों ने बताया कि सम्मानजनक समायोजन के तहत पशुपति पारस को किसी राज्य का राज्यपाल बनाया जा सकता है। उनके भतीजे और समस्तीपुर के वर्तमान सांसद प्रिंस राज को बिहार सरकार में कोई पद दिया जा सकता है।

- समायोजन के तहत पारस को बनाया जा सकता है किसी राज्य का राज्यपाल

पीएम के साथ तस्वीर साझा की पशुपति कुमार पारस ने। फाइल

छोटे दलों की घटी हैसियत, भाजपा-राजद का बढ़ा कद

कुमार रजत, पटना

राजनीति में दलों की हैसियत परिस्थितियों के हिसाब से घटती-बढ़ती रहती है। बिहार की राजनीति ने पिछले पांच सालों में कई बदलाव देखे। दोस्त, विरोधी बने और विरोधी, दोस्त। इस बदलाव ने दलों की हैसियत भी बदली। पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार सीटों पर छोटे दलों की हिस्सेदारी दस प्रतिशत तक घटी है। बिहार के तीन प्रमुख दल राजद, भाजपा और जदयू ने लगभग तीन चौथाई सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं बाकी के सात दलों के हिस्से में महज एक चौथाई सीटें आई हैं। इसमें कांग्रेस की नौ सीटें हटा दें तो छोटे दलों की हिस्सेदारी और कम हो जाती है।

छोटे दलों को होने वाले नुकसान की बात करें तो उपेंद्र कुशवाहा सबसे अधिक नुकसान में दिख रहे हैं। पिछली बार उपेंद्र महागठबंधन के साथ थे। उस समय उनके दल का नाम राष्ट्रीय लोकसमता पार्टी (रालोसपा) था, जिसे लोकसभा की पांच सीटें मिली थीं। इस बार उपेंद्र राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) नाम से दल बनाकर राजग में हैं। उन्हें महज एक सीट काराकाट मिली है, जहां से वह खुद उम्मीदवार हैं। इसी तरह हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के जीतन राम मांझी को भी महागठबंधन से पिछली बार तीन सीटें मिली थीं, मगर इस बार उन्हें महज गया की सीट मिली है, जहां से वह खुद उम्मीदवार हैं। मुकेश सहनी की पार्टी वीआइपी तो इस बार सीन से ही गायब दिख रही है। पिछली बार महागठबंधन की ओर से तीन सीटें मिली थीं, मगर इस बार सहनी किसी गठबंधन से खुद की सीट का इंतजाम भी नहीं कर पाए हैं।

पहली बार भाजपा को अधिक सीटें : राजग में पहली बार ऐसा हो रहा है कि जदयू के रहते भाजपा को अधिक सीटें मिली हैं। पिछली बार दोनों दलों के बीच 17-17 सीटों का समान रूप से बंटवारा हुआ था, जबकि छह सीटें लोजपा को मिली थीं।

5 साल में बदली तस्वीर, कुशवाहा और मांझी का घटा कद

74 प्रतिशत सीटों पर लड़ेंगे राजद, भाजपा और जदयू

वामदलों को दो सीटों का नुकसान

पिछले लोकसभा चुनाव में वामदल थर्ड फ्रंट के तौर पर लड़े थे। उस समय भाकपा माले को चार, भाकपा को दो और माकपा को एक कुल सात सीटें मिली थीं। इस बार वाम दल महागठबंधन के साथ हैं और पांच सीटें मिली हैं। इनमें भाकपा माले को तीन जबकि भाकपा और माकपा को एक-एक सीट मिली है।

अरुणाचल विस के लिए सीएम समेत 10 प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए

- इनमें मुख्यमंत्री पेमा खांडू, उपमुख्यमंत्री चाउना मेन भी शामिल
- छह उम्मीदवारों को खिलाफ विपक्ष से कोई नामांकन दाखिल नहीं

ईटानगर, प्रेट्र: अरुणाचल प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों में से 10 में भाजपा को चुनाव से पहले ही जीत मिल गई है। इनमें मुख्यमंत्री पेमा खांडू, उपमुख्यमंत्री चाउना मेन भी शामिल हैं। पेमा खांडू ने मुक्तो विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया था। चूंकि किसी और उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल नहीं किया। ऐसे में खांडू को निर्विरोध चुन लिया गया। बाकी नौ सीटों पर भी इसी तरह भाजपा उम्मीदवारों को जीत मिली है।

मुख्य चुनाव अधिकारी पवन कुमार सेन ने बताया कि नामांकन वापसी की अवधि समाप्त होने के बाद खांडू और नौ अन्य को निर्विरोध चुना गया। उन्होंने कहा कि छह विधानसभा क्षेत्रों में एक नामांकन पत्र दाखिल किया गया है, जबकि चार अन्य में विपक्षी उम्मीदवारों ने अपना पर्चा वापस ले लिया है। भारत-चीन सीमा के पास मुक्तो विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में खांडू का यह चौथा कार्यकाल होगा। अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री दोरजी खांडू की हेलीकाप्टर दुर्घटना में मृत्यु के बाद 2010 में हुए उपचुनाव में वह कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में इस सीट से निर्विरोध चुने गए थे। मुख्यमंत्री ने 2014 और 2019 के विधानसभा चुनावों में भी भारी अंतर से जीत दर्ज की थी। उपमुख्यमंत्री दूसरी बार चौखम विधानसभा क्षेत्र से चुने गए। एक अनुभवी राजनीतिज्ञ मीन ने 1995 से लेकांग निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अन्य उम्मीदवार जो निर्विरोध चुने गए वे हैं ताली विधानसभा क्षेत्र से जिक्के ताको, तलिहा से न्यातो डुकोम, रोइंग से मुत्चू मिथि, हयुलियांग से दासंगलू पुल, बोमडिला से डोंगरू सिओंगजू और सागली से रातू तेची और जीरो से हापोली से हेज अप्पा पहली बार चुने गए हैं। राज्य में 19 अप्रैल को एक चरण में चुनाव होंगे। वहीं परिणाम दो जून को घोषित किया जाएगा।

भाजपा विधायक को "छुआ" तो 48 घंटे में गिर जाएगी कांग्रेस सरकार : महेश्वर

हैदराबाद, प्रेट्र : तेलंगाना में भाजपा विधायक दल के नेता ए. महेश्वर रेड्डी ने शनिवार को चेतावनी दी कि यदि किसी भी भाजपा विधायक को "छुआ" (दलबदल के लिए लालच)" गया तो राज्य में कांग्रेस सरकार 48 घंटों के भीतर गिर जाएगी।

मंत्री के. वेंकट रेड्डी के दावों की ओर इशारा करते हुए कि महेश्वर रेड्डी ने कहा कि वह भाजपा विधायकों को छूने की हिम्मत न करें। वेंकट रेड्डी ने दावा किया था कि तेलंगाना के भाजपा के सभी आठ विधायक कांग्रेस के संपर्क में हैं।

भाजपा नेता ने कहा, अगर आपने हमारे एक भी विधायक को छूने की कोशिश की, तो 48 घंटों के भीतर आपकी सरकार गिर जाएगी। महेश्वर रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी सरकार बनाने के 100 दिन बाद भी वादों या गारंटी को लागू करने में विफल रही है। कांग्रेस पूरे देश में राजनीतिक और चुनावी गतिविधियों के लिए हैदराबाद से फंडिंग कर रही है।

केंद्रीय मंत्री के काफिले पर पथराव, गाड़ियां क्षतिग्रस्त

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगर

मुजफ्फरनगर में एक चुनावी कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री और भाजपा प्रत्याशी डा. संजीव बालियान के काफिले पर कुछ युवकों ने पथराव कर दिया। काफिले में कई गाड़ियों के शीशे टूट गए। इसे लेकर गांव में हंगामा हुआ। मंत्री के समर्थकों ने आरोपित युवकों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह खेतों के रास्ते भाग गए। एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि मामले की सूचना मिली है। अभी इस संबंध में किसी ने तहरीर नहीं दी है।

शनिवार को कस्बा खतौली में चुनावी कार्यालय का उद्घाटन समारोह था, लेकिन केंद्रीय राज्यमंत्री नहीं पहुंचे। देर शाम गांव मढ़करीमपुर में प्रधान राकेश कुमार के यहां कार्यक्रम था। मंत्री का काफिला जब गांव में पहुंचा तो कुछ युवकों की भीड़ ने सड़क किनारे खड़े होकर पहले नारेबाजी की। बताया गया कि मंत्री का गांव में जब स्वागत चल रहा था, युवकों ने उनके काफिले में शामिल खड़ी गाड़ियों पर पथराव कर दिया।

मुजफ्फरनगर के गांव मढ़करीमपुर में केंद्रीय राज्यमंत्री डा. संजीव बालियान के काफिले पर हुए पथराव में क्षतिग्रस्त गाड़ी। सौजन्य-ग्रामीण

यूपी में पहले चरण की आठ सीटों के लिए 80 तो मप्र में 88 मैदान में

जागरण टीम, नई दिल्ली : यूपी की आठ लोकसभा सीटों के लिए हो रहे पहले चरण के चुनाव में अब 80 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं। चार प्रत्याशियों ने शनिवार को नाम वापस ले लिया। इनमें सहारनपुर से दो, कैराना व मुरादाबाद से एक-एक प्रत्याशी शामिल हैं। 80 उम्मीदवारों में 73 पुरुष व सात महिला हैं। अब कैराना में सबसे अधिक 14 व सबसे कम छह-छह प्रत्याशी नगीना व रामपुर सीट में बचे हैं। बता दें, पहले चरण के चुनाव में नाम वापसी का अंतिम दिन था। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होगा। वहीं बिहार की चार सीटों पर पहले चरण में 40 प्रत्याशी मैदान में है। औरंगाबाद में नौ, नवादा में आठ, जमुई में 15 तथा गया में सात अभ्यर्थी मैदान में रह गए हैं।

उद्धव ठाकरे और उनके बेटे आदित्य मुंबई का भाग्य नहीं तय कर सकते : पीयूष गोयल

मुंबई, एएनआइ : केंद्रीय मंत्री और मुंबई उत्तर से भाजपा के उम्मीदवार पीयूष गोयल ने झुग्गियों को नमक वाली भूमि पर स्थानांतरित करने के प्रस्ताव के संबंध में शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता आदित्य ठाकरे की आलोचना पर पलटवार किया। कहा कि उद्धव ठाकरे और उनके पुत्र आदित्य ठाकरे मुंबई का भाग्य नहीं तय नहीं कर सकते। शहर को बदलने वाली योजना का विरोध करना उनके विकास विरोधी एजेंडे को दर्शाता है।

एक्स पर एक पोस्ट में गोयल ने कहा कि उद्धव ठाकरे और उनके बेटे मुंबई का भाग्य तय नहीं कर सकते। यह शहर उन सभी के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करता है जो इसे अपना घर कहते हैं। जो लोग यहां की झुग्गियों में रहते हैं, उन्हें भी बेहतर जीवन जीने का पूरा अधिकार है। इस दृष्टिकोण के लिए मेरा विरोध करना उनके विकास विरोधी एजेंडे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे किसी भी तरह का समाधान नहीं दे सकते, बल्कि समाज में केवल कलह जरूर पैदा कर सकते हैं। हम प्रत्येक झुग्गीवासी को एक अच्छा घर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इससे पहले एक चुनावी कार्यक्रम में पीयूष गोयल ने कहा था कि यदि वह निर्वाचित होते हैं तो उनकी सरकार मुंबई को झुग्गी-मुक्त बनाने की परियोजना को आगे बढ़ाएगी। गोयल के निर्वाचन क्षेत्र मुंबई उत्तर में दो प्रमुख स्लम क्षेत्र हैं। उन्होंने सुझाव दिया था कि जहां भी नमक नहीं बनाया जा रहा है, इसके लिए उस नमक क्षेत्र की भूमि का उपयोग किया जाना चाहिए।

प्रेट्र के अनुसार, इससे पहले शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा था कि यह एक बहुत ही खतरनाक योजना है। जो लोग झुग्गियों में रहते हैं, उनकी आजीविका वहीं के आसपास चलती है। हम भाजपा को झुग्गियों को ऐसे क्षेत्र में स्थानांतरित करने की योजना पर आगे नहीं बढ़ने देंगे।

पीयूष गोयल। फाइल

कहा, शहर को बदलने का विरोध करना उनके विकास विरोधी एजेंडे को दर्शाता है

चुनावी हलचल

तृणमूल ने अधीर पर लगाया चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

राज्य ब्यूरो, कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष व बहरमपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी अधीर रंजन चौधरी पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए आयोग से इसकी शिकायत की है। दरअसल बरहमपुर की लालदिघी (तालाब) में बहुत सारी मछलियों की अस्वाभाविक मौतें हुई हैं। मरी मछलियों की दुर्गंध से स्थानीय लोग परेशान हैं। खबर मिलने पर अधीर वहां गए थे। लालदिघी बहरमपुर नगरपालिका (नपा) के अधीन है, जहां तृणमूल का बोर्ड है। तृणमूल ने उसकी अनुमति के बिना अधीर के वहां जाने को चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन बताकर आयोग से इसकी शिकायत की है।

वीके पांडियन की भारी सुरक्षा को लेकर चुनाव आयोग पहुंची भाजपा

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी नवीन ओडिशा के अध्यक्ष वीके पांडियन की भारी भरकम सुरक्षा को लेकर भाजपा ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा ने कहा है कि राज्य सरकार आम चुनाव के लिए प्रदेश में लागू आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कर रही है। चुनाव आयोग से जानना चाह रहे हैं कि बीजद के एक कार्यकर्ता पांडियन को 74 पुलिसकर्मियों की सुरक्षा क्यों दी गई है और क्या राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राज्य के पुलिस महानिदेशक और गृह सचिव से इस बारे में पूछताछ की है। भाजपा ने प्रदेश में निष्पक्ष चुनाव कराने को लेकर भी संदेह प्रकट किया है।

बताते चलें कि सूचना अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में प्रकाश दास को कमिश्नरेट पुलिस ने जो आंकड़ा दिया है, उसके मुताबिक 74 पुलिसकर्मी वीके पांडियन की सुरक्षा में लगाए गए हैं। आरटीआइ के जवाब के अनुसार पांडियन के लिए गृह विभाग द्वारा मुहैया कराए गए एक वाहन के अलावा एक निजी सुरक्षा अधिकारी भी नियुक्त है। राज्य भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरथ बिस्वाल ने मीडिया को बताया कि चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

वीके पांडियन। फाइल

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी हैं पांडियन

संघ ने आयोग से की संगठन को बदनाम करने वाले पर कार्रवाई की मांग

नागपुर, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने चुनाव आयोग और पुलिस को पत्र लिखकर संगठन का नाम खराब करने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। आरएसएस नागपुर महानगर के सचिव ने आयोग को लिखे एक पत्र में कहा है कि स्थानीय निवासी जनार्दन मून ने एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया था। इसमें उन्होंने लोकसभा चुनाव में संगठन द्वारा कांग्रेस का समर्थन करने का दावा किया था।

पत्र में कहा गया है कि मून ने पहले आरएसएस नाम से एक संस्था पंजीकृत कराने की कोशिश की थी, लेकिन सहायक रजिस्ट्रार ने इसे खारिज कर दिया था। इस अस्वीकृति को चुनौती देने वाली याचिकाएं बांबे हाई कोर्ट ने भी खारिज कर दी थीं।

लोकसभा चुनाव में एक अंक में सिमट जाएगी कांग्रेस : भाजपा

- कहा, आयकर नोटिस के मुद्दे परजनता को गुमराह कर रही पार्टी
- आयकर विभाग को धमकाने काप्रयास कर रहे कांग्रेस के नेता

नई दिल्ली, प्रेट्र : भाजपा ने शनिवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस एक अंक में सिमटकर रह जाएगी। टैक्स धोखाधड़ी में शामिल होने के बाद वह जिस तरह से आयकर नोटिस के मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है, उससे वह बेनकाब हो गई है।

भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और अन्य नेता अपनी टिप्पणियों से आयकर विभाग को धमकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा-लेकिन, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'युग' है। इसमें कानून के सामने हर कोई समान है। इस्लाम ने कहा, कांग्रेस को टैक्स देनदारी के लिए आयकर विभाग से नोटिस मिला है। इसके बाद वह धरना और प्रदर्शन कर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है।

भाजपा नेता ने कहा, 2019 के लोकसभा चुनाव में तो कांग्रेस (सीटों के मामले में) दो अंकों तक पहुंची थी। लेकिन, मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में पार्टी एक अंक में सिमट जाएगी।।

कांग्रेस ने नोटिस के खिलाफ कई राज्यों में किया प्रदर्शन: कांग्रेस ने आयकर विभाग द्वारा 1,823 करोड़ के कर बकाये को लेकर भेजे गए नोटिस के खिलाफ शनिवार को कई राज्यों में प्रदर्शन किया और कहा कि वह केंद्र के टैक्स आतंकवाद से नहीं डरेगी। पार्टी ने लखनऊ, जयपुर और अन्य राज्य की राजधानियों में विरोध प्रदर्शन किया।

'आयकर विभाग की कार्रवाई पूरी तरह से कानून सम्मत'

प्रथम पृष्ठ से आगे

कांग्रेस ने केंद्रीय आयकर न्यायाधिकरण में अपील की थी। लेकिन न्यायाधिकरण ने भी 10 महीने पहले इसे खारिज कर टैक्स जमा करने का आदेश दिया था। इन आदेशों का पालन नहीं करने के बाद आयकर विभाग के पास रिकवरी के अलावा कोई उपाय नहीं था। धारा 226(3) में आयकर अधिकारी को रिकवरी की शक्तियां दी गई हैं। इसके तहत वह ऐसे किसी भी व्यक्ति या संस्था को आयकर से जुड़ा नोटिस जारी कर सकता है, जिस पर टैक्स का पैसा बकाया है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, आयकर विभाग की कार्रवाई पूरी तरह से कानून सम्मत होने के चलते ही हाई कोर्ट से कांग्रेस को कोई राहत नहीं मिल सकी है। सीताराम केसरी के कोषाध्यक्ष रहने के दौरान 1994-95 के लिए 53 करोड़ के आयकर नोटिस के बारे में वरिष्ठ अधिकारी ने साफ किया कि आयकर विभाग ने उसी समय कार्रवाई शुरू की थी, लेकिन दिल्ली हाई कोर्ट की रोक और सुनवाई की वजह से कार्रवाई नहीं हो पाई।

****

11 मार्च को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने धार स्थित भोजशाला का एएसआइ सर्वे का आदेश दिया था। इसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंचा हुआ है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 31 मार्च, 2024

रामलला ने धारण किए सूती वस्त्र, गर्भगृह में लगेगा एसी

राममंदिर में विराजमान रामलला ने मौसम में बदलाव के साथ पहने सूती वस्त्र। सौ. : ट्रस्ट

जासं, अयोध्या : गर्मी का मौसम आ गया है। इसी वजह से अयोध्या के राम मंदिर में रामलला का परिधान भी बदल गया है। आराध्य को न सिर्फ हल्के आभूषण धारण कराए गए हैं, बल्कि शनिवार से सूती वस्त्र भी पहना दिए गए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने यह जानकारी एक्स हैंडल पर पोस्ट की है। इन वस्त्रों को प्राकृतिक नील से रंगा गया है। रामलला को गर्मी से राहत देने के लिए गर्भगृह में एयर कंडीशनर (एसी) लगाने पर विचार हो रहा है।

न्यूजक्लिक के प्रधान संपादक प्रबीर पर यूएपीए की धाराओं में आरोपपत्र दायर

करोड़ों रुपये लेकर चीन के पक्ष में भारत सरकार के विरुद्ध प्रायोजित खबरें चलाने का आरोप

जिन धाराओं में आरोपपत्र दायर किया गया है उसमें उम्रकैद तक की सजा का प्रविधान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के संस्थापक व प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शनिवार को आरोपपत्र दायर कर दिया है। जिन धाराओं में आरोपपत्र दायर किया गया है उसमें उम्रकैद तक की सजा का प्रविधान है। प्रबीर पर चीनी कंपनियों से करोड़ों रुपये लेकर चीन के पक्ष में भारत सरकार के विरुद्ध प्रायोजित खबरें चलाने के आरोप हैं। स्पेशल सेल ने पिछले वर्ष तीन अक्टूबर को न्यूजक्लिक के दिल्ली स्थित कार्यालय समेत कंपनी से जुड़े पत्रकारों व अन्य के एनसीआर समेत पांच शहरों में 100 से अधिक ठिकानों पर 11 घंटे तक छापेमारी की थी। पुलिस ने 37 को हिरासत में लिया था। बाद में प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर बाकी को छोड़ दिया गया था।

प्रबीर पुरकायस्थ। फाइल

यह है मामला

न्यूजक्लिक पर चीनी कंपनियों से अवैध तरीके से पैसे लेने का आरोप है। कंपनी ने बिना लाइसेंस के चीनी कंपनियों से करोड़ों रुपये लिए, जो एफसीआरए का उल्लंघन है। किसी भी भारतीय कंपनी को विदेश से फंड लेने के लिए पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय से लाइसेंस लेना होता है, जिसके लिए विस्तृत गाइडलाइन है। न्यूजक्लिक पर केंद्र सरकार से बिना लाइसेंस लिए कई वर्षों से चीन से पैसे लेने का आरोप है।

दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर की अदालत में स्पेशल सेल ने गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की कई धाराओं के साथ दो समुदायों में द्वेष फैलाने और आपराधिक साजिश रचने की धाराओं में आरोपपत्र दायर किया है। प्रबीर के साथ ही गिरफ्तार किए गए अमित चक्रवर्ती सरकारी गवाह बन गए हैं, इसलिए उन्हें आरोपित नहीं बनाया गया। करीब 8000 पेज के दस्तावेज में एक हजार पेज का आरोपपत्र है। इस मामले में आगे कई पूरक आरोपपत्र दायर होने की बात बताई जा रही है, जिनमें देश से बाहर रह रहे कुछ भारतीय, कुछ विदेशी नागरिक समेत देश में ही रह रहे वरिष्ठ पत्रकारों को आरोपित बनाया जा सकता है।

अक्टूबर में की जा चुकी है पूछताछ : बीते वर्ष अक्टूबर में स्पेशल सेल ने प्रबीर पुरकायस्थ व न्यूजक्लिक के एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार करने के बाद पोर्टल से जुड़े वर्तमान और पूर्व पत्रकारों समेत एचआर कर्मियों से कई बार पूछताछ की थी। इसी संबंध में गौतम नवलखा से भी मुंबई स्थित उनके आवास पर दो दिनों तक पूछताछ हुई थी। जांच में चीनी कंपनियों के पांच छह नागरिकों द्वारा अवैध फंडिंग कर भारत में न्यूजक्लिक के जरिये चीन के पक्ष में प्रायोजित खबरें चलवाने का पता चला है। इस मामले में ईडी ने मनी लांड्रिंग के तहत मामले की जांच शुरू की थी, फिर स्पेशल सेल ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तारियां कीं। सीबीआइ भी इस मामले में एफसीआरए के प्रविधानों का उल्लंघन के आरोपों की जांच कर रही है।

मोदी ने 'भारत रत्न' से सम्मानित विभूतियों के योगदान को सराहा

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारत रत्न से सम्मानित विभूतियों के योगदान को सराहा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, पीवी नरसिंह राव ने देश की प्रगति के लिए कार्य किया। उन्हें विद्वान और विचारक के रूप में भी जाना जाता है। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देश के विकास, विशेषकर कृषि और ग्रामीण विकास में उनके अतुलनीय योगदान का सम्मान है। मुझे विश्वास है कि कड़ी मेहनत और जनसेवा के लिए उनकी प्रतिबद्धता हमारी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

एक और पोस्ट में पीएम ने कहा, कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न ऐसी विभूति को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय और समानता के लिए समर्पित कर दिया। जननायक को समाज के अत्यंत पिछड़े वर्ग के मसीहा के रूप में जाना जाता है। समाज में हाशिये पर खड़े लोगों के उत्थान के लिए उन्होंने बहुमूल्य योगदान दिया। पिछड़े वर्ग के अधिकारों के लिए कर्पूरी जी का अथक संघर्ष हमेशा याद रखा जाएगा।

कृषि विज्ञानी एमएस स्वामीनाथन का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, स्वामीनाथन के प्रयासों ने भारत को खाद्य उत्पादन में संघर्ष से आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित किया। उन्हें दिया गया भारत रत्न अधिक से अधिक लोगों को कृषि और खाद्य सुरक्षा में अनुसंधान करने के लिए प्रेरित करता है।

मोदी सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाती है भारत रत्न विजेताओं की सूची : शाह

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि देश की चार विभूतियों को भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित करना देश के किसानों, दलितों और पिछड़े लोगों के प्रति नरेंद्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शाह ने कहा, यह ऐतिहासिक दिन है क्योंकि दूरदर्शी राजनेता पीवी नरसिंह राव को भारत रत्न से सम्मानित किया गया है। उन्होंने उदार अर्थव्यवस्था की नींव रखते हुए साहसिक सुधारों की यात्रा शुरू की।

एक अन्य पोस्ट में शाह ने कहा, महान स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व प्रधानमंत्री व किसानों के नायक चौधरी चरण सिंह को राष्ट्रपति ने भारत रत्न से सम्मानित कर देश के करोड़ों अन्नदाताओं का सम्मान किया है। एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति ने जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित कर पिछड़ों-अतिपिछड़ों के अधिकारों के संघर्ष को सम्मान दिया है। स्वामीनाथन के बारे में कहा, उन्होंने वैज्ञानिक प्रतिभा से देश और लाखों गरीबों का भाग्य बदल दिया।

प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ केस बंद करने पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

एअर इंडिया विमानों की खरीद घोटाले के मामले में घिरे राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा बंद करने के सीबीआइ के फैसले को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कहा कि भाजपा जिन नेताओं पर करोड़ों के घोटाले का आरोप लगाती है, उन्हें भाजपा-एनडीए गठबंधन में शामिल कराकर मुकदमे वापस ले लेती है। पार्टी के अनुसार, शरद पवार से बगावत कर अजीत पवार के साथ भाजपा के सहयोगी बने प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ मुकदमा बंद किया जाना इसका ताजा उदाहरण है।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने पार्टी मुख्यालय में वाशिंग पाउडर और वाशिंग मशीन के साथ प्रेस कांफ्रेंस करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के पास ऐसी वाशिंग मशीन है, जिसमें 10 साल पुराना केस भी डालो तो आरोपित बेदाग निकलता है। मशीन के साथ ही ये कमाल मोदी वाशिंग पाउडर का भी है। राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल इसके जीते-जागते उदाहरण हैं। भाजपा ने उन पर एअर इंडिया घोटाले का आरोप लगाते हुए 2014 के लोकसभा चुनाव के आरोपपत्र में इसे शामिल किया था। इसे लेकर सीबीआइ ने प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ 2017 में भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज किया था। खेड़ा ने कहा कि 2019 में भाजपा ने पटेल के खिलाफ कुछ घिनौने आरोप लगाते हुए दावा किया था कि वह 1993 के मुंबई बम धमाकों के आरोपित इकबाल मिर्ची के साथ एक संपत्ति सौदे में शामिल थे। राकांपा को तोड़कर महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन में शामिल होते ही उनके सारे दाग साफ हो गए। उन्होंने कहा कि यह महज एक नाम नहीं है, बल्कि ऐसे 21 उदाहरण हैं, जिन्हें भाजपा द्वारा उनके खिलाफ भ्रष्टाचार कार्य करने के आरोप लगाने के बाद पाक-साफ कर दिया गया है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा शनिवार को प्रेस को संबोधित करते हुए। एएनआइ

विश्वभारती के प्रोफेसर के खिलाफ शारीरिक शोषण की थाने में शिकायत

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : विश्वभारती के एक प्रोफेसर पर छात्राओं के शारीरिक व मानसिक शोषण के आरोप लगे हैं। विश्वभारती की तीन छात्राओं ने शांतिनिकेतन थाने में इस बाबत शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने प्रोफेसर पर उन्हें मोबाइल फोन पर अश्लील संदेश भेजने का भी आरोप लगाया है। परीक्षा में फेल करने का डर दिखाकर प्रताड़ित करने की भी शिकायत की गई।

एक छात्रा ने कहा-'प्रोफेसर ने परीक्षा में फेल करने की धमकी देकर हमें कई बार शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया है। हम भयभीत हैं इसलिए पुलिस से संपर्क किया।' दूसरी तरफ आरोपित प्रोफेसर ने उनके खिलाफ थाने में दर्ज शिकायतों को मिथ्या करार दिया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अगर शिकायत दर्ज कराई गई है तो इसकी जांच कराई जाएगी।

एक अन्य छात्रा ने कहा-'हमारे विभाग के प्रोफेसर बार-बार मैसेज भेजकर अलग से मिलने को कहते हैं। उनकी बात नहीं मानने पर करियर बर्बाद करने की धमकी देते हैं। हम नहीं चाहते कि जो हमारे साथ हुआ, वह भविष्य में किसी और के साथ हो।'

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पांच के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल

राज्य ब्यूरो, रांची

ईडी ने शनिवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पांच के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल कर दी। चार्जशीट में ईडी ने बताया है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत ने अपने पावर का गलत इस्तेमाल किया और इस केस से संबंधित साक्ष्य को नष्ट करने का प्रयास भी किया। यह चार्जशीट 5000 पन्नों से अधिक की बताई जा रही है। रांची के बरियातू रोड स्थित 8.5 एकड़ जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री मामले में ईडी ने 31 जनवरी को हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया था। जिन पांच के विरुद्ध ईडी ने आरोपपत्र दाखिल किया है, उनमें हेमंत सोरेन के साथ ही राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप प्रसाद, हेमंत के करीबी आर्किटेक्ट विनोद सिंह, विवादित जमीन पर चारदीवारी करवाने वाले हिलेरियस कच्छप तथा जमीन के मालिक राजकुमार पाहन शामिल हैं।

ईडी ने अपनी चार्जशीट में बताया है कि कैसे इस मामले के आरोपितों ने एक-दूसरे की मिलीभगत से प्रतिबंधित श्रेणी की जमीन को हेमंत सोरेन व उनके पारिवारिक सदस्यों के नाम पर हस्तांतरित करने का प्रयास किया। इन सभी आरोपितों में हेमंत सोरेन व भानु प्रताप प्रसाद जेल में बंद हैं। अन्य तीन आरोपित फिलहाल बाहर हैं। रांची जमीन घोटाले में ईडी की जांच रांची के चेशायर होम रोड में सेना के कब्जे की एक जमीन की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री की शिकायत के बाद शुरू हुई थी। ईडी रांची जमीन घोटाले में अबतक डेढ़ दर्जन लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें आइएएस अधिकारी छवि रंजन भी शामिल हैं। ईडी ने रांची के सदर थाने में एक जून 2023 को मुकदमा दर्ज किया था। इसी की जांच के क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गिरफ्तार हुए। यह मुकदमा तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक के विरुद्ध दर्ज है।

8.5 एकड़ भूमि हड़पने के प्रयास के मामले में ईडी ने जुटाए तथ्य, 5000 पन्नों से अधिक की चार्जशीट

ईडी ने चार्जशीट में बताया है कि रांची के बरियातू में स्थित सेना के उपयोग वाली 4.55 एकड़ जमीन व चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन की अवैध खरीद-बिक्री की जांच के क्रम में राजस्व कर्मचारी के निजी आवास में 13 अप्रैल 2023 को छापेमारी की गई थी, जहां 11 ट्रंक सरकारी दस्तावेज बरामद हुए थे।

भारत की हरित क्रांति के जनक के रूप में जाने जाते हैं स्वामीनाथन

प्रथम पृष्ठ से आगे

एमएस स्वामीनाथन ने भारत को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्हें 'भारत की हरित क्रांति का जनक' माना जाता है। स्वामीनाथन की बेटी नित्या राव ने अपने पिता की ओर से भारत रत्न प्राप्त किया।

स्वामीनाथन ने अनुसंधान, शिक्षा और नई किस्मों के विकास के लिए कई पहलों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने पूरा जीवन सभी के लिए भोजन और पोषण सुरक्षा के लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया। राष्ट्रपति भवन ने कहा, उन्होंने 'सदाबहार क्रांति' के दृष्टिकोण के साथ टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने पर काम किया। सात अगस्त, 1925 को तमिलनाडु में जन्मे स्वामीनाथन ने कृषि क्षेत्र की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी मृत्यु 28 सितंबर, 2023 को हुई। पूर्व राज्यसभा सदस्य स्वामीनाथन को 84 मानद डाक्टरेट उपाधियां मिली थीं।

वर्ग पहेली - 2587

बाएं से दाएं

5 देना, चुकाना (2,3)। 6 प्रफुल्ल, ताजा (2,2)। 7 जिसका अभिनय हुआ हो, अभिनीत (3)। 9 जल-प्रवाह, सोता (3)। 11 मृत्यु के बाद जहां जाती हैं आत्माएं (4)। 13 गिनती करना (3)। 14 बच्चा, लड़का (3)। 16 निरंतर घंटा बजने का शब्द (4)। 17 तीक्ष्णता (3)। 19 चिपकना, मिलना, साथ होना (3)। 21 हड्डियों का समूह, हड्डियों की माला (4)। 22 महाशय, आदरणीय व्यक्ति (5)।

ऊपर से नीचे

1 ग्रह, सात्विक, व्यवहार, भलमनसी (4)। 2 राजी करना, प्रसन्न करना (3)। 3 चोट खाया हुआ (3)। 4 क्षमादान (5)। 8 ठिठकना, चौंकना, (4)। 10 सरदार, श्रेष्ठ व्यक्ति, अगुआ (3)। 12 बच्चों की एक प्रसिद्ध साप्ताहिक पत्रिका (4)। 13 गणना, अंकमाला (3)। 15 डगमगा कर गिरना (5)। 18 मथुरा, आगरा और इसके आस-पास की बोली (4)। 19 जिसको लज्जा हो (3)। 20 नाम का (3)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

आ	ना	वृ	त		क	ल	म	का
न						ज		छ
सु	व	च	न		ऐ		ह	रा
ल			र्म		त	ल	ब	ज
झा		आ	दा	का	रा			
				र	ज	नी	श	म
का		ज	मा	ना		ल		द
र		ग		मा		म	हा	ना
ग		वा						गा
र	च	ना	का	र		स	र	का

जागरण सुडोकू-2587

9		7		1		3		2
				2			7	
1		3	6			9		5
	3		5					
7						5		4
			7	9				
3					2		8	6
	4		3		6	1		
2		1		4			5	

कल का हल

1	2	3	4	7	9	5	8	6
8	9	4	1	6	5	2	3	7
7	6	5	8	2	3	1	4	9
4	5	2	9	8	7	6	1	3
3	1	8	6	5	2	9	7	4
9	7	6	3	1	4	8	5	2
5	3	1	7	9	6	4	2	8
2	4	9	5	3	8	7	6	1
6	8	7	2	4	1	3	9	5

भोजशाला के नीचे तलघर होने का अनुमान

नईदुनिया, धार

मध्य प्रदेश में धार के ऐतिहासिक भोजशाला में नौवें दिन शनिवार को रंगपंचमी पर भी एएसआइ का सर्वे जारी रहा। इसके तहत भोजशाला के दक्षिण भाग में एक नए स्थान पर खोदाई शुरू की गई, इसके साथ ही 50 मीटर के क्षेत्र को केंद्रित करते हुए विभिन्न स्थलों का दस्तावेजीकरण किया गया। जिस तरह खोदाई कार्य चल रहा है, उससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि भोजशाला के नीचे एक तलघर हो सकता है। प्राथमिक रूप से यह सामने आया है कि 10-15 फीट गहराई तक की खोदाई में भोजशाला की नींव नहीं मिल पा रही है। इसी से अनुमान लगाया जा रहा है कि यहां पर एक तलघर हो सकता है और नींव अधिक गहराई तक हो सकती है। यदि यहां तलघर निकलता है तो कई नई बातें सामने आ सकती हैं। तलघर की संभावना के चलते सावधानी से कार्य किया जा रहा है। हाई कोर्ट इंदौर खंडपीठ के आदेश पर भोजशाला का सर्वे कार्य 22 मार्च से किया जा रहा है।

वाराणसी के ज्ञानवापी में जिन सात विशेषज्ञों ने काम किया था, वे यहां पहुंच चुके हैं और अपना कार्य शुरू कर दिया है।

एएसआइ सर्वे का नौवें दिन एक नए स्थान पर शुरू हुई खोदाई

भोजशाला में सर्वे कार्य जारी है। फाइल फोटो

बता दें कि हिंदुओं के मुताबिक भोजशाला सरस्वती देवी का मंदिर है। सदियों पहले मुसलमानों ने इसकी पवित्रता भंग करते हुए यहां मौलाना कमालुद्दीन की मजार बनाई थी और अंग्रेज अधिकारी वहां लगी वाग्देवी की मूर्ति को लंदन ले गए थे।

बुनियाद और प्राचीनता का पता लगाने के लिए खोदाई : भोजशाला की बुनियाद और उसकी प्राचीनता का पता लगाने के लिए तीन स्थानों पर खोदाई हो रही है। पिछले हिस्से की दो जगहों पर करीब 15-15 फीट तक गड्ढे किए जा चुके हैं, जबकि एक अन्य गड्ढा 10 फीट से अधिक गहरा हो चुका है। शनिवार को चौथे स्थान पर खोदाई शुरू हुई है। याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने कहा कि हमें उम्मीद है कि जल्द ही सुखद परिणाम प्राप्त होंगे।

सर्वे के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका पर सुप्रीम सुनवाई कल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मध्य प्रदेश में भोजशाला के एएसआइ सर्वे को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी धार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दाखिल कर भोजशाला का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) से सर्वे कराने के मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश को रद करने की मांग की है।

हाई कोर्ट की इंदौर पीठ ने 11 मार्च को एएसआइ को धार जिले में स्थित भोजशाला सरस्वती मंदिर का सर्वे करने का आदेश दिया था। इस आदेश में कहा गया था कि एएसआइ के पांच वरिष्ठ अधिकारी अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर यह पता लगाएंगे कि क्या भोजशाला परिसर स्थिति कमाल मौला मस्जिद को सरस्वती मंदिर को तोड़ कर बनाया गया था। हाई कोर्ट ने एएसआइ को सर्वे कर छह सप्ताह में रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया था। एएसआइ ने 22 मार्च से ही सर्वे शुरू कर दिया है।

मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी धार ने एएसआइ सर्वे के हाई कोर्ट के आदेश को दी है चुनौती

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को यह मामला न्यायमूर्ति ऋषिकेश राय और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए लगा है। गत 22 मार्च को जिस दिन एएसआइ ने सर्वे शुरू किया, उस दिन भी याचिकाकर्ताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट में मामले का उल्लेख कर तत्काल सुनवाई की मांग की गई थी। कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इन्कार करते हुए कहा था कि एक अप्रैल को इसकी सुनवाई होगी। याचिकाकर्ता वेलफेयर सोसायटी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा है कि हाई कोर्ट ने एएसआइ से सर्वे का आदेश देकर अंतरिम राहत के नाम पर अंतिम राहत दे दी है।

हिमाचल में पहली बार त्यागपत्र स्वीकार न करने पर निर्दलीय विधायकों का धरना

राज्य ब्यूरो, शिमला : हिमाचल में तीन निर्दलीय विधायकों के त्यागपत्र स्वीकार न करने का मामला गर्मा गया है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार त्यागपत्र स्वीकार नहीं करने पर विधायक धरने पर बैठ गए हैं। शिमला स्थित विधानसभा में शनिवार सुबह 11:20 बजे तीनों निर्दलीय विधायक हमीरपुर से आशीष शर्मा, देहरा से होशियार सिंह और नालागढ़ से केएल ठाकुर हाथों में पोस्टर लेकर पहुंचे। इनमें लिखा था, 'हमने विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र स्वेच्छा से बिना किसी दबाव के विधानसभा अध्यक्ष को व्यक्तिगत रूप से दिया है। कृपया हमारा त्यागपत्र अति शीघ्र स्वीकृत किया जाए।'

उन्होंने कहा कि यदि त्यागपत्र स्वीकार नहीं किया जाता है तो वे दो-तीन दिन में हाई कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। तीनों निर्दलीय विधायकों ने 22 मार्च को विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दिया था और 23 मार्च को भाजपा में शामिल हुए थे। सर्वप्रथम तीनों ने व्यक्तिगत तौर पर विधानसभा सचिव को त्यागपत्र सौंपा। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष को उनके आवास पर और फिर विधानसभा चैंबर में त्यागपत्र सौंपा। आठ दिन बाद भी तीनों के त्यागपत्र स्वीकार नहीं किए गए। अब विधानसभा सचिवालय की ओर से तीनों को 10 अप्रैल को व्यक्तिगत तौर पर स्पीकर के समक्ष पेश होने का नोटिस दिया गया है।

आज का भविष्यफल-31 मार्च, 2024 रविवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : चैत्र मास कृष्ण पक्ष षष्ठी। आज का राहुकाल : सायं 04 बजकर 30 मिनट से 06 बजे तक। आज का दिशाशूल : पश्चिम। आज का पर्व एवं त्योहार : श्री एकनाथ षष्ठी। आज की भद्रा : रात्रि के 09 बजकर 32 मिनट से 01 अप्रैल को प्रातः 09 बजकर 21 मिनट तक। विशेष : शुक्र मीन राशि में।

कल 01 अप्रैल, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पूर्व
पर्व एवं त्योहार : शीतला सप्तमी
भद्रा : प्रातः 09 बजकर 21 मिनट तक।
विशेष : बुध वक्री। विक्रम संवत 2080 शके 1946 उत्तरायण, वसंत ऋतु चैत्र मास कृष्ण पक्ष की सप्तमी तत्पश्चात अष्टमी मूल नक्षत्र तत्पश्चात पूर्वाआषाढ़ा नक्षत्र वरियान योग तत्पश्चात परिघ योग धनु में चंद्रमा।

मेष : सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। सम्मान में वृद्धि होगी।
वृष : रिश्तों में निकटता आएगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
मिथुन : शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सार्थक होगा।
कर्क : विरोधी सक्रिय होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिल सकता है।
सिंह : निर्माण कार्य की दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।
कन्या : विरोधी सक्रिय रहेंगे। पिता से वैचारिक मतभेद हो सकते है।
तुला : जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। सम्मान में वृद्धि होगी।
वृश्चिक : आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।
धनु : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा।
मकर : रिश्तों में निकटता आएगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।
कुंभ : राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। कार्यों में रूचि बढ़ेगी।
मीन : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।

जम्मू-कश्मीर

सुचेतगढ़ व जेरड़ा गांव में बने दोनों माडल बंकर जल्द जनता को किए जाएंगे समर्पित, पाक गोलीबारी के दौरान लोग ले सकेंगे शरण

एसी, एलईडी सहित कई सुविधाओं से युक्त दो सामुदायिक बंकर तैयार

निश्चंत सिंह संन्याल, सांबा

सीमावर्ती जिला सांबा में एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी सहित कई आधुनिक सुविधाओं से लैस दो सामुदायिक बंकर लगभग तैयार हैं। इन्हें जल्द ही स्थानीय लोगों को समर्पित कर दिया जाएगा। जिले के कई अधिकारियों ने सीमावर्ती क्षेत्र रामगढ़ के जेरडा गांव में बने आधुनिक बंकर का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द शेष बचे काम को पूरा करने के निर्देश भी दिए हैं। बता दें कि बंकर में 14 गुना 12 वर्ग फीट के दो कमरे हैं। इसके साथ ही दो शौचालय भी हैं। एक महिलाओ के लिए और एक पुरुषों के लिए। बता दें कि सीमांत क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से अकारण होने वाली गोलीबारी से गांव के लोगों की रक्षा के लिए यह बंकर तैयार किए गए हैं।

जिला विकास उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने सीमा सुरक्षा बल की सीमा चौकी के पास स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को भी सुना। उन्होंने बताया कि दो माडल बंकर बनाए गए हैं। एक रामगढ़ के जेरडा गांव में और दूसरा सांबा के सुचेतगढ़ गांव में है, जिसमें एसी, एलईडी सहित कई आधुनिक सुविधाएं होंगी। इन बंकरों का उपयोग गोलाबारी के दौरान एक साथ कई लोग कर पाएंगे। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस समय जिले में 370 से अधिक अन्य बंकर तैयार हो चुके हैं, जिनमें व्यक्तिगत सहित समुदाय बंकर भी शामिल हैं। पहले चरण में दो समुदायिक बंकरों को आधुनिकता के साथ तैयार किया जा रहा है।

सांबा जिले के जेरडा गांव में आधुनिक सुविधा वाले समुदाय बंकर में अधिकारियों से बात करते उपायुक्त अभिषेक शर्मा। जागरण

ड्रोन या संदिग्ध की सूचना देने वाले किए जाएंगे सम्मानित

जिला उपायुक्त ने स्थानीय लोगों के साथ बैठक में हमेशा सचेत रहने का आग्रह किया। साथ ही ड्रोन एवं संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखने पर इसकी जानकारी तुरंत सुरक्षाबलों व पुलिस को देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि जो भी इन क्षेत्रों में ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि की सूचना सुरक्षाबलों को देगा जिला प्रशासन उन्हें सम्मानित करेगा। बता दें कि प्रशासन इससे पहले भी ऐसी सूचना देने वालों को सम्मानित कर चुका है।

****

40 बिहार के मौजूदा सांसदों में 28 दूसरी बार या उससे अधिक बार सांसद चुने जा चुके हैं। सिर्फ 12 सांसद ही ऐसे हैं, जिन्हें पहली बार सांसद बनने का अवसर मिला। वहीं, 16 सांसदों को राजनीति विरासत में मिली है।

पोस्टर और पंफलेट के माध्यम से ग्रामीणों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए मोती कोटबखतू (दाएं) ● फोटो स्वयं

फलीभूत हो रहा प्रयास, 3% अधिक हुआ मतदान

मतदाता और मतदान को लेकर किसी ने चार पंक्तियों में बहुत गहरी बात कही है- भारत भाग्य विधाता हैं, हम युग के निर्माता हैं, हमसे ही यह तंत्र चले, हम मालिक मतदाता हैं। इसमें संदेह नहीं है कि मतदान से पूर्व मतदाता ही मालिक होता है, लेकिन अपनी इस शक्ति को अधिकांश लोग पहचान नहीं पाते। ऐसे ही लोगों को अपनी इस शक्ति का अनुभव कराने और उन्हें मतदान के लिए जागरूक करने में पिछले आठ वर्ष से जुटे हैं सामाजिक शिक्षा के अध्यापक मोती कोटबखतू। वह मतदाताओं को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक करवाते हैं, वीडियो बनाकर इसे प्रसारित करवाते हैं, ताकि लोग आसानी से मतदान का महत्व समझ सकें। उन्होंने इसके लिए एक टीम तैयार की है, जो जागरूकता के लिए कंटेंट तैयार करती है और नाटक में भाग लेती है।

कोटबखतू जहां भी लोगों को एकत्रित देखते हैं, वहां सभी को मतदान के लिए जागरूक करने लगते हैं। उन पर मतदान के लिए लोगों को जागरूक करने का ऐसा जुनून है कि वह शादी-विवाह जैसे आयोजनों में भी लोगों को मतदान का महत्व समझाने से नहीं चूकते। कोटबखतू की मेहनत के परिणाम भी सामने आए हैं और उन्होंने जिस क्षेत्र में जागरूकता के लिए काम किया, वहां मतदान प्रतिशत लगभग तीन प्रतिशत तक बढ़ गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में बठिंडा देहात में 75.22 फीसद मतदान हुआ था, जबकि 2022 के विधानसभा चुनाव में यहां 78.24 प्रतिशत मतदान हुआ।

नुक्कड़ नाटक, वीडियो, चर्चा के अतिरिक्त कोटबखतू अखबारों में मतदान के महत्व को लेकर लेख भी लिखते रहते हैं। उनका मानना है कि इससे शहरी मतदाताओं को जागरूक किया जा सकता है। वहीं, देहात में वह गांवों के क्लबों के साथ मिलकर भी प्रयास करते रहते हैं। पोस्टर और अन्य माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करते हैं।

सात वर्ष से मिल रहा सम्मान : कोटबखतू अध्यापक हैं और अपनी कक्षा में सभी बच्चों को भी मतदान के लिए जागरूक करते हैं। वह बच्चों को बताते हैं कि वे जब 18 वर्ष के हो जाएंगे तो संविधान उन्हें मतदान का अधिकार देगा, जिससे वे अपनी पसंद के जनप्रतिनिधि का चयन स्वयं कर सकेंगे। कोटबखतू के कार्य से जिला प्रशासन भी बेहद प्रभावित है और पिछले सात वर्ष से इसके लिए उन्हें सम्मानित कर रहा है। (बठिंडा से गुरप्रेम लहरी)

लोकतंत्र को शक्तिशाली बनाने और इसमें सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि सभी मतदान प्रक्रिया में भाग लें। मेरा प्रयास है कि शत-प्रतिशत मतदान हो। अभिभावकों को चाहिए कि अनिवार्य रूप से मतदान करने के साथ बच्चों को भी इसके प्रति जागरूक करें। -मोती कोटबखतू

रविवार विशेष

लोकतंत्र के महापर्व में सहभागिता का उल्लास

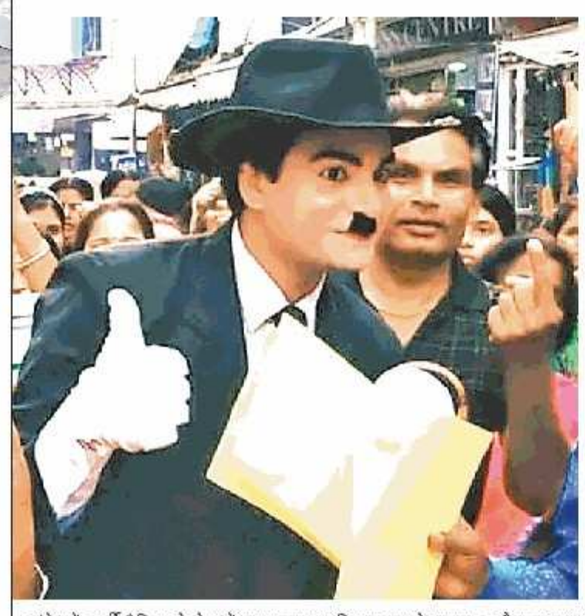

मुंगेर में चार्ली चैप्लिन के वेश में जागरूकता अभियान चलाते राजन ● सौजन्य स्वयं

लोकतंत्र के पर्व की रणभेरी बज चुकी है। सभी दल अपने-अपने पक्ष में मतदान कराने के लिए नए-नए विकल्प खोज रहे हैं। वहीं, भारत में कम मतदान हमेशा से चिंता का विषय रहा है। चुनाव के समय विभिन्न कारणों से मतदान के बहिष्कार की खबरें भी आती रहती हैं। मगर चुनाव आयोग से लेकर सामाजिक संगठन और व्यक्तिगत रूप से भी कुछ लोग मतदान के महत्व को बताते हुए लोगों को जागरूक करने का प्रयास करते रहते हैं। पंजाब के बठिंडा में ऐसा ही प्रयास हुआ, जिसका लाभ यह हुआ कि मत प्रतिशत में तीन फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई। आइए आज उत्तर प्रदेश और बिहार में हो रहे ऐसे ही कुछ प्रयासों पर डालते हैं एक नजर।

वोट का महत्व समझा रहे 'चार्ली चैप्लिन'

गंगटा मोड़ स्थित चाय की चौपाल पर राजन पहुंचते हैं और चाय पी रहे एक बुजुर्ग से कहते हैं-इस बार वोट देंगे ना। बुजुर्ग के इन्कार करने पर वह उन्हें मतदाता की शक्ति के बारे में बताते हैं। कुछ देर बातचीत करने पर बुजुर्ग सहमत हो जाते हैं कि अबकी अवश्य वोट करेंगे। मुंगेर के राजन मुंगेर से लेकर मुंबई तक के मतदाताओं को जागरूक कर रहे हैं। यह जिम्मेदारी उन्हें भारत निर्वाचन आयोग ने सौंपी है।

चार्ली चैप्लिन टू के लिए गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में नाम दर्ज कराने और अंतरराष्ट्रीय फलक पर पहचान बना चुके मुंगेर के बंबर गांव निवासी युवा कलाकार राजन कुमार छह वर्ष से लगातार जिले के वोटरों को जागरूक कर रहे हैं। मतदान नहीं करने वालों को वे मतदान का महत्व बताते हैं। इसका फलाफल भी पंचायत, नगर निकाय, विधानसभा और लोकसभा चुनाव में दिख रहा। न सिर्फ वोट प्रतिशत बढ़ा, बल्कि मतदान के प्रति अशिक्षित लोगों में रुझान भी बढ़ा है। उनके इस कार्य को देखते हुए मुंगेर जिला प्रशासन लगातार चुनाव आइकान के रूप में नामित कर रहा है। राजन को इस बार भारत निर्वाचन आयोग ने भी आइकान बनाया है।

महाराष्ट्र के 159 दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र के लिए राजन को बनाया गया स्वीप आइकान ● सौजन्य : स्वयं

इस बार उन्हें महाराष्ट्र के 159 दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र का स्वीप आइकान भी बनाया गया है। राजन ने बताया कि निर्वाचन आयोग के आइकान के रूप में वह पिछले छह वर्ष से काम कर रहे हैं। उन्होंने इसकी आनलाइन ट्रेनिंग ली थी। वहां वोटरों को जागरूक करने के तरीकों के बारे में बताया गया। चुनाव के दौरान मतदाताओं की निर्वाचन में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आइकान की नियुक्ति की जाती है। यहां वह सभी धर्मों के परिधानों में जाकर वोटरों को जागरूक कर रहे हैं।

विशेष रूप से पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के बीच राजन कुमार आकर्षण का केंद्र हैं। राजन ने फिल्म, थिएटर और दूसरी सामाजिक गतिविधियों से मुंगेर का नाम रोशन किया है। भारत सहित विश्व के कई देश और शहरों जैसे अमेरिका, लंदन, श्रीलंका और नेपाल में भी अपना शो कर चुके राजन की ख्याति अंतरराष्ट्रीय फलक तक पहुंच चुकी है। चार्ली चैप्लिन के किरदार को जीवंत करने के कारण उन्हें देश-विदेश में कई पुरस्कार मिल चुके हैं। राजन के पिता लक्ष्मण प्रसाद सिंह किसान हैं और माता सुनीता सिंह गृहिणी। इन्होंने कई फिल्में व लघु फिल्में भी बनाई। कुछ फिल्मों में मुख्य किरदार भी निभाया। मुंगेर में फिल्म निर्माता नीतीश कुमार गुंजन के साथ ही उन्होंने कई फिल्में की। 'नमस्ते बिहार' और 'लहरिया कट' इनकी सर्वश्रेष्ठ फिल्में रही हैं। (मुंगेर से रजनीश)

लोकतंत्र की सेहत संवारने को आगे आए डाक्टर

लोकतंत्र की सेहत को संवारने के लिए डाक्टर भी आगे आए हैं। मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) की ओर से मुहिम 2014 से शुरू थी। इस बार इसे और आगे बढ़ाया जाएगा। आइएमए के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष डा. आलोक मित्तल ने 2014 के लोकसभा चुनाव में ओपीडी में परामर्श लेने आ रहे मरीजों को मतदान के लिए प्रेरित करने की मुहिम शुरू की थी। इसके तहत उन्होंने मतदान वाले दिन मत का इस्तेमाल करने वाले मरीजों को निश्शुल्क परामर्श दिया। उनकी तरह दो दर्जन से अधिक चिकित्सक उंगली पर स्याही का निशान दिखाने वाले मरीजों को मतदान वाले दिन निश्शुल्क परामर्श दे रहे हैं। आइएमए, आगरा के सचिव डा. पंकज नगाइच ने बताया कि इस चुनाव में अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। आइएमए के सभी सदस्य चिकित्सक अपने पर्चे पर मतदान करने के लिए स्लोगन लिखेंगे। ओपीडी और जांच में छूट देने वाले चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने के लिए बैठक की जा रही है।

2022 विस चुनाव के दौरान मतदाता जागरूकता के लिए यह विचार आया था। अब लोकसभा चुनाव में भी ऐसा ही करने का विचार है। इस बार वोट की अमिट स्याही दिखाने वाले मरीजों से वह तीन दिन फीस नहीं लेंगे। - डा. राजीव अग्रवाल वरिष्ठ फिजीशियन

अंगुली पर है अमिट छाप तो तीन दिन का उपचार निश्शुल्क : शहर के वरिष्ठ फिजीशियन डा. राजीव अग्रवाल ने बताया कि विस चुनाव के दौरान वह मरीजों का उपचार कर रहे थे। इसी बीच मतदाता जागरूकता के लिए उनके मन में यह विचार आया। इसकी शुरुआत अस्पताल में आने वाले मरीजों से करनी चाही। निर्णय लिया कि जो मरीज उन्हें अंगुली पर लगी अमिट स्याही दिखाएंगे, उनसे वह एक दिन की फीस (500 रुपये) नहीं लेंगे। मरीजों को इसकी जानकारी हो सके इसके लिए उन्होंने मतदान से एक माह पूर्व अपने अस्पताल में जगह-जगह पर्चे व बैनर लगवा दिए। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में इसका असर यह हुआ कि मतदान के बाद 60 मरीजों ने स्याही दिखाकर उनसे निश्शुल्क उपचार कराया। डा. अग्रवाल ने बताया, लोकसभा चुनाव में भी वह ऐसा ही करने जा रहे हैं। इस बार अमिट स्याही दिखाने वाले मरीजों से वह तीन दिन फीस नहीं लेंगे। (फिरोजाबाद से कार्तिकेय नाथ द्विवेदी)

कठपुतलियों पर मतदाता जागरूकता की जिम्मेदारी

जब टीवी और मोबाइल का जब दौर नहीं था तब किताबों-कहानियों-किस्सों की बातें कठपुतलियों के जरिये कहते थे। कठपुतलियां मनोरंजन और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम हुआ करती थीं। ऐसे में अब कठपुतलियों ने जनजागरूकता का जिम्मा फिर से संभाला है। लोकतंत्र के सजग प्रहरी के तौर पर काशी के कठपुतली कलाकार मिथिलेश दुबे चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद ही सक्रिय हो गए हैं।

इन दिनों वह भदोही, प्रयागराज, चित्रकूट, महोबा, बांदा, हमीरपुर, इटावा, औरैया, उरई, उन्नाव, कानपुर के बाद लखनऊ जैसी जगहों पर अपनी कठपुतलियों के साथ पहुंच मतदान की महत्ता की प्रेरणा लोगों में भर रहे हैं। बीते दिनों वाराणसी में विश्व कठपुतली दिवस पर कठपुतली नाटक - वोट की ताकत, के मंचन से अभियान की शुरुआत भी कर चुके हैं। जागरूकता कहानियों को मंचित कर वह संदेश देते हैं कि वोट देश की तरक्की, उन्नति और खुशहाली के लिए होता है। मंचन के दौरान वह लोकतंत्र का प्राण वोट और सही व्यक्ति को देने की अपील ही नहीं बल्कि लालच, पैसा, प्रलोभन देने वाले व्यक्ति को वोट नहीं देने की जरूरत भी कठपुतलियों के जरिये रेखांकित करते हैं। मतदान से देश के विकास की संकल्पना लिए मिथिलेश दुबे अपनी टीम के साथ चुनाव के दौरान जागरूकता अभियान के लिए समर्पित भाव से निकल चुके हैं।

कठपुतली दिवस पर आयोजित कार्यक्रम। (सबसे बाएं हाथ में माइक लिए कठपुतली कलाकार मिथिलेश दुबे)

लोक से जुड़ी हुई परंपरा से मतदाता जागरूकता का यह कार्यक्रम बहुत ही अच्छा है। इससे कला भी संरक्षित होगी और नए व पुराने मतदाताओं के बीच अच्छा संदेश जाएगा। इसे हम वाराणसी में भी मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम का हिस्सा बनाएंगे। - हिमांशु नागपाल, मुख्य विकास अधिकारी, वाराणसी

वह बताते हैं कि कठपुतली कला के मुरीदों की कमी नहीं है। पूर्व में भी वह चुनाव के समय मतदाताओं को जागरूक करते रहे हैं और गर्व से बताते हैं कि कठपुतलियों के लोकतंत्र की मजबूती के लिए बोल लोगों को प्रेरणा देते हैं। वह बताते हैं कि मतदान के प्रति जागरूकता का दायरा बढ़ाने में लोककलाएं काफी मदद कर सकती हैं। वह इसे मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए शहरी और ग्रामीण इलाकों में बेहतर प्रयास मानते हैं, क्योंकि यह पुरनियों को प्रेरित करती हैं तो युवाओं को आश्चर्य के भावों से विभोर कर प्रेरणा से भी भरती हैं। (वाराणसी से अभिषेक शर्मा)

मुख्तार का शव सिपुर्द-ए-खाक, भीड़ की पुलिस से धक्कामुक्की

जागरण संवाददाता, गाजीपुर

माफिया मुख्तार अंसारी शनिवार सुबह गाजीपुर स्थित अंसारी परिवार के पुश्तैनी कब्रिस्तान कालीबाग में सिपुर्द-ए-खाक किया गया। जनाजे के बाद मिट्टी देने पहुंची भीड़ और धारा 144 लगी होने के कारण प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। सीमित लोगों को ही कब्रिस्तान के भीतर जाने देने की बात पर सांसद अफजाल अंसारी गाजीपुर की डीएम आर्यका अखौरी से उलझे तो वह भी कानून एवं व्यवस्था और आदर्श आचार संहिता का हवाला देकर सख्त हो गईं। कहा कि एक-एक को वीडियो से चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दिन भर इसकी चर्चा रही। जनाजे में वरिष्ठ सपा नेताओं सहित उनके समर्थक भी पहुंचे थे।

बांदा से मुख्तार का शव कड़ी सुरक्षा में यूसुफपुर मुहम्मदाबाद स्थित उसके पैतृक निवास बड़का फाटक रात सवा एक बजे के आसपास लाया गया। सुबह गुस्ल (स्नान) कराने के बाद लोगों ने उसके घर के पास मैदान में जनाजे की नमाज पढ़ी। इसके बाद शव को ताबूत में रख कंधों पर लेकर मजहबी नारे लगाते हुए घर से लगभग 400 मीटर दूर स्थित कब्रिस्तान लाया गया। यहां बड़े भाई पूर्व विधायक सिबगतुल्लाह अंसारी, सांसद अफजाल अंसारी, बेटा उमर अंसारी, विधायक भतीजा सुहेब अंसारी मन्नू समेत पहले स्वजन, फिर रिश्तेदारों ने मिट्टी दी। इसके बाद उसे कब्र में दफन कर दिया गया। इस दौरान सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था रही।

महिला डीएम ने अफजाल को चेताया : मुख्तार के जनाजे में गाजीपुर की महिला जिलाधिकारी ने भीड़ और समर्थकों के सामने अफजाल अंसारी को सीधी चेतावनी दी। दरअसल, मुख्तार के जनाजे में शामिल भीड़ ने कब्रिस्तान के बाहर नारेबाजी शुरू कर दी। वे मुख्तार को मिट्टी देने के लिए जबरदस्ती कब्रिस्तान में घुसना चाहते थे। पुलिसकर्मियों ने रोकने की कोशिश की तो धक्का-मुक्की शुरू कर दी। यह देख जिलाधिकारी आर्यका अखौरी नाराज हो गईं। उन्होंने अफजाल अंसारी को बुलाकर कड़े लहजे में कहा कि धारा 144 लागू है, बावजूद इसके इतनी भीड़ क्यों इकट्ठा हो गई? अफजाल ने कहा कि अंदर सिर्फ तीन-चार मजदूर हैं और हम तीन लोग हैं। डीएम ने पूछा कि मिट्टी सिर्फ परिवार के लोग देंगे या पूरा कस्बा? अफजाल ने ऊंचे स्वर में कहा कि जिसे मिट्टी देना हो, वह दे सकता है। धारा 144 लागू होने के बाद भी आप उन्हें नहीं रोक सकतीं। डीएम ने कहा कि आपने इसकी अनुमति क्यों नहीं ली? अफजाल ने कहा कि जनाजे के लिए कहीं कोई अनुमति नहीं ली जाती है। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि वीडियोग्राफी करवाकर एक-एक को चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी। फिर कब्रिस्तान से भीड़ छंटनी शुरू हो गई।

मुख्तार की मौत

- गाजीपुर में परिवार की पुश्तैनी कब्रगाह कालीबाग में किया गया दफन
- कब्रिस्तान में भिड़े सांसद अफजाल और जिलाधिकारी

जिन्होंने नारेबाजी की है, उनकी वीडियोग्राफी कराई गई है। हम बार-बार घोषणा भी कर रहे थे कि आदर्श आचार संहिता लगी है, सबको इसका पालन करना चाहिए। जिसने उल्लंघन किया है, उन्हें चिह्नित किया जाएगा। वीडियो के आधार पर नारेबाजी करने वालों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। - आर्यका अखौरी, जिलाधिकारी, गाजीपुर

गाजीपुर के कालीबाग कब्रिस्तान स्थल पर डीएम से बहस करते सांसद अफजाल अंसारी। जागरण

उत्तराखंड में पूर्णागिरि जा रहे श्रद्धालुओं पर मस्जिद की तरफ से पथराव

जागरण संवाददाता, ऊधम सिंह नगर

- वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल, पुलिस अलर्ट, अज्ञात पर केस
- जामा मस्जिद कमेटी के लोगों से पूछताछ, सभी से शांति की अपील

उत्तराखंड में पूर्णागिरि धाम जा रहे श्रद्धालुओं के जत्थे पर मस्जिद की तरफ से पथराव होने से भगदड़ मच गई। घटना में एक महिला श्रद्धालु चोटिल हुई है। पथराव करने वाले मस्जिद की ओर ही फरार हो गए। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए अलर्ट हो गई। बजरंग दल के नेता की तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपित चिह्नित किए जा रहे हैं। जामा मस्जिद कमेटी के लोगों से भी पूछताछ की गई है। पुलिस ने शांति की अपील की है।

इधर, हिंदूवादी संगठनों से जुड़े लोगों ने एसडीएम का घेराव करते हुए आरोपितों पर सख्त कार्रवाई व धार्मिक स्थल बंद करने की मांग उठाई है। इन दिनों पूर्णागिरि मेला चल रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जत्थे मंदिर जा रहे हैं। पथराव की घटना शुक्रवार की है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर स्थित तिलहर रुजबारी गांव से 27 मार्च को श्रद्धालुओं का जत्था पूर्णागिरि के लिए निकला था। खटीमा के रास्ते भक्त माता के जयकारे लगाते हुए बढ़ रहे था। पैदल जत्थे में बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। इस दौरान रात करीब आठ बजे टनकपुर रोड पर मस्जिद की ओर से जत्थे पर पथराव कर दिया गया। इसके बाद आरोपित भाग निकले। जत्थे में शामिल गीता देवी घायल हो गईं। श्रद्धालुओं ने कुछ देर के लिए मार्ग भी बाधित कर दिया। पुलिस ने तब किसी तरह से लोगों को शांत कराया और चोटिल महिला का निजी अस्पताल में उपचार करवाया। शनिवार को वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया। बजरंग दल के हिमांशु कन्याल ने कुछ लोगों पर सौहार्द बिगाड़ने का का आरोप लगाया।

यूपी के मंत्री ओपी राजभर ने मुख्तार असांरी को बताया गरीबों का मसीहा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अपने विवादित बयानों के लिए चर्चा में रहने वाले उप्र के पंचायती राज व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने माफिया मुख्तार अंसारी को गरीबों का मसीहा बताकर एक बार फिर विवादों को हवा दे दी है। राजभर व अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना मुख्तार के पुराने संबंध रहे हैं और उसका बेटा अब्बास आंसारी राजभर की सोहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) से ही मऊ का विधायक है। शनिवार को राजभर ने मुख्तार को गरीबों का मसीहा बताकर भाजपा और उत्तर प्रदेश सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी। राजभर मुख्तार को पूर्व में क्रांतिकारी भी बता चुके हैं।

राजभर ने कहा कि जब भी किसी गरीब पर ज्यादती होगी और उसके साथ जो खड़ा दिखाई देगा तो उसे गरीबों का मसीहा ही कहा जाएगा। मुख्तार को लेकर कई लोगों के बयान आएं हैं कि उन्होंने हमारी जान बचाई, हमारी मदद की, जब उन्होंने गरीबों की मदद की है तो वो गरीबों के मसीहा ही होंगे। राजभर ने माना कि उन्होंने मुख्तार अंसारी को पहले क्रांतिकारी कहा था और वह आज भी अपने उस बयान पर कायम हैं। एक टीवी चैनल से बातचीत में राजभर ने कहा, 'यह एक दुखद घटना है और ईश्वर के आगे किसी नहीं चलती है। डाक्टरों का जो कहना है और जो उनकी मेडिकल रिपोर्ट आई है उसमें मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया गया है। परिवार का जो आरोप है उसकी सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं।' उन्होंने कहा कि न्यायालय में मुख्तार ने जहर दिए जाने की बात कही थी। इसे न्यायालय ने संज्ञान भी लिया था और जांच कराने की बात कही थी, लेकिन ये घटना घट गई। जेल के तीन अधिकारियों को सरकार निलंबित कर चुकी है।

पहले मुख्तार को क्रांतिकारी भी बता चुके हैं सुभासपा मुखिया

माफिया मुख्तार की मौत की जांच शुरू

जागरण संवाददाता, बांदा: जेल में बंद रहे पूर्वांचल के माफिया मुख्तार अंसारी की मौत के मामले में न्यायिक व मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गई है। एमपी-एमएलए कोर्ट की न्यायाधीश गरिमा सिंह ने शनिवार को जेल प्रशासन को पत्र लिखकर मुख्तार अंसारी से जुड़े रिकार्ड तलब किए हैं। तीन दिन में कोई अधिकारी जेल का निरीक्षण कर सकता है। जिला जज डा. बब्बू सारंग, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी अंकुर अग्रवाल ने शनिवार को जेल का निरीक्षण किया और मुख्तार की बैरक का भी जायजा लिया। यहां अधिकारियों ने माफिया की मौत के बारे में विस्तृत जानकारी ली।

जेल में मुख्तार की तबीयत 25 मार्च को बिगड़ी थी। उसे 26 मार्च को रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था। जांच में कब्ज की शिकायत होने पर करीब 15 घंटे इलाज के बाद उसे वापस जेल भेज दिया गया था। मुख्तार की इसके बाद तबीयत गुरुवार को फिर बिगड़ी तो रात में मेडिकल कालेज लाया गया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हृदयगति रुकना बताया गया है।

कृष्णानंद राय की पत्नी ने कहा- हमें बाबा की कृपा से न्याय मिला

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- अलका राय ने बेटे संग बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए

मुख्तार अंसारी के हाथों मारे गए पूर्व भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की पत्नी अलका राय ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की कृपा से हमें व हमारे परिवार को न्याय मिला है। मैं प्रार्थना करती थी और आज न्याय मिल गया है। हम तो सीबीआइ कोर्ट में भी हार गए थे। वह बेटे पीयूष के साथ शुक्रवार को बाबा विश्वनाथ दर्शन के लिए पहुंची थीं।

बता दें, 29 नवंबर, 2005 को गाजीपुर में विधायक कृष्णानंद राय के काफिले पर मुख्तार और उसके गैंग ने 500 राउंड गोलियां बरसाई थीं। इसमें कृष्णानंद समेत सात लोगों की मौत हुई थी। कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मामले में अप्रैल, 2023 में मुख्तार अंसारी को दोषी मानते हुए दस वर्ष कैद की सजा सुनाई थी। अलका राय ने कहा कि पति कृष्णानंद राय की हत्या के मैंने कभी होली नहीं मनाई। हमारे लिए तो होली आज ही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्तार की वजह से जितने परिवार अनाथ हुए, उन सभी के लिए खुशी की बात है कि एक अपराधी का अंत हुआ है। मुख्तार की मौत को लेकर लगाए जा रहे आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए अलका राय ने कहा कि विपक्षी पार्टियों को तुष्टीकरण की राजनीति करनी है। उन्हें विरोध करने के लिए एक मुद्दा चाहिए।

वाराणसी में बाबा विश्वनाथ की पूजा-अर्चना करने के बाद प्रस्थान करतीं पूर्व भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की पत्नी अलका राय। एएनआइ

कर्नाटक के राज्यपाल की नातिन की तबीयत बिगड़ी, एंबुलेंस में नहीं था डाक्टर

नईदुनिया, इंदौर : कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत के काफिले में शामिल एंबुलेंस में डाक्टर के नहीं होने को लेकर इंदौर के कलेक्टर ने प्रोटोकाल अधिकारी को निलंबित कर दिया। राज्यपाल सपरिवार शुक्रवार को ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर का दर्शन कर लौट रहे थे। रास्ते में उनकी नातिन 30 वर्षीय ऊर्जा सोलंकी की तबीयत खराब हो गई। इसी दौरान पता चला कि उनके साथ प्रशासन की ओर से जो एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई थी, उसमें कोई डाक्टर नहीं था। ऊर्जा सोलंकी को घबराहट व सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। राज्यपाल ने नातिन को रात करीब आठ बजे इंदौर के बाम्बे हास्पिटल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया।

इंदौर के कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि वीआइपी काफिले में डाक्टर को तैनात करने की जिम्मेदारी प्रोटोकाल अधिकारी की होती है। प्रवीण सांखला को लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। राज्यपाल की नातिन की हालत में सुधार है। वह कुछ दिनों से निजी कार्यों को लेकर इंदौर में ही रह रही हैं।

केरल में मदरसा शिक्षक की हत्या में आरएसएस के तीन कार्यकर्ता बरी

कासरगोड, प्रेट्र : केरल में कासरगोड की एक अदालत ने 2017 में जिले की एक मस्जिद के अंदर एक मदरसा शिक्षक की हत्या मामले में शनिवार को आरएसएस के तीन कार्यकर्ताओं को बरी कर दिया। कासरगोड के प्रधान सत्र न्यायाधीश केके बालाकृष्णन ने मामले के तीन आरोपितों अखिलेश, जितिन और अजेश को बरी कर दिया। तीनों केलुगुडे के निवासी हैं। आरोपितों ने बगैर जमानत जेल में सात साल बिताये हैं।

मोहम्मद रियास मौलवी चूरी में स्थित एक मदरसे में पढ़ाते थे। मौलवी की 20 मार्च, 2017 को मस्जिद में हत्या कर दी गई थी। चूरी स्थित मुहयुद्दीन जुमा मस्जिद के परिसर में घुसे एक गिरोह ने गला काट दिया था। इस बीच, अभियोजन पक्ष ने फैसले पर निराशा व्यक्त की और कहा कि वे आदेश के खिलाफ अपील करेंगे। विशेष लोक अभियोजक सी शुक्कुर ने कहा कि मामले में पुख्ता सुबूत थे। अदालत ने मामले में 97 गवाहों, 215 दस्तावेजों और 45 भौतिक साक्ष्यों की जांच की, तथा 90 दिनों के भीतर आरोप-पत्र दायर किया गया था।

****

Join Magazine Group @ ₹60/m WhatsApp To 8969469464
Join Epaper Group @ ₹30/m WhatsApp To 8969469464

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 31 मार्च, 2024

दैनिक जागरण
कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है

विपक्ष की महारैली

विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए ने दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली अपनी रैली को महारैली का नाम देकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह अपनी ताकत का प्रदर्शन करने जा रहा है। चूंकि लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद आइएनडीआइए की यह पहली रैली है, इसलिए उस पर देश की निगाहें होंगी। एक जिज्ञासा तो यह होगी कि इस रैली के जरिये विपक्ष अपनी एकजुटता का प्रदर्शन कर पाता है या नहीं। दूसरी जिज्ञासा यह होगी कि वह किन विषयों के जरिये देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करेगा। इस रैली में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का मुद्दा तो उठेगा ही, लेकिन उनकी गिरफ्तारी इसलिए नहीं हुई कि वह भाजपा के लिए खतरा बन गए थे, बल्कि इसलिए हुई है कि उन पर शराब घोटाले में लिप्त होने का आरोप है और अदालत से उन्हें राहत नहीं मिली है। कांग्रेस की मानें तो इस रैली का उद्देश्य संविधान बचाना है। कांग्रेस एक लंबे समय से संविधान और लोकतंत्र को खतरे में बता रही है। अब तो उसके नेता यहां तक कहने लगे हैं कि इस बार के लोकसभा चुनाव आखिरी चुनाव साबित हो सकते हैं।

कांग्रेस की देखादेखी अन्य विपक्षी दल भी यह कहने लगे हैं कि मोदी सरकार के चलते संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं, लेकिन उनकी ओर से यह समझाने की कोशिश कभी नहीं की जाती कि आखिर यह खतरा क्यों है? क्या मोदी सरकार ने वैसा कुछ किया है, जैसा इंदिरा सरकार ने 1975 में किया था? इंदिरा गांधी ने तो आपातकाल लगाकर लोकतंत्र को सचमुच पंगु कर दिया था। उस दौरान सारे विपक्षी नेता मनगढ़ंत आरोपों में जेलों में ठूंस दिए गए थे और मीडिया का भी निर्ममतापूर्वक दमन किया गया था। इतना ही नहीं, संविधान में मनमाने संशोधन कर उसकी प्रस्तावना में सेक्युलरिज्म और समाजवाद जैसे शब्द जोड़ दिए गए थे। क्या यह हास्यास्पद नहीं कि लोकतंत्र को खत्म करने और संविधान को तोड़ने-मरोड़ने वाली कांग्रेस आज भय का यह भूत खड़ा करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करने में लगी हुई है कि यदि नरेन्द्र मोदी फिर से चुनाव जीत गए तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा और संविधान बच नहीं पाएगा। बार-बार लोकतंत्र और संविधान के खतरे में पड़ने का शोर मचाना तो यही बताता है कि विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस के पास ऐसे मुद्दों का अभाव है, जिनके सहारे वह मजबूती से चुनाव मैदान में उतर सके। आखिर यह कौन सा तर्क हुआ कि यदि भाजपा तीसरी बार सत्ता में आ गई तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा? क्या आजादी के बाद जब कांग्रेस एक के बाद एक लगातार चुनाव जीतती रही, तब लोकतंत्र खत्म हो रहा था और संविधान नष्ट हो रहा था? निःसंदेह लोकतंत्र में विपक्ष को मजबूत होना चाहिए, लेकिन यदि वह पिछले दो बार से लोकसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है तो क्या इसके लिए सत्तापक्ष दोषी है?

वित्त आयोग से अपेक्षाएं

उत्तराखंड को एक अप्रैल, 2026 से आगामी पांच वर्षों के लिए केंद्रीय अनुदान, केंद्रीय करों में हिस्सेदारी समेत अन्य विभिन्न मदों में वित्तीय सहायता का निर्धारण नए सिरे से होना है। 16वें वित्त आयोग का गठन हो चुका है। प्रदेश सरकार आयोग के समक्ष उठाए जाने वाले बिंदुओं को लेकर तैयारी कर रही है। इस हिमालयी प्रदेश की विषम परिस्थितियों, वनावरण और संवेदनशील पर्यावरण को देखते हुए ग्रीन बोनस की मांग राज्य गठन के बाद से ही प्रमुखता से उठाई जाती रही है। 15वें वित्त आयोग के समक्ष भी इस विषय को प्रमुखता के साथ उठाया गया था। आयोग ने ग्रीन बोनस के रूप में पृथक से अनुदान की व्यवस्था तो नहीं की, लेकिन अपनी संस्तुतियों में प्रदेश की आवश्यकता को ध्यान में रखा। राजस्व घाटा अनुदान मद के साथ ही स्वास्थ्य, आपदा और प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत प्रदेश को इससे पहले के वित्त आयोगों की तुलना में अधिक धनराशि मिलने का रास्ता साफ हुआ। सीमित संसाधनों वाले प्रदेश को वित्तीय व्यवस्था के लिए राजस्व घाटा अनुदान के रूप में बड़ी सहायता प्राप्त हुई। नया वित्त आयोग इस अनुदान को आगे भी जारी रखने पर विचार करे, यह सबकुछ इस पर भी निर्भर करेगा कि राज्य सरकार अपना पक्ष किस प्रकार मजबूती से रखती है। चारधाम यात्रा एवं कांवड़ यात्रा के दौरान प्रतिवर्ष छह से सात करोड़ की जनसंख्या का भार उत्तराखंड उठाता है। इनके लिए आवश्यक सुविधाएं जुटाने की बड़ी चुनौती रहती है। इस विषय को प्रमुखता से उठाने को संबंधित विभागों को कहा गया है, ताकि आयोग के समक्ष होने वाले प्रस्तुतीकरण में सभी आवश्यक विषय समाहित किए जा सकें। आपदा से प्रतिवर्ष राज्य को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। आपदा के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों के निवासियों के पुनर्वास को वित्तीय सहायता के संबंध में आयोग से सहयोग की अपेक्षा स्वाभाविक है।

लाइलाज होता राजनीतिक भ्रष्टाचार

संजय गुप्त

अपने देश में राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ जैसी चेतना विकसित होनी चाहिए, वैसी औसत भारतीयों में कम ही दिखती है

अवधेश राजपूत

किसी भी देश की राजनीति धन के बिना नहीं चल सकती। यह अलग बात है कि कुछ देशों में यह धन सरकारी खजाने से राजनीतिक दलों को दिया जाता है और कुछ में राजनीतिक दल लोगों से चंदे के रूप में एकत्र करते हैं। लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक दलों को अपनी गतिविधियां संचालित करने के लिए धन चाहिए ही होता है और यहीं से सिलसिला शुरू होता है पक्षपात एवं भ्रष्टाचार के आरोपों का। इस तरह के आरोपों का सामना छोटे-बड़े सभी दलों को करना पड़ता है। सत्ताधारी दलों को कुछ ज्यादा ही करना पड़ता है। इसे देखते हुए ही मोदी सरकार चुनावी बांड की योजना लाई थी ताकि राजनीति में कालेधन का प्रवेश रुके। इस योजना में यह प्रविधान था कि दानदाताओं का नाम तो सार्वजनिक नहीं होगा, लेकिन उनके द्वारा दिया गया धन कालाधन नहीं होगा, क्योंकि वह स्टेट बैंक से जारी होने वाले चुनावी बांडों के जरिये राजनीतिक दलों को मिलेगा। पिछले दिनों उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बांड वाले कानून को असंवैधानिक करार दिया और साथ ही स्टेट बैंक को सारा विवरण चुनाव आयोग को सौंपने को कहा। चुनाव आयोग ने जैसे ही यह विवरण सार्वजनिक किया, राजनीतिक दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। चूंकि भाजपा केंद्र के साथ कई राज्यों में सत्ता में है, इसलिए उसे चुनावी बांडों के जरिये अधिक चंदा मिला। तृणमूल कांग्रेस और डीएमके को भी अच्छा-खासा धन मिला, खासकर लोकसभा में उनके सांसदों की संख्या को देखते हुए। इसके बाद भी भाजपा विपक्षी दलों के निशाने पर है।

विपक्षी दलों का आरोप है कि भाजपा ने कंपनियों को ठेके दिए और उसके बदले उनसे चंदा लिया। चूंकि कई कंपनियों ने जब भाजपा को चंदा दिया, तभी या उसके आगे-पीछे उन्हें ठेके मिले, इसलिए विपक्षी दलों के आरोप सही होने का संदेह गहराया। संदेह गहराने का एक कारण यह भी है कि जिन कंपनियों के खिलाफ सीबीआइ, ईडी या आयकर विभाग की जांच जारी थी, उन्होंने भी भाजपा को चंदा दिया। वैसे तो ऐसी कुछ कंपनियों ने अन्य दलों को भी चंदा दिया, लेकिन इन दलों के निशाने पर भाजपा ही है। जैसे आरोप भाजपा पर लग रहे हैं, उससे गंभीर आम आदमी पार्टी पर लग रहे हैं। उस पर चुनावी बांड के जरिये नहीं, बल्कि रिश्वत के रूप में शराब बनाने वाली कंपनियों से करोड़ों रुपये लेने का आरोप है। ईडी की मानें तो नई शराब नीति बनाकर शराब कंपनियों से सैकड़ों करोड़ रुपये लिए गए और उसी से गोवा, पंजाब आदि राज्यों में चुनाव लड़ा गया। ईडी के आरोप गंभीर तो हैं, लेकिन उनकी सत्यता की पुष्टि न्यायपालिका ही कर सकेगी।

यह एक विडंबना ही है कि जिन अरविंद केजरीवाल का राजनीतिक सफर भ्रष्टाचार विरोधी अन्ना आंदोलन से शुरू हुआ था, वह आज भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे हैं। वह राजनीति बदलने आए थे, लेकिन लगता है कि राजनीति ने उन्हें ही बदल दिया। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मनी, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। यह इसलिए हैरान करती है, क्योंकि देश में इसके पहले भी कई नेता गिरफ्तार हुए हैं। हाल में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गिरफ्तार हुए हैं, लेकिन किसी देश के प्रतिनिधि ने कोई सवाल नहीं किया। आखिर केवल केजरीवाल के मामले में ही अमेरिका, जर्मनी आदि क्यों चिंता जता रहे हैं? यह ठीक है कि अमेरिका और जर्मनी के प्रतिनिधियों ने केजरीवाल की गिरफ्तारी पर तब प्रतिक्रिया दी, जब इसे लेकर उनसे सवाल पूछे गए, लेकिन उनके लिए इन सवालों का जवाब देना जरूरी नहीं था। वह इन सवालों को आसानी से टाल सकते थे, क्योंकि परंपरा यही है कि अन्य देश किसी दूसरे देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देते। इस पर हैरानी नहीं कि अमेरिका, जर्मनी और संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों से सवाल पूछने वालों ने इसी नीयत से सवाल किया हो, ताकि वे भारत के आंतरिक मामलों में कुछ कहें। ये ऐसे लोग भी हो सकते हैं, जो भारत या फिर मोदी सरकार के प्रति दुर्भावना से ग्रस्त हैं।

अरविंद केजरीवाल पहले ऐसे नेता हैं, जो मुख्यमंत्री रहते गिरफ्तार किए गए। लोकसभा चुनाव के मौके पर उनकी गिरफ्तारी ने एक राजनीतिक बवंडर खड़ा कर दिया है। भाजपा पर तो ईडी का राजनीतिक इस्तेमाल करने के आरोप लग ही रहे हैं, न्यायपालिका पर भी तंज कसे जा रहे हैं। इसी सिलसिले में हरीश साल्वे समेत करीब छह सौ वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है कि वकीलों का एक समूह न्यायपालिका पर अनुचित दबाव डालने और उसकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। हरीश साल्वे और अन्य वकीलों की ओर से लिखी गई चिट्ठी में जिन बातों का उल्लेख किया गया है, उनसे प्रधानमंत्री ने भी सहमति जताई है।

हालांकि न्यायपलिका ने समय-समय पर कई भ्रष्ट नेताओं को सजा सुनाई है, लेकिन समाज या राजनीति पर उसका कोई सकारात्मक असर पड़ता नहीं दिख रहा है। जैसे लालू यादव को चारा घोटाले में सजा सुनाई जा चुकी है, लेकिन अभी तक उच्चतर अदालतों ने उनके खिलाफ निचली अदालतों की ओर से दिए गए फैसलों का निपटारा नहीं किया है। इसके चलते लालू यादव के समर्थक उन्हें निर्दोष बताने में लगे हुए हैं। वे ऐसा करने में इसलिए समर्थ हैं, क्योंकि अपने देश में मतदाताओं का एक ऐसा वर्ग है, जो अपनी जाति-मजहब के नेता के गलत कार्यों की अनदेखी करने के लिए तैयार रहता है। एक उदाहरण राजीव गांधी का भी है। बोफोर्स घोटाले में लिप्तता के आरोपों के चलते राजीव गांधी सत्ता से बाहर हो गए, लेकिन गांधी परिवार के राजनीतिक रसूख पर कोई असर नहीं पड़ा। यह किसी से छिपा नहीं कि भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे नेता चुनाव जीतते रहे हैं। क्या कारण है कि देश का औसत मतदाता भ्रष्टाचार में लिप्त नेता या उनके दल से किनारा नहीं करता? इसका कारण यही दिखता है कि राजनीति में भ्रष्टाचार आम है और आमतौर पर लोग यह मान बैठे हैं कि नेता तो भ्रष्टाचार करते ही हैं। राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ जो चेतना विकसित होनी चाहिए, वह औसत भारतीयों में कम ही दिखती है। वास्तव में जब तक लोग जाति, मजहब, क्षेत्र आदि के नाम पर वोट देते रहेंगे, तब तक राजनीतिक भ्रष्टाचार दूर होने वाला नहीं है।

response@jagran.com

वोट दो और आकर्षक वादा लो

हास्य-व्यंग्य

सूर्यकुमार पांडेय

हमारी पार्टी का नारा होगा, हम उचित दाम पर बिकने को तैयार हैं और खरीदने को भी

जैसे-जैसे मतदान की तिथियां नजदीक आती जा रही हैं, वैसे-वैसे मेरी टेंशन बढ़ती जा रही है। चुनाव की तारीखें घोषित हो चुकी हैं, मगर मैं अभी तक यह भी घोषित नहीं कर पाया हूं कि मेरी अपनी पार्टी कौन-सी है? जवानी ख्वाब देखने में गुजर जाए और जब ब्याह का मुहूर्त निकले तो दूल्हा घोड़ी पर चढ़ने से पीछे हट जाए, ऐसा कैसे चलेगा। मौका-माहौल है, तो इस बार मुझे चुनाव लड़ना ही लड़ना है। चाहे मैं किसी फटे से फटे बैनर के तले खड़ा होऊं, मुझे अबकी बार समूची शक्ति लगा देनी है। मेरी सज-धज जारी है। जरूरत के मुताबिक खर्चे-वर्चे का इंतजाम भी बन गया है। मतदाताओं, चिंता मत करो। मैं मत मांगने आ रहा हूं। अबकी बार चूक नहीं होगी। इस दफा मुझे समझदारी के साथ लड़ना है। मगर न जाने क्यों, अभी से मेरा रक्तचाप बढ़ता ही चला जा रहा है। वक्त थोड़ा हो और लोड ज्यादा हो, तब ऐसा ही होता है। मेरे साथ भी हो रहा है। जब तक फाइनली टिकट-विकट न मिल जाए, इस दिल को चैन कहां और आराम कहां?

मेरा दिल तो पागल है, नादान है और आवारा भी। यह मानता ही नहीं। रोज अपने देश के नेताओं की दुर्गतियां देखता हूं। जेल जा रहे हैं। उन पर मुकदमे किए जा रहे हैं। जमानत पर छूट नहीं पा रहे हैं। फिर भी मैं हतोत्साहित नहीं हो रहा हूं तो सिर्फ इस इकलौते दिल के चलते। दिल लगा कुर्सी से तो इज्जत क्या चीज है? इस बार आर-पार का खेल होगा। लड़ मरूंगा। मोर्चे पर डटे रहना है। किसी ने साथ नहीं दिया तो एक नया फ्रंट खोल लूंगा। वह समय गया, जब समान विचार वाले लोगों की पार्टियां बना करती थीं। सिद्धांतों, वादों और नीतियों के आधार पर दल गठित होते थे। अब का वक्त अवसरवादियों का है। चार लोग इकट्ठे हो लिए और एक दल तैयार हो गया। अगुआ-भगुआ गले मिल गए। लगुआ पहले से ही एक कंधे की तलाश में मुंह बाए हुए था। वह भी गला बचाकर पीछे से चिपक लिया। तन गया एक और राष्ट्रीय स्तर का तंबू। गड़ गया गठबंधन का खूंटा। माल काटना है तो पहले वोट काटने की कला आनी चाहिए। कभी-कभी मैं यह भी सोचता हूं कि फालतू टेंशन पाल रहा हूं। क्यों न अपनी एक अलग पार्टी बना लूं। जहां इतनी सारी सही, एक और सही! भालू की पीठ पर एक और बाल उग आए तो उसका वजन नहीं बढ़ जाता है।

ऊंट की चोरी निहुरे-निहुरे नहीं होती है। चुनाव लड़ना है तो खुलकर सामने आना ही पड़ेगा। लाज-शर्म को ताक पर रखकर असली वाली औकात पर उतरना ही होगा। इसके बिना कोई दूसरा मार्ग तो क्या, पगडंडी तक नहीं है, जिस पर चलकर दिल्ली तक पहुंचा जा सके। मैं क्रमशः-क्रमशः तैयार हो रहा हूं। सोचता हूं, एक वक्तव्य ठोंक दूं। जिसको कोई घास नहीं डाल रहा हो, वह अबकी बार मेरे साथ आए। तिनका-तिनका जोड़कर ही घोंसला बनता है। मेरे प्राणप्यारों, पास आओ। एकता की ताकत को पहचानो। चार गुंडे भी एक हो जाएं तो हजारों शरीफों के नाक में दम कर दें। आओ अबकी बार हम बहुमत लूट लेंगे।

वोट यूं ही नहीं मिलता। हथियाना पड़ता है। हम सब मिलकर उसे हासिल करेंगे। वोट अमूल्य है, उसकी कीमत किसे पता है! हम फिर भी मोल-भाव करेंगे। जो जिस रेट में पट जाए, उसे वहीं पर पटा मारेंगे। हमारी पार्टी का नारा होगा, 'हम उचित दाम पर बिकने को भी तैयार हैं और खरीदने को भी।' जनता हमें वोट दे, हम उसे मुंहमांगी कीमत का आकर्षक वादा देंगे। इसी भांति दल-बल के जरिये मैं अपनी तमन्नाओं को मूर्त रूप देना चाहता हूं। फिलहाल नया समीकरण और नए फार्मूले तलाशने हैं। नया गणित बैठाना है। विपक्षियों की समानांतर रेखा को तिकड़म की तिर्यक रेखाओं से काटने का नया सूत्र तैयार करना है। समय कम है। अभी चुनाव-प्रचार की विज्ञापनी तैयारियां भी करनी हैं। आप भी सतर्क रहिए। जिस वक्त मेरी टेंशन खत्म होगी, वोटरों की अपनेआप बढ़नी चालू हो जाएगी।

response@jagran.com

ऊर्जा

योगसाधना की शक्ति

योग-दर्शन का 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' उद्घोष अत्यंत सार्थक है। अध्यात्म-जगत में जितनी इसकी महत्ता है, उससे कम महत्ता विज्ञान जगत में नहीं है। सूक्ष्म दृष्टि से योग को परिभाषित किया जाए तो बाह्य प्रकृति में जो ऊर्जा प्रवाहित हो रही है, उससे आंतरिक जगत से संबद्ध करना ही योग (जोड़) है। योग के जरिये ही बाह्य जगत में व्याप्त सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्राणवायु (आक्सीजन) का योग शरीर में होता है। स्थूल रूप से भी द्रष्टव्य है कि किसी वाहन के पहिये से वायु निकल जाती है तो वह आगे नहीं बढ़ पाता है। योग द्वारा सूर्य एवं चंद्रमा की किरणें भी शरीर के रोमछिद्रों से प्राप्त होती हैं। योग की महत्ता के अनेक उदाहरण मिलते हैं। धर्मग्रंथों में सप्तऋषियों का उल्लेख किया गया है। आकाश मंडल में इन ऋषियों का दिग्दर्शन भी होता है। इन्हीं ऋषियों के समकक्ष ध्रुव तारा के रूप में राजा उत्तानपाद का पुत्र ध्रुव भी मौजूद है। जब पिता ने विमाता के आदेश पर ध्रुव को अपनी गोद से उतार दिया तब माता सुनीति के कहने पर पांच वर्षीय बालक ध्रुव ने जंगल में जाकर योगसाधना की। अंततः भगवान विष्णु को ध्रुव के पास आना पड़ा।

रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास की 'नारि सुभाउ सत्य सब कहहीं। अवगुन आठ सदा उर रहहीं॥ साहस अनृत चपलता माया। भय अबिबेक असौच अदाया।।' चौपाई के भावों पर विचार की जरूरत है। यहां नारी का अर्थ मन की प्रवृत्तियों से लिया जाना चाहिए, क्योंकि नारी शब्द संस्कृत के 'नृ' धातु से बना है जिससे नृत्य और नेत्र, दोनों अर्थ निकलते हैं। मन की प्रवृत्तियां हर व्यक्ति को नचाती हैं और दृष्टि भी देती हैं। इन संदर्भों में इस चौपाई में नारी व्यक्तिवाचक शब्द नहीं, बल्कि कर्मवाचक शब्द है। व्यक्ति का कर्म जीवन तक ही नहीं, उसके बाद तक जीवंत रहता है। निष्कर्ष यही है कि योग के जरिये जीवन के आह्लाद की रक्षा की जा सकती है।

सलिल पांडेय

डीएनए से है मानव स्मृति का संबंध

मुकुल व्यास

हिपोकैंपस हमारे मस्तिष्क की एक जटिल संरचना है। इसे मस्तिष्क के स्मृति केंद्र के रूप में जाना जाता है

मस्तिष्क में डीएनए के नुकसान के बगैर यादें नहीं बन सकतीं। यह बात हजम करना मुश्किल है कि यादों का संबंध डीएनए की क्षति के साथ है। जिस तरह आप अंडे को तोड़े बिना आमलेट नहीं बना सकते, उसी तरह आप डीएनए की क्षति और मस्तिष्क की सूजन के बिना दीर्घकालिक यादें नहीं बना सकते। यह आश्चर्यजनक निष्कर्ष न्यूयार्क के अल्बर्ट आइंस्टीन कालेज आफ मेडिसिन के विज्ञानियों ने अपने एक अध्ययन में निकाले हैं। मस्तिष्क की स्नायु कोशिकाओं की सूजन को आमतौर पर एक बुरी चीज माना जाता है, क्योंकि इससे अल्जाइमर और पार्किंसन रोग जैसी स्नायु तंत्र की बीमारियां हो सकती हैं, लेकिन निष्कर्ष बताते हैं कि मस्तिष्क के हिपोकैंपस क्षेत्र में कुछ स्नायु कोशिकाओं में सूजन लंबे समय तक चलने वाली यादें बनाने के लिए आवश्यक है। हिपोकैंपस हमारे मस्तिष्क की एक जटिल संरचना है। इसे मस्तिष्क के स्मृति केंद्र के रूप में जाना जाता है।

विज्ञानियों ने अध्ययन में पाया कि एक उत्तेजना हिपोकैंपस की स्नायु कोशिकाओं के भीतर डीएनए की क्षति और मरम्मत का एक चक्र शुरू करती है। इस प्रक्रिया में स्थिर स्मृति के समूह बनते हैं। ये मस्तिष्क कोशिकाओं के वे समूह हैं, जो हमारे पिछले अनुभवों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस स्मृति-निर्माण तंत्र की खोज चूहों पर किए गए एक प्रयोग के दौरान हुई। शोधकर्ताओं ने चूहों को बिजली के झटके की घटना की स्मृति बनाने के लिए हल्के झटके दिए। इसके पश्चात उन्होंने हिपोकैंपस क्षेत्र में स्नायु कोशिकाओं का विश्लेषण किया और पाया कि इससे सूजन के एक महत्वपूर्ण संकेतन मार्ग में भाग लेने वाले जीन सक्रिय हो गए। इस संकेतन मार्ग को टोल-लाइक रिसेप्टर 9 (टीएलआर9) कहा जाता हैं। टीएलआर9 केवल हिपोकैंपस की उन कोशिकाओं के समूहों में सक्रिय हुआ जिनमें डीएनए की क्षति देखी गई थी। मस्तिष्क की गतिविधि डीएनए में नियमित रूप से छोटे-छोटे ब्रेक लाती है, जो मिनटों में ठीक हो जाते हैं, लेकिन हिपोकैंपस की स्नायु कोशिकाओं में डीएनए क्षति बड़े पैमाने पर दिखी।

इस अध्ययन में दूसरी महत्वपूर्ण बात यह सामने आई कि हिपोकैंपस की स्नायु कोशिकाओं में टीएलआर9 सूजन मार्ग को अवरुद्ध करने से न केवल चूहों को दीर्घकालिक यादें बनाने से रोका गया, बल्कि उनके मस्तिष्क में डीएनए से संबंधित गहन अस्थिरता भी हुई। दूसरे शब्दों में, स्नायु कोशिकाओं में डीएनए की क्षति बार-बार होने लगी। इस अस्थिरता को तेजी से आयु-वृद्धि के साथ-साथ कैंसर, मनोरोगों और अल्जाइमर जैसे स्नायु तंत्र के विकारों की पहचान माना जाता है। हालांकि टीएलआर9 मार्ग को पूरी तरह से बाधित करने से स्वास्थ्य संबंधित बड़े जोखिम पैदा हो सकते हैं।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

राजरंग

दूसरे को संवारते कप्तान

चुनावी गठबंधन को लेकर बिहार में कांग्रेस और राजद के बीच चली लंबी रस्साकशी के किस्से सबको मालूम हैं, पर इसका दिलचस्प पहलू यह है कि बिहार में कांग्रेस का एक बड़ा वर्ग मान रहा कि प्रदेश कांग्रेस के कप्तान अपनी टीम के लिए अधिक से अधिक सीटें हासिल करने के बजाय सहयोगी दल की चुनावी पारी संभालने के लिए कुछ ज्यादा ही मेहनत करते हैं। इस राय के हिमायतियों का तर्क है कि ऐसा नहीं होता तो पार्टी को वैसी सीटें मिलतीं जिन पर जीतने के चांस थे, न कि वैसी सीटें जहां संघर्ष ही संघर्ष है। कई कांग्रेसी हैरान हैं कि एक समय चार विधायक रहते हुए पार्टी राजद से विधान परिषद में सीटें ले लेती थी, मगर आज 17 विधायक होने के बाद भी हाथ खाली रह जाती है। बिहार के कांग्रेसी ऐसी शिकायतें हाईकमान को पहुंचा रहे, मगर अंदरखाने चर्चा है कि पार्टी के एक प्रभावशाली महासचिव को कप्तान साहब ने पूरी तरह सेट कर रखा है और इसलिए शिकायत की फाइलें हाईकमान तक पहुंचने नहीं दी जाती हैं। बहरहाल यह अंदरूनी सेटिंग पार्टी का चुनाव में कैसे भला करेगी यह तो नतीजे ही बताएंगे।

कूटनीतिक मित्रता

दो देशों के रिश्ते भी वैसे ही होते हैं जैसे दो मनुष्यों के। जैसे मित्रता में कई बार लोग एक-दूसरे के लिए कुछ भी कर गुजरते हैं, वैसे ही कूटनीति की दुनिया में भी अक्सर देखा जाता है। कई बार जब हालात विपरीत होते हैं तो सही मित्र की पहचान भी हो जाती है। हाल के दिनों में दुनिया के कुछ रणनीतिक साझेदार देशों ने भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। इसकी चर्चा राजधानी दिल्ली के कूटनीतिक गलियारे में भी गरम है। उन देशों की तरफ से आ रही ऐसी प्रतिक्रियाओं से विदेश मंत्रालय नाखुश है। ऐसे में भारत के यूरोप में स्थित एक अभिन्न मित्र देश ने आगे बढ़कर यह भरोसा दिलाया है कि उसकी तरफ से भारत में किसी भी राजनीतिक घटनाक्रम पर न तो कोई प्रतिक्रिया दी गई है और न ही आने वाले समय में दी जाएगी। बताया जा रहा है कि संदेश देने वाला यह देश फ्रांस है, जिसके साथ भारत की मित्रता लगातार मजबूत हो रही है।

आय का हिसाब-किताब

सामान्य तौर पर कोई अपनी आय का हिसाब-किताब किसी दूसरे को नहीं बताना चाहता। वैवाहिक विवाद के एक मामले की सुनवाई के दौरान पिछले दिनों शीर्ष अदालत में पत्नी को गुजारा भत्ता देने पर सुनवाई चल रही थी। पति ने गुजारा भत्ता देने में असमर्थता जताते हुए कहा कि उसके पास पैसे नहीं हैं। तभी मामले की सुनवाई कर रहे जज साहब ने कहा कि मैंने कभी किसी को इस कोर्ट में अपनी सही आय बताते नहीं देखा। खैर मामले में जो भी हुआ हो, पर सच्चाई यही है कि व्यक्ति अपनी सही आय बताने से गुरेज करता है। पत्नी को गुजारा भत्ता देने या आयकर विभाग में इस तरह के लंबित मुकदमे भी इस सच्चाई को बयान करते हैं।

सतर्क नेताजी

अपने राजनीतिक करियर के लिए नेताजी सदैव सतर्क रहते हैं। राजनीति के अलावा किसी अन्य क्षेत्र में उनकी प्रतिभा का गुणगान किए जाने को स्वीकार करते हुए वह तत्काल साफ कर देते हैं कि उनकी असली दिलचस्पी राजनीति में ही है। ऐसा ही वाकया पिछले दिनों कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान देखने को मिला। पार्टी के संचार महासचिव जयराम रमेश कोषाध्यक्ष अजय माकन के कंप्यूटर कोडिंग के ज्ञान की प्रशंसा कर रहे थे। प्रशंसा करते हुए जयराम ने यह भी बोल दिया कि माकन किसी भी बड़ी कंपनी में कंप्यूटर कोडिंग का काम बेहतरीन तरीके से संभाल सकते हैं। सतर्क माकन ने तत्काल माइक अपनी ओर खींचकर साफ कर दिया कि कंप्यूटर कोडिंग की जानकारी होने के बावजूद आगे वे राजनीति में ही रहेंगे और इसे छोड़ने की उनकी कोई मंशा नहीं है।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

1500 वर्ष पहले से भारत में इस्पात का काम हो रहा है, ऐसा उल्लेख एक अंग्रेज अधिकारी ने वर्ष 1795 में भारत के संदर्भ में अपनी एक यात्रा विवरण में किया था।

आजकल

अकादमिक बौद्धिक वर्ग पर उठते प्रश्न

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के अपने आरंभिक चरण में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरंतर भारतीय भाषाओं में शिक्षा को लेकर आग्रही बने हुए हैं। ऐसे में संबंधित संस्थाओं पर इसकी बड़ी जिम्मेदारी आ जाती है। लिहाजा इन संस्थानों का दायित्व बनता है कि वे प्राचीन काल में हिंदी में विभिन्न विषयों पर लिखी गई मौलिक पुस्तकों की तलाश करें और उन्हें अद्यतन करवाकर फिर से प्रकाशित करें। इससे हिंदी का गौरव दोबारा से लौटेगा...

भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित किए जाने के प्रति संकल्पित हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। फाइल

आमतौर पर इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म्स पर साहित्य को लेकर प्रशंसात्मक पोस्ट ही अधिक देखने को मिलती है। 'तू पंत, मैं निराला' वाली शैली में एक दूसरे की प्रशंसा करते हुए लेखक मिल जाते हैं। वैचारिक टिप्पणियां बहुत ही कम देखने को मिलती हैं। जो भी टिप्पणियां होती हैं वो अपनी विचारधारा को पोषित करने या दूसरी विचारधारा को नीचा दिखाने के लिए की गई प्रतीत होती हैं। लेकिन पिछले दिनों फेसबुक पर एक ऐसी टिप्पणी देखने को मिली जिसने बहुत ही आधारभूत प्रश्न को छुआ। टिप्पणी छोटी थी, लेकिन उसके पीछे प्रश्न बहुत बड़ा था। उसने विचार करने पर मजबूर कर दिया। वस्तुतः प्रकाशन जगत से जुड़े आलोक श्रीवास्तव ने एक टिप्पणी लिखी, किसी समय राष्ट्र बन रहा था इस भाषा के जरिये, अब इस भाषा में वैयक्तिक महात्वाकांक्षाएं, दुरभिसंधियां और उदासियां बची हैं। इसके साथ उन्होंने 1962 में उत्तर प्रदेश हिंदी समिति के प्रकाशनों की एक सूची डाली। उनका आशय हिंदी भाषा से था, क्योंकि उन्होंने जो सूची लगाई थी वह हिंदी में प्रकाशित पुस्तकों की थी। उनकी टिप्पणी को उद्धृत करते हुए कोलकाता में रहनेवाले साहित्य और इतिहास के अध्येता प्रोफेसर हितेन्द्र पटेल ने अपने विचार रखे। लिखा- स्वाधीन भारत में पिछली सदी के सातवें दशक तक भारतीय भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान की किताबें छपती थीं और सरकारी सहयोग भी था। स्वाधीनता आंदोलन और उसके पूर्व के नवजागरण काल में भारतीय भाषाओं में यह प्रयास मिशनरी भाव से होता रहा था। लेखकों ने त्याग और तपस्या का जीवन चुना था, ताकि देश में एक नया बौद्धिक वातावरण तैयार कर सकें। उसके बाद एक नया अकादमिक बौद्धिक वर्ग उभरा जिसके लिए ज्ञान-विज्ञान की भाषा बस अंग्रेजी ही हो सकती थी। उन्होंने आगे लिखा कि इस पोस्ट को पढ़कर बस इसे याद दिलाने का मन हुआ। प्रोफेसर पटेल की इस टिप्पणी ने कई प्रश्न खड़े किए जिसमें सबसे महत्वपूर्ण अकादमिक बौद्धिक वर्ग को लेकर है। वे कौन सी स्थितियां थीं जिनमें पिछले सदी के सातवें दशक के बाद उभरे नए अकादमिक बौद्धिक वर्ग ने भारतीय भाषाओं को ज्ञान-विज्ञान की भाषा न मान अंग्रेजी को प्राथमिकता देना आरंभ किया। इसके लिए हमें उसके बाद की स्थितियों पर विचार करना होगा।

यह वह दौर था जब देश ती जनता का नेहरू की नीतियों से मोहभंग हो रहा था। शास्त्री जी के असामयिक निधन के बाद इंदिरा युग का उदय हो रहा था। भाषा के आधार पर प्रांतों का गठन हो चुका था। हिंदी के विरुद्ध गैर हिंदी भाषी प्रदेशों में एक वातावरण बना दिया गया था। स्वाधीनता के बाद और नेहरू के शासनकाल में वामपंथियों ने अकादमिक जगत में जो बीज बोया था वह अब पेड़ बन गया था। साहित्य और मानविकी के क्षेत्र में वामपंथी अपनी जड़ें जमा चुके थे। उन्होंने माहौल बनाना आरंभ कर दिया था कि हिंदी और भारतीय भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान की बातें हो ही नहीं सकती हैं। वह अपने लेख से लेकर लेक्चर तक में विदेशी विद्वानों को उद्धृत करने लगे थे। पुस्तकें विदेशी अवधारणाओं के आधार पर तैयार की जाने लगी थी। भारतीय शब्दों को विदेशी शब्दों से विस्थापित किया जाने लगा था। भारतीय भाषाओं के शब्दों के अर्थ को संकुचित करके उसके समान अर्थ वाले शब्द अकादमिक जगत में पेश किए गए थे। देशभर के विश्वविद्यालयों में इस तरह का माहौल बनाना गया था जैसे चेखव और ब्रेख्त कालिदास से बड़े नाटककार थे। समाज विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में भारतीय विद्वानों की मान्यताओं पर विदेशी विद्वानों को महत्वपूर्ण बताया जाने लगा था। भारत की मेधा और बुद्धिमत्ता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा किया जाने लगा था। पूरी दुनिया को शून्य की अवधारणा से परिचित करानेवाले देश को बताया जाना लगा कि गणित और विज्ञान के लिए विदेशी फार्मूले अधिक उपयुक्त हैं। विदेशी फार्मूले को समझने के लिए विदेशी भाषा का ज्ञान आवश्यक है। मैकाले ने जो स्वप्न देखा था और जिसके आधार पर उसने भारत में शिक्षा पद्धति आरंभ करवाई थी, स्वाधीनता के बाद उसे रोकने का गंभीर प्रयास नहीं हुआ। हिंदी में लिखी पुस्तकें ओझल की जाने लगीं। हिंदी के स्थान पर अंग्रेजी की पुस्तकों को प्राथमिकता मिलने से गैर साहित्यिक विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित करनेवाले प्रकाशक कम होते चले गए।

जबलपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास व संस्कृति विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष रहे डा. राजबली पांडेय ने एक पुस्तक लिखी थी, भारतीय नीति का विकास। यह बिहार राष्ट्रभाषा परिषद से उसी दौर में प्रकाशित हुई थी। इसमें डा. राजबली पांडेय ने नीतिशास्त्र पर विस्तार से अपनी बात रखी थी। भूमिका में बिहार राष्ट्रभाषा परिषद के तब के निदेशक भुवनेश्वरनाथ मिश्र माधव ने लिखा है कि नीतिशास्त्र हिताहित का विवेचन करनेवाला शास्त्र है। इसका अध्ययन करने से मनुष्य को कर्तव्य-अकर्तव्य, सत्य-असत्य, उचित अनुचित, शुभ-अशुभ आदि का ज्ञान होता है और वह जीवन यात्रा में उपयुक्त मार्ग पर अग्रसर होने में समर्थ होता है। नीति के अभाव में मानव का पथभ्रष्ट होना स्वाभाविक है। अब नीति की ऐसी व्याख्या या परिभाषा पश्चिम के विद्वानों के यहां नहीं मिलती। वे तो पालिसी की बात करते हैं और हमारे यहां के विद्वान नीति को पालिसी समझने की भूल कर बैठते हैं। केवल नीतिशास्त्र ही नहीं, बल्कि इतिहास, विज्ञान, गणित, दर्शन, पदार्थ शास्त्र, योग दर्शन, राजनीति शास्त्र, पश्चिम की विचारधाराओं और विदेश नीति पर हिंदी में मौलिक पुस्तकें लिखी गई थीं और प्रकाशित भी हुई थीं। चाहे वे राज्य सरकारों की अकादमियों से प्रकाशित हों या काशी नागरी प्रचारिणी सभा से या अन्य संस्थाओं से। आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य में आलोचक के रूप में समादृत हैं, लेकिन उन्होंने भारतीय वस्त्रों से लेकर राजनीति और अन्य विषयों पर विपुल लेखन किया है, अधिकतर हिंदी में। अगर प्राचीन हस्तलिखित पोथियों के विवरण पर नजर डालेंगे तो वहां भी हिंदी में विविध विषयों पर लिखी गई पुस्तकों के बारे में जानकारी मिलेगी।

आज शिक्षा के क्षेत्र में धन की कमी नहीं है, प्रचुर मात्रा में संसाधन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं, आवश्यकता है मजबूत इच्छाशक्ति की। अगर इस भ्रम को तोड़ना है कि ज्ञान विज्ञान की भाषा हिंदी नहीं हो सकती है तो पहले इस भाषा में ज्ञान-विज्ञान की लिखी पुस्तकों का पुनर्प्रकाशन करना होगा। प्रोफेसर हितेन्द्र पटेल भी कहते हैं कि उस स्वदेशी परंपरा का नवोन्मेष हो, इन किताबों का पढ़ने-पढ़ाने का एक आंदोलन हो। ये विस्मृत कर चुके हैं कि हिंदी, मराठी या बांग्ला में विपुल मात्रा में ज्ञान-विज्ञान पर पुस्तकें लिखनेवाले लोग थे। अंत में एक बात और कह देना आवश्यक है कि इस कार्य में सरकारी संस्थाओं और विश्वविद्यालयों को पहल करनी होगी। साहित्य, कला, इतिहास और समाज शास्त्र से जुड़ी अधिकांश सरकारी संस्थाएं इवेंट मैनेजमेंट कंपनी बन गई हैं। सेमिनार और गोष्ठियां करवा कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री मान लेते हैं। जबकि होना यह चाहिए कि ये संस्थाएं हिंदी में मौलिक लिखवाने का प्रयास करें। ऐसा करनेवाले लेखकों को बेहतर मानदेय दें। अगर यह संभव हो पाता है तो हिंदी का गौरव पुनर्स्थापित हो सकेगा।

खरी खरी

अप्रैल फूल बनाया...

आत्माराम भाटी

मेरे मित्र पांडे जी की आदत है कि जब तक वह दिन में एक-दो लोगों के साथ मजाक नहीं कर लेते हैं, तक तक उन्हें खाना-पीना पचता ही नहीं है। आज मुझे सुबह-सुबह पांडे जी ने फोन किया, 'यार, आज मेरी गाड़ी खराब हो गई है, इसलिए मुझे भी आफिस साथ ही लेते चलना। जल्दी मत करना, क्योंकि मुझे थोड़ा जरूरी काम है, इसलिए दस-पंद्रह मिनट देर से ही आना।'

मैंने कहा, 'यार पांडे, तुझे पता है कि मैं हमेशा समय से आफिस जाता हूं। तुम कह रहे हो कि लेट चलेंगे। यह नहीं हो पाएगा, तुम और किसी के साथ आ जाना।' इतने में पांडे जी की गर्माहट भरी आवाज कानों में पड़ी, 'हां भई, मैं क्या लगता हूं जो मेरे लिए थोड़ा देर से नहीं चल सकते। अगर इतना ही अपने-आप को समय का पाबंद समझते हो तो ठीक है चले जाना, लेकिन एक बात सुन लो। आइंदा से तुम्हारा यह मित्र तुम्हें कभी भी किसी काम के लिए नहीं कहेगा।' मैंने कहा, 'यार पांडे, नाराज मत हो। मैं आ जाऊंगा तुझे लेने।'

जब घड़ी ने सवा नौ बजा दिये तो मेरी धर्मपत्नी ने कहा, 'मैंने टिफिन तैयार करके रख दिया, अब इसे लेकर आफिस जा क्यों नहीं रहे हो? आफिस जाते हुए मुझे मेरी मम्मी के यहां छोड़ दो।'

'मैं नहीं छोड़ सकता। देर हो जाएगी।' जैसे ही मैंने यह कहा तो धर्मपत्नी जी भनभनाईं, 'जिंदगी में मैं जब भी काम का कहूं, कभी हां नहीं भरना।' टिफिन मेरे हाथों में थमाकर वह कमरे के अंदर चली गईं। मैंने कमरे में जा कर कहा, 'देवी जी! मैं तो समय से ही निकलता हूं, लेकिन तुम्हारी सहेली पंडियानी के पति देव पांडे जी ने आदेश दिया है कि जब आफिस जाऊं तो उन्हें भी घर से अपनी गाड़ी में साथ लेकर जाऊं।'

'तो जाओ, देर क्यों कर रहे हो!'

'अरे, उसने कहा है कि साढ़े नौ बजे बाद ही आना। अब तुम ही बताओ मैं क्या करूं,' मैंने भी थोड़ा सा झल्लाते हुए कहा।

'ठीक है, मुझे तीन सौ रुपये दे दो और जाओ, मैं टैक्सी में चली जाऊंगी,' धर्मपत्नी ने मानो एक प्रकार से विकल्प बता दिया।

मैंने कहा, 'टैक्सी वाला तो 20 रुपये लेता है, तीन सौ किस बात के?' तुरंत जवाब मिला, 'मेरे भतीजे-भतीजियों के लिए मिठाई भी तो लेकर जाऊंगी। आप छोड़ते तो मेरे पास बहाना था कि उन्हें देर हो रही थी, इसलिए बीच में मिठाई लेने नहीं रुक सकी।'

मरता न क्या करता, इस पांडे के चक्कर में तीन सौ रुपये की शहादत भी देनी पड़ी।

जल्दी से गाड़ी स्टार्ट की और पांडे के घर के आगे पहुंचते ही हार्न बजाया। उसे जल्द आने के लिए आवाज दी। इतने में रसोई की खिड़की में से पांडे जी की पत्नी ने बाहर झांकते हुए कहा, 'भाई साहब, वो तो सवा नौ बजे ही मिश्रा जी के साथ आफिस निकल गए।'

मैंने कहा, 'लेकिन उसने तो कहा था कि घर से लेते हुए जाना, वह भी साढ़े नौ बजे के बाद। फिर मिश्रा के साथ सवा नौ बजे कैसे निकल गया। यानी उसने मुझे तो देर कर दी, लेकिन खुद आफिस समय से पहुंच जाएगा। आखिर उसने मेरे साथ ऐसा मजाक क्यों किया?'

पांडे जी की पत्नी बोली, 'भाई साहब, नाराज मत हो। आप ही नहीं, आप से दो मिनट पहले गुप्ता जी भी उन्हें लेने आए थे। उनको भी उन्होंने फोन कर लेने आने का कहा था। इसलिए आप बुरा नहीं मानें। आपको पता है वह मजाक करते रहते हैं। वैसे भी आज का दिन तो मजाक का दिन है यानी एक अप्रैल अर्थात मूर्ख दिवस। उन्होंने आपको और गुप्ता जी दोनों को मूर्ख बनाया है।'

(लेखक व्यंग्यकार हैं)

पोस्ट

मुख्तार अंसारी का जनाजा उठ चुका है, वह मिट्टी में मिल चुका है, लेकिन वोट का एजेंडा खत्म नहीं हुआ।
मीनाक्षी जोशी@IMinakshiJoshi

जिन लोगों को लालबहादुर शास्त्री की मौत में कोई गड़बड़ी नहीं दिखी, सुभाष चंद्र बोस की मौत पर कोई सवाल पूछने की जरूरत नहीं समझी, ललित नारायण मिश्र की मौत में कोई साजिश नहीं दिखी, उन्हें मुख्तार अंसारी की मौत में बड़ी साजिश, देश का नुकसान और सेक्युलरिज्म पर भारी खतरा तुरंत दिख गया।
विवेक खन्ना@khannavns

राबिनहुड जैसे अतीत के दीन-दयाल डाकू-लुटेरों, माफिया की कहानियां हर देश में लोकप्रिय हैं, लेकिन बाहुबली गुंडों के जैसे जयकारे भारत में लगाते हैं, वैसा किसी सभ्य देश में नहीं होता, क्योंकि अन्य समाज आगे बढ़ चुके हैं। भारत में लोग पीछे जा रहे हैं।
शिव कांत@shivkant

हद है देश में कुछ लोग इसी बात से खुश हैं कि अमेरिका, जर्मनी अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी कर रहे हैं। राजनीतिक मतभेद होना ठीक है, लेकिन इससे दुनिया को हमारे मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। यह रवैया खतरनाक है।
पल्लवी घोष@_pallavighosh

जिस समय राहुल गांधी को गठजोड़ व उम्मीदवार तय करने थे, वह न्याय यात्रा निकाल रहे थे। जब यात्रा एवं रैलियों का समय आया है, तो वह गठजोड़ एवं उम्मीदवार तय करने में उलझे हुए हैं।
अभिषेक उपाध्याय@upadhyayabhii

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या अग्निपथ योजना में बदलाव की आवश्यकता है?

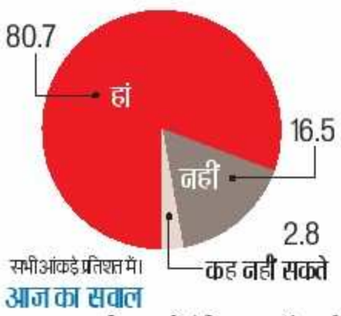

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या आयकर विभाग की नोटिस पर कांग्रेस की आपत्ति सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

आएंगे 'वे' मंच पर जोड़ हाथ में हाथ,
लेकिन 'वे' देंगे नहीं इक-दूजे का साथ।
इक-दूजे का साथ फ्रेंडली फाइट होगी,
अपनी-अपनी राह चलेंगे सारे जोगी।
भले दिख रहे साथ मात फिर भी खाएंगे,
क्योंकि सारे लोग ढोंग करने आएंगे।
- ओमप्रकाश तिवारी

रचनाकर्म

वर्तमान प्रश्नों के सनातन समाधान

ब्रजबिहारी

यह पुस्तक वर्तमान भारतीय समाज के समक्ष उपस्थित प्रश्नों के समाधान के लिए हिंदू चिंतन धारा के अलौकिक आदर्शों को नए सिरे से खोज निकालने का आह्वान करती है...

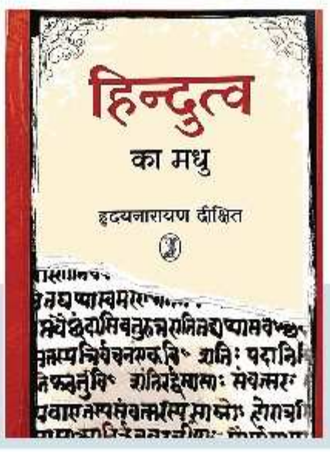

पुस्तक: हिन्दुत्व का मधु
लेखक: हृदयनारायण दीक्षित
प्रकाशक: वाणी प्रकाशन
मूल्य: 495 रुपये

हिंदुत्व एक सनातन और चिरंतन अवधारणा है और इस कारण इसकी अंतिम व्याख्या करने का दावा नहीं किया जा सकता है। हर कालखंड में इसे जानने-समझने का प्रयास किया गया है। तमाम विद्वानों ने इस पर टीका-टिप्पणी की है। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हृदयनारायण दीक्षित की सद्य प्रकाशित पुस्तक 'हिन्दुत्व का मधु' को भी इसी श्रेणी में रखा जाना चाहिए। पश्चिमी विचार-दर्शन से प्रभावित लोगों को यह सही मार्ग दिखलाने का काम करेगी। साथ ही, उन लोगों को भी इससे प्रेरणा मिलेगी, जो पहले से हिंदुत्व की सनातनता में श्रद्धा रखते हैं।

वास्तव में हिंदुत्व को लेकर भ्रामक सोच इसके अंग्रेजी भाषांतर के कारण भी उत्पन्न हुई है। अंग्रेजी भाषांतर में हिंदुत्व को हिंदुइज्म कहा जाता है। 'इज्म' का अनुवाद 'वाद' होता है। वाद का प्रतिवाद भी एक विचार होता है। अंग्रेजी का हिंदुइज्म भी हिंदूवाद का अर्थ देता है, लेकिन हिंदुत्व 'हिंदूवाद' नहीं है। हिंदुत्व समग्र मानवीय अनुभूति है। कुछ विद्वान हिंदू को मुसलमानों द्वारा दिया गया शब्द मानते रहे हैं, लेकिन यह सही नहीं है। हिंदू शब्द का प्राचीनतम उल्लेख 'अवेस्ता' में है और अवेस्ता इस्लाम से सैकड़ों वर्ष पुराना है। फारस के शासक डेरियस (522-486 ईसा पूर्व) के शिलालेख में भी हिंदू शब्द का उल्लेख है। सही अर्थों में हिंदू शब्द विशेष संस्कृति वाले जनसमूह का द्योतक है।

लेखक ने प्रसिद्ध दार्शनिक और देश के पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को उद्धृत करते हुए लिखा है, 'तत्कालीन विश्व का संकट यही है कि वह सैनिक व्यवस्था के विषय में सबकुछ जानता है और जीवन मूल्यों के दर्शन और धर्म के केंद्रीभूत प्रश्नों के संबंध में बहुत कम जानता है।' हिंदुत्व भारत की प्रकृति है और संस्कृति भी। भारतीय संस्कृति में मनुष्य की महिमा है। आनंदमय जीवन की अभिलाषा है और यह किसी भौगोलिक सीमा में आबद्ध नहीं है। इसलिए हिंदुत्व समस्त विश्व के कल्याण और उसके मधुमय जीवन की कामना करता है। इसमें हिंसा का भी कोई स्थान नहीं है। महात्मा गांधी अहिंसा को उत्कृष्ट जीवन मूल्य बताते थे। इस आदर्श का प्रेरणास्रोत भी हिंदुत्व ही है। लेखक का यह तर्क है कि हिंदुत्व की विशिष्ट प्रकृति और संस्कृति के कारण ही बाह्य आक्रमणकारी भी यहां आकर घुलमिल गए।

ईसाइयत और इस्लाम में एक ईश्वर, एक देवदूत या पैगंबर और एक पवित्र पुस्तक के प्रति विश्वास की धारणा है। हिंदू धर्म किसी एक पवित्र पुस्तक या देवदूत से बंधा नहीं है। हिंदुओं का कोई एक धर्मग्रंथ नहीं है। कुछ विद्वान भारत में सभी धर्मों के समन्वय की बात करते हैं। वे इस्लाम और ईसाइयत को भी धर्म कहते हैं, लेकिन यह सच नहीं है। धर्म एक है और यह सनातन है। यह सत्य के अन्वेषण का मार्ग बताता है और सत्य एक है। जिज्ञासा और प्रश्नाकुलता हिंदू चिंतन की मूल धारा है। ऋग्वेद से लेकर आज तक हिंदू चिंतन में प्रश्नाकुलता छाई हुई है। विज्ञान और दर्शन प्रश्नाकुलता से ही उत्पन्न होते हैं। हिंदू चिंतन में आधुनिक काल में भी प्रश्नाकुलता है। इस पुस्तक में ऐसे सारे गंभीर विषयों को समझने का प्रयास किया गया है।

प्रश्नाकुलता की जगह इस्लाम व ईसाइयत में विश्वास की महिमा है, जबकि हिंदू चिंतन में विश्वास की जगह श्रद्धा है। जिसे हम नहीं जानते और जो अब तक नहीं हुआ है उसे जानने व उसके होने की धैर्यपूर्ण प्रतीक्षा ही श्रद्धा है। हिंदू चिंतन परंपरा की यही विशिष्टता इसे इस्लाम और ईसाइयत से पृथक करती है। हिंदुत्व के मधु प्रवाह पर प्रकाश डालती पुस्तक भारतीय समाज के समक्ष उपस्थित प्रश्नों के समाधान के लिए हमारे अस्तित्व की गहराइयों में चिरंतन संभावनाओं के रूप में मौजूद उन अलौकिक आदर्शों और उन वस्तुओं को नए सिरे से खोज निकालने का आह्वान करती है।

भारतबोध की जागृति

कन्हैया झा

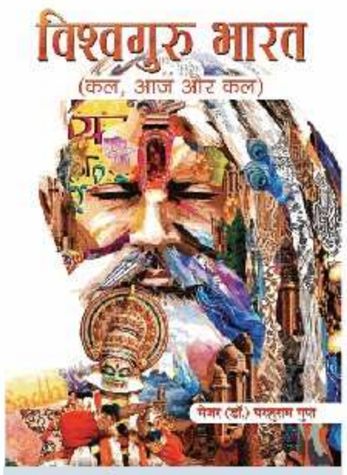

पुस्तक: विश्वगुरु भारत (कल, आज और कल)
लेखक: मेजर (डा.) परशुराम गुप्त
प्रकाशक: प्रतिभा प्रतिष्ठान,
मूल्य: 500 रुपये

छल, प्रपंच व अनीति का सहारा लेकर कुछ आक्रांताओं ने भारतवर्ष पर अपने साम्राज्य भी खड़े किए, लेकिन यहां के श्रेष्ठ नरेशों ने सदैव उनका विरोध किया। बप्पा रावल, सम्राट ललितादित्य मुक्तपीड, महाराजा सुहेलदेव, हेमचंद विक्रमादित्य, राजेंद्र चोल प्रथम, राणा कुंभा, राणा सांगा, राणा प्रताप, गुरु गोविंद सिंह, वीर बंदा वैरागी, छत्रपति शिवाजी, पेशवा बाजीराव जैसे अनेक वीरों ने इन आक्रांताओं से जमकर मुकाबला किया। सदियों की पराधीनता के दौर में स्वतंत्रता का प्रयास निरंतर जारी रहा, जिसके परिणामस्वरूप 1947 में देश स्वाधीन हुआ। अनेक समस्याओं को झेलता हुआ देश का विकास रथ अपनी संपूर्ण त्वरा के साथ गतिमान हो गया और भारत फिर से अपना पूर्व गौरव प्राप्त करने की आकांक्षा लिए विकास के नित्य नए प्रतिमान गढ़ने लगा। इस समूची यात्रा को मेजर (डा.) परशुराम गुप्त ने अपनी इस पुस्तक में दर्शाने का प्रयास किया है।

वस्तुतः आज परमाणु शक्ति संपन्न भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान में अपनी धमक कायम करने के साथ ही दवाओं के निर्माण एवं उनके निर्यात के क्षेत्र में विश्व में अपना परचम फहरा दिया है। रक्षा सहित प्रत्येक क्षेत्र में आज हमारा देश आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की प्राप्ति की ओर तेजी से अग्रसर है। वसुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा और उसके अनुरूप आचरण ने आज फिर भारत को 'विश्वगुरु' के पद पर प्रतिष्ठित कर दिया है। पुस्तक 15 अध्यायों में है- गौरवशाली अतीत, भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग, संघर्षकाल के स्वर्णिम पृष्ठ, स्वतंत्रता के बाद की चुनौतियां, भारत : दुनिया का अगला कारखाना, आत्मनिर्भरता, भारत : विश्वगुरु के पथ पर आदि।

कुल मिलाकर, भारत के गौरवशाली अतीत को रेखांकित करती और स्वर्णिम भविष्य को दर्शाती यह पुस्तक हर वर्ग के पाठक के लिए पठनीय है।

रख दे कोई जरा सी खाके-वतन कफन में

यतीन्द्र मिश्र

यह पुस्तक क्रांतिकारियों की बिसरा दी गई जन्मदात्रियों पर केंद्रित है, जिन्होंने न केवल अपने बेटों को मुक्ति संग्राम में भेजा, बल्कि निरंतर उनका साथ भी दिया और जीवनपर्यंत वे असहनीय कष्ट झेलती रहीं...

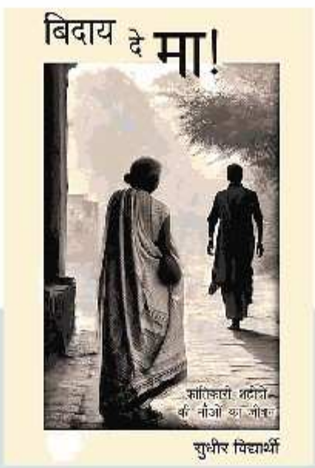

पुस्तक: बिदाय दे मा : क्रांतिकारी शहीदों की मांओं का जीवन
लेखक: सुधीर विद्यार्थी
प्रकाशक: राजपाल एंड संज, दिल्ली
मूल्य: 325 रुपये

देश की स्वाधीनता में जितना योगदान हमारे वीर क्रांतिकारियों का है, उससे कहीं अधिक है उनकी माताओं का। धन्य हैं वे माएं, जिनकी कोख से ऐसे अमर बलिदानियों ने जन्म लिया। ये वही त्यागमूर्तियां हैं, जिनके उत्तम संस्कारों ने श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण किया, जिन्होंने अपने पुत्रों के भीतर देशप्रेम की ऐसी ज्वलंत भावनाएं और सोच विकसित की, कि वे देश की स्वतंत्रता के लिए खुशी-खुशी अपना सर्वस्व न्यौछावर कर गए। सुधीर विद्यार्थी की 'बिदाय दे मा' अनेक क्रांतिकारी शूरवीरों की माताओं के गुमनाम और संघर्षपूर्ण जीवन को बेहद संवेदनशीलता से उजागर करती गाथा है। प्रस्तुत पुस्तक क्रांतिकारियों की बिसरा दी गई जन्मदात्रियों पर केंद्रित है जिन्होंने न केवल अपने बेटों को मुक्ति संग्राम में भेजा, बल्कि सदैव उनका साथ भी दिया और जीवनपर्यंत असहनीय कष्ट झेलती रहीं। इस महान कृति में गहन शोध, अनेक जीवनियों और संस्मरणों को खंगालने के बाद लेखक ने अशफाकउल्ला खां, शचींद्रनाथ सान्याल, खुदीराम बोस, रामप्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचंद्र बोस जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों की माताओं के जीवन एवं उनके मूक बलिदानों को दुनिया के सामने उकेरने का प्रयत्न किया है। इन माताओं के नाम को इतिहास के पन्नों में न के बराबर स्थान दिया गया, जिससे उनके योगदान के प्रति नई पीढ़ी का ज्ञान अल्प है। इस दृष्टि से भी यह रचना प्रासंगिक है। यहां क्रांतिकारियों के अपनी मां को लिखे पत्र, उनके संस्मरण और उनकी माताओं से जुड़े चित्रों का समावेश बड़ी जीवंतता से उनके विचार व जिंदगी की बानगी देते हैं।

पुस्तक काकोरी कांड के महानायक रामप्रसाद बिस्मिल की मां मूलमती की कष्ट भरी जीवन-झांकी प्रस्तुत करती है। बिस्मिल की मां और पिता बेहद दयनीय स्थितियों में रहे। मां को घर बेचना पड़ा, क्षयरोग से इलाज के अभाव में छोटे बेटे की असमय मृत्यु, समाज के झूठे आरोप सभी कुछ सहती रही। उनकी मां की यहां दर्ज अनेक वीर कथाओं में से एक पर गौर करें- 'वह अपने बेटे की लाश को लेने के लिए गोरखपुर जेल के दरवाजे के बाहर निश्चल खड़ी थी, न रोयी, न उसका कलेजा कांपा और न ही पैर थरथराए उसके।' काकोरी कांड के दूसरे क्रांतिकारी अशफाकउल्ला खां, जिन्हें फैजाबाद जेल में फांसी दी गई थी, उनकी मां मजहरउलनिसा बेगम की अशफाक के व्यक्तित्व निर्माण में बड़ी भूमिका थी। अशफाक अपनी मां के नाम लिखे पत्रों में देश और समाज के बड़े सवालों पर बात करते हैं। साथ ही देश के लिए बलिदान होने पर खुशी उनकी वीरता का प्रमाण है, लेकिन यह सोचकर ही सिहरन पैदा होती है कि उस मां ने कफन ओढ़े अपने बेटे का शव कैसे देखा होगा।

पुस्तक बलिदानी मणीन्द्रनाथ बनर्जी का बलिदान और मां सुनयनी देवी की कथा भी सहेजती है, जिसे पढ़ना बेहद मार्मिक है। 'मुझे देखो, मैं दो-दो बाघों की मां हूं...' काकोरी के क्रांतिकारी राजकुमार सिन्हा और लाहौर षड्यंत्र केस में काला पानी की सजा पाए विजय कुमार सिन्हा की मां शरत कुमारी सिन्हा निडरतापूर्वक कष्टों का सामना करते हुए क्रांतिकारी अभियान में मदद के लिए हौसले से जुटी रहीं। चंद्रशेखर आजाद का बलिदान इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के अल्फ्रेड पार्क में हुआ। उनकी मां जगरानी देवी का तो पूरा जीवन अभावों और कष्टों में व्यतीत हुआ। उनकी मां को बाद में भी भरोसा ही नहीं होता था कि उनका पुत्र अंग्रेजों से लड़ते हुए बलिदान हो गया। आजाद के विश्वस्त मित्रों में से एक क्रांतिकारी सदाशिव राव मलकापुरकर के हाथों आजाद की माता का झांसी में अंतिम संस्कार हुआ।

भगत सिंह की मां विद्यावती देवी को जानना हम सभी को गौरव से भर देता है। यहां वर्णित भगत सिंह की मां के संस्मरण पर गौर करें- 'मेरे बेटे भगत के कहे अंतिम शब्द मेरे कानों में बार-बार गूंज रहे थे- बेबे जी, रोना मत। ऐसा न हो, आप पागलों की तरह रोती फिरें। लोग क्या कहेंगे कि भगत सिंह की मां रो रही है। मेरा कलेजा मुंह को आने लगता, पर मैं भीतर-ही-भीतर घोलती रही उन आंसुओं को।' इन सबके साथ ही पुस्तक में हम गदर पार्टी के क्रांतिकारी सोहन सिंह भकना, बलिदानी सुखदेव की मां रल्लीदेई, क्रांतिकारी दल के नेता शचीन्द्रनाथ सान्याल की मां क्षीरोदवासिनी देवी, बलिदानी खुदीराम बोस की मां लक्ष्मीप्रिया देवी, क्रांतिकारी प्रताप सिंह बारहठ की मां माणिक कंवर की कथा हर भारतीय के लिए प्रेरक है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मां प्रभावती देवी को वे पत्रों में 'माता ठकुरानी', वहीं बासंती देवी जिन्हें सुभाष ने अपनी मां मान लिया था, को वे हर बार 'पूजनीया मां, श्री चरणेशु' से संबोधित करते थे। उनके पत्रों में मां-पुत्र के रिश्ते की सघनता, नेताजी के चिंतन और कार्यों के साथ उनके राजनीतिक अभियान, उनके धर्म संबंधी विचारों में उस बंगाली मानस की झलक, जिस भूमि पर उन्होंने जन्म लिया था, को साफ देखा जा सकता है। पत्रों से गुजरना हमें रोमांचित करता है। बंगाल के बलिदानी दिनेश गुप्ता का बलिदान से पहले का एक पत्र मृत्यु से भयभीत न होने की अनोखी इबारत लिखता है। इन सब माताओं की ये संक्षिप्त जीवनगाथा हर भारतीय के लिए श्रद्धा पुस्तक सरीखी है।

****

तीसरे दौर में सात दुर्लभ खनिज खदानों की नीलामी

नई दिल्ली : सरकार तीसरे दौर में सात दुर्लभ खनिज खदानों की ई-नीलामी करेगी। इसके लिए 16 मई तक निविदा प्रपत्रों की बिक्री की जाएगी। भरे हुए निविदा प्रपत्र 21 मई तक जमा किए जा सकते हैं। दूसरे दौर में 18 खदानों की ई-नीलामी की प्रक्रिया इस समय चल रही है। इसके लिए 16 मई तक निविदा प्रपत्रों की बिक्री की जाएगी। इन खदानों के लिए 15 मई तक निविदा प्रपत्र जमा किए जा सकते हैं। (आइएएनएस)

साइबर हमले कारोबारी व्यवधानों का मुख्य कारण बने हुए हैं। डाटा प्रोटेक्शन ट्रेंड्स रिपोर्ट 2024 साइबर लचीलेपन को तत्काल बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देती है।

— संदीप भांबुरे, प्रबंध निदेशक, वीम साफ्टवेयर

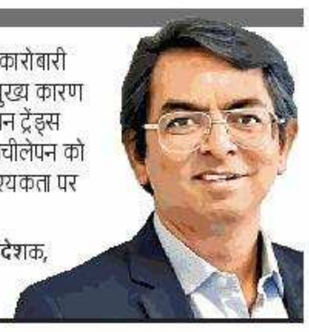

ब्याज दरों में कटौती पर फैसला अभी मुश्किल

तीन अप्रैल से शुरू होगी आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति की बैठक, गवर्नर पांच को करेंगे घोषणा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की पहली बैठक तीन अप्रैल से शुरू होगी। पांच अप्रैल यानी शुक्रवार को इस बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी जाएगी। अभी तक जो संकेत हैं, उसके मुताबिक इस बार भी ब्याज दरों को लेकर आरबीआइ की तरफ से किसी तरह की राहत मिलने की संभावना कम ही है। यह इसलिए होगा कि चालू वित्त वर्ष में दरें बढ़ाए जाने के बावजूद देश में कर्ज की रफ्तार धीमी नहीं हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में बैंकों की तरफ से वितरित कर्ज में 19.3 प्रतिशत की वृद्धि रही है। सिर्फ वाणिज्यिक सेक्टर को दिए जाने वाले कर्ज की रफ्तार 15.4 प्रतिशत रही है जो पिछले कई वर्षों का उच्च स्तर है। दूसरा कारण यह बताया जा रहा है कि आरबीआइ अभी वैश्विक हालात को लेकर बहुत भरोसेमंद नहीं है। ऐसे में उम्मीद है कि एमपीसी के अधिकांश सदस्य फिलहाल रेपो रेट को स्थिर रखने के पक्ष में रहें।

- बीती सात बैठकों से 6.5 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है रेपो दर
- बेहतर आर्थिक आंकड़ों से आरबीआइ पर कटौती का दबाव नहीं

अगले वित्त वर्ष में 14-14.5 प्रतिशत रह सकती है कर्ज वितरण की वृद्धि दर

नई दिल्ली, एएनआइ : रेटिंग एजेंसी केयरएज रेटिंग्स का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बैंकों की कर्ज वितरण की वृद्धि दर 14-14.5 प्रतिशत तक रह सकती है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि एचडीएफसी विलय का प्रभाव 2024-25 की पहली तिमाही के अंत तक खत्म हो जाएगा। हालांकि, बढ़ी हुई ब्याज दरें और वैश्विक अनिश्चितता कर्ज की वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि अन्य देशों के मुकाबले जीडीपी के अनुपात भारत की बैंक कर्ज की वृद्धि दर कम है और इसमें सुधार लाने के लिए कर्ज तक पहुंच व कर्ज की लागत से जुड़ी समस्याओं को दूर करने की आवश्यकता है।

ही देश में ब्याज दरों के माहौल को लेकर भी विमर्श हुआ था। बोर्ड के कई सदस्यों ने यह बात रखी थी कि वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। साथ ही वैश्विक भू-राजनीतिक गतिविधियां भी अस्थिर हैं। यूक्रेन-रूस विवाद और लाल सागर के हालात बिगड़ने का व्यापक असर पूरी दुनिया की इकोनमी पर पड़ सकता है। आरबीआइ के निदेशक बोर्ड में वित्त मंत्रालय के दो सचिव (आर्थिक मामलों के विभाग व वित्तीय सेवा विभाग) सदस्य होते हैं। इस बैठक में आने वाले सुझावों को बाद में आरबीआइ अमलीजामा भी पहनाता है।

आरबीआइ की तरफ से अंतिम बार रेपो दर में फरवरी, 2023 में बढ़ोतरी की गई थी। उसके बाद से सात बार मौद्रिक नीति की समीक्षा हो चुकी है लेकिन रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत के स्तर पर ही रखा गया है। मई, 2022 से फरवरी, 2023 के बीच रेपो रेट में जो वृद्धि की गई थी, उसकी वजह से कर्ज की दरों में 200 आधार अंकों (दो प्रतिशत) तक की बढ़ोतरी हुई है। इसके बावजूद कर्ज लेने की रफ्तार तेज बनी हुई है। देश की आर्थिक विकास दर के आंकड़े भी आरबीआइ के अनुमान से बेहतर दर्ज किए गए हैं। शेयर बाजारों के साथ ही सोने की कीमतों में तेजी है। रियल एस्टेट में भी लगातार मांग बनी हुई है। ऐसे में आरबीआइ पर ब्याज दरों को कम करने का कोई भी दबाव नहीं है।

ब्याज में कटौती को लेकर जल्दबाजी नहीं : पावेल

न्यूयार्क, एएनआइ : अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने संकेत दिया है कि वह ब्याज में कटौती को लेकर जल्दबाजी में नहीं है। शुक्रवार को सैन फ्रांसिस्को फेड के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पावेल ने कहा कि हमें कटौती को लेकर जल्दबाजी की आवश्यकता नहीं है।

पावेल ने कहा कि रोजगार के मजबूत डाटा के कारण केंद्रीय बैंक महंगाई दर के दो प्रतिशत के करीब आने का इंतजार कर रहा है। फेड चेयरमैन ने दरों में जल्द कटौती पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अगर हम दरों को बहुत जल्द कम करते हैं तो संभावना है कि महंगाई फिर बढ़ जाएगी। न्यूयार्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, फेडरल रिजर्व दो जोखिमों में संतुलन की कोशिश कर रहा है। पहला यह है कि केंद्रीय बैंक के अधिकारी ब्याज दरों को लंबे समय तक उच्च स्तर पर नहीं रखना चाहते हैं। इससे गैर-आवश्यक मंदी का जोखिम है। दूसरा अधिकारी महंगाई नियंत्रित होने से पहले कटौती नहीं चाहते हैं।

ठग जो खुद को ठगे

एक ठेठ हेडलाइन जैसी हेडलाइन थी। मुंबई का सीए अंबर दलाल निवेशकों के करोड़ों लेकर भागा। इंटरनेट मीडिया पर यही खबर विस्तार से थी। इन घोटालों का कथानक बहुत पुराना है। एक निवेश सलाहकार पैसे मैनेज करना शुरू करता है। कुछ समय के लिए चढ़ते बाजार में शानदार रिटर्न कमाकर ग्राहकों को देता है। लेकिन जब स्टाक की कीमतें थमती हैं, तो लोगों को पैसा मिलना बंद हो जाता है। कभी ये घोटालेबाज गायब हो जाते हैं और कभी जुर्म कुबूल लेते हैं।

धीरेंद्र कुमार, सीईओ, वैल्यू रिसर्च आनलाइन डाट काम

बोनस

ज्यादातर रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वो करीब 50 करोड़ रुपये मैनेज करते थे। हालांकि, कई जगह यह आंकड़ा 500 से एक हजार करोड़ के बीच है।

ये मौसम ही स्टाक से जुड़े घोटालों का है। या यूं कहें, ये स्टाक से जुड़े घोटालों के उजागर होने का मौसम है। जब बाजार में तेजी हो, तो हर तरह की ठगने वाली स्कीमें और गड़बड़-घोटाले जारी रह सकते हैं। पर जब स्टाक की कीमतें हिचकोले खाने लगती हैं तो घोटालेबाजों की नाव डूब जाती है। पर सबकुछ हमेशा एक जैसा नहीं होता। हर कहानी में कुछ-न-कुछ फर्क होता है। इनमें से कुछ घोटालेबाज जोखिम लेकर ठीक-ठाक शुरुआत करते हैं, मगर तेजी को भुना नहीं पाते। शायद अंबर दलाल के साथ भी ऐसा ही हुआ। वहीं, सत्यम के राजू भाई भी ऐसी ही कहानी रहे। ये किसी अलग ही मिट्टी के बने थे। शिवराज पुरी की मिसाल लें, जिन्हें पहली बार 2011 में तब गिरफ्तार किया गया था, जब उन्होंने सिटी बैंक रिलेशनशिप मैनेजर के तौर पर काम करते हुए गुरुग्राम में बैंक ग्राहकों को करीब 400 करोड़ रुपये का चूना लगाया था। उन्हें गिरफ्तार किया गया। जमानत नहीं मिली और फिर छह साल बाद एक और घोटाले में दोबारा गिरफ्तार हुए।

निवेशकों के लिए सबक साफ है: अगर कोई चीज इतनी अच्छी है कि यकीन नहीं होता, तो संभवतः यकीन न करना सही है। तेजी के बाजार में हाई रिटर्न के वादे पर मोहित होना और खतरे के हर लाल निशान को नजरअंदाज करना आसान होता है। मजे की बात ये है कि कुछ घोटालेबाजों को भी यही सबक सीखने की जरूरत है। कहा जाता है कि पुरी को इसलिए पकड़ा गया क्योंकि उसने सारे पैसे का इस्तेमाल डेरिवेटिव्स के लिए किया था, जिसमें वो पैसा गंवा बैठे। दूसरी तरफ राजू का केस भी ऐसा ही था। शायद अंबर दलाल भी इसी तरह हैं। ये बताता है कि शेयर बाजार में ताबड़तोड़ कमाई का लालच कितना बड़ा है।

इसीलिए, मैं कहता हूं कि निवेशकों, घोटालेबाजों और संभावित घोटालेबाजों, सभी को याद रखना चाहिए कि पैसा बनाने का कोई शार्टकट नहीं। लंबे समय में अच्छी क्वालिटी वाले एसेट में लगातार और अनुशासित निवेश ही आर्थिक सुरक्षा का इकलौता और भरोसेमंद रास्ता है। तुरत-फुरत रिटर्न के पीछे भागना और अपनी गाढ़ी कमाई को रेग्युलेशन के दायरे से बाहर की संस्थाओं के हवाले करना, अपने सर्वनाश को आमंत्रित करने का सटीक नुस्खा है।

घोटालों के लंबे इतिहास के बावजूद, समस्या बुनियादी रूप से पुरानी है। यहां तक कि जो व्यक्ति खुद को जानकार और चतुर निवेशक समझते हैं, वो भी बड़े फायदे को देखकर खुद को रोक नहीं पाते। ये सब वित्तीय साक्षरता में कमी की ओर इशारा करता है। केवल यही सीखने पर ध्यान देना कि क्या करना है, इसके बजाय लोगों के लिए ये समझना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है कि उन्हें अपने पैसों के साथ क्या नहीं करना चाहिए। क्या नहीं करना है, इस पर ध्यान देने की बात में दम है। यही 'नेगेटिव अप्रोच के जरिये' वाली बात है। यह एक ऐसा दार्शनिक सिद्धांत है, जो कहता है कि हमेशा कुछ जोड़ने के बजाय हटाने वाली चीजों पर ध्यान देकर हम बेहतर नतीजे हासिल कर सकते हैं।

बिना बिके घरों की संख्या सात प्रतिशत घटी

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश के नौ प्रमुख शहरों में इस वर्ष जनवरी से मार्च के दौरान बिना बिके घरों की संख्या में तिमाही आधार पर सात प्रतिशत की कमी आई है। अब इन शहरों में बिना बिके घरों की संख्या घटकर 4.81 लाख रह गई है। रियल एस्टेट डाटा एनालिटिक फर्म प्रापइक्विटी के मुताबिक, नई आपूर्ति के मुकाबले बिक्री ज्यादा रहने से बिना बिके घरों की संख्या में कमी आई है।

प्रापइक्विटी के डाटा के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में बिना बिके घरों की संख्या 5.18 लाख थी। नौ प्रमुख शहरों में मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई और कोलकाता शामिल हैं। प्रापइक्विटी के संस्थापक समीर जसूजा का कहना है कि जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के दौरान घरों की बिक्री नई लांचिंग से ज्यादा रही है। यह रियल एस्टेट बाजार के लिए सकारात्मक संकेत है। बीती तिमाही में नौ प्रमुख शहरों में 1,44,656 घरों की बिक्री हुई है, जबकि नए लांच होने वाले घरों की संख्या 1,05,134 रही है।

- नौ प्रमुख शहरों में बिना बिके घरों की संख्या घटकर 4.81 लाख रही
- दिसंबर 2023 तिमाही में बिना बिके घरों की संख्या 5.18 लाख थी

बिना बिके घरों की संख्या

शहर	संख्या	गिरावट (%में)
एनसीआर	27,959	12
कोलकाता	23,249	2
पुणे	65,788	13
मुंबई	48,399	11
नवी मुंबई	33,385	11
ठाणे	1,05,565	5
बेंगलुरु	44,837	5
हैदराबाद	1,10,425	4
चेन्नई	20,959	1

44 प्रतिशत ज्यादा आफिस स्पेस किराये पर लिया गया

देश के शीर्ष आठ शहरों में जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के दौरान किराये पर लिए जाने वाले आफिस स्पेस में 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट कुशमैन एंड वेकफील्ड की ओर से शनिवार को जारी डाटा के अनुसार, बीती तिमाही में कुल 115.14 लाख वर्गफुट आफिस स्पेस किराये पर लिया गया है। पिछले वर्ष समान अवधि में आठ प्रमुख शहरों में 80.09 लाख वर्गफुट आफिस स्पेस किराये पर लिया गया था। रियल एस्टेट कंसल्टेंट का कहना है कि कारपोरेट की ओर से विस्तार के लिए जगह की ज्यादा मांग के चलते बड़ी वृद्धि रही है। बीते पांच वर्षों के दौरान यह तीसरा उच्चतम स्तर है। यह कारपोरेट के बीच आफिस स्पेस की मजबूत मांग को दर्शाता है। उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि ज्यादा से ज्यादा कंपनियां अपने कर्मचारियों से आफिस से काम करने के लिए कह रही हैं। इस कारण आफिस स्पेस को लेकर जानकारी लेने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

चौथी तिमाही में आठ प्रतिशत से ज्यादा रहेगी विकास दर : सीतारमण

नई दिल्ली, रायटर : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) के दौरान भारत की विकास दर आठ या इससे ज्यादा प्रतिशत रह सकती है।

निर्मला सीतारमण

मुंबई के फाइनेंशियल हब में आयोजित एक कार्यक्रम में निर्मला सीतारमण ने उम्मीद जताया कि चौथी तिमाही में भी वृद्धि दर आठ प्रतिशत या इससे ज्यादा होगा। इससे पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में भी औसत वृद्धि दर आठ प्रतिशत या इससे ज्यादा होगी। सरकार चौथी तिमाही के आर्थिक आंकड़े 31 मई को जारी करेगी। अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही के दौरान भारत की विकास दर 8.4 प्रतिशत रही है। सरकार के ताजा अग्रिम अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में विकास दर 7.6 प्रतिशत रह सकती है।

14 करोड़ डालर बढ़कर नए उच्च स्तर पर पहुंचा विदेशी मुद्रा भंडार

मुंबई, प्रेट्र : बीते सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 करोड़ डालर बढ़ा है। आरबीआइ की ओर से जारी डाटा के अनुसार, 22 मार्च को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 642.631 अरब डालर रहा है जो इसका नया उच्च स्तर है। यह लगातार पांचवां सप्ताह रहा है जब विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। इस दौरान कुल विदेशी मुद्रा भंडार में 6.396 अरब डालर की वृद्धि हुई है। इससे पहले सितंबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 अरब डालर के उच्च स्तर पर पहुंचा था।

आरबीआइ के डाटा के अनुसार, 22 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीआइ) में 12.3 करोड़ डालर की गिरावट हुई है। अब यह घटकर 568.264 अरब डालर रह गई हैं। कुल विदेशी मुद्रा भंडार में एफसीए की सबसे बड़ी हिस्सेदारी होती है। हालांकि, बीते सप्ताह स्वर्ण भंडार में 34.7 करोड़ डालर की वृद्धि हुई है और यह बढ़कर 51.487 अरब डालर पर पहुंच गया है। आइएमएफ के पास जमा 2.7 करोड़ डालर घटकर 4.662 अरब डालर रह गया है। 2022 के दौरान आरबीआइ की ओर से रुपये की गिरावट थामने के लिए डालर की बिक्री के कारण विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई थी।

642.631

अरब डालर हुआ देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार

- 2024 में अब तक करीब 20 अरब डालर बढ़ा कुल भंडार

कैलेंडर वर्ष 2024 में अब तक विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 20 अरब डालर की वृद्धि हुई है। 2023 के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 58 अरब डालर की वृद्धि हुई थी, जबकि 2022 के दौरान इसमें 71 अरब डालर की गिरावट रही थी।

Join Magazine Group @ ₹60/m WhatsApp To 8969469464 राष्ट्रीय फलक Join Epaper Group @ ₹30/m WhatsApp To 8969469464

रोजा गरीब व जरूरतमंदों के प्रति समाज को संवेदनशील बनाता है

माह ए रमजान में पूरे एक माह रोजा रखना होता है। सुबह से लेकर शाम तक कुछ खाना-पीना नहीं होता है। इस दौरान कुरान को याद करते हुए अच्छाइयों को ग्रहण करना होता है। रोजा में जब व्यक्ति भूखा-प्यासा रहता है तब वह महसूस करता है कि भूखे और प्यासे लोग कैसे रहते हैं। यह परिस्थितियां किसी पर कभी भी आ सकती हैं जिसे मात्र कहने भर से महसूस नहीं किया जा सकता। ऐसे में रोजा गरीब व जरूरतमंदों के प्रति समाज को संवेदनशील बनाता है। यह माह हमें सीख देती है कि हम ना किसी के साथ बुरा करें, ना सोचे और ना किसी के साथ बुरा होने दें। सबकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएं और लोगों को भी ऐसा करने का संदेश दें। साथ ही ऊपर वाले से दुआ करें कि हमसे जाने-अनजाने जो भी गुनाह हुए हैं, उन्हें माफ कर दें। ऐसा करने से शरीर और मन को सुकून तो मिलता ही है साथ ही आगे के 11 माह जिंदगी गुजारने का एक पाक रास्ता मिलता है। इसी पाक माह में आखिरी नबी को मुस्लिमों की धार्मिक किताब कुरान शरीफ नाजिल हुई थी। इसके संदेशों को जीवन में उतारकर समाज के लिए आदर्श बनें।

प्रो. इकबाल हुसैन, कार्यवाहक कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया

राजस्थान में पैसे और नौकरी का लालच देकर महिला और दो बच्चों का मतांतरण

जागरण संवाददाता, जयपुर

- महिला के ससुर ने पुलिस में दर्ज करवाई रिपोर्ट, मामले की जांच शुरू

राजस्थान के मेवात में एक मुस्लिम द्वारा प्रेम जाल में फंसाकर एक महिला और उसके दो बच्चों के मतांतरण का मामला सामने आया है। प्रदेश के खैरथल-तिजारा जिले में बच्चों को पांच लाख रुपये की छात्रवृत्ति और सरकारी नौकरी दिलवाने का झांसा देकर महिला और उसके दो बच्चों का मतांतरण करवाया गया है। महिला मसाले की एक फैक्ट्री में मजदूरी करती है। कुछ महीनों पहले महिला के पति की मौत हो गई थी। फैक्ट्री के मालिक इंतजार खान का महिला के घर आना-जाना था। इसी दौरान इंतजार ने महिला को अपने जाल में फंसाया। इस दौरान महिला के दोनों बच्चों ने अपनी मां के इंतजार के साथ रहने का विरोध करते हुए दादा से इसकी शिकायत भी की। तिजारा पुलिस उपाधीक्षक इस मामले की जांच कर रहे हैं। महिला ने पुलिस को भी दोनों बच्चों के साथ मतांतरण करने की बात कही है। हालांकि बच्चे इससे इन्कार कर रहे हैं।

मौलवियों ने रुपये और छात्रवृति देने की बात कही : पिछले दिनों महिला अपने दोनों बच्चों को जबरन इंतजार के साथ एक मस्जिद में लेकर गई। मस्जिद में मौजूद दो मौलवियों ने दोनों बच्चों को इस्लाम धर्म अपनाने का लालच दिया। दोनों मौलवियों और इंतजार खान ने बच्चों पर मतांतरण करने को लेकर दबाव बनाया। महिला ने मौलवियों व इंतजार की बात मानकर इस्लाम धर्म अपना लिया। वह दोनों बच्चों के साथ एक दिन मस्जिद में भी रही। इस बीच मौका पाकर दोनों बच्चे मस्जिद से निकलकर दादा को सारी बातें बताईं। साथ यह भी बताया कि मां इंतजार को दोनों बच्चों को अपने पिता समान मानने की बात कहती है। इस पर दादा ने तिजारा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

विस्फोट कांड में एनआइए के दूसरे समन पर भी नहीं हाजिर हुए तृणमूल नेता

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल के भूपतिनगर में वर्ष 2022 में हुए विस्फोट के सिलसिले में एनआइए की ओर से पूछताछ के लिए बुलाए गए आठ तृणमूल नेता शनिवार को हाजिर नहीं हुए। एनआइए के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि एजेंसी किसी अन्य तारीख पर हाजिर होने के लिए आठों नेताओं को फिर से समन जारी कर सकती है। वे पहले समन पर भी हाजिर नहीं हुए थे। मालूम हो कि तीन दिसंबर, 2022 को भूपतिनगर में विस्फोट से एक कच्चा घर ढह गया था, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। तृणमूल नेता कुणाल घोष ने शुक्रवार को आरोप लगाया था कि एनआइए के कदम के पीछे भाजपा नेताओं का हाथ है। अधिकारी ने बताया-'हमें अपनी जांच के लिए उनसे बात करने की जरूरत है। चूंकि वह आज पेश नहीं हुए इसलिए नया समन जारी कर सकते हैं।'

पीलीभीत के रास्ते नेपाल भागने की फिराक में थे हत्यारोपित

जागरण संवाददाता, ऊधम सिंह नगर

बाबा तरसेम हत्याकांड

उत्तराखंड में गत गुरुवार को नानकमत्ता डेरा कारसेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की गोली मारकर हत्या करने वाले बदमाश अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। वारदात के एक दिन बाद बदमाश पीलीभीत के रास्ते से शाहजहांपुर की ओर भागे। जगह-जगह मिली सीसीटीवी फुटेज ने इसकी तस्दीक की है। पुलिस टीम उनका पीछा कर रही है। पुलिस का मानना है कि हत्यारोपित पीलीभीत के रास्ते नेपाल भागने की तैयारी में थे, लेकिन उप्र पुलिस के सतर्क होने से वह शाहजहांपुर की ओर निकल गए। ऊधम सिंह नगर पुलिस ने धरपकड़ के लिए अलग-अलग 15 टीमें गठित की हैं।

28 मार्च को बाबा तरसेम सिंह की हत्या की गई थी। सराय से मिले शूटरों के आधार कार्ड से उनकी पहचान भी हो चुकी है। पुलिस ने इस मामले में शूटर सर्वजीत सिंह और अमरजीत सिंह उर्फ बिट्टा के साथ ही संदेह के आधार पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री नानकमत्ता साहिब के प्रधान और सेवानिवृत्त आइएएस हरबंस सिंह चुघ, तराई महासभा के उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह संधू व गुरुद्वारा श्री हरगोविंद सिंह रतनपुरा नवाबगंज के मुख्य जत्थेदार बाबा अनूप सिंह पर मुकदमा दर्ज किया है। इस बीच पुलिस को इनपुट मिले कि बाइक सवार शूटर पीलीभीत के रास्ते शाहजहांपुर की ओर भाग रहे हैं। इस पर तीन टीमें उनका पीछा करते हुए पीलीभीत पहुंची। हालांकि बदमाश पकड़ में नहीं आ पाए। एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने बताया कि कुछ महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं।

पत्नी को 'भूत' और 'पिशाच' कहना क्रूरता के दायरे में नहीं : हाई कोर्ट

राज्य ब्यूरो, पटना : पटना हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि किसी जोड़े के असफल वैवाहिक संबंधों में पत्नी को 'भूत' और 'पिशाच' कहकर संबोधित करना क्रूरता के दायरे में नहीं आता है। न्यायाधीश बिबेक चौधरी की एकलपीठ ने नालंदा की मजिस्ट्रेट अदालत के उस फैसले को निरस्त कर दिया, जिसमें याचिकाकर्ताओं को धारा 498-ए के तहत वैवाहिक क्रूरता करने और दहेज मांगने का दोषी ठहराया गया था। हाई कोर्ट ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नालंदा के उस फैसले को भी निरस्त कर दिया, जिसने मजिस्ट्रेट की अदालत के फैसले को बरकरार रखा था।

एकल पीठ ने कहा कि असफल वैवाहिक संबंधों की स्थिति में ऐसी घटनाएं होती हैं, जहां पति-पत्नी दोनों ही गंदी भाषा का इस्तेमाल करके एक-दूसरे को संबोधित करते हैं।

बिहार में डायन बता महिला के हाथ पर रख दिया गर्म लोहा

जासं, तरैया (सारण) : बिहार में सीवान के एक गांव में एक महिला को डायन बताते हुए कुछ दबंगों ने उसके हाथों पर गर्म लोहा रख दिया। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। हालांकि, वीडियो की पुष्टि दैनिक जागरण नहीं करता है। महिली के बयान पर स्थानीय थाने में नौ नामजद समेत 30 अज्ञात पर प्राथमिकी की गई है।

संदेशखाली : मुख्य आरोपितों को बचाने की कोशिश का आरोप

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

संदेशखाली में ईडी की टीम पर हमले की घटना की जांच कर रही सीबीआइ ने मुख्य आरोपितों को बचाने की कोशिश किए जाने का आरोप लगाया है। जांच एजेंसी मामले में गिरफ्तार सात लोगों में से तीन का गोपनीय बयान दर्ज करना चाहती है, जो इस वक्त उसी की हिरासत में हैं। सीबीआइ ने इस बाबत बशीरहाट अदालत में आवेदन किया है। सीबीआइ का कहना है कि पुलिस ने संदेशखाली कांड के मुख्य आरोपितों को बचाकर उनकी जगह सात लोगों को आरोपित बनाकर पेश किया है। मामले में जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनके स्वजन का कहना है कि वारदात के समय वह घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे।

ईडी ने राशन घोटाले में शाहजहां शेख को किया गिरफ्तार : ईडी ने राशन घोटाले में शाहजहां शेख को शनिवार शाम जेल में पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। बशीरहाट सब-डिवीजनल अदालत ने ईडी को शाहजहां से जेल में पूछताछ की अनुमति दी थी, जिसके बाद जांच एजेंसी की एक टीम ने शनिवार दोपहर बशीरहाट जेल जाकर कड़ी पूछताछ की।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 31 मार्च, 2024 से शनिवार 6 अप्रैल, 2024 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)
कार्य में प्रयास से सफलता, अर्थसाधन में निर्णय सलाह से करें, पारिवारिक सहयोग, चिंता का समाधान, अतिविश्वास एवं कल्पना से बचें, भूमि, भवन कार्य में देरी, चयन में सफलता, ईर्ष्या से बचें, प्रणय में अनबन, धर्म में रुचि, यात्रा से बचें। शुभ अंक 6

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो)
पूंजी निवेश में सावधानी, अर्थसाधन में सुधार, कार्य शैली में परिवर्तन करें, महिला से सहयोग, वाहन, आभूषण योग प्रभावी, चयन में सफलता, शिक्षा में रुचि, शत्रुपक्ष परास्त, वाद विवाद से बचें, दाम्पत्य जीवन में सुख, अधिकारी से सावधान, व्यय अधिक। शुभ अंक 5

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)
दिनचर्या व्यस्ततम, कार्य में सफलता, धन के आवागमन में सावधानी, पारिवारिक सहयोग, निजी संबंधों में सुधार, साधनों की पूर्ति, खानपान का ध्यान रखें, कुसंग से बचें, प्रणय में सुख, राज्यपक्ष से सहयोग, स्थान पद परिवर्तन प्रभावी, आय में सुधार। शुभ अंक 4

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
नए कार्य में प्रयास से सफलता, अर्थसाधन में सुधार, साझेदारी में सावधानी, मन में विचारों की अधिकता, चिंता का समाधान, अतिविश्वास व कल्पना से बचें, विदेश कार्य में प्रयास सार्थक, महामारी से बचें, खानपान का ध्यान रखें, धर्म में रुचि, प्रणय में मधुरता। शुभ अंक 2

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
विशेष व्यक्ति से सहयोग, धनागम में प्रयास, कार्य में सफलता, विदेश कार्य में सफलता, साधनों की पूर्ति, संतान के लिए योजना, मित्रों से सहयोग, वाणी पर नियंत्रण, अधिकारी से सहयोग, राजनैतिक अपयश की आशंका। शुभ अंक 1

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कार्य में प्रगति, निजी जीवन में मतभेद, प्रतिस्पर्धा से चिंता, साझेदारी में सावधानी, सामाजिक यश, भवन साज सज्जा योग, अध्ययन में रुचि, चयन में सफलता, शत्रुपक्ष परास्त, वाद-विवाद से बचें, शारीरिक दूरी का पालन करें, दांपत्य सुख, वाहन में सावधानी, व्यय अधिक। शुभ अंक 9

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
कार्य शैली में सुधार करें, अर्थसाधन में सुधार, व्यापार में सहयोग से सफलता, विदेश कार्य में सफलता, चिंता का समाधान, महिला से सहयोग, शिक्षा में एकाग्रता, मित्रों से सावधान, क्रोध पर नियंत्रण रखें, वाद विवाद से बचें, जीवन साथी से मिलन। शुभ अंक 8

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)
दिनचर्या व्यस्ततम, कार्य क्षेत्र में संपर्क, अर्थसाधन में सुधार, व्यापार में वृद्धि, विदेश से समाचार, लक्ष्य के प्रति सजगता, वाहन, आभूषण योग, चयन में सफलता, सामाजिक दूरी का पालन करें, मित्रों से सावधान, जीवन साथी से मिलन, अधिकारी से सहयोग, व्यय अधिक। शुभ अंक 7

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
साझेदारी में सावधानी, कार्य क्षेत्र में सफलता, अर्थसाधन में सफलता, पारिवारिक सहयोग, निजी मतभेद, वाहन, आभूषण योग, सामाजिक यश, रचनात्मक कार्य योजना, अध्ययन में रुचि, शत्रुपक्ष से सावधान, दांपत्य में सुख, धर्म में रुचि। शुभ अंक 6

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
निर्णय सलाह से करें, धनागम में सुधार, कार्य क्षेत्र में प्रयास से सफलता, विदेश कार्य में प्रयास से सफलता, पारिवारिक तनाव, साधनों की पूर्ति, संतान से सहयोग, अध्ययन में रुचि, क्रोध, ईर्ष्या से बचें, दांपत्य में सुख, स्थान पद परिवर्तन प्रभावी। शुभ अंक 5

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा)
अर्थसाधन में सुधार, कार्य क्षेत्र के विस्तार से बचें, सामाजिक यश का योग, विदेश व्यापार में सफलता, पारिवारिक संबंधों में तनाव, भूमि, भवन कार्य में अवरोध, मित्रों से सहयोग, जीवन साथी का मिलन, वाहन चलाने में सावधानी रखें, व्यय में कमी। शुभ अंक 4

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची)
कार्य में प्रगति, धनागम में सफलता, पूंजी निवेश में सावधानी, साहस की वृद्धि, विशेष व्यक्ति से सहयोग, भूमि, भवन कार्य में देरी, चयन में सफलता, खानपान पर ध्यान दें, ईर्ष्या से बचें, जीवन साथी का मिलन, धर्म में रुचि, आय में सुधार। शुभ अंक 2

****

3.8 अरब डालर की अमेरिकी हर साल इजराइल को मदद मिलती है, जो इसराइल के कुल रक्षा बजट का लगभग 16 फीसदी है। इसराइल अमेरिका का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार भी है।

लेबनान में गोलाबारी से संरा के चार कर्मी घायल

गोले से हमला ▶ इजरायल ने हमले से संबंध होने से किया इन्कार

युद्धविराम पर इजरायल और हमास में फिर से वार्ता

बेरूत, रायटर : लेबनान के दक्षिण में संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षक दल में शामिल तीन पर्यवेक्षकों और एक अनुवादक शनिवार को बम हमले में घायल हो गए। ये लोग जब क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर रहे थे तभी इनके नजदीक टैंक से दागा गया गोला आकर गिरा। इस गोले के टुकड़ों से क्षेत्र में तैनात संयुक्त राष्ट्र के ये कर्मी घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने इस हमले की निंदा करते हुए उसे अस्वीकार्य बताया है जबकि इजरायल ने इस हमले से कोई संबंध होने से इन्कार किया है।

लेबनान का यह इलाका ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्ला के प्रभाव वाला है। यहां पर इजरायल और हिजबुल्ला के बीच बीते आठ अक्टूबर से रह-रहकर लड़ाई चल रही है। इस बीच युद्धविराम पर इजरायल और हमास के बीच शनिवार को कतर की राजधानी दोहा में फिर से परोक्ष वार्ता शुरू हो गई है। दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल दोहा में मौजूद हैं लेकिन वे मिस्र और कतर की मध्यस्थता में वार्ता कर रहे हैं।

इजरायल और फलस्तीन के इस्लामिक संगठन हमास के बीच चल रही लड़ाई के बीच शनिवार को मानवीय सहायता के आधार पर विमान से गाजा पट्टी में पैरासूट के जरिये खाद्य सामग्री गिराई गई। युद्ध से प्रभावित गाजा पट्टी में लोग बड़ी संख्या में भुखमरी का शिकार हो रहे हैं। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि गाजा पट्टी में मृतकों की संख्या 32 हजार से अधिक हो गई है। रायटर

इजरायल को बम और लड़ाकू विमान देगा अमेरिका : अमेरिका ने कई अरब डालर मूल्य के बम और लड़ाकू विमान इजरायल को देने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। उल्लेखनीय है कि सामान्य स्थिति में अमेरिका अपने पुराने सहयोगी इजरायल को प्रतिवर्ष 3.8 अरब डालर की सैन्य सहायता देता है।

गुलाम जम्मू-कश्मीर में रेस्तरां पर फलस्तीन समर्थकों का हमला

मीरपुर, एएनआइ : गुलाम जम्मू-कश्मीर के मीरपुर में फलस्तीन समर्थकों ने अमेरिकी फास्ट फूड रेस्तरां चेन केएफसी के एक आउटलेट पर हमला कर दिया। इसे इजरायली बताया गया। भीड़ ने केएफसी में इजरायली सामान बेचे जाने का दावा करते हुए पथराव किया। इससे कुछ लोग घायल भी हुए। इस दौरान पुलिस के साथ झड़प भी हुई। पुलिस फायरिंग में कई लोगों के घायल होने की खबर है।

मिली जानकारी के अनुसार, हमले के दौरान भीड़ ने इजरायल के विरोध और फलस्तीन के समर्थन में नारे लगाए। पुलिस फायरिंग में कई लोग घायल हो गए और कई वाहनों एवं दुकानों में भीड़ ने आग लगा दी। पुलिस ने हिंसा में शामिल 50 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है और अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है। पाकिस्तान में इंटरनेट मीडिया पर इस घटना को लेकर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। पाक में कुछ ने सराहना की है तो कुछ ने चिंता जताई है।

भारत में जी20 सम्मेलन में अधिकांश नेताओं ने कहा, ट्रंप को जीतने मत देना : बाइडन

- बोले, नेताओं को डर है कि ट्रंप के जीतने पर लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा
- बाइडन की टीम ने निक्की हेली के समर्थकों को लुभाने के लिए शुरू किया प्रयास

न्यूयार्क, प्रेट्र : न्यूयार्क में एक रैली के दौरान संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विश्व के अधिकांश नेताओं ने उनसे कहा है कि आगामी अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को नहीं जीतने देना है। उन्हें डर है कि इससे उनका लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। चाहे भारत में हुआ जी20 शिखर सम्मेलन हो या कोई अन्य अवसर, हर बार यही देखने को मिला है।

उन्होंने कहा कि जो वह कह रहे हैं अतिशयोक्ति नहीं है। दुनिया के लगभग हर नेता मुझसे यह बात कहने के लिए अकेले में बात करने का बहाना खोजते थे। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर वह नवंबर में राष्ट्रपति के चुनाव में हारे तो खून खराबा होगा। आखिर उसे हुआ क्या है। यह मुझे सबसे अधिक चिंतित करता है। बाइडन ने कहा कि यह वह व्यक्ति है जिसने उन देशों के खिलाफ जो चाहे कदम उठाने के लिए रूस को उकसाया जो अपनी जीडीपी का दो प्रतिशत रक्षा पर खर्च नहीं करते।

इस बीच बाइडन की ओर से कैंपेन अभियान संभाल रही टीम ने निक्की हेली के समर्थकों को लुभाने का प्रयास शुरू किया है। वह रिपब्लिकन की रेस से हाल ही में बाहर हुई हैं। ट्रंप की टिप्पणियों को विभिन्न माध्यमों पर दिखाया जा रहा है। इसमें डोनाल्ड ट्रंप कहते नजर आ रहे हैं कि मुझे जीतने के लिए हेली के समर्थकों के वोट की जरूरत नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन। फाइल (एपी)

बाइडन ने बोइंग दुर्घटनाओं पर ली चुटकी

बाइडन ने हाल के दिनों में उड़ान के दौरान बोइंग में आई परेशानियों को लेकर एक कार्यक्रम के दौरान चुटकी ली। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि वह बोइंग द्वारा निर्मित विमान के दरवाजों से दूर रहते हैं। 81 वर्षीय राष्ट्रपति ने चुटकी लेते हुए कहा कि वह एयरफोर्स वन के दरवाजों के पास नहीं बैठते। हालांकि, उन्होंने तुरंत कहा कि वह मजाक कर रहे थे। कार्यक्रम के होस्ट स्टीवन कोलबर्ट ने सवाल किया था कि क्या परिवहन मंत्री पीट बटिगिएग ने बाइडन की न्यूयार्क यात्रा से पहले राष्ट्रपति विमान के बोल्ट कस दिए थे।

बंधक बने बाइडन की तस्वीर वाला वीडियो वायरल

राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन के संभावित उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें जो बाइडन बंधक के रूप में रस्सी से बंधे पिकअप ट्रक के पीछे नजर आ रहे हैं। यह वीडियो पोस्ट होने के बाद वायरल हो गया। इसे लेकर बाइडन समर्थकों ने ट्रंप की आलोचना की है। यह वीडियो लांग आइलैंड का बताया गया है। दरअसल, इस वीडियो में दिख रही तस्वीर एक पिकअप ट्रक के पीछे बनी थी, जो राजमार्ग पर चलता नजर आ रहा है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में वापसी के लिए लोगों से अपील की है। साथ ही इस तस्वीर के माध्यम से बाइडन के दूसरे कार्यकाल को सर्वनाशकारी बताया है।

भारत अंतरिक्ष में जो हासिल कर रहा वह आश्चर्यजनक : यूरोपीय एजेंसी

- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के महानिदेशक ने इसरो की प्रशंसा की
- सफल कदमों ने अंतरिक्ष कार्यक्रम में निजी क्षेत्रों को भी दिया बढ़ावा

पेरिस, एएनआइ : यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के महानिदेशक जोसेफ एशबैकर ने हाल के सफल प्रक्षेपणों के लिए इसरो की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष और विशेष कर चंद्र अन्वेषण में भारत की उपलब्धियां आश्चर्यजनक हैं। ईएसए की ओर से पेरिस में 323वीं परिषद बैठक की मेजबानी की गई।

एशबैकर ने कहा कि अंतरिक्ष में भारत जो हासिल कर रहा है, वह आश्चर्यजनक है। हमने ईएसए परिषद में इसरो अध्यक्ष डा. एस सोमनाथ की मेजबानी की। यह प्रतिनिधियों के लिए ईएसए-इसरो के वर्तमान और भविष्य की योजनाओं के संबंधों में अधिक जानने का अवसर था। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ सहयोग को गहरा करने के रणनीतिक महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता।

अंतरिक्ष यात्री थामस पेस्केट भी बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल साफ्ट लैंडिंग और भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 के प्रक्षेपण के साथ ही भारत 2023 में नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। मील के पत्थर वाले इन कदमों ने न सिर्फ वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को सुदृढ़ किया है, बल्कि भारत में अंतरिक्ष मामलों में निजी क्षेत्रों को भी बढ़ावा देने का कार्य किया है।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के महानिदेशक जोसेफ एशबैकर (फाइल)। एक्स

भारत-अमेरिका का संयुक्त सैन्य अभ्यास

विशाखापत्तनम में भारत और अमेरिकी नौसेनाओं ने संयुक्त अभ्यास 'टाइगर ट्राइंफ' के दौरान समुद्री चरण में हिस्सा लिया। इसमें दोनों देशों की नौसेनाओं ने संयुक्त कमान, नियंत्रण केंद्र, संयुक्त राहत और चिकित्सा शिविर स्थापित किए। यह अभ्यास दोनों देशों के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है। एएनआइ

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शहबाज शरीफ को लिखा पत्र

- कहा-क्षेत्रीय शांति और आतंक रोधी प्रयासों पर मिलकर काम करने को तैयार
- इससे पहले इमरान और शहबाज के प्रधानमंत्री बनने पर बना रखी थी दूरी

इस्लामाबाद, आइएएनएस : अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपनी परंपरा को तोड़ते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखा है। इसमें क्षेत्रीय शांति और आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करने की बात कही गई है। पत्र लिखने से पहले तक बाइडन ने अपने कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान में किसी भी प्रधानमंत्री के साथ संवाद न करने की परंपरा बनाए रखी थी।

बाइडन ने इस्लामाबाद को आश्वासन दिया है कि वह आतंकवाद के खतरे का मुकाबला करने के लिए शहबाज शरीफ की सरकार के साथ काम करना जारी रखेंगे। अमेरिका, अपने समय की सबसे गंभीर वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए पाकिस्तान के साथ खड़ा रहेगा। इसमें बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षा, आर्थिक विकास, सभी के लिए शिक्षा तक पहुंच, विनाशकारी बाढ़ से उबरने में सहायता और मानवाधिकारों की रक्षा आदि शामिल है।

इमरान खान के 2018 में चुनाव जीतने के बाद भी बाइडन ने उनसे बातचीत नहीं की थी और अप्रैल 2022 में उनके हटने के बाद प्रधानमंत्री बने शहबाज शरीफ से भी दूरी बनाए रखी थी। वहीं, अब लिखा गया पत्र दर्शाता है कि वाशिंगटन पाकिस्तान को उसकी क्षेत्रीय प्रासंगिकता और महत्व के संदर्भ में कितना महत्व देता है। पत्र में यह भी इंगित किया गया है कि वाशिंगटन अब भी इस्लामाबाद को आतंकवाद रोधी, क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के चश्मे से देखता है। यह भी उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में सत्ता केंद्र अब भी सैन्य प्रतिष्ठान के पास है। अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठान फिर भी पाकिस्तान से कामकाजी सहयोग चाहता है।

ब्रिटेन में भारतवंशी किशोर कैंसर उपचार सहायता पाने वाला पहला व्यक्ति बना

लंदन, प्रेट्र : कैंसर से पीड़ित भारतवंशी किशोर युवान ठक्कर ऐसे पहले सख्स बन गए हैं, जिन्हें नवीन उपचारों को सुलभ बनाने के लिए ब्रिटिश सरकार से वित्त पोषित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) द्वारा स्थापित कोष की मदद से उपचार में सहायता मिली है। युवान को छह साल की उम्र में रक्त कैंसर (ल्यूकेमिया) ग्रस्त पाया गया था। एनएचएस इंग्लैंड के मुताबिक, लंदन के नजदीक वाटफोर्ड निवासी 16 वर्षीय युवान ब्रिटेन के पहले किशोर हैं, जिन्हें उत्कृष्ट सीएआरटी थेरेपी दी गई। यह कैंसर ड्रग फंड (सीडीएफ) से संभव हुआ है। एनएचएस ने इस सप्ताह के अंत में सीडीएफ की मदद से एक लाख मरीजों को नवीनतम और सबसे नवीन उपचार उपलब्ध कराने की उपलब्धि हासिल की है। ऐसे उपचारों की अघोषित लागत को इस कोष द्वारा कवर किया जाता है। युवान ने कहा, 'सीएआर टी पद्धति से इलाज होने से मेरी जिंदगी बहुत बदल गई है। यह कल्पना करना कठिन है कि अगर इलाज उपलब्ध नहीं होता, तो चीजें कैसी होतीं।'

पेरू में राष्ट्रपति आवास का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी पुलिस

दक्षिण अमेरिकी देश पेरू की राजधानी लीमा में छापे की कार्रवाई के दौरान राष्ट्रपति डीना बोलुआर्ट (इनसेट में) के आवास का दरवाजा तोड़ती पुलिस। अवैध संवर्धन (अवैध रूप से अर्जित संपत्ति) और लक्जरी घड़ियों के स्वामित्व के बारे में कोई घोषणा न करने पर उनके आवास पर छापे की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने पहले काल करके दरवाजा खोलने का अनुरोध किया, लेकिन नहीं खोले जाने पर तोड़कर पुलिस ने अंदर प्रवेश किया। इस दौरान राष्ट्रपति अपने आवास में नहीं थीं। बोलुआर्ट देश की पहली महिला राष्ट्रपति हैं (स्क्रीन ग्रैब)। रायटर

मकाउ में 40 साल बंद हुई घुड़दौड़

मकाउ, एपी : चीन के मकाउ में घुड़दौड़ ट्रैक पर शनिवार को अंतिम दौड़ आयोजित की गई। विशाल कैसीनो के लिए प्रसिद्ध शहर में 40 साल बाद इस खेल का अंत हो गया। इस वर्ष जनवरी में प्रांतीय सरकार ने कहा था कि वह अप्रैल में मकाउ जाकी क्लब के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर देगी। यह निर्णय मकाउ हार्स रेस कंपनी के अनुरोध पर आया था, जिसने इसके पीछे परिचालन संबंधी चुनौतियों का हवाला दिया था।

शनिवार को आयोजित दौड़ में गैंबलर आधे-अधूरे स्टैंड में एकत्र हुए और अपना अंतिम दांव लगाया। कुछ पर्यटकों ने ट्रैक का भ्रमण भी किया। मकाउ निवासी हेलेना चोंग ने पहली और आखिरी बार रेस कोर्स का दौरा किया।

उन्होंने कहा कि इसका अंत देखकर दुख होता है। मकाउ में घुड़दौड़ का आयोजन करने वाले हाल के वर्षों में आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे थे, इसके कारण परेशानी हो रही थी। वहीं, हांगकांग में घुड़दौड़ लोकप्रिय और लाभदायक बनी हुई है।

पटाप्सको नदी से 'फ्रांसिस स्काट की' का मलबा निकालने शुरू

4,000 टन तक है पुल के टूटे टुकड़ों का वजन, जहाजों की आवाजाही बाधित

- मलबे को हटाने के लिए पहुंचाए जा रहे उपकरण

बाल्टीमोर, एपी : पटाप्सको नदी से 'फ्रांसिस स्काट की' पुल के मलबे को बाहर निकालने का काम शुरू हो गया है। इंजीनियरों की टीमें इस कठिन काम में लगी हैं। बाल्टीमोर बंदरगाह से जहाजों की आवाजाही शुरू करने और लापता श्रमिकों के शवों को बरामद करने के लिए मलबे को हटाना जरूरी है। इन श्रमिकों को मृत मान लिया गया है।

बता दें कि मंगलवार को एक मालवाहक जहाज 'पावर फेल' होने के कारण पटाप्सको नदी पर बने पुल से टकरा गया था। हादसे के बाद पुल गिर गया था और छह लोग लापता हो गए थे। इनमें से दो के शव बरामद कर लिए गए हैं। हालांकि अब तक चार शवों को बरामद नहीं किया जा सका है।

अमेरिकी तटरक्षक रियर एडमिरल शैनन गिलरेथ ने शुक्रवार को कहा, विशेषज्ञ पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उस पुल के टुकड़ों को कैसे तोड़ा जाए ताकि उसे नदी से निकाला जा सके। इसके लिए जिन उपकरणों की आवश्यकता है, उन्हें वहां पहुंचाया जा रहा है। इनमें सात क्रेनें शामिल हैं - जिनमें से एक 1,000 टन वजन उठाने में सक्षम है। 10 टगबोट, नौ बार्ज, आठ बचाव जहाज और पांच तटरक्षक नौकाएं भी पहुंचाई गई हैं।

मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और देखा कि पुल के टूटे हुए टुकड़ों का वजन 4,000 टन तक है। मलबे के कारण जहाजों की आवाजाही बाधित है। लापता श्रमिकों की तलाश भी नहीं हो पा रही है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने पुल के मलबे की सफाई और दोबारा निर्माण में सहायता के लिए आपातकालीन निधि में छह करोड़ डालर (तकरीबन 499 करोड़ रुपये) की मंजूरी दी है।

भारत के साथ मिलकर आतंकवाद से लड़ने को तैयार रूस

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने शनिवार को कहा कि रूस, भारत और अन्य देशों के साथ मिलकर आतंकवाद से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी यह टिप्पणी मास्को के पास एक कन्सर्ट में कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले के बाद आई है। इस हमले में 144 लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हुए थे।

अलीपोव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से इस मौके पर रूस को समर्थन दिया गया था और आतंकवाद की अस्वीकृति को लेकर बयान दिए गए थे। उन्होंने भारत और अन्य देशों के लोगों की ओर से पीड़ितों, उनके परिजनों और रूसी सरकार के प्रति दिखाई गई भावनाओं की भी सराहना की।

रूस में विदेशी राजनयिकों ने शनिवार को उस स्थल पर फूल चढ़ाए जहां पिछले सप्ताह हमला हुआ था। उपस्थित लोगों में अमेरिका, यूरोपीय संघ के देशों, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के राजदूत शामिल थे।

राष्ट्रीय फलक

भारत का संभ्रांत वर्ग भी पीएम मोदी के साथ

- जबकि अन्य देशों में सत्तासीन नेता के प्रति जाग जाता है तिरस्कार का भाव
- ब्रिटेन की प्रतिष्ठित पत्रिका द इकोनोमिस्ट का आकलन

नई दिल्ली, प्रेट्र : समाज का संभ्रांत-उच्चशिक्षित वर्ग आमतौर पर लोकप्रिय नेताओं को अच्छी दृष्टि से नहीं देखता है, उनकी नजरों में चुनाव जीतने वाले नेता के प्रति तिरस्कार का भाव होता है लेकिन भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर ऐसा नहीं है। भारत का संभ्रांत वर्ग मोदी के प्रति आत्मीयता का भाव रखता है और उनमें विकास के प्रति खास तरह का जुझारुपन देखता है। यह मानना है लंदन से प्रकाशित प्रतिष्ठित पत्रिका द इकोनोमिस्ट का।

पत्रिका ने अपने ताजा अंक में भारत के संभ्रांत वर्ग के नरेन्द्र मोदी के साथ होने पर आलेख प्रकाशित किया है। आलेख में मोदी की स्वीकार्यता के पीछे तीन कारकों को कारण माना गया है। पहला-वर्ग आधारित राजनीति, दूसरा-अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाले कदम, तीसरा-निर्णय लेने की क्षमता।

इसमें कहा गया है कि मोदी को भारत का दक्षिणपंथी नेता माना जाता है, जो तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं। ज्यादातर देशों में जब नेता ज्यादा दिनों तक सत्ता में रह चुका होता है तो समाज का संभ्रांत वर्ग उसकी सत्ता को लेकर विरोधी भाव पाल लेता है। जैसा कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुआ और ब्रिटेन में ब्रेक्जिट काल में हुआ, जब जल्दी-जल्दी कई प्रधानमंत्री बदल गए। कई लोकतांत्रिक देशों में यह चलन देखने को मिला है। लेकिन भारत में ऐसी परंपरा नहीं बन पाई। भारत में मोदी निरंतर मजबूत होते गए हैं।

इस बारे में अमेरिकी संस्था गैलप के एक सर्वे का उदाहरण देते हुए पत्रिका ने लिखा है कि सत्ता के अंतिम दिनों में अमेरिका में केवल 26 प्रतिशत उच्चशिक्षित लोग ही ट्रंप के समर्थन में रह गए थे। जबकि मोदी के समर्थन के मामले में झुकाव का प्रतिशत बदल जाता है। पेव संस्था के सर्वे के मुताबिक 2017 में 80 प्रतिशत उच्चशिक्षित मोदी के प्रति समर्थन का भाव रखते थे। 2019 में लोकनीति संस्था द्वारा कराए गए सर्वे में भी स्थिति में बदलाव नहीं आया। 2024 के चुनाव से पूर्व भी भारत में यही स्थिति बनी हुई है।

पीएम नरेन्द्र मोदी। फाइल

बिहार के विद्यालयों में अतिथि शिक्षकों की सेवा नहीं ली जाएगी

राज्य ब्यूरो, पटना : राज्य के सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवा समाप्त कर दी गयी है। ऐसे शिक्षकों की सेवा अब एक अप्रैल से विद्यालयों में नहीं ली जाएगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को आदेश जारी किया है। वर्तमान में राज्य के कक्षा नौवीं से दसवीं के लिए 37,847 तथा कक्षा 11वीं व 12वीं के लिए 56,891 शिक्षकों की नियुक्ति उच्च माध्यमिक विद्यालयों में हो चुकी है। उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 94,738 शिक्षकों की नियुक्ति कर उन्हें विद्यालयों में पदस्थापित किया जा चुका है।

आदेश के मुताबिक राज्य के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में निर्धारित पारिश्रमिक पर सेवा दे रहे अतिथि शिक्षकों की सेवा समाप्ति के बारे में प्रमाण पत्र तीन अप्रैल तक मुख्यालय को भेजना होगा।

बुलंदशहर में गंगा पर निर्माणाधीन पुल के दो बीम गिरे, तीसरा क्षतिग्रस्त

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर

उप्र के बुलंदशहर को अमरोहा से जोड़ने के लिए गंगा नदी पर निर्माणाधीन पुल के दो बीम (गर्डर) शनिवार सुबह गिर गए। तीसरा बीम भी क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

डीएम सीपी सिंह का कहना है कि बालू में ज्यादा नमी की वजह से बीम गिरने की आशंका है, हालांकि सीडीओ की अध्यक्षता में उन्होंने तीन सदस्य जांच टीम गठित कर दी है। पुल का निर्माण उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड पर करा रहा है। मई में पुल का निर्माण कार्य पूरा होना है। पुल बनने के बाद अमरोहा से जेवर एयरपोर्ट तक पहुंचने की राह आसान हो जाएगी। उधर, सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा है कि काम की गुणवत्ता से खिलवाड़ करके भाजपा लोगों के जीवन से खेल रही है। सेतु निगम ईपीसी के तहत एडीकोन कंपनी से पुल का निर्माण करवा रहा था। ईपीसी मोड इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण अनुबंध का एक रूप है, जिसका उपयोग निजी क्षेत्र द्वारा बड़े पैमाने पर व बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर निर्माण कार्य करने के लिए किया जाता है।

कंपनी ने दिसंबर 2021 में निर्माण कार्य शुरू किया था। पुल के निर्माण से बुलंदशहर और अमरोहा के बीच लगभग 50 किमी दूरी कम हो जाएगी।

बुलंदशहर में शनिवार को गंगा नदी पर निर्माणाधीन पुल के गिरे बीम। जागरण

सीएए का समर्थन करने पर मौलाना शहाबुद्दीन को हत्या की धमकी

जागरण संवाददाता, बरेली : नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का समर्थन करने वाले बरेलवी मौलाना शहाबुद्दीन रजवी को जान से मारने की धमकी मिली है। आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत कराई गई। मौलाना को एक वर्ष पहले भी पीएफआइ के सदस्यों ने जान से मारने की धमकी दी थी। आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष शहाबुद्दीन रजवी देश व मुस्लिम हित के मामलों पर मुखर होकर बोलते हैं। 23 मार्च रात 9:14 बजे मोबाइल से काल करके धमकी दी। धमकी देने वाले ने नाम शाहनवाज बताया। आरोपित ने कहा कि तुम मुसलमानों के नेता बनते हो, भाजपा के पक्ष में व सीएए का समर्थन करते हो।

बरेलवी मौलाना शहाबुद्दीन रजवी। जागरण

****

पर्पल कैप

गेंदबाज	टीम	विकेट
मुस्तफिजुर	सीएसके	06
हर्षित राणा	केकेआर	05
खादा	पंजाब किंग्स	04

आरेंज कैप

बल्लेबाज	टीम	रन
विराट कोहली	आरसीबी	181
क्लासेन	हैदराबाद	143
शिखर धवन	पंजाब किंग्स	137

मयंक ने 'रफ्तार' से पलट दी बाजी

एलएसजी ने पंजाब को 21 रन से हराया, मयंक ने 155.8 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से फेंकी सत्र की सबसे तेज गेंद

विकास मिश्र • लखनऊ

लखनऊ के इकाना स्टेडियम पर दिल्ली के 21 वर्षीय गेंदबाज मयंक यादव ने अपनी तेज रफ्तार गेंदों से बाजी पलट कर रख दी। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम एक समय बिना कोई विकेट खोए 11 ओवर में 102 रन बना चुकी थी, लेकिन मयंक ने 145 से 150 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर विरोधी टीम के शीर्षक्रम को तहस-नहस कर दिया और टीम केवल सात विकेट पर 178 रन ही बना सकी। लखनऊ सुपरजायंट्स ने यह मुकाबला 21 रन से अपने नाम किया। मयंक ने तीन विकेट झटके और पदार्पण मैच पर प्लेयर आफ द मैच बनने पहले तेज गेंदबाज बने। मयंक ने आइपीएल 2024 की सबसे तेज गेंद भी फेंकी। 12वें ओवर फेंकने आए मयंक ने पहली ही गेंद 155.8 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से फेंकी। इसके अलावा मयंक लीग में 155 से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज भी बन गए हैं। इससे पहले उमरान मलिक ने 157 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद की थी।

मयंक ने पंजाब के जबड़े से छीनी जीत : एक समय यह मैच पंजाब की मुट्ठी में था, लेकिन मयंक ने पहले ही ओवर में अपनी रफ्तार से चौंकाया। इसके बाद दूसरे, तीसरे और चौथे ओवर में लगातार विकेट चटकाकर लखनऊ की जोरदार वापसी कराई। 12वें ओवर की चौथी गेंद पर मयंक ने जानी बेयरस्टो को पवेलियन भेजकर मेजबानों के लिए खतरनाक साबित हो रही जोड़ी को तोड़ा। दायें हाथ इस तेज गेंदबाज को लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछले साल के नीलामी में आधार मूल्य यानी 20 लाख रुपये में खरीदा था। हालांकि, उन्हें पिछले सीजन डेब्यू का मौका नहीं मिला, लेकिन इस साल दूसरे ही मैच में मैदान पर उतरते ही मयंक छा गए। 21 वर्षीय युवा क्रिकेटर ने अभी तक अपने टी-20 करियर में 10 मैच खेलकर 12 विकेट चटकाए हैं। लिस्ट-ए करियर में मयंक ने 17 मैचों में 34 विकेट झटके हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी 2023-2024 के सेमीफाइनल में दिल्ली के लिए खेलते हुए पंजाब के खिलाफ दो अहम विकेट हासिल किए थे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए थे। मयंक ने जानी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह और जितेश शर्मा को अपना शिकार बनाया। वहीं, मोहसिन खान ने धवन और कुर्रन का विकेट लेकर जीत में अहम योगदान दिया।

लखनऊ का रिकार्ड स्कोर : लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान निकोलस पूरन ने पिच के मिजाज को भांपते हुए पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय किया। क्विंटन डिकाक (54) के शानदार अर्धशतक और निकोलस पूरन (42) व क्रुणाल पांड्या (43) की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत एलएसजी ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 199 रन बनाए। घरेलू मैदान पर यह लखनऊ का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। इसके पहले उसने पिछले साल दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 193 रन बनाए थे।

बदल गया पिच का व्यवहार: पिछले साल आइपीएल के पहले मुकाबले के अलावा लगभग सभी मैचों में इकाना की पिच पर रन बनाने में बल्लेबाजों के पसीने छूट गए थे। पिच पर सवाल उठने के बाद बीसीसीआइ के निर्देश पर यूपीसीए ने पिछले साल वनडे विश्व कप से पहले इकाना स्टेडियम के पूरे स्क्वायर को नए सिरे से तैयार करने का फैसला किया। यहां विश्व कप के पांच मैच खेले गए। पिच के व्यवहार में बदला नजर आया। लखनऊ सुपरजायंट्स और पंजाब किंग्स के मैच में पिच का रवैया पूरी तरह से बदल गया। पहले लखनऊ ने घरेलू मैदान पर रिकार्ड स्कोर बनाया तो मेहमान टीम ने भी तूफानी शुरुआत की और लक्ष्य से महज 21 रन दूर रह गई।

राहुल ने चौंकाया

मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के नियमित कप्तान केएल राहुल टास के लिए नहीं उतरे। उनकी जगह निकोलस पूरन टास के लिए मैदान पर आए। ऐसा लगा कि राहुल इस मैच में नहीं खेल रहे हैं, लेकिन पूरन ने बताया कि वह टीम में रिप्लेसमेंट प्लेयर के तौर पर खेल रहे हैं। यानी इस मैच में राहुल कप्तानी नहीं कर रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान निकोलस पूरन हैं। पूरन ने बताया कि केएल ने हाल ही में चोट से वापसी की है और हम उन्हें इतने लंबे टूर्नामेंट में ब्रेक देना चाह रहे हैं।

मैच में हम काफी आगे थे, लेकिन मयंक यादव के स्पेल ने हमसे जीत छीन ली। वाकई, उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। उन्होंने एक के बाद एक लगातार विकेट लेकर हमें संभलने का मौका नहीं दिया।

-शिखर धवन, कप्तान, पंजाब किंग्स

विकेट लेने के बाद जश्न मनाते मयंक यादव। प्रेट्र

स्कोर बोर्ड

लखनऊ : 199/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
डिकाक का. जितेश बो. अर्शदीप	54	38	5/2
राहुल का. बेयरस्टो बो. अर्शदीप	15	09	1/1
पडीक्कल का. धवन बो. कुर्रन	09	06	2/0
मार्कस स्टोइनिस बो. चाहर	19	12	0/2
निकोलस पूरन बो. रबादा	42	21	3/3
बडोनी का. बेयरस्टो बो. कुर्रन	08	10	0/0
क्रुणाल पांड्या अविजित	43	22	4/2
रवि बिश्नोई का. सब बो. कुर्रन	00	01	0/0
मोहसिन खान रन आउट	02	01	0/0
नवीन उल हक अविजित	00	00	0/0

अतिरिक्त : 7 (बा-1, लेबा-1, वा-5).

गेंदबाजी : सैम कुर्रन 4-0-28-3, अर्शदीप सिंह 3-0-30-2, कैगिसो रबादा 4-0-38-1, राहुल चाहर 3-0-42-1, हरप्रीत बराड़ 2-0-14-0, हर्षल पटेल 4-0-45-0

पंजाब किंग्स : 178/5 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
धवन का. डिकाक बो. मोहसिन	70	50	7/3
बेयरस्टो का. स्टोइनिस बो. मयंक	42	29	3/3
प्रभसिमरन का. नवीन बो. मयंक	19	07	1/2
जितेश शर्मा का. नवीन बो. मयंक	06	09	1/0
लियाम लिविंगस्टोन अविजित	28	17	2/2
सैम कुर्रन का. पूरन बो. मोहसिन	00	01	0/0
शशांक सिंह अविजित	09	07	1/0

अतिरिक्त : 4 (लेबा-2, वा-2). गेंदबाजी : एम सिद्धार्थ 2-0-21-0, नवीन 4-0-43-0, मोहसिन 4-0-34-2, क्रुणाल 3-0-26-0, रवि बिश्नोई 3-0-25-0, मयंक यादव 4-0-27-3

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	टाई	नेट रन रेट	अंक
1	सीएसके	2	2	0	0	+1.979	4
2	केकेआर	2	2	0	0	+1.047	4
3	राजस्थान	2	2	0	0	+0.800	4
4	हैदराबाद	2	1	1	0	+0.675	2
5	लखनऊ	2	1	1	0	+0.025	2
6	पंजाब	3	1	2	0	-0.337	2
7	आरसीबी	3	1	2	0	-0.711	2
8	गुजरात	2	1	1	0	-1.425	2
9	दिल्ली	2	0	2	0	-0.528	0
10	मुंबई	2	0	2	0	-0.925	0

आखिर पटरी पर आ ही गई 'राजधानी एक्सप्रेस'

अभिषेक त्रिपाठी • नई दिल्ली

- 2022 में लखनऊ सुपरजायंट्स ने 20 लाख रुपये में किया था शामिल
- देवधर ट्राफी में रहे थे दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

दिल्ली के 21 वर्षीय युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव ने आइपीएल में अपने पदार्पण पर पंजाब के विरुद्ध लगभग 156 किमी प्रतिघंटा की गति से गेंदबाजी पूरे देश को चौंका दिया। दिल्ली के सोनेट क्रिकेट क्लब में प्रशिक्षण ले रहे इस युवा गेंदबाज पर पहले से भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर की भी नजरें थीं। सोनेट क्लब के कोच देवेंदर शर्मा ने बताया कि अजित ने उनकी रफ्तार के बारे में जब जाना तो वह उनका मैच देखने आने वाले थे, परंतु उस मैच से पहले ही मयंक चोटिल हो गए। यद्यपि, अपने आइपीएल पदार्पण पर मयंक ने अद्भुत गेंदबाजी कर दर्शा दिया है कि 'राजधानी एक्सप्रेस' पटरी पर आ गई है।

दो वर्षों बाद मिला पदार्पण का अवसर : मयंक यादव को 2022 में हुई बड़ी नीलामी में लखनऊ सुपरजायंट्स ने 20 लाख की बेस प्राइस पर अपनी टीम में शामिल किया था। पहले सत्र में तब 19 वर्षीय रहे मयंक को अवसर नहीं मिला, वहीं 2023 में चोटिल होने के कारण उनके स्थान पर लखनऊ ने अर्पित गुलेरिया को टीम में सम्मिलित कर लिया। मयंक ने केवल एक प्रथम श्रेणी मुकाबला खेला है। वहीं, 17 लिस्ट ए मैच में उनके नाम 34 विकट हैं। कोच देवेंदर शर्मा ने बताया कि देवधर ट्राफी में भी मयंक ने लगातार 155 किमी प्रतिघंटा की गेंदबाजी की थी। वह टूर्नामेंट में दूसरे सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

कंचा गेंद से करते थे अभ्यास : मयंक दिल्ली के पंजाबी बाग के निवासी हैं। उनके पिता एक साधारण व्यापारी हैं। मयंक 15 वर्ष की आयु में सोनेट क्लब से जुड़े। उनके अब तक के सफर को स्मरण करते हुए कोच देवेंदर शर्मा ने बताया, 'मयंक छह वर्ष पहले मेरे पास आए थे। वह शुरू से तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। कमाल की बात यह है कि गति के लिए मयंक ने कोई विशेष काम नहीं किया है। उनकी गति प्राकृतिक है। वह शुरू में कंचा (इसकी गति तेज होती है) गेंद से अभ्यास करते थे। इस गेंद को सही लाइन लेंथ पर डालना काफी कठिन होता है, परंतु मयंक बहुत सहजता से ये कर लेते थे। मैंने जब यह देखा तो मैंने उन्हें एसजी गेंद (मैच गेंद) से गेंदबाजी करने के लिए कहा। वह इस गेंद में भी तेज गति लाने में सक्षम हो गए। उनकी गेंद गिर कर ड्रिफ्ट होती है और एक असहज ऊंचाई पर आती है जिससे बल्लेबाजों को शाट लगाने में बहुत कठिनाई होती है।'

अजीत अगरकर का था मयंक यादव पर ध्यान

मयंक पर भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का ध्यान था। इस संबंध में कोच देवेंदर शर्मा ने बताया, 'भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने मयंक की गेंदबाजी का जिक्र सुना था। वह उनको खेलते हुए देखने आने भी वाले थे, परंतु उससे पहले ही हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मयंक टीम से बाहर हो गए। अब आइपीएल में सभी की नजरें उन पर होंगी। अब तक उन्हें कोई उपनाम नहीं दिया गया है, परंतु उनकी गति को देखते हुए उन्हें 'राजधानी एक्सप्रेस' का नाम दिया जा सकता है।' मयंक इस वर्ष दिल्ली से रणजी ट्राफी में नहीं खेले पाए थे क्योंकि साइड स्ट्रेन हो गया था। रिषभ इन्हें अपनी टीम में लेना चाहते थे, नेहरा गुजरात में लेना चाहते थे लेकिन, लखनऊ ने रिलीज नहीं किया। लखनऊ को उसका लाभ मिला। मालूम हो कि वह इस वर्ष भारतीय टीम में दिख सकते हैं।

एक नजर में

विली की जगह मैट हैनरी लखनऊ सुपरजायंट्स में

नई दिल्ली : लखनऊ सुपरजायंट्स ने शनिवार को इंग्लैंड के आलराउंडर डेविड विली की जगह अपनी टीम में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हैनरी को शामिल किया। हैनरी अपने 1.25 करोड़ रुपये के आधार मूल्य में लखनऊ की टीम से जुड़ेंगे। विली ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए आइपीएल से हटने का निर्णय किया था। वह पिछले साल नीलामी में लखनऊ की टीम से जुड़े थे, इससे पहले उन्होंने 2022 और 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था। (प्रेट्र)

रीयल कश्मीर एफसी ने नेरोको को 3-0 से हराया

श्रीनगर : रीयल कश्मीर एफसी ने आइ लीग फुटबाल मैच में नेरोका एफसी को 3-0 से हराकर उसे दूसरी श्रेणी में धकेल दिया। कश्मीर के लिये नोहेरे क्रिजो ने 35वें, हैदर युसूफ ने 45वें और शहर शाहीन ने 67वें मिनट में गोल दागे। इस हार के बाद मणिपुर की नेरोका एफसी 21 मैचों में 13 अंक लेकर 12वें स्थान पर है। इस सत्र में उसने चार मैच जीते, एक ड्रा खेला और 16 गंवाए। अब उसे तीन ही मैच खेलने है। (प्रेट्र)

बांग्लादेश के विरुद्ध श्रीलंका के चार विकेट पर 314 रन

चट्टोग्राम : बांग्लादेश के विरुद्ध दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन श्रीलंका ने अपने शीर्षक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बड़े स्कोर की नींव रख दी। तीसरे नंबर पर उतरे कुसल मेंडिस ने 93 रन बनाए जबकि दिमुथ करुणारत्ने ने 86 और निशान मदुष्का ने 57 रन की पारी खेली। भारत में पिछले वर्ष आलराउंडर शाकिब अल हसन ने 18 ओवर में 60 रन देकर एक विकेट लिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर दिनेश चांदीमल 34 और कप्तान धनंजय डिसिल्वा 15 रन बनाकर खेल रहे थे। (प्रेट्र)

सिक्की-सुमित की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी

मैड्रिड : एन सिक्की रेड्डी और बी सुमित रेड्डी की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी के शनिवार को यहां सेमीफाइनल में हारने से मैड्रिड स्पेन मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। इंडोनेशिया के रिनोव रिवाल्डी और पीठा हानिंगटयास मेंटारी की जोड़ी ने भारतीय चुनौती 21-17, 21-12 से समाप्त कर दी। दोनों मिक्स्ड डबल्स जोड़ियों के बीच यह पहली भिड़ंत थी। (प्रेट्र)

सीएसके के विरुद्ध जीत के लिए पंत को बदलनी होगी रणनीति

नई दिल्ली, जेएनएन : शुरुआती दो मुकाबले गंवाने के बाद रिषभ पंत की अगुआई वाली दिल्ली कैपिटल्स के सामने अब गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स की चुनौती होगी। यह मैच विशाखापत्तम में खेला जाएगा, जो दो मैचों के लिए दिल्ली कैपिटल्स का घरेलू मैदान है। सीएसके अपने दो मैच जीतकर यहां पहुंची है और अगर दिल्ली को उसे हराना है तो कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान रिषभ पंत को बदली रणनीति के साथ उतरना होगा।

राजस्थान रायल्स और पंजाब किंग्स के विरुद्ध जहां दिल्ली के दोनों ओपनर डेविड वार्नर और मिशेल मार्श ने तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन मध्यक्रम बुरी तरह विफल रहा। रिकी भुई टीम की कमजोर कड़ी साबित हुए और दोनों ही मैचों में उन्होंने निराश किया। रविवार को दिल्ली को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना होगा। भुई की जगह दो मैचों से बेंच पर बैठे पृथ्वी शा को टीम में शामिल किया जाना चाहिए, जिन्होंने इस प्रारूप में काफी रन बनाए है। पृथ्वी को वार्नर के साथ पारी की शुरुआत करानी चाहिए और मार्श को तीसरे नंबर पर उतारना चाहिए। पंजाब के विरुद्ध सबसे ज्यादा 33 रन बनाने वाले कैरेबियाई बल्लेबाज शाई होप को दूसरे मैच से बाहर करना समझ से परे था। शायद पोंटिंग ने नोर्त्जे को अंतिम एकादश में शामिल करने के लिए यह निर्णय लिया, लेकिन उनका यह दांव उलटा पड़ा। आलराउंडर सुमित कुमार की अपने स्थान से न्याय नहीं कर पाए हैं। सीएसके के विरुद्ध झारखंड के युवा बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को मौका देना चाहिए, जिस पर टीम ने नीलामी में छह करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च की थी।

रिषभ पंत • फाइल फोटो, प्रेट्र

दिल्ली कैपिटल्स : रिषभ पंत (कप्तान), वार्नर, पृथ्वी शा, यश ढुल, पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की, एनरिक नोर्त्जे, कुलदीप, फ्रेजर-मैकगर्क, खलील, इशांत, मुकेश, स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा और शाई होप।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज (कप्तान), धौनी, मोइन, चाहर, तुषार, शिवम दुबे, हैंगरकर, जडेजा, अजय मंडल, मुकेश चौधरी, रहाणे, शेख रशीद, सेंटनर, निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, तीक्ष्णा, रचिन रवींद्र, शार्दुल, डेरिल मिशेल, समीर रिज़वी, मुस्तफिजुर और अवनीश।

हैदराबाद के सामने टाइटंस के गेंदबाजों को दिखाना होगा दम

अहमदाबाद, प्रेट्र : गुजरात टाइटंस को अगर रविवार को होने मैच में सनराइजर्स हैदराबाद की शानदार लय को रोकने की कोशिश करनी है तो उसे अपने गेंदबाजी आक्रमण में सुधार करना होगा। सनराइजर्स ने पिछले मुकाबले में मुंबई के विरुद्ध 277 रन का स्कोर बनाया था, जो आइपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। गुजरात टाइटंस ने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस पर जीत से शुरुआत की, लेकिन पिछले मैच में चेन्नई में उसे हार का सामना करना पड़ा।

चोटिल मोहम्मद शमी की जगह खेल रहे उमेश कहीं भी उनके बराबर नहीं हैं, जो बड़ी परेशानी है। गिल की कप्तानी में टीम को भारतीय आलराउंडर पांड्या की कमी खल रही है। साई सुदर्शन और विजय शंकर धीमी बल्लेबाजी कर रहे हैं।

बाबर ने कप्तानी स्वीकारने के लिए रखी शर्तें

क्रिकेट डायरी

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बाबर आजम को सफेद गेंद के प्रारूप में कप्तानी की पेशकश की है लेकिन इस स्टार खिलाड़ी ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। सूत्रों ने दावा किया कि पीसीबी अध्यक्ष ने बाबर को यह पेशकश की है। यह भी पता चला है कि बाबर ने कप्तानी स्वीकार करने के लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं जिसमें कोचों की नियुक्ति में भी उनकी राय लेना शामिल है। बाबर ने यह भी कहा है कि उन्हें तीनों प्रारूपों में टीम की कमान सौंपी जानी चाहिए। यद्यपि, राष्ट्रीय चयन समिति की राय इस मुद्दे पर बंटी हुई है। पंजाब के एक पूर्व कार्यवाहक मंत्री बाबर को कप्तानी के साथ उनकी शर्तें मानने के पक्ष में नहीं हैं।

सूत्र ने कहा, 'चयन समिति के कुछ सदस्यों को अब लगता है कि सबसे अच्छी बात यह है कि अप्रैल में न्यूजीलैंड के विरुद्ध घरेलू टी20 सीरीज के लिए शाहीन शाह अफरीदी को कप्तान बने रहने दिया जाए और उन्हें अपनी योग्यता साबित करने का अवसर दिया जाए।' सूत्र ने कहा कि कुछ चयनकर्ताओं को लगता है कि एक या दो सीरीज की प्रतीक्षा करने के बाद ही बाबर को फिर से कप्तान बनाने पर अंतिम निर्णय लिया जाए।

बाबर आजम • फाइल फोटो, पीसीबी

दिलचस्प बात है कि चयनकर्ताओं ने नकवी को अंतम निर्णय करने के लिए कहा है। सूत्र ने कहा, 'उन्होंने पीसीबी प्रमुख को अपनी राय स्पष्ट कर दी और अब उनसे अंतिम निर्णय लेने के लिए कहा गया है। नकवी ने उन्हें बाबर को अभी सफेद गेंद की कप्तानी स्वीकार करने के लिए मनाने की बात कही है और बोर्ड टी20 विश्व कप के बाद ही कप्तानी पर निर्णय करेगा।'

पीसीबी के खेमे से शाहीन निराश : तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी पाकिस्तान क्रिकेट और टी20 कप्तान के रूप में उनके भविष्य से संबंधित चर्चाओं में शामिल नहीं किए जाने से निराश हैं जिससे वह कप्तानी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। शाहीन के करीबी सूत्र ने कहा कि यह गेंदबाज इस बात से नाराज है कि जहां तक कप्तानी या कोचों की नियुक्ति का सवाल है तो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष मोहसिन नकवी और राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने एक बार भी उनसे भविष्य की योजनाओं के बारे में बात नहीं की है। इस सूत्र ने कहा, 'शाहीन राष्ट्रीय टी20 टीम के कप्तान हैं तो उनका निराश होना लाजमी है। उन्हें आशा थी कि अगर बोर्ड और चयनकर्ता उन्हें हटाना भी चाहते हैं तो उन्हें इसके पीछे के कारणों के बारे में सूचित करना चाहिए और उन्हें हर चीज के बारे में जानकारी देनी चाहिए।' शाहीन इस बात से भी निराश थे कि जब पीसीबी प्रमुख ने चयनकर्ताओं से इस हफ्ते कोचों की नियुक्ति और कप्तानी के बारे में चर्चा की थी तो उन्हें शामिल नहीं किया गया।

नाकाजिमा की बढ़त दोगुनी, वीर छठे स्थान पर बरकरार

खेल डायरी

गुरुग्राम, प्रेट्र : वीर अहलावत हीरो इंडियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में छठे स्थान पर बने हुए हैं। शनिवार को डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में जापान के केइटा नाकाजिमा ने 68 का शाट लगाकर तीसरे दौर के बाद बढ़त को दोगुना कर दिया, जिससे वह शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

अहलावत ने 69 के स्कोर के साथ अपना छठा स्थान बरकरार रखा। उन्होंने तीनों दौर में 60 का स्कोर बनाया। वह उन आठ लोगों में शीर्ष भारतीय रहे जिन्होंने शुक्रवार को दूसरे दौर के बाद कट में जगह बनाई थी। अहलावत का तीन दिन का कुल स्कोर 12-अंडर पार 204 है और वह शीर्ष पर चल रहे नाकाजिमा से छह शाट पीछे हैं, जिन्होंने तीसरे दौर के बाद शीर्ष पर अपनी बढ़त दो से चार शाट तक दोगुनी कर दी। नाकाजिमा का स्कोर 18-अंडर है। नाकाजिमा भले ही अपने पहले दो दौर में 65 के शाट से पीछे रह गए हों, लेकिन उनका 68 का स्कोर उन्हें 2.25 मिलियन अमेरिकी डालर (18.76 करोड़ रुपये) के टूर्नामेंट में उन्हें प्रबल दावेदार बनाने के लिए पर्याप्त था।

वीर अहलावत • फाइल फोटो, प्रेट्र

जानिक सिनर और दिमित्रोव मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचे: दूसरे वरीय जानिक सिनर ने शुक्रवार को यहां तीसरी वरीयता प्राप्त डेनिल मेदवेदेव पर जीत से मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। रविवार को फाइनल में सिनर का सामना 11वें वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा जिन्होंने चौथे वरीय एलेक्जैंडर ज्वेरेव को दूसरे सेमीफाइनल में शिकस्त दी। सिनर ने सेमीफाइनल में दमदार खेल दिखाते हुए मेदवेदेव को 6-1, 6-2 से मात दी। दिमित्रोव ने शीर्ष वरीय कार्लोस अलकराज को क्वार्टर फाइनल में हराने के बाद सेमीफाइनल में जर्मनी के ज्वेरेव को 6-4, 6-7, 6-4 से शिकस्त दी।

टी-20 विश्व कप के लिए अप्रैल के अंत में चुनी जा सकती है टीम

नई दिल्ली, प्रेट्र : अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी टी-20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम के अप्रैल के अंतिम हफ्ते में चुने जाने की संभावना है क्योंकि आइसीसी को खिलाड़ियों का नाम सौंपने की अंतिम तिथि एक मई है। लेकिन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली प्रत्येक टीम को 25 मई तक टीम में खिलाड़ियों को बदलने का अवसर मिलेगा।

बीसीसीआइ के सूत्रों के अनुसार, भारतीय टीम का चयन अप्रैल के अंतिम हफ्ते के दौरान किया जाएगा और इस समय तक आइपीएल का पहला हिस्सा खत्म हो जाएगा जिससे राष्ट्रीय चयन समिति दावेदारों की फार्म और फिटनेस का आकलन करने की स्थिति में होगी। क्रिकेटरों का पहला जत्था 19 मई को आइपीएल का लीग चरण खत्म होने के तुरंत बाद न्यूयार्क के लिए रवाना होगा। जिन खिलाड़ियों की टीम अंतिम चार के लिए क्वालीफाई नहीं करती हैं, वे भी जल्दी जाएंगे जैसा कि पिछले साल डब्ल्यूटीसी फाइनल्स के दौरान हुआ था। आशा है कि कुछ 'स्टैंड बाई' खिलाड़ी भी टीम के साथ यात्रा करेंगे।

पूर्व क्रिकेटरों के स्वास्थ्य लाभ की वित्तीय सीमा हटे

सुनील गावस्कर
कलम से

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन का अपने खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट में बीसीसीआइ की ओर से दी जाने वाली फीस के अलावा समान फीस देने का निर्णय कोई आश्चर्य की बात नहीं है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन भारत में सबसे प्रगतिशील एसोसिएशन में से एक रहा है और वह ऐसे काल लेने से नहीं डरता जिससे उसके क्रिकेटरों को लाभ होगा। यह केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो मुंबई के लिए खेलते हैं, बल्कि उन क्लब क्रिकेटरों के लिए भी हैं जो मैदान में खेल रहे हैं। न केवल खिलाड़ी बल्कि मैदान के ग्राउंड स्टाफ भी अपनी शिकायतों के समाधान के लिए एमसीए का रुख कर सकते हैं। यह वर्षों से एक परंपरा रही है और इस प्रकार की चैंपियन सोच ही चैंपियन टीमों का निर्माण करती है।

कुछ सप्ताह पहले जब मुंबई ने 42वीं बार रणजी ट्राफी जीती तो एमसीए ने बीसीसीआइ की ओर से दी जाने वाली पुरस्कार राशि की बराबरी कर ली। एकमात्र अन्य संघ जिन्होंने ऐसा कुछ किया होगा वे टीएनसीए और केएससीए होंगे। अधिकांश अन्य संघ बीसीसीआइ से हर वर्ष मिलने वाली करोड़ों की पर्याप्त सब्सिडी को एक बैंक में रखना पसंद करते और उन्होंने इसे गर्व से दिखाया। बैंक में रखे पैसे का क्या लाभ अगर इसका उपयोग देश के अपने हिस्से में खेल को विकसित करने के लिए अच्छे रूप से नहीं किया जाता है।

केएससीए की बात करें तो, 1974 में उनकी पहली रणजी ट्राफी जीत की स्वर्ण जयंती के लिए उन्हें बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने लगातार 16 वर्षों से राष्ट्रीय चैंपियनशिप पर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की पकड़ को तोड़ा था। उस जीत ने अन्य टीमों को भी विश्वास दिलाया कि वे भी चैंपियन बन सकती हैं। आज अगर कुछ कमजोर टीमें भी राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीत रही हैं तो उन्हें रास्ता दिखाने का श्रेय बहुत हद तक कर्नाटक को जाना चाहिए। आशा है कि केएससीए इस अवसर का लाभ उठाते हुए स्टैंडों का नाम उन कुछ दिग्गजों के नाम पर रखेगा जिन्होंने उन्हें पहला रणजी खिताब दिलाया था और उन अन्य लोगों के नाम पर भी जिन्होंने उनके बाद न केवल केएससीए के लिए बल्कि भारत के लिए भी इतना अच्छा प्रदर्शन किया।

केएससीए के शीर्ष पर रणजी के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रघुराम भट्ट और उनके पीछे ब्रिजेश पटेल हैं। ऐसे में आशा है कि आइपीएल में आरसीबी के अंतिम घरेलू मैच से पहले यह काम कर लिया जाएगा। वैसे, ब्रिजेश उस टीम का हिस्सा थे जिसने पहला रणजी खिताब जीता था और उन्हें भारतीय क्रिकेट में सबसे प्रगतिशील प्रशासकों में से एक माना जाता है। दुख की बात है कि कई पूर्व क्रिकेटरों के प्रशासक बनने के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है और निश्चित रूप से क्रिकेट प्रेमी से प्रशासक बने लोग ही हैं जो इस काम को आगे बढ़ाएंगे।

भारतीय क्रिकेट में कुछ शानदार प्रशासक रहे हैं जिन्होंने खेल और भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाया है। भारतीय क्रिकेट में मेरा समय मुंबई स्कूलबायज टीम के साथ शुरू होने से बहुत पहले ऐसे प्रशासक थे जिन्होंने कुछ कठिन समय के दौरान खेल को एकजुट रखा था और एमए चिदंबरम, पीएम रूंगटा, फतेहसिंहराव गायकवाड़ जैसे लोग भारतीय प्रशासन में दिग्गज थे।

आज राजनीतिक मुद्दों से प्रेरित आलोचनाओं के बावजूद जय शाह ही वह शख्स हैं जिन्होंने डब्ल्यूपीएल की शुरुआत की, भारतीय महिलाओं की मैच फीस को पुरुष टीम के बराबर लाया, पूर्व क्रिकेटरों के लिए मासिक पेंशन दोगुनी कर दी, एक वर्ष में सभी टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए इनाम को तीन गुना कर दिया। यह आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर अगले सत्र से रणजी खिलाड़ियों की फीस में भारी बढ़ोतरी हो जाए क्योंकि वह जानते हैं कि भारतीय क्रिकेट का दिल घरेलू खेल है जबकि आइपीएल पैसा लाता है।

पूर्व क्रिकेटरों को दिया जाने वाला स्वास्थ्य लाभ एक अन्य पहलू है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान भारतीय खिलाड़ियों को पैसे की कमी नहीं है, लेकिन उनका पूरा मेडिकल खर्च बीसीसीआइ वहन करता है। हालांकि, पूर्व क्रिकेटरों को आयु बढ़ने और गंभीर बीमारियों से जूझने के दौरान मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ की सीमा तय है। ये वही लोग हैं जिन्होंने आज के क्रिकेट की नींव रखी है और वो भी तब जब इस खेल में नाममात्र का पैसा होता था। आशा है कि उनके स्वास्थ्य लाभ पर लगी वित्तीय सीमा हटा दी जाएगी। यदि जय ऐसा करते हैं तो उन्हें पूरे भारतीय क्रिकेट समुदाय का आशीर्वाद मिलेगा।

****

एक दिन लाइन में लगकर मतदान करने में क्या हर्ज है। क्या हम कुछ मिनट अपने राष्ट्र की मजबूती के लिए नहीं निकाल सकते हैं?

सप्ताह का साक्षात्कार

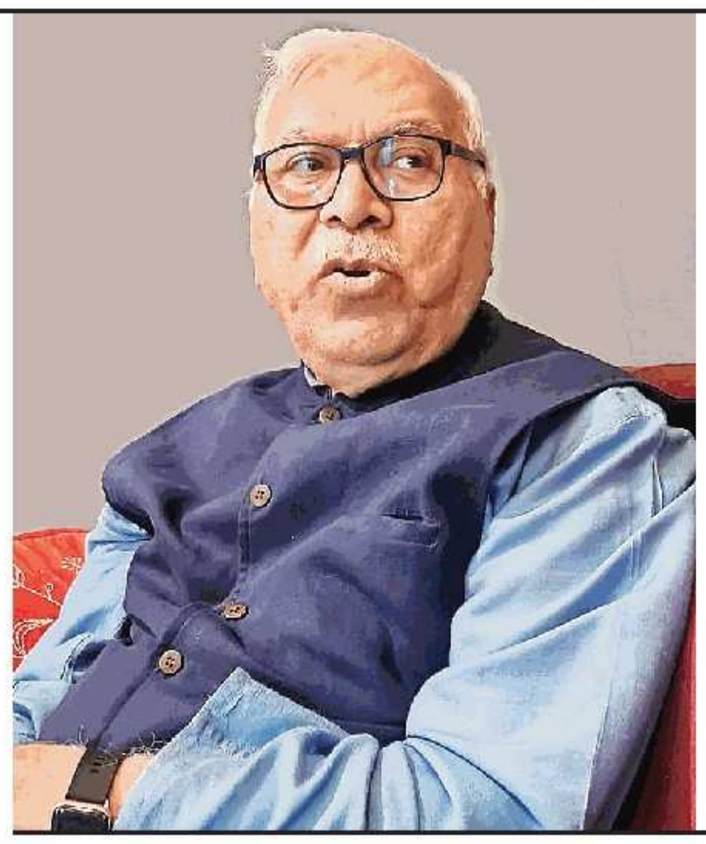

ईवीएम में गड़बड़ी की गुंजाइश होती तो कांग्रेस कभी सत्ता से बाहर नहीं होती

लोकतंत्र के महापर्व को लेकर देश एक बार फिर तैयार है। चुनाव में धनबल और बाहुबल का इस्तेमाल बंद हो, मत प्रतिशत बढ़े, पढ़े-लिखे लोग मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें सहित चुनाव सुधार से संबंधित कई विषयों को लेकर चुनाव आयोग लगातार प्रयासरत है, इसके बाद भी जो सफलता मिलनी चाहिए वह नहीं मिल रही है। खासकर पढ़े-लिखे लोग मतदान करने के लिए बढ़-चढ़कर आगे नहीं आ रहे हैं। इसके पीछे कई कारण हैं। उनमें से एक राजनीति में दिन प्रतिदिन आ रही गिरावट मुख्य है। एक-दूसरे को गालियां देने वाले नेता मौका मिलते ही साथ बैठकर सरकार बना लेते हैं। इससे मतदाता अपने आपको ठगा महसूस करते हैं। उनकी भावना को चोट पहुंचती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। इससे आने वाले समय में अफवाहों का बाजार अधिक गर्म होगा। किसी के बारे में कोई हेट स्पीच तैयार कराकर वायरल कर देगा। डीप फेक का खतरा मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में लोकतांत्रिक व्यवस्था कैसे मजबूत होगी, मतदाताओं का नेताओं के ऊपर विश्वास कैसे बढ़ेगा, मौकापरस्त नेताओं के ऊपर कैसे लगाम लगेगी सहित कई सवालों को लेकर दैनिक जागरण गुरुग्राम के मुख्य संवाददाता **आदित्य राज** ने देश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त **डा. एसवाई कुरैशी** से विस्तृत बातचीत की। प्रस्तुत है बातचीत के मुख्य अंश :

● आप लंबे समय तक न केवल चुनाव आयोग में रहे बल्कि मुख्य चुनाव आयुक्त की जिम्मेदारी भी संभाली। अन्य लोकसभा चुनावों से इस बार का चुनाव कितना अलग मान रहे हैं?

– जिस प्रक्रिया से चुनाव आयोग पहले गुजरा था, उसी प्रक्रिया से इस बार भी गुजरना होगा। अंतर सिर्फ मतदाताओं की संख्या का होता है। मतदाताओं की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। दिक्कत यह है कि जिस रफ्तार से मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है, उस रफ्तार से मत प्रतिशत नहीं बढ़ रहा है। इसके लिए कई स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन जो सफलता मिलनी चाहिए, नहीं मिल रही है। इसके पीछे मुख्य कारण है राजनीतिक पार्टियों के प्रति मतदाताओं में बढ़ रही निराशा। नेताओं के ऊपर विश्वास कम होता जा रहा है। यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए सुखद संकेत नहीं है। नेताओं को जनता से किए गए वादे निभाने होंगे, तभी जनता का भरोसा उनके ऊपर बढ़ेगा। भरोसा बढ़ने से ही लोकतंत्र मजबूत होगा।

● विपक्ष को लगता है कि पूरा तंत्र केंद्र सरकार का साथ दे रहा है, ऐसे में चुनाव आयोग के लिए अपनी निष्पक्षता को बरकरार रखना कितना चुनौतीपूर्ण है?

– ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। जब जो विपक्ष में होता है, उसे लगता है कि सत्ता पक्ष के इशारे पर सबकुछ हो रहा है। जहां तक चुनाव आयोग की निष्पक्षता का सवाल है तो इसे बनाए रखना बहुत बड़ी चुनौती है। जिसकी गलती हो, उसे आवश्यक दंड मिलना चाहिए। चाहे प्रधानमंत्री ही क्यों न हों। पिछले चुनाव के दौरान सत्ता पक्ष के एक बड़े नेता द्वारा चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत सामने आई थी। उन्हें नोटिस देने में आयोग ने देरी की। इससे विपक्ष में गलत संदेश गया। ऐसा नहीं होना चाहिए। चुनाव आयोग स्वतंत्र है। उसे स्वतंत्र होकर निर्णय लेना चाहिए। वर्ष 2011 में तत्कालीन केंद्रीय कानून मंत्री ने आचार संहिता का उल्लंघन किया था तो मैंने सख्त कार्रवाई की थी। मैंने उनसे कहा था कि आप दोषी हैं। आप आगे से ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने माफी मांगी थी।

● ईवीएम के ऊपर विपक्ष का भरोसा कमजोर हुआ है। क्या ईवीएम में गड़बड़ी की गुंजाइश है, यदि गुंजाइश है तो कैसे? गड़बड़ी की गुंजाइश किसी भी स्तर पर न हो, इसके लिए क्या प्रयास करने की आवश्यकता है?

– मैं सवाल करता हूं कि ईवीएम किस पार्टी के शासनकाल में बनी। कांग्रेस के शासन में ईवीएम का इस्तेमाल शुरू हुआ। यदि गड़बड़ी की गुंजाइश होती तो फिर कांग्रेस सत्ता से बाहर कैसे हो गई। आज तक कांग्रेस ही सत्ता में बनी रहती। यदि गड़बड़ी की गुंजाइश होती तो क्या भाजपा बंगाल, पंजाब एवं कर्नाटक में चुनाव हारती। सच्चाई यह है कि जो हार जाते हैं वे ईवीएम में गड़बड़ी किए जाने का आरोप लगाते हैं। मैं दावे के साथ कहता हूं कि ईवीएम में गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है, नहीं है, नहीं है। मान भी लें तो दो-चार ईवीएम में गड़बड़ी कर सकते हैं, हजारों में नहीं। यह बात जो आरोप लगाते हैं, उन्हें भी पता है। हार को स्वीकार करने का साहस होना चाहिए। जिनके पास साहस नहीं होता, वे ईवीएम में गड़बड़ी किए जाने की बात शुरू कर देते हैं।

● कई चुनावों से चुनाव आयोग धनबल और बाहुबल को रोकने का प्रयास कर रहा है लेकिन अपेक्षाकृत सफलता नहीं मिल रही है। ऐसे में चुनावों में कैसे सुधार आएगा?

– पहले के मुकाबले धनबल और बाहुबल के ऊपर काफी हद तक रोक लगी है। सौ फीसद सफलता तब मिलेगी जब मतदाता जागरूक होंगे। मतदाता धनबल व बाहुबल का इस्तेमाल करने वालों का जमानत जब्त करा दें, आगे से पार्टियां रास्ते पर आ जाएंगी। चुनाव आयोग द्वारा कई प्रविधान किए गए हैं जिससे मतदाता को पता चल सके कि उसका उम्मीदवार कैसा है। यदि किसी के ऊपर आपराधिक मामले दर्ज हैं तो उसे अपने शपथ पत्र में इसका उल्लेख करना होता है। उल्लेख होने के बाद भी जनता उसे क्यों नहीं हरा देती। काफी लोग जाति या धर्म के दायरे में आकर मतदान करते हैं। इस वजह से धनबल व बाहुबल का इस्तेमाल पूरी तरह खत्म नहीं हो रहा है।

● युवा आनलाइन वोटिंग पर जोर दे रहे हैं। इस दिशा में चुनाव आयोग क्यों नहीं विचार कर रहा है। माना जाता है कि आन लाइन वोटिंग से मत प्रतिशत में काफी बढ़ोतरी हो जाएगी। इससे बाहर रहने वाले लोग भी मतदान कर सकेंगे।

– आनलाइन वोटिंग में गड़बड़ी की गुंजाइश काफी बढ़ जाएगी। बैंक भी लुट जाए तो अधिक फर्क नहीं, चुनाव को लूटने नहीं दिया जा सकता। जिस देश में ईवीएम के ऊपर प्रश्नचिन्ह उठाए जा रहे हैं, वहां आनलाइन वोटिंग कैसे सही होगी। जो चाहेगा, वह अपने पक्ष में आनलाइन वोटिंग करा लेगा। बैलेट पेपर वाले युग से भी खराब स्थिति बन जाएगी। जब तक सभी लोग एक जिम्मेदार नागरिक की जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक आनलाइन वोटिंग जैसी व्यवस्था के ऊपर विचार करना भी उचित नहीं। आपको अपने राष्ट्र के प्रति यदि प्रेम होगा तो आप अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करेंगे। जिस व्यवस्था का आप उपयोग कर रहे हैं, उसी की मजबूती में सहायक बनने के लिए शर्तें क्यों? मतदान के दिन लाइन में लगकर मतदान करने में क्या हर्ज है। क्या हम कुछ मिनट अपने राष्ट्र की मजबूती के लिए नहीं निकाल सकते।

● राजनीति में दिन प्रतिदिन गिरावट आती जा रही है। पहले आरोप-प्रत्यारोप में भी एक संस्कार दिखता था। अब नेता एक-दूसरे को गालियां तक देने लगे हैं। इसके लिए सिर्फ नेता ही जिम्मेदार हैं या फिर जनता भी?

– राजनीति में आदर्शवाद की स्थिति धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। इसके लिए जनता जिम्मेदार नहीं भी है और है भी। है इसलिए क्योंकि गलत लोगों को चुनाव नहीं हराती। जो नेता भाषा की मर्यादा का ध्यान नहीं रखते, आरोप-प्रत्यारोप के दौरान एक-दूसरे को गालियां देते हैं, वे लोकतंत्र के दुश्मन हैं। राजनीतिक पार्टियों ने यदि इसके ऊपर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया तो वह दिन दूर नहीं जब लोग नेता शब्द से नफरत करना शुरू कर देंगे।

● वन नेशन, वन इलेक्शन के बारे में आपकी क्या राय है? क्या ऐसा करना उचित है, यदि उचित है तो फिर इसके लिए क्या-क्या प्रयास करने की आवश्यकता है?

– यदि नेता और जनता सहमत हों फिर वन नेशन, वन इलेक्शन में कोई दिक्कत नहीं। सरकार इसके ऊपर विचार कर रही है। मेरा मानना है कि इस पर अभी बड़े स्तर पर चर्चा और बहस होना चाहिए। तर्क दिया जाता है कि बार-बार चुनाव से काफी खर्च होता है। खर्च कम करने के लिए दो विषयों के ऊपर तत्काल ध्यान दिया जाए। जब उम्मीदवारों के खर्च करने की सीमा है तो पार्टियों के लिए क्यों नहीं। पार्टियां किसी भी उम्मीदवार के ऊपर कितना भी खर्च करे, उसकी कोई सीमा ही नहीं है। दूसरा मल्टी फेज में चुनाव बंद होने चाहिए। यह व्यवस्था तब की गई थी, जब देश में बूथ कैपचरिंग की जाती थी। चुनाव के दौरान देश के काफी इलाकों में हिंसा होती थी। अब इस तरह की स्थिति न के बराबर है। अब सिंगल फेज में चुनाव होना चाहिए। एक बार में ही जितनी फोर्स की आवश्यकता हो, लगाकर चुनाव कराया जाए। इससे समय की भी बचत होगी और खर्च भी कम हो जाएगा।

● जो पार्टियां एक-दूसरे के विरोध में लड़ती हैं, वही कई बार चुनाव संपन्न होने के बाद गठबंधन कर सरकार बना लेती हैं। क्या यह मतदाताओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं है। इस पर कैसे रोक लगेगी?

– बिल्कुल जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। इसके लिए कानून बनना चाहिए। जब तक कानून नहीं बनेगा, तब तक ऐसा चलता रहेगा। चुनाव से पहले गठबंधन होना चाहिए न कि चुनाव के बाद। चुनाव के बाद गठबंधन लोकतंत्र के साथ मजाक है। यह जनता को धोखा देना है। कुछ सालों से देश में ऐसा ही चल रहा है। चुनाव के बाद गठबंधन करने वाली पार्टियों को जनता एक बार भी यदि धूल चटा देगी, फिर हमेशा के लिए स्थिति बेहतर हो जाएगी। मेरा मानना है कि लोकतंत्र में मतदाता सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है। वह जैसे चाहे वैसे व्यवस्था को घुमा सकता है। यह तब संभव है जब जाति, धर्म, क्षेत्र के दायरे से बाहर निकलकर मतदाता मतदान करेंगे।

● चुनाव में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है और इसका दुरुपयोग भी हो रहा है। इस बात की आशंका है कि इस चुनाव में निर्वाचन आयोग के पास इतनी फर्जी शिकायतें आ जाएंगी कि उन्हें संभालना मुश्किल होगा?

– बहुत ही खतरनाक स्थिति है। हेट स्पीच बढ़ जाएगी। अफवाहें अधिक होंगी। इससे देश में आग लग सकती है। फेक न्यूज प्रसारित करने का प्रयास विदेशी ताकतें भी कर सकती हैं। एआइ के माध्यम से किसी के बारे में कुछ भी गलत संदेश तैयार किया जा सकता है। इंटरनेट व मोबाइल की पहुंच देश के अधिकतर लोगों तक है। एक मिनट के भीतर किसी के बारे में अच्छा या गलत संदेश फैलाया जा सकता है। टेक्नोक्रेट को इसका समाधान निकालना होगा। पूरी दुनिया में यह समस्या है। टेक्नोलाजी पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। समस्या का समाधान ढूंढना बहुत बड़ी चुनौती है।

● लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए आप लोगों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

– मैं लोगों से यही अपील करूंगा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। ऐसे में लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने की जिम्मेदारी बहुत अधिक है। सभी लोग मतदान करें। मतदान से बड़ा दूसरा कोई कार्य लोकतांत्रिक व्यवस्था में नहीं है। चुनाव के दिन सबसे पहले मतदान करना चाहिए, इसके बाद ही दूसरा कोई कार्य। साथ ही जो सबसे बेहतर उम्मीदवार हो, उसके पक्ष में ही मतदान करें। पार्टियां देखकर मतदान नहीं, बेहतर उम्मीदवार को देखकर जब मतदान करेंगे फिर आपको अधिक अफसोस नहीं होगा। राजनीतिक दलों से अपील है कि आदर्श स्थापित करें ताकि जनता का आपके ऊपर भरोसा बढ़े। जनता का नेता के ऊपर भरोसा ही लोकतंत्र को सशक्त बनाएगा। मत प्रतिशत बढ़ाने को लेकर प्रयास इसलिए किए जा रहे हैं क्योंकि नेताओं के प्रति भरोसा कम हुआ है। चुनाव आयोग से कहना चाहूंगा कि चाहे सामने कोई हो, यदि उसके विरुद्ध शिकायत आई है तो उसे नोटिस दें। गलत होगा तो कार्रवाई करें नहीं तो कोई बात नहीं। सत्ता व विपक्ष को अलग-अलग चश्मे से कतई न देखें। लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाने की जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग की नहीं है, सामूहिक है। सभी मिलकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संकल्प लें।

● लोकसभा चुनाव पर डीप फेक का भी खतरा मंडरा रहा है। कोई किसी भी बड़े नेता का रूप धरकर उसकी आवाज में वोटरों को प्रभावित कर सकता है। चुनाव आयोग इससे निपटने में कहां तक सक्षम है?

– मैं चुनाव से अपने आपको बाहर कर रहा हूं, आप मेरे चालक को वोट दे दो या मेरे जानकार को वोट दे दो। इस तरह के संदेश प्रचारित होने की आशंका है। जब तक सच्चाई सामने आएगी तब तक उस नेता का काफी डैमेज हो चुका होगा। फिलहाल इसके ऊपर रोक लगाने का कोई तकनीक विकसित नहीं है। सरकार तत्काल प्रभाव से इसके ऊपर ध्यान दे। दिक्कत यह है कि मैसेज प्रसारित करने वालों का पता लगाना मुश्किल है। तकनीक इतनी विकसित हो चुकी है कि किसी की आवाज निकालकर मैसेज प्रसारित किया जा सकता है।

हालीवुड में धमाल मचा रहा छोरा गंगा किनारे वाला

उपलब्धि

छोरा गंगा किनारे वाला का जब हम नाम लेते हैं तो हमेशा अमिताभ बच्चन का नाम जुबान पर आता है, लेकिन अब यहां के ढेरों नाम वालीवुड से लेकर हालीवुड तक गूंज रहे हैं। उनमें से ही एक नाम प्रयागराज के 26 वर्षीय संकल्प दुबे का है। वह हालीवुड में अब धमाल मचा रहे हैं। शार्ट फिल्मों के जरिए उन्होंने कम उम्र में अपनी पहचान स्थापित की है। इतनी कम उम्र में 80 से ज्यादा प्रोजेक्ट पूरे किए। न्यूयार्क और पेरिस फिल्म फेस्टिवल तक उनके काम को सराहना मिल रही है। आइए, जानते हैं उनके बारे में :

इस तरह मिलता है प्रवेश

- न्यूयार्क फिल्म एकेडमी से प्रतिवर्ष जनवरी-फरवरी में प्रवेश के लिए आवेदन होता है।
- आवेदन के लिए अपनी प्रोफाइल बनानी होती है, अपने किए गए कार्य को भी अटैच करना होता है।
- सिनेमेटोग्राफी के एक साल के कोर्स के लिए लगभग 32-35 हजार डालर का खर्च आता है।
- एडमीशन के बाद छात्रों को एफ वन वीजा मिलता है।
- अपना काम शुरू करने व आप्शनल ट्रेनिंग के दौरान ओ वन वीजा मिलता है।
- दस्तावेज प्रवेश में मददगार, लेकिन सफलता कल्पनाशीलता से मिलती है।

खुद से पहचाने और पूछें क्या चाहते हैं

दैनिक जागरण से फोन पर बातचीत करते हुए संकल्प दुबे ने अपनी यात्रा के कई पलों को खुले मन से साझा किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वयं से यह पूछना चाहिए कि वह क्या चाहते हैं। आम बच्चों की तरह मैं भी इंजीनियरिंग करने के बाद एक अच्छी नौकरी कर रहा होता, लेकिन जब मैंने खुद से पूछा तो मुझे पता चला कि मैं तो बचपन से सिनेमेटोग्राफर बनना चाहता था। अगर मैं पापा से बात नहीं करता तो आज कहीं नौकरी ही कर रहा होता। उनसे बात की तो उन्होंने मुझे सपने पूरे करने को कहा। मैंने जोखिम उठाया और जिन्हें भी आगे बढ़ना है, उन्हें भी जोखिम उठाना ही पड़ेगा तभी सपने पूरे होंगे। अभी हालीवुड में खुद को स्थापित कर रहा हूं। 80 से ज्यादा प्रोजेक्ट मेरे पूरे हो चुके हैं। उन्हें बहुत सराहना मिल रही है। वैश्विक स्तर पर देश का नाम हो, उससे बड़ा गर्व और क्या होगा।

<< सिनेमेटोग्राफी के दौरान विभिन्न मुद्राओं में प्रयागराज के संकल्प दुबे। सौ. स्वयं

अमरीश मनीष शुक्ल, प्रयागराज

बात पांच साल पहले 2020 की है। संकल्प की उम्र लगभग 21 साल थी। अमेरिका के लास एंजिल्स में साफ्टवेयर इंजीनियर नौकरी कर रहे भाई सार्थक दुबे का फोन आया कि टूरिस्ट वीजा बन गया है, तुम घूमने आ जाओ। दिसंबर 2020 में संकल्प अमेरिका पहुंचे। सार्थक, संकल्प को लेकर घूमने के लिए अमेरिका के हवाई द्वीप गए। इस दौरान एक अमेरिकन माडल वहां पर आई थी। संकल्प को फोटोग्राफी करता देख उन्होंने फोटो खींचने का आफर दिया। सार्थक ने फोटो खींची और जब माडल ने उसे देखा तो प्रभावित हो गई। बेहतर कार्य और एंगल की समझ देखकर काम के बदले में संकल्प को 800 डालर मिले। इस घटना ने संकल्प के उस सपने को आकार दे दिया जो बचपन से फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी को लेकर था। इसके बाद संकल्प ने प्रोफेशनल प्रशिक्षण का फैसला किया।

2021 में मनिपाल यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद कैंपस सलेक्शन हुआ तो संकल्प को दो कंपनियों ने नौकरी का आफर दिया। दो पैकेज मिले, एक आठ लाख का और दूसरा 12 लाख का। चयन के बाद भी संकल्प ने नौकरी की जगह सिनेमेटोग्राफी करने की ठानी और अपने पिता सतीश चंद्र दुबे को फोन कर अपनी इच्छा जाहिर की। बताया कि उसे सिनेमेटोग्राफी करनी है और इसके लिए वह अमेरिका जाना चाहता है। पिता सतीश चंद्र दुबे उत्तर मध्य रेलवे में उपमुख्य अभियंता हैं। बड़ा बेटा पहले से ही अमेरिका था तो उन्हें संकल्प को भेजने में कोई हिचक नहीं हुई और इस तरह संकल्प के सपनों ने पहली उड़ान भरी। 2021 में सिनेमेटोग्राफी के एक साल के कोर्स के लिए संकल्प ने न्यूयार्क फिल्म एकेडमी चयन किया। संकल्प का काम पसंद आया तो उन्हें प्रवेश दे दिया गया। वीजा लेने में समस्या नहीं आई। क्योंकि संकल्प के पास पहले से ही टूरिस्ट वीजा था और प्रवेश के बाद उन्हें एफ वन वीजा मिल गया। अमेरिका में पढ़ाई के लिए जो बच्चे जाते हैं उन्हें एफ वन वीजा ही दिया जाता है। संकल्प की पढ़ाई में 32-35 हजार डालर का खर्च आया। एक साल का कोर्स करने के बाद एक साल की आप्शनल प्रोफेशनल ट्रेनिंग उन्होंने शुरू की और हालीवुड के कई बड़े निर्देशक के साथ काम किया। संकल्प ने निर्देशक एवा डुवर्ने के साथ शार्ट फिल्म 'इनफिनिट होराइजन्स'' में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संकल्प की विचारोत्तेजक सिनेमैटोग्राफी ने न केवल निर्देशक के दृष्टिकोण को जीवंत किया, बल्कि उन्हें व्यापक प्रशंसा और सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी के लिए प्रतिष्ठित आस्कर सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार भी दिलवाए।

संकल्प की उपलब्धियां: संकल्प ने अब तक 80 से ज्यादा प्रोजेक्ट पर काम किया है। इसमें आड मैन आउट टीवी+ सीरीज -एप्पल टीवी+, पीकाक टीवी+ और टुबी पर प्रदर्शित हो रही है। हीलिंग टावर्स-नाम की फीचर फिल्म जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो पर आने वाली है। द रूममेट शार्ट फिल्म को अमेरिका और यूरोप में नौ पुरस्कार और सात में नामांकन मिला। इटरनिटी, मेरी क्रिसमस, स्केयरक्रो इंटरव्यू भी प्रमुख काम रहा। संकल्प की फिल्मों को सांता बारबरा फिल्म फेस्टिवल, मुंबई शार्ट्स फिल्म फेस्टिवल, लास एंजिल्स शार्ट्स फिल्म फेस्टिवल, न्यूयार्क फिल्म फेस्टिवल और पेरिस फिल्म फेस्टिवल सहित दुनिया भर के प्रसिद्ध फिल्म समारोहों दिखाया गया, जहां संकल्प को खूब प्रशंसा मिली।

टर्मिनेटर और ब्लेड रनर फिल्म देखकर बने सिनेमेटोग्राफर: मूलतः ग्वालियर के रहने वाले संकल्प का परिवार सूबेदारगंज प्रयागराज में रहता है। यहां उन्होंने महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की। बचपन से बेहद शरारती संकल्प ने टर्मिनेटर और ब्लेड रनर फिल्म देखकर सिनेमेटोग्राफर बनना चाहते थे। जैसे जैसे बड़े हुए यह शौक उनका पैशन बन गया। संकल्प की मां कविता दुबे कहती हैं कि बचपन से ही संकल्प बहुत एक्टिव रहता था। आज भी पड़ोसी और दुकानदार उसके बारे में पूछते रहते हैं। पिता सतीश चंद्र कहते हैं कि हमें गर्व है कि बेटा नाम रौशन कर रहा है। हमें तो उस दिन का इंतजार है हैं, जब किसी भारतीय फिल्मकार के साथ बनाई उसकी फिल्म को आस्कर जैसा कोई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले।

हर साल जनवरी में होता है आवेदन

न्यूयार्क फिल्म एकेडमी से प्रतिवर्ष जनवरी-फरवरी में प्रवेश के लिए आवेदन होता है। यहां मिथुन चक्रवती, रितिक रोशन जैसे दिग्गज फिल्म अभिनेताओं के बेटे भी प्रशिक्षण ले चुके हैं। यहां प्रवेश पाना अपने आप में प्रतिष्ठा का विषय होता है और हर वर्ष भारत से छात्र यहां जाते हैं। यहां आवेदन करने के लिए अपनी प्रोफाइल बनानी पड़ती है। सिनेमेटोग्राफी को लेकर किए गए अपने कार्यों को भी अटैच कर सब्मिट करना होता है। प्रोफाइल और काम पसंद आने के बाद ही एकेडमी से प्रवेश के लिए आफर आता है। भारत से अब बहुत से बच्चे इसके लिए आवेदन कर रहे हैं।

...ड्रैग फ्लिकर तैयार करेंगी जसप्रीत कौर

भारतीय हाकी टीम में खिलाड़ी रहीं जसप्रीत कौर को भारतीय हाकी नेशनल सेंटर आफ एक्सीलेंस (एनसीओई) की तरफ से प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है। वह 75 मीटर ओवरहेड करती हैं और ड्रैग फ्लिकर अच्छा खेलती हैं, इसलिए उन्हें इंडिया टीम के ऐसे खिलाड़ी तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। जसप्रीत देशभर की 10 एकेडमी में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगी। वह चार अप्रैल को बेंगलुरु पहुंचकर जिम्मेदारी संभालेंगी :

खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देतीं जसप्रीत कौर। सौ. स्वयं

आशु गौतम, पानीपत

- कुरुक्षेत्र के गांव खरींडवा की रहने वाली जसप्रीत, वर्ष 2003 में खेलना शुरू किया था
- 2010 से 2017 तक इंडिया टीम में रही जसप्रीत, देश की 10 एकेडमी में तैयार करेंगी खिलाड़ी

भारतीय हाकी टीम में 2010 से लेकर 2017 तक खेलने वाली हाकी खिलाड़ी और कुरुक्षेत्र के शाहबाद के गांव खरींडवा की बेटी जसप्रीत कौर ने बताया कि उसके पिता कृपाल सिंह एक किसान है। वर्ष 2003 में चौथी कक्षा के दौरान वह वह बीमार हुई तो उसके पिता दवा दिलाने के लिए एक अस्पताल लेकर गए थे। जहां डाक्टर के पास बैठे हाकी कोच सरदार बलदेव सिंह बैठे ने उसकी कद-काठी देखकर उसके पिता से हाकी खिलाने की अपील की। शाहबाद से उनका गांव करीब 10 किलोमीटर है। पिता ने किलोमीटर नहीं देखे और उसे हाकी खिलाड़ी बनाने का सपना देखा। जब उसने हाकी खेलना शुरू किया तो गांव वालों ने माता-पिता को ताने-देने शुरू किए। गांव वाले कहते थे तू बेटे की जगह बेटी को खेल सिखा रहा है, ये गलत है, बेटी से तो घर में रसोई का काम कराओ। ये शार्टस पहनकर खेलेगी तो क्या इज्जत रहेगी। रिश्तेदारों ने भी तंज कसने शुरू कर दिए थे, लेकिन पिता ने हार नहीं मानी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के चलते रोजाना गांव से आने-जाने में ज्यादा खर्च आता था, इसलिए पिता ने शाहबाद में ही किराए पर कमरा लेकर दिया और दादी साहिब कौर उसके साथ रहीं। कोच सरदार बलदेव सिंह के नेतृत्व में वह कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ती गईं।

देश की झोली में डाले पदक: जसप्रीत कौर अब तक 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी है। जिनमें 120 से अधिक गोल कर टीम को जीत दिला चुकी है। टीम में जसप्रीत कौर की ड्रैग फ्लिकर की भूमिका में रहती थी। वर्ष 2014 में एशियन गेम्स में देश की झोली में पदक डाला। उसके बाद वर्ष 2016 में गुवाहाटी में आयोजित सेफ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता।

2015 में रेलवे में मिली नौकरी, 2016 में बनी इनकम टैक्स इंस्पेक्टर: जसप्रीत कौर ने बताया कि वर्ष 2015 में उसे इंडियन रेलवे में नौकरी मिल गई। वर्ष 2016 में इनकम टैक्स इंस्पेक्टर बनी। इसके बाद रेलवे की नौकरी छोड़ दी थी। 2018 में वे शादी के बंधन में बंधी।

प्लास्टिक की बोतलों से बनाते हैं डिजाइनर कपड़े

तमिलनाडु के व्यापारी के. शंकर और सेंथिल शंकर प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल करके जैकेट, ब्लेजर, टी-शर्ट और बाटम्स बना रहे हैं। इससे वे रोजाना प्लास्टिक की करीब 15 लाख बोतलों को लैंडफिल में जाने से भी बचा रहे हैं। आइए, जानते हैं पिता-पुत्र के नवाचार के बारे में :

के सेंथिल और शंकर सेंथिल। इंटरनेट मीडिया

नेशनल डेस्क, नई दिल्ली

आज के समय में जब प्लास्टिक प्रोडक्टस दुनिया की री-साइकिलिंग दुनिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। खासतौर पर बड़े पैमाने पर उपयोग होने वाली प्लास्टिक की बोतलें लैंडफिल क्षेत्र में पहुंच रही है। लैंडफिल एरिया में जम रहे कचरे का निपटान सभी शहरों के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसे में तमिलनाडु के रहने वाले पिता-पुत्र के. शंकर और सेंथिल शंकर ने इस समस्या से निपटने के लिए कमाल का तरीका ढूंढ निकाला है। वह अपनी कंपनी में हर दिन प्लास्टिक की 15 लाख बोतलों को री-साइकल कर उस वेस्ट मटेरियल से फैशनेबल कपड़े बना रहे हैं।

पहले वेस्ट मटेरियल से कारपेट बनाना शुरू किया: के. शंकर ने आइआइटी से ग्रेजुएशन करने के बाद कई सालों तक विदेश में नौकरी की। वर्ष 2008 में वह भारत लौट आए और प्लास्टिक वेस्ट की समस्या पर काम करने लगे। उन्होंने अपनी कंपनी शुरू की जो इंडस्ट्री वेस्ट से कारपेट बनाने का काम करती थी।

प्लास्टिक की आठ बोतलों से बन जाता है एक शर्ट: वह प्लास्टिक की आठ बोतलों का उपयोग कर एक शर्ट और करीबन बीस बोतलों से एक जैकेट बनाते हैं। उनका दावा है कि यह ब्रांड ज्यादा मशहूर तब हुआ, जब फरवरी 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सस्टेनेबल ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए उनकी बनाई जैकेट पहनकर संसद में पहुंचे। उस जैकेट को प्लास्टिक की 25 बोतलों को री-साइकिल करके बनाया गया था। उन्होंने इसे संसद के साथ-साथ जापान और आस्ट्रेलिया में भी पहना था। इससे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तो पहचान मिली। साथ ही बिक्री भी बढ़ी।

कीमत 500 से 6000 रुपये तक

इनकी कीमत 500 से 6000 रुपये तक है। हर महीने 20,000 आर्डर मिल रहे हैं। टर्नओवर 12 करोड़ रुपये है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र व उप्र से मांग है।

****

फ्रांस के पेरिस में आइफिल टावर का किया गया उद्घाटन

1889 में आज ही के दिन पेरिस में आइफिल टावर का उद्घाटन किया गया था। यह उस समय दुनिया का सबसे ऊंचा टावर था। फ्रांसीसी इंजीनियर गुस्ताव आइफिल ने इसे डिजाइन किया था। इसका निर्माण 26 जनवरी, 1887 को शुरू हुआ था। 300 से अधिक इस्पात श्रमिकों ने इसे बनाया था।

अमेरिका में करोड़ों वर्ष पुराने जीवाश्म में मिला डायनासोर का भ्रूण

1989 में आज ही के दिन अमेरिका के ऊटा में 15 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्म में डायनासोर का भ्रूण मिला था। भ्रूण डायनासोर की हजारों हड्डियों के साथ पाया गया था, जिससे यह पुष्टि हुई कि भ्रूण मां के गर्भ में था। करोड़ों वर्ष पुराने जीवाश्म में किसी जीव का भ्रूण मिलने का यह पहला मामला था।

लोस अध्यक्ष का पद संभालने वाली पहली महिला हैं मीरा

मीरा कुमार का जन्म 1945 में आज ही बिहार के आरा में हुआ था। 1973 में भारतीय विदेश सेवा में प्रवेश किया और मारीशस, स्पेन और ब्रिटेन में सेवाएं दीं। 1985 में अपने पहले ही चुनाव में बिजनौर से रामविलास पासवान और मायावती को हराकर राजनीतिक सफर शुरू किया। वह दो बार केंद्रीय मंत्री और पांच बार सांसद भी रह चुकी हैं। 2009 में लोकसभा अध्यक्ष का पद संभालने वाली भारत की पहली महिला बनीं। मृदुभाषी मीरा अपने कार्यकाल में सत्तापक्ष के साथ विपक्ष में भी लोकप्रिय रहीं।

ल्यूपस का स्थायी इलाज नहीं, तेजी से करती है हमला

एम्स में आयोजित कार्यक्रम में रूमेटोलाजी के विशेषज्ञ डाक्टर ने कहा, इस बीमारी से महिलाएं नौ गुना अधिक पीड़ित

इस बीमारी से पीड़ित के सिर से लेकर शरीर का हर हिस्सा होता है प्रभावित

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

आटोइम्यून की बीमारी ल्यूपस इतनी तेजी से हमला करती है कि मरीज अचानक बेड पर आ जाता है। सिर से पांव तक प्रभावित करने वाली इस बीमारी से पहले नर्सिंग की अच्छी नौकरी थी। मरीजों का देखभाल करती थीं। अचानक ही बीमारी सामने आई और सब कुछ बदल गया। वे व्हील चेयर पर आ गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। धीरे-धीरे बीमारी में सुधार तो हुआ, लेकिन दैनिक कामकाज में परेशानी के कारण परिवार ने भी साथ छोड़ दिया। इस मुश्किल वक्त में दोस्तों ने सहारा दिया। तमाम शारीरिक परेशानियों के बावजूद इलाज और दृढ़ इच्छा शक्ति से वे फिर अपने पैरों पर खड़ी हुईं और अब नर्सिंग अधिकारी के रूप में सेवा दे रही हैं। यह कहानी है एम्स की एक नर्सिंग अधिकारी ममता पूनिया की, जो ल्यूपस की बीमारी के बावजूद अच्छा जीवन व्यतीत कर रही हैं।

अध्ययन में शामिल मरीजों में पाए गए थे ये लक्षण

ल्यूपस बीमारी के लक्षण। फाइल

- बुखार : 72.3 %
- बाल झड़ने की समस्या : 81.1 प्रतिशत
- मुंह में छाले : 56.7 %
- डिस्कोइड ल्यूपस (त्वचा पर सिक्के के आकार के लाल चकत्ते, जिसमें दर्द भी होता है) - 14.5 %
- सबएक्यूट क्यूटेनियस ल्यूपस (त्वचा पर फैले हुए लाल चकत्ते) : 10.9 %
- एक्यूट क्यूटेनियस ल्यूपस (चेहरे पर तितली जैसे दाने निकलने की परेशानी) - 52.5%
- कम से कम दो जोड़ों में सूजन व दर्द की परेशानी- 68.5 %
- यूरिन में प्रोटीन अधिक आने की समस्या- 39.9 %

एम्स में आयोजित एक कान्फ्रेंस में रूमेटोलाजी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डा. रंजन गुप्ता ने भी कहा कि ल्यूपस का कोई स्थायी इलाज नहीं है। बीमारी भी गंभीर है, लेकिन मरीज को हताश नहीं होना है। यदि बीमारी की पहचान कर जल्दी इलाज मिले तो मरीज को ठीक किया जा सकता है। परेशानियां होंगी, लेकिन दवाओं से उसे नियंत्रित किया जा सकता है और मरीज सामान्य जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इस बीमारी से पुरुषों के मुकाबले महिलाएं नौ गुना अधिक पीड़ित होती हैं। 14 से 45 वर्ष की महिलाओं को यह बीमारी अधिक होती है। इलाज में देरी परेशानी का कारण बनती है। इस बीमारी से सिर से लेकर शरीर का हर हिस्सा प्रभावित होता है। किडनी व हृदय सहित सभी महत्वपूर्ण अंगों पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। इलाज में देरी होने पर शुरुआती स्टेज में बीमारी की तीव्रता के कारण मरीज की जान जाने का भी खतरा होता है।

उन्होंने बताया कि देश भर के 10 अस्पतालों में ल्यूपस की बीमारी से पीड़ित ढाई हजार मरीजों पर शोध किया जा रहा है। अध्ययन के शुरुआती आठ महीने में 476 मरीज शामिल हुए हैं, जिसमें 37 पुरुष, 63 बच्चे व अन्य महिला मरीज शामिल हुए। उन मरीजों की औसत उम्र 27 वर्ष थी और औसतन 10 माह से उन्हें बीमारी थी। ल्यूपस से पीड़ित ज्यादातर मरीजों को शुरुआत में बुखार, मुंह में छाले, बाल झड़ने, त्वचा पर चकत्ते व यूरिन में प्रोटीन आने की समस्या देखी गई।

एक्स रे के दुष्प्रभाव से बचाएगा चाल्कोजेनाइड ग्लास

बीएचयू के भौतिक विज्ञान विभाग के विज्ञानियों ने सल्फर, सेलेनियम व टेल्यूरियम से तैयार किया मैटेरियल

संग्राम सिंह, वाराणसी

एक्स-रे, एमआरआइ, रेडियोथेरेपी और सीटी स्कैन की जांच के दौरान मरीजों को आए दिन मशीनों से निकलने वाली गामा किरणों का दुष्प्रभाव झेलना पड़ता है। शरीर के डीएनए व कोशिकाओं को किरणों के नुकसान से बचाने के लिए मशीनों में 'लेड ग्लास' का इस्तेमाल होता है। मशीनों की बढ़ी गुणवत्ता के चलते यह ग्लास अधिक प्रभावशाली नहीं रहा है। बीएचयू के भौतिक विज्ञान विभाग के विज्ञानियों ने सल्फर, सेलेनियम व टेल्यूरियम पदार्थ से 'चाल्कोजेनाइड ग्लास' मैटेरियल विकसित किया है। प्रोजेक्ट में भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर मुंबई ने सहयोग किया है, इस ग्लास को सोर्स (तरंग निकलने वाला स्थान) पर प्रयोग किया जाएगा, ताकि मानव को नुकसान नहीं पहुंचे। नए आविष्कार से विकिरण जोखिम दर को कम करने में मदद मिलेगी।

- डीएनए व कोशिकाओं को नुकसान से बचाने के लिए लेड ग्लास का इस्तेमाल
- इस आविष्कार से विकिरण के जोखिम दर को कम करने में मिलेगी मदद

प्रयोगशाला में तैयार किया गया चाल्कोजेनाइड ग्लास। सौ. बीएचयू

प्रो. नीरज मेहता ने बताया कि रेडिएशन के कारण डीएनए व ऊतकों को नुकसान पहुंचता है। कैंसर समेत तमाम खतरे बढ़ जाते हैं। ट्रायल में चाल्कोजेनाइड ग्लास के अच्छे परिणाम मिले हैं। ग्लास के परिरक्षण गुण अन्य परिरक्षण पदार्थों से बेहतर हैं। विकिरण सुरक्षा अनुप्रयोगों और कुशल परिरक्षण ग्लास पदार्थ से संबंधित शोध को यूएसए एल्सेवियर के जर्नल पर्यावरण केमिकल इंजीनियरिंग और सिरेमिक्स इंटरनेशनल ने प्रकाशित किया है। बता दें कि गामा किरणें व एक्सरे मानव शरीर से गुजरने में सक्षम हैं। जोखिम से बचने के लिए विकिरण परिरक्षण का उपयोग होता है। विकिरण से उत्सर्जित होने वाली गामा किरणें व एक्सरे को उसके निकट काम करने वालों के पास पहुंचने से रोकता है। परिरक्षण विशिष्ट माध्यम से ऊर्जा की तीव्रता में कमी करती है। जब एक्सरे व गामा किरणें परिरक्षण पदार्थ से गुजरती हैं तो उनकी तीव्रता कम हो जाती है और वे अवशोषित हो जाती हैं, जिससे विकिरण से होने वाला जोखिम कम होता है। विकिरण परिरक्षण पदार्थ कई अनुप्रयोगों में मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाते हैं।

चाल्कोजेनाइड ग्लास में आवर्त सारणी के 'समूह-16' के तत्वों की होती प्रधानता

प्रो. नीरज।

प्रो. नीरज ने बताया कि चाल्कोजेनाइड ग्लास आक्सीजन रहित अकार्बनिक ग्लास है, जिनमें आवर्त सारणी के 'समूह-16' के तत्वों की प्रधानता होती है। यह ग्लास अद्वितीय गुणों और बहुमुखी अनुप्रयोगों से पदार्थ विज्ञान में कार्यरत विज्ञानियों के बीच मशहूर है। प्रोजेक्ट में प्रो. ज़ियाद खत्री, भौतिकी विभाग हाशमाइट विश्वविद्यालय जार्डन, डा. एसडी शर्मा, रेडियोलाजिकल भौतिकी व सलाहकार प्रभाग भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र मुंबई ने सहयोग किया है।

एचएयू विज्ञानियों ने पहली बार खोजी मटर की नई बीमारी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मटर की नई बीमारी व इसके कारक जीवाणु कैंडिडेट्स फाइटोप्लाज्मा एस्टेरिस (16 एसआर 1) की खोज की है। पौधों में नई बीमारी को मान्यता देने वाली अमेरिकन फाइटोपैथोलाजिकल सोसायटी (एपीएस), यूएसए द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित जर्नल प्लांट डिजीज में वैज्ञानिकों की इस नई बीमारी की रिपोर्ट को प्रथम शोध रिपोर्ट के रूप में जर्नल में स्वीकार कर मान्यता दी है।

अमेरिकन फाइटोपैथोलाजिकल सोसायटी (एपीएस) पौधों की बीमारियों के अध्ययन के लिए सबसे पुराने अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठनों में से एक है। जो विशेषतः पौधों की बीमारियों पर विश्वस्तरीय प्रकाशन करती है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानी डा. जगमोहन का दावा है कि वह इस बीमारी की खोज करने वाले सबसे पहले विज्ञानी हैं।

पटना शुक्ला ✪✪८

फिल्म रिव्यू

मुख्य कलाकार : रवीना टंडन, मानव विज, सतीश कौशिक, चंदन राय सान्याल, जत्ति गोस्वामी, अनुष्का कौशिक
निर्देशक : विवेक बुड़ाकोटी अवधि : दो घंटे पांच मिनट

कहना कुछ था, कह कुछ और गई फिल्म

इस कोर्टरूम ड्रामा फिल्म की कहानी सुस्त संवादों के ट्रैक पर रेंगती है। सौ. : फिल्म टीम

शिक्षा व्यवस्था में घोटालों पर पिछले कुछ वर्षों में वेब सीरीज शिक्षा मंडल, फिल्में व्हाई चीट इंडिया और सेटर्स आई हैं। फिल्म पटना शुक्ला भी ऐसे ही विषय के आसपास कई मुद्दे लिए घूमती है।

कहानी शुरू होती है पटना जिला न्यायलय में वकील तन्वी शुक्ला (रवीना टंडन) से, जो अच्छी पत्नी और मां है। पति सिद्धार्थ शुक्ला (मानव विज) सरकारी नौकरी करता है। विश्वविद्यालय की छात्रा रिंकी कुमारी (अनुष्का कौशिक) एक दिन तन्वी के पास आती है। वह बीएससी अंतिम वर्ष की परीक्षा में फेल हो गई है। उसके अनुसार, उसके 60 प्रतिशत से अधिक अंक आने चाहिए थे। रिक्शा चालक की बेटी रिंकी अपनी कापी पुनर्मूल्यांकन के लिए खुलवाना चाहती है। तन्वी उसका मुकदमा लड़ती है। कोर्ट में उसका सामना विश्वविद्यालय के वकील नीलकंठ मिश्रा (चंदनराय सान्याल) से होता है। क्लाइमेक्स में एक राज से पर्दा भी उठता है।

फिल्म में सतीश कौशिक के पात्र का तकियाकलाम है कि संतुलन बने रहना चाहिए। हालांकि फिल्म में संतुलन की ही कमी सबसे अधिक है। लेखक विवेक बुड़ाकोटी, समीर अरोड़ा, फरीद खान मिलकर भी कोर्ट रूम ड्रामा और पुरुष सत्तात्मक समाज में अपनी जगह तलाशती महिला के बीच कहानी का संतुलन नहीं बना पाए। वे रिजल्ट और रोल नंबरों के साथ हो रही धांधली की गहराई में नहीं जाते।

इस कोर्टरूम ड्रामा फिल्म की कहानी सुस्त संवादों के ट्रैक पर रेंगती रहती है। बाहुबली व ताकतवर नेताओं से अकेले लड़ने वाली तन्वी कब पटना शुक्ला के नाम से प्रख्यात हो जाती है, न उसे पता चलता है, ना ही दर्शकों को।

यह फिल्म मध्यमवर्गीय परिवार और कामकाज की जगह पर पुरुषों के बीच संघर्ष करने वाली महिला की कहानी बनकर रह जाती है। सिद्धार्थ का अपने दोस्तों के सामने यह कहना कि तन्वी एफिडेविट अच्छा बना लेती है, जज का तन्वी को सुझाव देना कि रेस्तरां खोल लीजिए, आपका हुनर भिंडी, तोरी, टिंडा और दालों में है, दलीलों में नहीं... और कोर्ट में कुछ पुरुष वकीलों का तन्वी को स्कूटी पर देखकर यह कहना कि इनसे ही तो रौनक बनी रहती है, उस समाज की तस्वीर पेश करते हैं, जहां महिलाओं की प्रतिभा को पुरुषों से कम आंका जाता है। जिम्मेदारी के बोझ तले दबी मध्यमवर्गीय पेशेवर महिला की जिद्दोजहद को रवीना ने दर्शाया है। अच्छे पति के रोल में मानव जंचते हैं। दिवंगत सतीश कौशिक जज की भूमिका में संतुलित अभिनय से प्रभावित करते हैं।

प्रियंका सिंह

✪✪✪✪✪ उत्कृष्ट ✪✪✪✪ बहुत अच्छी ✪✪✪ अच्छी ✪✪ औसत ✪ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

इधर-उधर की

एक साल में इडली पर खर्च किए 7.3 लाख रुपये

हैदराबाद का है इडली का शौकीन स्विगी यूजर। इंटरनेट मीडिया

नई दिल्ली, आइएएनएस : दक्षिण भारतीय व्यंजन इडली काफी लोगों को प्रिय होता है लेकिन हैदराबाद के एक व्यक्ति की इडली के प्रति दीवानगी कुछ ऐसी है कि उसने इडली पर साल भर में 7.3 लाख रुपये खर्च कर दिए। आनलाइन फूड डिलीवर करने वाली कंपनी स्विगी ने विश्व इडली दिवस के उपलक्ष्य में यह जानकारी दी है। हालांकि कंपनी ने व्यक्ति का नाम उजागर नहीं किया है। कंपनी ने बताया कि इडली प्लेटफार्म पर दूसरा सबसे ज्यादा आर्डर किया जाने वाला नाश्ता है। इसे सबसे ज्यादा सुबह 8 से 10 बजे के बीच आर्डर किया गया। वहीं, सबसे ज्यादा आर्डर बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई से किए गए।

डायबिटीज पीड़ित 65 से अधिक आयु वालों के लिए ओवरवेट होना अच्छा

अनुसंधान

स्वस्थ रहने के लिए अपने वजन पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसा न हो तो डायबिटीज, हृदय रोग सहित अन्य परेशानियां सामने आने लगती हैं। लेकिन एक नए शोध में सामने आया है कि अगर आप डायबिटीज से पीड़ित हैं और आपकी उम्र 65 साल से अधिक है तो थोड़ा ओवरवेट होना आपके हृदय के लिए अच्छा है। इससे हृदय संबंधी बीमारी से मरने का खतरा कम हो जाता है। लेकिन आपको इतना वजन नहीं बढ़ाना है, जिससे आप काफी मोटे हो जाएं।

इस अध्ययन में ब्रिटेन के बायोबैंक के स्वास्थ्य डेटा का प्रयोग किया गया है। निष्कर्ष बताते हैं कि 65 वर्ष या उससे कम उम्र के वयस्कों के लिए 23-25 सीमा के भीतर बाडी मास इंडेक्स (बीएमआइ) हृदय रोग से मौत के सबसे कम जोखिम से जुड़ा है। वहीं, 65 वर्ष से अधिक उम्र वालों में 26-28 बीएमआइ के साथ थोड़ा ओवरवेट होना हृदय रोग से मौत के जोखिम को कम करता है। चीन के हुबेई यूनिवर्सिटी आफ आर्ट्स एंड साइंस के डा. शाओयोंग जू ने कहा कि टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए बीएमआइ सामान्य लोगों के कार्डियो-मेटाबोलिक जोखिम कारकों से अलग होता है।

प्रतीकात्मक फोटो

इस बारे में उन्होंने कहा कि सामने आए निष्कर्षों से पता चलता है कि बुजुर्गों के लिए जिनका वजन सामान्य से अधिक है, लेकिन वे मोटे नहीं हैं, उनके लिए वजन कम करने के बजाय उसे उसी स्तर पर बनाए रखना हृदय रोग से मरने के जोखिम को कम करने में सहायक साबित होगा। इसे मरीजों को ध्यान रखना होगा।

नेपाल में जीवित देवी की पूजा...

नेपाल में काठमांडू के बाहरी इलाके भक्तपुर में अनुष्ठान के दौरान 'जीवित देवी' के रूप में प्रतिष्ठित कुमारी की पूजा करती श्रद्धालु। कन्या को देवी का दर्जा दिए जाने से पहले कई अनुष्ठान किए जाते हैं, जिनमें जानवरों की बलि दिए जाने की भी प्रथा है। जीवित देवी तीन पूर्व शाही साम्राज्य काठमांडू, पाटन और भक्तपुर का प्रतिनिधित्व करती है और कुमारी चुनने की प्रथा भी शाही परिवारों से जुड़ी है। शाही शासन समाप्त होने के बाद भी यह परंपरा अब भी बरकरार है। एएफपी

स्क्रीन शाट

...तो राकी भाई की बहन बनेंगी करीना

दक्षिण भारतीय फिल्मों की ओर हिंदी सिनेमा के कलाकारों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। जहां एक ओर यहां के कलाकार, दक्षिण भारतीय फिल्मकारों के साथ काम करने के लिए बेताब हैं, तो वहीं खबरें आ रही हैं कि अब अभिनेत्री करीना कपूर भी दक्षिण भारतीय फिल्मों में दिलचस्पी दिखा रही हैं। फिल्मकार गीतू मोहनदास की आगामी फिल्म टाक्सिक के लिए केजीएफ फिल्म के राकी भाई यानी अभिनेता यश का नाम पहले ही फाइनल हो चुका है। इस फिल्म की अभिनेत्री के लिए बालीवुड अभिनेत्रियों में करीना और कियारा आडवाणी दोनों का ही नाम सामने आ रहा था। अब लग रहा है कि दोनों ही फिल्म का हिस्सा होंगी, क्योंकि करीना इस फिल्म में यश की प्रेमिका नहीं, बल्कि उनकी बहन के रोल में होंगी। फिल्म से जुड़े सूत्रों का कहना है कि टाक्सिक फिल्म की कहानी भाई-बहन के अटूट रिश्ते पर बन रही है। करीना और यश ऐसे भाई-बहन के रोल में हैं, जिन्हें एकदूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है। मेकर्स को यश की बहन के रोल में करीना ही फिट लग रही थीं। उनका रोल भी फिल्म में काफी पावरफुल होगा। ऐसे अवतार में अब तक करीना को नहीं देखा गया होगा। हालांकि करीना का अब भी फिल्म को लेकर हामी भरना बाकी है। अगर करीना हां करती हैं, तो दक्षिण भारतीय फिल्मों में उनका भी आगमन होगा। अभिनेता यश रोल के लिए तैयारियां शुरू कर चुके हैं। केजीएफ : चैप्टर 2 की रिलीज के दो साल बाद वह अपनी नई फिल्म पर काम आरंभ कर रहे हैं। टाक्सिक फिल्म को हिंदी और कन्नड़ में रिलीज करने की योजना है।

दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं करीनाकपूर खान। फाइल >>

चंदू चैंपियन के बाद कार्तिक आर्यन के हाथ आई अर्जुन उस्तरा

फिल्मकार अपनी फिल्मों के शीर्षक कुछ इस तरह तय करते हैं कि वह कहानी और किरदारों के बारे में बताने के साथ-साथ दर्शकों के लिए आकर्षक भी हो। फिल्मकार विशाल भारद्वाज ने कार्तिक आर्यन के साथ बन रही अपनी अगली फिल्म का नाम कुछ ऐसे ही चुना है। इस फिल्म का नाम होगा अर्जुन उस्तरा। दरअसल, हाल ही में खबरें आई थी कि विशाल के निर्देशन में कार्तिक पहली बार काम करने जा रहे हैं। कार्तिक व विशाल के बीच हुई बातचीत के परिणाम सकारात्मक रहे और अब दोनों, फिल्म को अगले चरण पर लेकर जाने की बातचीत कर रहे हैं। निर्माताओं की योजना इस साल दीवाली तक इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर देने की है। फिलहाल फिल्म के लिए सही अभिनेत्री की तलाश जारी है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, विशाल की योजना इस फिल्म को कोरोना काल से पहले ही अभिनेता इरफान के साथ बनाने की थी। फिर फिल्म को ठंडे बस्ते में डालना पड़ा। अब विशाल ने कार्तिक के साथ इस फिल्म पर एक बार फिर काम शुरु कर दिया है। इरफान और कार्तिक की उम्र तथा अभिनय शैली में अंतर को देखते हुए फिल्म की स्क्रिप्ट में भी कुछ बदलाव किए गए हैं।

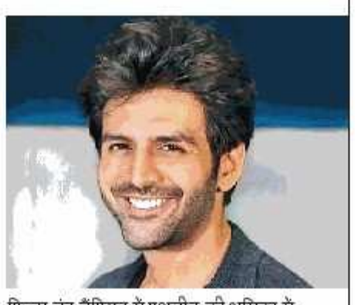

फिल्म चंदू चैंपियन में एथलीट की भूमिका में दिखेंगे कार्तिक आर्यन। फाइल

इसलिए स्वयं को कमर्शियल निर्देशक मानते हैं राम माधवानी

किसी खास विधा या शैली की कहानियों को लेकर फिल्मकारों की सहजता होती है, वह ज्यादातर उसी शैली में प्रोजेक्ट्स बनाना पसंद करते हैं। नीरजा और धमाका फिल्मों के निर्देशक राम माधवानी का ध्यान ज्यादातर कहानी प्रधान फिल्मों पर रहा है। हालांकि, फिर भी वह स्वयं को कमर्शियल निर्देशकों की सूची में गिनते हैं। वेब सीरीज आर्या के निर्देशक राम का इस बारे में कहना है, 'जब सोनम (अभिनेत्री सोनम कपूर) मेरे साथ फिल्म नीरजा कर रही थी, तो उन्होंने मुझसे कहा था कि राम मैंने अब तक जितने भी निर्देशकों के साथ काम किया है, आप उनमें से सबसे कमर्शियल निर्देशक हैं। मेरा नजरिया कमर्शियल फिल्मों को लेकर यह है कि मेरा काम ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचे। वेब सीरीज आर्या हो या नीरजा तथा धमाका फिल्में, इन सारे प्रोजेक्ट्स से मेरा काम लाखों लोगों के बीच पहुंचा है। मेरे प्रोजेक्ट्स में कंटेंट के साथ पर्याप्त ड्रामा और इमोशन भी होते हैं। इसका मतलब वह कहानी प्रधान होने के साथ-साथ कमर्शियल भी होगा। अपने प्रोजेक्ट्स के माध्यम से मेरी कोशिश सिर्फ दर्शकों के दिल तक ही नहीं, बल्कि दिमाग तक भी पहुंचने की होती है।'

फिलहाल वेब सीरीज वेकिंग आफ द नेशन पर काम कर रहे हैं राम

जो भी हो जाए अपनी यह आदत नहीं बदल सकती हैं तब्बू

निर्देशन करने की भी इच्छा रखती हैं तब्बू

कुछ आदतें कभी नहीं बदलती है, फिर व्यक्ति कितना ही व्यस्त क्यों न हो। अभिनेत्री तब्बू की भी एक आदत है, जिसे वह नहीं बदलना चाहती हैं। वह बताती हैं कि कम ही लोग जानते हैं कि मैं अच्छा लिखती हूं। इसका प्रयोग मैं खुद को व्यक्त करने के लिए करती हूं। यह एक ही चीज है, जो जिंदगी में शुरू से अब तक मेरे साथ चल रही है। मैं भले ही अभिनय करूं न करूं, लेकिन लिखती जरूर रहती हूं। कलम का साथ मैं कभी छोड़ना नहीं चाहूंगी। कई बार व्यस्त होने की वजह से जब नहीं लिख पाती हूं, तो फिर सब जगह से ध्यान हटाकर फिर लेखन की ओर ले आती हूं। लिखने की प्रतिभा क्या उन्हें कभी निर्देशन की ओर ले जाएगी? इस पर तब्बू कहती हैं कि पता नहीं निर्देशन करूंगी या नहीं। कहानी अच्छी मिल गई, तो सोचूंगी। लेकिन मैं किसी फीचर फिल्म का निर्देशन नहीं करना चाहूंगी। मुझमें इतनी हिम्मत नहीं है। कोई छोटी सी कहानी का निर्देशन करना चाहूंगी। मैंने जिंदगी में कभी कुछ योजना बनाकर नहीं किया है। मैं फिल्म बैकग्राउंड से नहीं रही हूं कि मुझे पता था कि कैसे करियर को डिजाइन करना है। मेरे करियर के सफर में चीजें होती गईं और समझ के अनुसार मैं काम करती रही। मैंने कभी तय नहीं किया कि फलां निर्देशक के साथ ही काम करना है। हमारे पेशे में वह सुविधा नहीं है कि यह काम करूंगी, वह काम नहीं। यही खूबसूरती भी है कि हर अनुभव एकदूसरे से अलग है। जब मुझे नए तरीके का काम मिलता है, तो लगता है नई जिंदगी मिल गई है।

****